वार्षिक प्रतिवेदन

2010-2011

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
नई दिल्ली - 110058
पुस्तकालय

योऽनूचानः स नो महान्।

राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

(मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के अधीन)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली - 110058

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के तत्त्वावधान में संस्थापित

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
नई दिल्ली - 110058
पुस्तकालय

वार्षिक प्रतिवेदन

2010-2011

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058

प्रकाशक:
कुल-सचिव,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानित विश्वविद्यालय)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058
ईपीएबीएक्स : 28524993, 28521994, 28524995
तार : संस्थान
ई मेल : rsks@nda.vsnl.net.in
वेबसाईट : www.sanskrit.nic.in

विषय-सूची

		पृष्ठ
1.	**पर्यवलोकन**	**7-10**
1.1	संस्था	7
1.2	भूमिका एवं कार्य	7
1.3	कार्यक्रम तथा क्रियाकलाप	8
1.4	अध्यापन	8
1.5	शिक्षक-प्रशिक्षण	8
1.6	शोध	8
1.7	आंतरिक छात्रवृत्ति	8
1.8	प्रकाशन	10
2.	**कुलपति के विषय में**	**11**
3.	**2010-2011 के दौरान उपलब्धियाँ**	**12**
4.	**2010-2011 के दौरान राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान की अनुपम उपलब्धियाँ**	**13**
5.	**संरचना एवं क्रियाकलाप**	**14-18**
6.	**अनुभाग**	**19-38**
6.1	शैक्षणिक अनुभाग	19
6.2	शोध एवं प्रकाशन अनुभाग	19
6.3	शोध एवं उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्ति अनुभाग	21
6.4	पत्राचार पाठ्यक्रम तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण अनुभाग	22
6.5	परीक्षा अनुभाग	26
6.6	प्रशासन अनुभाग	27
6.7	वित्त अनुभाग	28
6.8	योजना अनुभाग	29
6.9	पालि एवं प्राकृत	32
6.10	परियोजनाएँ	34
6.11	पुस्तकालय एवं विक्रय इकाई	35
6.12	मुक्त स्वाध्यायपीठम्	36
7.	**परिसर**	**39-78**
7.1	श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश)	40
7.2	श्री सदाशिव परिसर, पुरी (उड़ीसा)	45

7.3	श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)	47
7.4	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरल)	49
7.5	जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)	58
7.6	लखनऊ परिसर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	60
7.7	श्री राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी (कर्नाटक)	64
7.8	गरली परिसर, गरली (हिमाचल प्रदेश)	68
7.9	भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश)	70
7.10	के.जे. सौमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)	75
8.	**योजनाएँ**	**79-86**
8.1	संस्कृत के प्रोन्नयन हेतु स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों, संस्थाओं तथा पाठशालाओं को वित्तीय सहायता	79
8.2	अखिल भारतीय संस्कृत वाक्-स्पर्धा	81
8.3	शास्त्रचूडामणि योजना	81
8.4	व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना	82
8.5	संस्कृत शब्दकोश परियोजना	82
8.6	संस्कृत, पालि/प्राकृत, अरबी और फ़ारसी विद्वानों को राष्ट्रपति सम्मान प्रमाण-पत्र प्रदान करने की योजना	83
8.7	संस्कृत वाङ्मय सृजन योजना	83
8.8	ग्रन्थ क्रय योजना	84
8.9	आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों के रूप में मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु योजना	84
8.10	शोध एवं उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियाँ प्रदान करने हेतु योजना	85
8.11	असहाय परिस्थितियों वाले प्रसिद्ध संस्कृत पंडितों को सम्मान-राशि देने की योजना	86
9.	**वर्ष 2010-11 की प्रमुख गतिविधियाँ**	**87-109**
9.1	वाडंमयी भाषा अनुशीलन केन्द्र	87
9.2	संस्कृत सप्ताहोत्सव	87
9.3	हिन्दी पखवाड़ा	92
9.4	स्थापना दिवस	92
9.5	कौमुदी महोत्सव	93
9.6	अखिल भारतीय संस्कृत नाट्योत्सव	97
9.7	युवा महोत्सव	99
9.8	विश्व संस्कृत पुस्तक मेला	101
9.9	अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा एवं शलाका परीक्षा	103
9.10	अन्तर्राष्ट्रीय प्राकृत संगोष्ठी	105
9.11	उत्तर-पूर्व सम्मेलन	106
9.12	i. पाण्डुलिपि संरक्षण पर कार्यशाला	108
	ii. लखनऊ में पालि कार्यशाला	108
9.13	SARIT के साथ अन्तराष्ट्रिय MOU	108
9.14	विशेष व्याख्यानमाला	108
		109

10.	**संलग्नक**	**110–176**
	क. प्रबन्ध-मण्डल के सदस्यों की सूची	110
	ख. वित्त-समिति के सदस्यों की सूची	112
	ग. संकाय-सदस्यों का परिसर-वार विवरण	114
	घ. विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि प्राप्त शोध छात्रों का विवरण	123
	ङ. सम्बद्ध संस्थाएँ	126
	च. परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारें	134
	छ. परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालय	137
	ज. मुख्यालय में अनुभागवार कार्यरत स्टाफ संख्या	143
	झ. वार्षिक अनुदान स्वीकृत स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों की राज्य-वार संख्या का विवरण	145
	ञ. वित्तीय सहायता से प्रकाशित प्रकाशनों का विवरण	146
	ट. प्रकाशन अनुदान हेतु संस्वीकृत प्रस्तावों का विवरण	148
	ठ. वार्षिक अनुदान प्राप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों का विवरण	149
	ड. वर्ष 2010–11 की लेखा-परीक्षा रिपोर्ट तथा लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखे	152

1. पर्यवलोकन

1.1 संस्था

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (इसमे इसके बाद इसे संस्थान कहा जाये) की संस्थापना अक्टूबर, 1970 में, सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम 1860 (1860 का अधिनियम XXI) के अन्तर्गत पंजीकृत एक स्वायत्त संगठन के रूप में, पूरे देश में संस्कृत के समग्र विकास तथा प्रोन्नयन हेतु हुई। अपने निर्माण काल से ही यह भारत-सरकार द्वारा पूर्णरूपेण निधि प्रदत्त है। यह संस्कृत के प्रसार तथा विकास हेतु शीर्ष निकाय के रूप में कार्यरत है तथा संस्कृत अध्ययन के विकास हेतु, विभिन्न योजनाओं तथा कार्यक्रमों के निर्माण तथा कार्यान्वयन में मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की सहायता करता है। संस्कृत भाषा के प्रतिरक्षण, प्रसार तथा विकास और इसके सभी पक्षों की शिक्षा हेतु, 1956 में भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय द्वारा स्थापित संस्कृत आयोग के विभिन्न संस्तुतियों के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु इसने एक केन्द्रीय अभिकरण के रूप में निभाई है।

संस्थान के पारम्परिक संस्कृत शिक्षण के संवर्धन और सम्प्रसारण के क्षेत्र में योगदान, इसके श्रेष्ठ प्रकाशनों और इसके द्वारा 50,000 से भी अधिक दुर्लभ संस्कृत पाण्डुलिपियों के संरक्षण तथा प्रबन्धन को महत्त्व देते हुए भारत सरकार ने इसे 7 मई, 2002 से प्रभावी, मानित विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया है, जो अधिसूचना संख्या एफ. 9-28/2000 यू 3 के अन्तर्गत है तथा जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अधिसूचना संख्या एफ 6-31/2001 (सी.पी.पी.-1), दिनांक 13 जून 2002 से अनुगत किया गया है।

मानित विश्वविद्यालयों की पुनरीक्षण योजना के अन्तर्गत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) ने संस्थान के मुख्यालय एवं संस्थान के सभी परिसरों का निरीक्षण किया। संस्थान द्वारा शैक्षणिक स्तर को बनाए रखने की भूमिका को सराहा है और आगे मानित विश्वविद्यालय की स्थिति की संस्तुति की।

1.2 भूमिका एवं कार्य

संस्था के बहिर्नियम में निर्देशित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्य उद्देश्य संस्कृत शिक्षण और शोध का प्रसारण, विकास व प्रोत्साहन है जिनका पालन करते हुए;

i. संस्कृत विद्या की सभी विधाओं में शोध का आरम्भ, अनुदान, प्रोत्साहन तथा संयोजन करना है, साथ-साथ शिक्षक-प्रशिक्षण तथा पाण्डुलिपि विज्ञान आदि को भी संरक्षण देना है जिससे पाठमूलक प्रासंगिक विषयों के साथ आधुनिक शोध के निष्कर्ष का सम्बन्ध स्पष्ट किया जा सके तथा इनका प्रकाशन हो सके।

ii. देश के विविध भागों में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों की स्थापना, अधिग्रहण तथा संचालन करना एवं समान उद्देश्यों वाली अन्य संस्थाओं को संस्थान से संबद्ध करना।

iii. केन्द्रीय प्रशासनिक निकाय के रूप में सेवा करते हुए इसके द्वारा स्थापित अथवा अधिगृहीत समस्त केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों का प्रबंधन तथा उनकी शैक्षणिक गतिविधियों में अधिकाधिक प्रभावी सहयोग करना जिससे विशिष्ट क्षेत्रों में विद्यापीठों के बीच कर्मचारियों, छात्रों व शोध तथा राष्ट्रीय कार्य-विभाजन के अन्तर्विनिमय और स्थानान्तरण को सुसाध्य एवं तर्कसंगत बनाया जा सके।

iv. संस्कृत के संवर्धनार्थ भारत सरकार के केन्द्रीय अभिकरण के रूप में उनकी नीतियों एवं योजनाओं को लागू करना।

v. उन शैक्षणिक शाखाओं में अनुदेश एवं प्रशिक्षण का प्रबन्ध करना जिन्हें संस्थान उचित मानती हो।

vi. शोध एवं ज्ञान के प्रसार हेतु समुचित मार्गदर्शन एवं व्यवस्था करना।

vii. अतिरिक्त प्राचीर अध्ययन, विस्तारित कार्यक्रमों तथा सम्बन्धित दूरस्थ क्रिया-कलापों का उत्तरदायित्व लेकर समाज के विकास को योगदान देना।

viii. इनके अतिरिक्त उन सभी उत्तरदायित्वों एवं कार्यों का निष्पादन करना जो संस्थान के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक या अभीष्ट हों।

ix. पालि एवं प्राकृत भाषाओं को प्रोत्साहन देना।

1.3 कार्यक्रम तथा क्रियाकलाप

संस्थान अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निम्नलिखित प्रमुख कार्यक्रमों और क्रियाकलापों में कार्यरत है:

- विभिन्न राज्यों में परिसरों की स्थापना।
- माध्यमिक, पूर्वस्नातक, स्नातक, स्नातकोत्तर स्तरों पर परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षण तथा डाक्टरेट की उपाधि के स्तर पर शोध का संचालन करना।
- स्नातक अर्थात् शिक्षा शास्त्री (बी.एड.) स्तर पर शिक्षक प्रशिक्षण का संचालन करना।
- संस्कृत के विभिन्न क्षेत्रों में शोध-कार्य का संचालन व समन्वयन।
- उभयनिष्ठ अभिरुचि वाली संयुक्त परियोजनाओं के प्रायोजन में अन्य संगठनों से सहयोग।
- संस्कृत पुस्तकालयों, पाण्डुलिपि संग्रहालयों की स्थापना और दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों का सम्पादन तथा प्रकाशन।
- स्वीकृत निर्धारित पाठ्यक्रम/शोध को संतोषजनक रूप से पूर्ण करके निर्धारित परीक्षाएँ उत्तीर्ण करने वाले व्यक्तियों को उपाधियाँ प्रदान करना और डिप्लोमा/प्रमाण-पत्र देना।
- विज़िटरशिप, फेलोशिप, छात्रवृत्तियाँ, वज़ीफे, पुरस्कार तथा पदकों का संस्थापन एवं उन्हें प्रदान करना।
- दूरस्थ शिक्षा-कार्यक्रमों का संचालन।
- संस्कृत, पालि तथा प्राकृत के प्रोन्नयन हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की योजनाओं का कार्यान्वयन।

1.4 अध्यापन

संस्थान के अपने दस परिसरों में, संस्थान द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम के आधार पर प्राक्शास्त्री से आचार्य स्तर तक शिक्षण का संचालन किया जाता है तथा संस्थान से सम्बद्ध संस्थाओं में प्रथमा से आचार्य तक शिक्षण का प्रबन्ध किया जाता है। विद्यालय स्तर पर संस्थान अंग्रेजी, हिन्दी तथा अन्य आधुनिक विषय जैसे इतिहास, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, गृहविज्ञान और गणित आदि के लिए सी.बी.एस.ई. के पाठ्यक्रमों का अनुसरण करता है। शास्त्री-स्तर पर हिन्दी और अंग्रेजी जैसे आधुनिक विषयों के लिए सामान्यतया दिल्ली विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों का अनुसरण किया जाता है।

स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा संचालित और संस्थान से सम्बद्ध संस्कृत संस्थाएँ भी उसी पाठ्यक्रम के साथ शिक्षण प्रदान करती हैं। सभी परिसरों में संस्कृत शिक्षा की आधुनिक प्रणाली के छात्रों को परम्परागत प्रणाली में सम्मिलित होने की सुविधा देने हेतु प्राक्शास्त्री नामक + 2 स्तर का द्विवर्षीय मध्यवर्ती पाठ्यक्रम है।

1.5 शिक्षक-प्रशिक्षण :

परिसरों में शिक्षण अभ्यास पर बल देते हुए एक शैक्षिक वर्ष हेतु शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का संचालन किया जाता है, जिसमें बी.एड के समकक्ष शिक्षा-शास्त्री की उपाधि प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, एम. एड. के समकक्ष शिक्षा आचार्य उपाधि पाठ्यक्रम का संचालन जयपुर परिसर में किया जाता है।

1.6 शोध :

गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद, कुछ चयनित शाखाओं में मात्र शोध-गतिविधियों हेतु पूर्ण समर्पित है। हालांकि, सभी परिसरों में शोध हेतु छात्रों का पंजीकरण होता है और इसके सफल समापन पर उन्हें पी-एच.डी. के समकक्ष विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की जाती है।

तथापि गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद विशेष रूप से चयनित शाखाओं में अनुसंधान गतिविधियों को समर्पित है। परिसर का पुस्तकालय देश के सबसे उच्च पुस्तकालयों में से एक है। पुस्तकालय में 56 हजार से अधिक दुर्लभ पाण्डुलिपियों का संग्रह है। यह भी पुस्तकालय में सरंक्षित है।

1.7 आन्तरिक छात्रवृत्ति :

छात्रों को संस्कृत शिक्षण के साथ-साथ संस्कृत की विविध विधाओं में गहन अध्ययन हेतु आकर्षित तथा प्रोत्साहित करने की दृष्टि से संस्थान अपने परिसरों में सभी पाठ्यक्रमों तथा शोध के लिए योग्य छात्रों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है। प्राक्शास्त्री, शास्त्री, शिक्षा-शास्त्री तथा आचार्य पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों हेतु परिवर्धित छात्रवृत्ति क्रम से 300 रुपये, 400 रुपये, 400 रुपये तथा 500 रुपये प्रतिमास है। विद्यावारिधि उपाधि के प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील शोध में जुटे विद्वानों को 3000 रुपये की छात्रवृत्ति दी जाती है, साथ ही दो वर्षों के लिए 2000 रुपये वार्षिक निरंतरता अनुदान भी दिया जाता है। निम्नलिखित तालिका वर्ष 2010-11 में छात्रों को दी गई छात्रवृत्तियों का विवरण दर्शाती है :

		कक्षा									
		प्राक् शास्त्री		शास्त्री			शिक्षा शास्त्री	आचार्य		विद्या-वारिधि	शिक्षा आचार्य
क्रम.सं.	परिसर	I	II	I	II	III	-	I	II		
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर इलाहाबाद	–	–	–	–	–	–	–	–	14	–
2.	श्री सदाशिव परिसर पुरी	30	30	50	41	38	50	124	117	04	–
3.	श्री रणवीर परिसर जम्मु	27	06	24	18	25	48	13	12	–	17
4.	गुरुवायूर परिसर त्रिचुर	30	14	44	21	29	50	31	24	01	–
5.	जयपुर परिसर जयपुर	30	30	60	60	60	50	57	41	14	14
6.	लखनऊ परिसर लखनऊ	24	05	25	19	12	50	40	28	–	–
7.	श्री राजीव गांधी परिसर श्रृंगेरी	48	37	33	35	28	49	32	40	08	–
8.	गरली परिसर गरली	18	06	18	41	50	–	18	19	08	–
9.	भोपाल परिसर भोपाल	22	13	38	11	26	50	28	23	03	–
10.	के.जे.सौमैया सं. वि. परिसर मुम्बई	04	02	02	07	04	28	03	01	01	–
योग		**233**	**143**	**294**	**253**	**272**	**375**	**346**	**305**	**53**	**31**

कुल योग - 2305

छात्रवृत्ति प्रदान किये गए छात्रों, छात्राओं तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ावर्ग के छात्रों की कक्षावार संख्या निम्नलिखित है–

कक्षा	योग	पुरुष	स्त्री	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग
प्राक् शास्त्री-I	233	159	74	11	14	21
प्राक् शास्त्री-II	143	60	53	16	08	13
शास्त्री-I	294	196	98	16	12	35
शास्त्री-II	253	158	95	24	09	33
शास्त्री-III	272	165	107	14	06	26

कक्षा	कुल योग	पुरुष	स्त्री	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग
शिक्षा शास्त्री	375	266	109	29	10	60
आचार्य-I	346	161	185	27	07	60
आचार्य-II	305	135	170	13	05	71
शिक्षा आचार्य	31	25	06	-	-	04
विद्यावारिधि	53	39	14	02	-	10
कुल योग	**2305**	**1394**	**911**	**252**	**71**	**333**

1.8 प्रकाशन :

शोध पत्रिकाएँ

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान 'संस्कृत विमर्शः' और 'गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद पत्रिका' नामक दो शोध पत्रिकाएँ प्रकाशित करता है। जबकि पहली पत्रिका संस्थान के मुख्यालय द्वारा प्रकाशित होती है, दूसरी गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद द्वारा प्रकाशित की जाती है। इनके अतिरिक्त, परिसरों से वार्षिक साहित्यिक पत्रिकाएं भी प्रकाशित की जाती हैं।

भोपाल एवं जयपुर परिसर ने अपनी वार्षिक पत्रिका का उन्नयन कर शोध-पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया है।

संस्थान एवं परिसरों द्वारा विद्वतापूर्व प्रकाशनों, मूल पाठों एवं दुर्लभ पाडुंलिपियों का प्रकाशन किया गया है। संस्थान ने अब तक अपने प्रकाशन कार्यक्रम के अन्तर्गत 350 पुस्तकों को प्रकाशित किया है तथा पुनर्मुद्रण योजना के अन्तर्गत दुर्लभं एवं अनुपलभ्य पुस्तकों का पुनर्मुद्रण करा चुकी है।

'संस्कृत वार्ता' एक तिमाही समाचार बुलेटिन का भी नियमित रूप से प्रकाशन करती है।

2. कुलपति के विषय में

प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) में 14 अगस्त, 2008 से कुलपति के पद पर सुशोभित हैं। आपके सफल नेतृत्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान संस्कृत तथा पालि एवं प्राकृत भाषाओं के चहुँमुखी विकास के लिए महनीय योगदान दे रहा है। अपने उल्लेखनीय कार्यों के फलस्वरूप आपको देश के वरिष्ठतम आचार्यों में सम्मिलित कर समादृत किया जा चुका है। आप विगत 40 वर्षों से उदयपुर तथा सागर स्थित विश्वविद्यालयों में शिक्षण कार्य में रहे हैं- जिसमें हरिसिंह गौड़ विश्वविद्यालय, सागर में 25 वर्षों से अधिक समय तक आप संस्कृत विभागाध्यक्ष रहे। साथ ही इसी विश्वविद्यालय में दो सत्रों तक आप कला संकायाध्यक्ष भी रहे। वरिष्ठतम आचार्य होने के कारण आपने 6 माह तक कुलपति पद को भी अलङ्कृत किया। इसके अतिरिक्त मध्य प्रदेश के महामहिम राज्यपाल द्वारा आपको दो बार कुलपति के पद पर अस्थायी काल के लिए पदासीन किया गया।

अपने अनुकरणीय एवं उल्लेखनीय शैक्षणिक कीर्तिमान के फलस्वरूप आप नाट्यशास्त्र तथा साहित्यशास्त्र में अपने मौलिक एवं अमूल्य योगदान के कारण बहुशः अभिनन्दित हुए हैं। आपकी 120 पुस्तकें, 185 शोध पत्र एवं विवेचनात्मक निबन्ध तथा 30 से अधिक संस्कृत नाटकों के अनुवाद एवं कुछ गौरव ग्रन्थ संस्कृत से हिन्दी में प्रकाशित हो चुके हैं। अपने बहुमूल्य एवं उपयोगी सृजनात्मक लेखन के कारण आप प्राच्य विद्या की विभिन्न शोध पत्रिकाओं द्वारा समादृत हैं। साथ ही अनेक विश्वविद्यालयों में आपकी इन कृतियों पर शोध छात्र पीएच.डी. (विद्यावारिधि) की उपाधि से समलङ्कृत हो चुके हैं और आगे भी निरन्तर शोध कार्य कर रहे हैं। आपके वैदुष्यपूर्ण सारस्वत जीवन एवं कृतियों को रेखांकित करते हुए प्रतिष्ठित त्रैमासिक हिन्दी पत्रिका 'ज्ञानमयी' ने अपना एक विशेष अंक प्रकाशित कर अपने समर्पण भाव को अर्पित किया है।

आपको उल्लेखनीय साहित्यिक योगदान के लिए अनेक राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कारों एवं सम्मान पत्रों से विभूषित किया जा चुका है जिसमें संस्कृत काव्य के लिए साहित्य अकादमी तथा 'नाट्यशास्त्रविश्वकोश' (चार खण्डों में) के लिए के.के. बिड़ला ट्रस्ट का शंकर पुरस्कार विशेष उल्लेखनीय हैं। आपको महाराष्ट्र के महामहिम राज्यपाल द्वारा संस्कृत के लिए कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, नागपुर के 'आजीवन-उपलब्धि पुरस्कार' तथा केन्द्रीय राज्यमंत्री, मानवसंसाधन विकास मंत्रालय द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 'वेदव्यास' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

सम्प्रति आपको महामहिम जयेन्द्र सरस्वती, काँचीपीठ, काँचीपुरम (तमिलनाडु) द्वारा संस्कृत साहित्य रत्न सम्मान तथा कुंजनी राजा एकेडमी ऑफ इंडोलोजी रिसर्च 2010 द्वारा राजप्रभा राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

3. 2010-2011 के दौरान प्रमुख उपलब्धियाँ

मानित विश्वविद्यालय के रूप में क्रियाकलाप

- मुक्त स्वाध्यायपीठम् के माध्यम से दूरस्थ शिक्षा परिषद्, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त परम्परागत पाठ्यक्रमों का शुभारम्भ।
- शास्त्री एवं आचार्य परीक्षाओं में सेमिस्टर प्रणाली का शुभारम्भ।
- प्रथमा से आचार्य कक्षाओं के पाठ्यक्रमों की रूप रेखा निर्धारण हेतु विषय समितियों का घटन।
- 16 नये ग्रन्थ प्रकाशित किये गये।
- कौमुदीमहोत्सव में 16 संस्कृत नाटकों का मंचन हुआ।
- 11 विशिष्ट स्मारक व्याख्यान आयोजित किये गये।
- उज्जैन, नागपुर, भोपाल और सागर में 5 अखिल भारतीय संस्कृत नाट्य महोत्सव आयोजित।
- 'संस्कृत विमर्श: (नूतन माला)' शोध पत्रिका के चतुर्थ एवं पंचम खंड का विमोचन हुआ।
- 14735 छात्र विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकित किये गये।
- 36 छात्रों को विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) की उपाधि प्रदान की गई।
- 3826 छात्रों का संस्थान परिसरों में दाखिला हुआ।

मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत क्रियाकलाप

- 8121 छात्रों को शोध व 'उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्ति योजना' के अन्तर्गत छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गईं।
- संस्कृत वाङ्मय प्रकाशन योजना के अन्तर्गत प्रकाशकों/विद्वानों ने 23 प्रकाशन प्रकाशित किये।
- स्वैच्छिक संस्कृत संस्था अनुदान योजना के अन्तर्गत 802 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।
- 1608 शिक्षकों को 'स्वैच्छिक संस्कृत संस्था अनुदान योजना' के अन्तर्गत समेकित वेतन प्रदान किया गया।
- 8944 छात्रों को 'स्वैच्छिक संस्कृत संस्था अनुदान' योजना के अधीन छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गईं।
- आधुनिक शिक्षकों हेतु 114 संस्थाओं/संस्कृत पाठशालाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।
- 'संस्कृत पाठशालाओं की विकास योजना के अन्तर्गत' 105 आधुनिक विषय के शिक्षकों को समेकित वेतन प्रदान किया गया।
- अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा के अन्तर्गत शलाका परीक्षा सहित 19 स्पर्धाओं का आयोजन किया गया।
- 6201 छात्रों को अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत उत्तर पूर्वी राज्यों, आन्ध्रप्रदेश एवं पश्चिम बंगाल के 200 केन्द्रों में मौखिक (स्पोकन) संस्कृत में प्रशिक्षित किया गया।

4. 2010-11 के दौरान राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की अनुपम उपलब्धियाँ

1. 6 अप्रैल 2010 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय में वाङ्मयी भाषा अनुशीलन केन्द्र की स्थापना।

2. 16 से 20 जुलाई 2010 तक राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन, नई दिल्ली के सहयोग से गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद में पाण्डुलिपि संरक्षण कार्यशाला का आयोजन।

3. संस्कृत दिवस के शुभ अवसर पर श्री त्रिलोकी नाथ चर्तुवेदी, भूतपूर्व राज्यपाल, कनार्टक द्वारा संस्थान वेबसाइट के संस्कृत संस्करण का शुभारम्भ।

4. 12 से 14 अक्टूबर 2010 तक बाहुबली प्राकृत विद्यापीठ, श्री धवल तीर्थम्, श्रवणबेलगोला के सहयोग से उनके परिसर में अन्तर्राष्ट्रीय प्राकृत संगोष्ठी "प्राचीन प्राकृत ग्रन्थों का वैश्विक मूल्य" विषय पर आयोजित।

5. 11 से 15 नवम्बर 2010 तक पाली एवं प्राकृत विषय पर कार्यशाला आयोजित।

6. 7 से 10 जनवरी 2011 तक बेंगलूरू, कर्नाटक में सम्पन्न विश्व संस्कृत पुस्तक मेले के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन।

7. विशिष्ठ स्मारक व्याख्यानमाला के अन्तर्गत वर्ष 2010 में निम्नलिखित व्याख्यान आयोजित।
   1. डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति व्याख्यान।
   2. पंडित मंडन मिश्र स्मृति व्याख्यान।
   3. राजीव गांधी अन्तर्राष्ट्रीय स्मारक व्याख्यान।
   4. वी. राघवन स्मृति व्याख्यान।
   5. राधा कृष्ण स्मृति व्याख्यान।
   6. पंडित गोपीनाथ कविराज स्मृति व्याख्यान।
   7. आचार्य हीरा लाल जैन स्मृति व्याख्यान।
   8. एम.एम. मधूसूदन ओझा स्मृति व्याख्यान।
   9. पंडित गौरीनाथ शास्त्री स्मृति व्याख्यान।
   10. कुरियाक्कोस् स्मारक व्याख्यान।

8. मान्यता प्राप्त मुक्त स्वाध्याय पीठम् ने कार्य आरम्भ किया।

9. लखनऊ परिसर में पालि भाषा एवं वाङ्मय केन्द्र का शुभारम्भ।

10. जयपुर परिसर में प्राकृत भाषा एवं वाङ्मय केन्द्र का शुभारम्भ।

11. संस्कृत पर आधारित ज्ञान शाखाओं के सम्पन्मूल के राष्ट्रिय केन्द्र के शुभारम्भ हेतु पहल।

5. संरचना एवं क्रियाकलाप

मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत-सरकार, संस्थान का पदेन प्रधान होता है। वर्ष के दौरान, **माननीय श्री कपिल सिब्बल जी, मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत-सरकार, संस्थान के कुलाध्यक्ष रहे।** कुलपति प्रधान कार्यपालक अधिकारी हैं। वे संस्थान के मामलों पर सामान्य पर्यवेक्षण तथा नियन्त्रण रखते हैं, नीतियों और कार्यक्रमों का निष्पादन करते हैं तथा संस्थान के सभी प्राधिकारियों के निर्णयों को लागू करते हैं। इस वर्ष के दौरान प्रो. राधा वल्लभ त्रिपाठी उपकुलपति के पद पर आसीन रहे। कुलाध्यक्ष के अतिरिक्त संस्थान के निम्नलिखित स्वीकृत प्राधिकारी हैं:

1. **प्रबन्ध मण्डल**–संस्थान में प्रबन्धन का प्रमुख अंग है। नीति-निर्णयों तथा निर्णयों के कार्यन्वयन प्रतिपादन हेतु अधिकार-सम्पन्न है।
2. **विद्वत् परिषद्**-शिक्षा, शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षा और शोध कार्यक्रमों के मानदण्डों के अनुरक्षण हेतु उत्तरदायी प्रधान शैक्षिक निकाय है।
3. **योजना तथा परिवीक्षण परिषद्**-विकास कार्यक्रमों के परिवीक्षण हेतु उत्तरदायी प्रमुख योजना निकाय है।
4. **वित्त समिति**-प्रबन्ध मण्डल के समक्ष वार्षिक लेखा व वित्तीय प्राक्कलन रखने, कुल व्यय की सीमाएँ निर्धारित करने और हर प्रकार के पदों के सृजन की संस्तुति हेतु उत्तरदायी प्रमुख वित्त निकाय है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, संस्थान में अन्य निकाय भी संघटित हैं, जो अपने-अपने कार्य के स्वरूप के आधार पर संस्तुतियाँ तैयार करते हैं, यथा–सहायता अनुदान समिति, प्रकाशन समिति, छात्रवृत्ति चयन समिति, शोध मण्डल तथा परीक्षा मण्डल।

वर्ष 2010-11 में संस्थान के प्राधिकारियों/निकायों द्वारा आयोजित बैठकों की संख्या दर्शाने वाली तालिका नीचे दी जा रही है:

मण्डल/परिषद्/समिति	**बैठकों की संख्या**
प्रबन्ध मण्डल	5
वित्त समिति	4
शैक्षिक परिषद्	2
सहायता अनुदान समिति	2
परीक्षा मण्डल	1
शोध मण्डल	1
छात्रवृत्ति चयन समिति	2
प्रकाशन समिति	2
योजना तथा पर्यवीक्षण मण्डल	1

प्रबन्ध मण्डल तथा वित्त समिति का संघटन क्रमशः संलग्नक 'क' व 'ख' में दिया गया है। अपने समृद्ध पुस्तकालय के अतिरिक्त राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान निम्नलिखित प्रमुख अनुभागों के माध्यम से कार्य करता है–

1. शैक्षणिक अनुभाग
2. शोध एवं प्रकाशन अनुभाग
3. पत्राचार पाठ्यक्रम तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण अनुभाग

4. परीक्षा अनुभाग
5. प्रशासन अनुभाग
6. वित्त अनुभाग
7. योजना अनुभाग

1. शैक्षणिक अनुभाग

यह एकक शैक्षिक कार्यों के निष्पादन हेतु मानक-निर्धारण, शैक्षिक-कार्यक्रमों के कैलेंडर निर्माण तथा विविध पाठ्यक्रमों हेतु पाठ्यचर्या की रूपरेखा तैयार करने के लिए प्रमुखतया उत्तरदायी है।

2. शोध तथा प्रकाशन अनुभाग

यह एकक संस्थान के विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन तथा अंगीभूत परिसरों के शोध तथा प्रकाशन गतिविधियों के समन्वयन, शोध तथा प्रकाशन कार्यक्रमों और संस्थान के परियोजनाओं के समन्वय से सम्बद्ध है। यह संस्कृत साहित्य के निर्माण हेतु वित्तीय सहायता तथा पुस्तकों के थोक क्रय जैसी योजनाओं से भी सम्बद्ध है।

3. पत्राचार पाठ्यक्रम तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण अनुभाग

यह एकक पत्राचार पाठ्यक्रमों की व्यवस्था हेतु उत्तरदायी है। ये पाठ्यक्रम दो स्तरों पर दिये जाते हैं और यह अनुभाग अखिल भारत में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का भी प्रबन्ध करता है तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण हेतु पाठ्यसामग्री का निर्माण करता है।

पत्राचार पाठ्यक्रम निम्नलिखित प्रदान करता है :

क. संस्कृत के प्रथम वर्ष में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम (हिन्दी व अंग्रेजी माध्यम)

ख. संस्कृत के द्वितीय वर्ष में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम (हिन्दी व अंग्रेजी माध्यम)

स्वाध्याय के आरम्भ स्तर से प्रारंभ कर, अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा अनुभाग पञ्चस्तरीय पाठ्य-सामग्री प्रस्तुत करता है। संस्कृत अध्ययन से प्रेम करने वाला समाज का कोई भी वर्ग इस कार्यक्रम से लाभान्वित हो सकता है। इसके अतिरिक्त, इस खण्ड ने प्रशिक्षक-प्रशिक्षण, संस्कृत स्वाध्याय योजना एवं दूरस्थ शिक्षा के कार्यक्रमों को सम्भाला।

4. परीक्षा अनुभाग :

परीक्षा अनुभाग निम्नलिखित पाठ्यक्रमों हेतु वार्षिक और पूरक परीक्षाओं का आयोजन करता है :

प्रथमा	(कक्षा आठ)
पूर्वमध्यमा	(कक्षा दस)
उत्तरमध्यमा	(कक्षा बारह)
प्राक्शास्त्री	(कक्षा बारह)
शास्त्री	(बी.ए.)
शिक्षाशास्त्री	(बी.एड.)
आचार्य	(एम.ए.)
शिक्षाचार्य	(एम.एड.)

परीक्षा अनुभाग के माध्यम से, संस्थान द्वारा शिक्षा-शास्त्री पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु प्रतिवर्ष एक प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा का संचालन किया जाता है। इसे पूर्व-शिक्षाशास्त्री परीक्षा (पी.एस.एस.टी.) के नाम से जाना जाता है। विद्यावारिधि (पी. एच. डी.) कार्यक्रम में पंजीकरण हेतु पूर्व-शोध परीक्षा ली जाती है।

परिसरों तथा सम्बद्ध संस्थाओं के छात्रों को शोध उपाधि विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) से पुरस्कृत करने हेतु यह शोध-प्रबन्ध का मूल्यांकन तथा मौखिक परीक्षा की भी व्यवस्था करता है।

5. प्रशासन अनुभाग :

प्रशासन अनुभाग संस्थान और उसके अंगीभूत परिसरों के सामान्य प्रशासनिक कार्यों की देखभाल करता है। यह नियुक्तियों, पदस्थापनों, स्थानान्तरणों तथा अन्य स्थापना सम्बन्धी कार्यों की योजना भी बनाता है। साथ ही यह परिसरों के प्रशासन पर भी पूर्ण रूप से नियन्त्रण रखता है।

6. वित्त अनुभाग :

यह अनुभाग बजट का विवरण, अनुदान का वितरण, वित्तीय व्यवस्था तथा वार्षिक लेखा-जोखा आदि तैयार करता है। यह भविष्य निधियों का भी प्रबन्धन करता है और छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्तियों के संवितरण की व्यवस्था करता है।

7. योजना अनुभाग :

यह अनुभाग स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान करना, शास्त्र चूड़ामणि विद्वानों की नियुक्ति, विभिन्न संस्कृत पाठशालाओं/विद्यालयों/स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों/विश्वविद्यालयों में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के आयोजन हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करना, संस्कृत विकास योजना के

अन्तर्गत परम्परागत एवं राजकीय विद्यालयों में संस्कृत व आधुनिक विषयों के शिक्षक उपलब्ध कराने हेतु तथा विश्वविद्यालयों/एन.जी. ओ. को विभिन्न परियोजनाओं हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करना, भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित विद्वानों को आर्थिक अनुदान देना, आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों और संस्कृत शब्दकोश परियोजना को वित्तीय सहायता प्रदान करना जैसी विभिन्न योजनाओं के उचित कार्यान्वयन हेतु उत्तरदायी है। यह अनुभाग संस्कृत के पारम्परिक छात्रों के लिए अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा के आयोजन हेतु भी उत्तरदायी है।

8. मुक्त स्वाध्यायपीठम्

मुक्त स्वाध्यायपीठम् दूरस्थ शिक्षा परिषद् से मान्यता प्राप्त राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का एक स्वायत्त संस्थान है। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के परिसरों में इसके अध्ययन केन्द्रों को स्वाध्याय केन्द्र कहा जाता है।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने मुक्त स्वाध्यायपीठम् के माध्यम से विभिन्न परम्परागत पाठ्यक्रमों का शुभारम्भ अगस्त 2010 में किया। मुक्त स्वाध्यायपीठ के सभी पाठ्यक्रम दूरस्थ शिक्षा परिषद, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय , नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त है।

9. परिसर :

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) द्वारा देश के विभिन्न भागों में निम्नलिखित परिसरों का संचालन किया जा रहा है–

क्रम सं.	परिसरों के नाम	स्थान
1.	दिल्ली परिसर	नई दिल्ली
2.	श्री गंगानाथ झा परिसर	इलाहाबाद, उत्तरप्रदेश
3.	श्री सदाशिव परिसर	पुरी, उड़ीसा
4.	श्री रणवीर परिसर	जम्मू, जम्मू और कश्मीर
5.	गुरुवायूर परिसर	त्रिचूर, केरल
6.	जयपुर परिसर	जयपुर, राजस्थान
7.	लखनऊ परिसर	लखनऊ, उत्तरप्रदेश
8.	श्री राजीव गांधी परिसर	श्रृंगेरी, कर्नाटक
9.	गरली परिसर	गरली, हिमाचलप्रदेश
10.	भोपाल परिसर	भोपाल, मध्यप्रदेश
11.	के.जे. सौमैया सं. वि. परिसर	मुम्बई, महाराष्ट्र

दिल्ली परिसर से पत्राचार पाठ्यक्रम और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। इस परिसर के पास पुस्तकालय, प्रकाशन विभाग, शोध केन्द्र एवं प्रदर्शनी कक्ष उपलब्ध है। शेष सभी परिसरों में सभी उपस्करों सहित पुस्तकालय, प्रयोगशाला, छात्रकक्ष, स्टाफ क्वार्टर तथा छात्रावास उपलब्ध हैं। ये निम्नांकित पाठ्यक्रमों हेतु निर्देशन कार्य करते हैं। केवल इलाहाबाद परिसर में शोध कार्यक्रम का संचालन होता है –

क्रम सं.	पाठ्यक्रम	के समकक्ष
1.	उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री	सीनियर सेकेण्डरी
2.	शास्त्री	बी.ए.
3.	आचार्य	एम.ए.
4.	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
5.	शिक्षा आचार्य	एम.एड.
6.	विद्यावारिधि	पी-एच.डी.

बी.एड. कार्यक्रम का संचालन पुरी, जम्मू, जयपुर, लखनऊ, श्रृंगेरी, भोपाल, गुरुवायूर और मुम्बई परिसरों में किया जाता है। जयपुर एवं जम्मू परिसर में शिक्षा आचार्य कार्यक्रम संचालित किया जाता है। शैक्षिक सत्र का प्रारम्भ प्रतिवर्ष जुलाई में, छात्रों के विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश के साथ होता है।

निम्नलिखित तालिका से वर्ष 2010-11 में परिसरों में प्रति-कक्षा प्रवेश का पता चलता है-

		कक्षा									
		प्राक् शास्त्री		शास्त्री			शिक्षा शास्त्री	आचार्य		शिक्षा आचार्य	विद्या-वारिधि
क्रम.सं.	परिसर	I	II	I	II	III	-	I	II	-	-
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर इलाहाबाद	–	–	–	–	–	–	–	–	–	23
2.	श्री सदाशिव परिसर पुरी	64	52	59	59	49	100	194	141	–	7
3.	श्री रणवीर परिसर जम्मु	40	27	69	45	35	117	13	12	17	01
4.	गुरुवायूर परिसर त्रिचूर	47	40	28	50	48	100	47	26	–	06
5.	जयपुर परिसर जयपुर	73	53	198	145	101	99	149	58	28	40
6.	लखनऊ परिसर लखनऊ	24	05	25	19	12	99	38	28	–	19
7.	श्री राजीव गांधी परिसर श्रृंगेरी	52	39	35	36	29	98	32	40	0	23
8.	गरली परिसर गरली	25	25	38	67	68	–	32	24	–	09
9.	भोपाल परिसर भोपाल	34	18	57	19	37	99	34	24	–	23
10.	के.जे.सौमैया सं. वि. परिसर मुम्बई	04	02	02	07	04	55	03	01	–	02
योग		**363**	**261**	**511**	**447**	**383**	**767**	**542**	**354**	**45**	**153**
							कुल योग - 3826				

विभिन्न कक्षाओं में प्रविष्ट छात्रों, छात्राओं तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की संख्या निम्नलिखित हैं–

कक्षा	योग	पुरुष	स्त्री	अनु. जाति	अनु. जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग
प्राक् शास्त्री–I	363	251	112	14	14	47
प्राक् शास्त्री–II	261	165	96	18	10	43
शास्त्री–I	511	376	135	31	14	82
शास्त्री–II	447	294	153	31	15	81
शास्त्री–III	383	244	139	24	19	71
शिक्षा शास्त्री	767	567	200	70	30	101
आचार्य–I	542	275	267	47	15	101
आचार्य–II	354	163	191	20	5	86
शिक्षा आचार्य	45	39	06	01	06	04
विद्यावारिधि	153	125	28	01	2	11
कुल योग	**3826**	**2499**	**1327**	**257**	**130**	**627**

परिसरों के छात्रों ने 2010–11 की वार्षिक परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन किया। निम्नांकित ग्राफ़ परिणाम की प्रतिशतता को प्रति कक्षानुसार दर्शाता है–

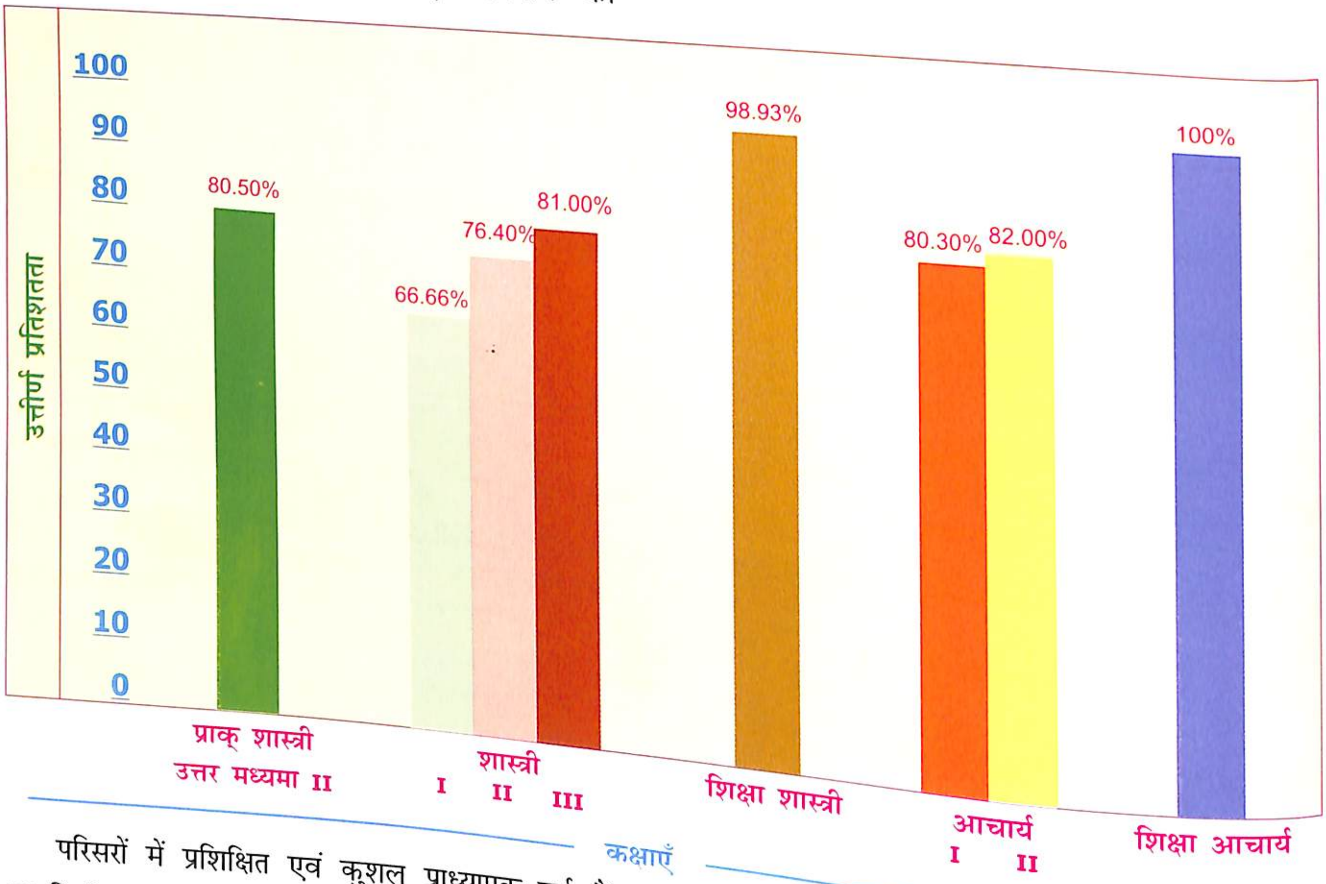

परिसरों में प्रशिक्षित एवं कुशल प्राध्यापक-वर्ग हैं। तथापि जिन विषयों में पूर्णकालिक शिक्षक उपलब्ध नहीं थे, उनमें अंशकालिक शिक्षक भी रखे गए। परिसर-वार संकाय-सदस्यों का विवरण संलग्नक-'ग' में दिया गया है।

6. अनुभाग

6.1 शैक्षणिक अनुभाग

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण उत्तरदायित्व हैं :-

संस्थान के शैक्षिक क्रियाकलापों को सुव्यवस्थित करना और विभिन्न कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रमों का निर्माण करना।

प्रथमा से आचार्य तक के विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रम बनाने के लिए विभिन्न विषयों की समितियों का गठन करना।

विद्वत् परिषद् की बैठक व अध्ययन परिषद् की बैठक के आयोजन का समन्वय करना और अनुवर्ती कार्रवाई करना।

रिपोर्ट वर्ष के दौरान मई 2010 और फरवरी 2011 में शैक्षणिक परिषद की दो बैठकों का आयोजन हुआ था। इस बैठक के अतिरिक्त शैक्षणिक परिषद की उप समिति की भी बैठक सितम्बर 2010 में आयोजित हुई।

इस वर्ष के दौरान संस्थान के विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्य विवरण का संशोधन एवं मुद्रण किया गया।

इसके अतिरिक्त विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली भी आचार्य स्तर पर प्रस्तुत किया गया है। छात्रों को उच्च शैक्षिक परिवेश में लाने एवं उच्च शास्त्रों को सीखने के अवसर प्रदान करने की अकादमिक स्वतन्त्रा को आचार्य स्तर के पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया। वर्ष के दौरान शास्त्री एवं आचार्य पाठ्यक्रमों के लिए सेमिस्टर प्रणाली पर आधारित पाठ्यक्रम तैयार कर मुद्रित किया गया।

रिपोर्ट वर्ष के दौरान शैक्षणिक विभाग को संस्थाओं को संबंधन देने के कार्य की जिम्मेवारी सौंपी गई। संस्थान का प्रारंभ कुछ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों से हुआ था परन्तु बाद में कुछ शिक्षण संस्थाओं का भी संबंधन किया गया। इन निजि शिक्षण संस्थाओं को केवल सामान्य पाठ्यक्रमों, प्रथमा से आचार्य विद्यार्थी के लिये संबद्धता प्रदान की। गत वर्षों की अपेक्षा मानित संस्थाओं की संख्या में वृद्धि हुई है। इस वर्ष के दौरान संस्थान से संबद्ध मानित संस्थाओं की सूची इस रिपोर्ट के संलग्नक 'ङ' में दी गई है।

संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता प्रदान करने वाली सरकारों एवं विश्वविद्यालयों की सूची संलग्नक "च" एवं "छ" में डाली गई है।

6.2 शोध एवं प्रकाशन अनुभाग

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण दायित्व हैं : मुख्यालय और परिसरों के शोध और प्रकाशन कार्यों में सामंजस्य स्थापित करना और मन्त्रालय द्वारा अन्तरित योजनाओं को कार्यान्वित करना। ये निम्नलिखित हैं-

1. संस्कृत समाचार-पत्रों और पत्रिकाओं के साथ संस्कृत साहित्य का सृजन।

2. संस्कृत-ग्रन्थों का क्रय और अप्राप्य तथा दुर्लभ ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण।

3. पाण्डुलिपियों का क्रय और प्रकाशन।

यह अनुभाग अनुदान समिति की बैठकों का समन्वयन भी करता है।

वर्ष 2010-2011 में संस्थान की अनुदान समिति की बैठक 17 जून 2010 और 20-21 दिसम्बर, 2011 को हुई जिसमें विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत कई महत्त्वपूर्ण प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। इन योजनाओं के सम्पादन हेतु रु. 27,24,827/- जारी किए गए जिनसे कि उनका सम्पादन-व्यय पूरा किया जा सके।

संस्कृत वाङ्मय सृजन योजना के अन्तर्गत संस्थान की वित्तीय सहायता से विभिन्न सम्पादकों ने 23 ग्रन्थों का सम्पादन किया।

इसके अतिरिक्त 17 संस्कृत पत्रिकाओं को भी वार्षिक प्रकाशन अनुदान प्रदान किया गया।

इस वर्ष ग्रन्थ क्रय योजना का विवरण निम्नलिखित है–

आवेदकों की संख्या	244
प्रस्तुत किए गए शीर्षकों की संख्या	496
कुल क्रय किए गए शीर्षकों की संख्या	शून्य

संस्थान ने अपनी प्रकाशन योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित ग्रन्थ प्रकाशिक किए:-

1. गजाननग्रन्थावली
2. आचार्यरतिनाथझारचनावली
3. शिवशतकम्
4. सीताकान्तमहापात्रप्रणीतं भारतवर्षम्
5. ध्वनिमीमांसा
6. लघुप्रबन्धत्रयी
7. लहरीपञ्चकम्
8. कवितावलि:
9. राष्ट्रवाणी
10. बोधिचर्यावतार:
11. व्युत्प्रत्तिवादस्य सुदर्शनाचार्यविरचिता 'आदर्श' टीका
12. संस्कृतगाथासप्तशती- भाग:-1, तृतीय: खण्ड
13. उपन्यास: कथाश्च-द्वितीय खण्ड:
14. निबन्ध: ललितनिबन्धश्च- भाग:-2, द्वितीय: खण्ड:
15. चित्रम् (भाग-3)
16. शाब्दिकभरणम्
17. मूलशङ्करनाटकत्रयी
18. स्वरूपप्रकाश:
19. भोजप्रबन्ध
20. भारतवर्षम्
21. प्रबुद्धभारतम्
22. Importance of Nepalese Sanskrit Inscriptions

संस्थान ने अपनी पुर्नमुद्रण प्रकाशन योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित ग्रन्थों का प्रकाशन किया।

1. आयति:
2. भाट्टदीपिका (चतुर्षु भागेषु)
3. सुभाषितसाहस्त्री
4. भारतीयम् अर्थशास्त्रम्
5. परिभाषेन्दुशेखर:
6. कात्यायनयज्ञपद्धतिविमर्श:
7. युभात: संस्कृतं प्रति
8. चन्द्रगोलविमर्श:
9. अनुसन्धानस्य प्रविधि-प्रक्रिया

पुर्नमुद्रण योजना के अन्तर्गत संस्थान द्वारा निम्न नये प्रकाशन मुद्रित किये।

1. सुभाषितरत्नसंदोह:
2. कर्मविपाकसंहिता
3. व्यवहारमयूख:

निम्न ग्रन्थ भी पुर्नमुद्रण योजना में प्रकाशित किये गये।

1. भर्तृहरिशतकम्
2. कोश और डिक्शनरी ऑफ संस्कृत लैंग्वेज
3. छात्र अंग्रेजी-संस्कृत शब्दकोश
4. श्रीमार्कण्डेय महापुराणम्
5. कूर्ममहापुराणम्
6. वायुमहापुराणम्
7. याज्ञवल्क्यस्मृति

इसके अतिरिक्त संस्थान डायरी तथा संस्कृत वार्ता बुलेटिन प्राप्त किये गये।

संस्थान ने अपनी प्रकाशन समिति के माध्यम से दिनांक 29.06.2010 एवं 23.08.2010 को विभिन्न महत्वपूर्ण शीर्षकों के प्रकाशन हेतु स्वीकृति दी।

प्रकाशन का कार्य प्रगति पर।

1. समुद्रमंथन
2. भासनाटकम् चक्रम्
3. मनुसंहिता
4. वेदान्तपरिभाषा
5. निरुक्तम्
6. अभिधर्मकोश
7. उपनिषद् रहस्य

संस्थान के नव-गठित केन्द्रीय शोध मंडल की बैठक 24.12.2010 को हुई। विद्यावारिधि शोध उपाधि पाठ्यक्रम हेतु विभिन्न परिसरों में पंजीकरण के हेतु 138 शोध छात्रों के पंजिकरण की स्वीकृति प्रदान की गई। विद्यावारिधि में 10 कनिष्ठ शोध अध्यताओं का पंजीकरण दिया गया है।

6.3 शोध एवं उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियाँ

यह अनुभाग देश भर में छात्रवृत्तियों का संवितरण करता है। छात्रवृत्तियाँ दो प्रकार की हैं–

1. पारम्परिक पाठशालाओं के छात्रों हेतु शोध छात्रवृत्तियाँ;

2. इण्टर, बी.ए., एम.ए. और पी-एच.डी. तथा समकक्ष पारम्परिक पाठ्यक्रम जारी रखने हेतु उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियाँ।

वर्ष 2010-2011 में संस्कृत पाठशाला/महाविद्यालयों/ उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों/ महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करने हेतु दी गई वित्तीय सहायता का विवरण इस प्रकार है–

कक्षा	छात्र संख्या (सामान्य)	(अनु.जा.)	(अनु.ज.जा.)	विकलांग	छात्रों की कुल संख्या/रु.	अपेक्षित रु.
नवीं	360	181	58	15	639x2500	1597500
10वीं	642	178	52	21	977x2500	2452500
11वीं	502	161	34	51	788x3000	2364000
12वीं	729	92	75	32	1009x3000	3027000
बी.ए.-I	247	132	9	2	415x4000	1660000
बी.ए.-II	138	89	8	5	260x4000	1040000
बी.ए.-III	118	55	2	3	195x4000	780000
एम.ए.-I	197	52	5	3	303x5000	1515000
एम.ए.-II	104	14	1	2	144x5000	720000
पीएच.डी.	69	3	0	1	102x20000	2040000
आचार्य-I	277	2	4	0	291x5000	1455000
आचार्य-II	36	2	0	1	45x5000	225000
प्राक्शास्त्री - I/11वीं	3	0	0	0	3x3000	9000
प्राक्शास्त्री-II/12वीं	0	1	0	0	1x3000	3000
पूर्व-मध्यमा-I/9वीं	506	0	0	0	506x2500	1265000
पूर्व-मध्यमा-I/10वीं	1	1	0	0	2x2500	5000
शास्त्री-I	2074	19	4	0	2101x4000	8404000
शास्त्री-II	1	0	0	0	1x4000	4000
शास्त्री-III	0	8	0	0	8x4000	32000
उपशास्त्री-I/11वीं	13	1	0	0	14x3000	42000
उपशास्त्री-II/12वीं	0	3	0	0	3x3000	9000
उत्तरमध्यमा-I/11वीं	287	4	0	0	291x3000	873000
उत्तरमध्यमा-II/12वीं	11	7	0	0	18x3000	54000
विद्या वारिधि	5	0	0	0	5x3000	100000
कुल	**6320**	**1005**	**252**	**136**	**8121**	**29666000**

6.4 पत्राचार पाठ्यक्रम और अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण अनुभाग

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने वर्ष 2010-2011 के दौरान इस विभाग के माध्यम से निम्नलिखित योजनाएँ/कार्यक्रम संचालित किए :

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण
2. संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग
3. संस्कृत स्वाध्याय योजना

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम

2010-2011 के मध्य, अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रथमा, द्वितीया एवं तृतीया दीक्षा के दो चक्रों का संचालन भारत के केवल उत्तर पूर्वी राज्यों में किया गया। उत्तरपूर्वी राज्यों, आन्ध्रप्रदेश एवं पश्चिम बंगाल के 200 केन्द्रों में लगभग 6201 छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया। ऐसे केन्द्रों की संख्या का विवरण निम्नलिखित रूप में है।

क्रम सं	राज्य	प्रथम चक्र	द्वितीय चक्र
1.	आन्ध्र प्रदेश	03 अनुदान रहित	-
2.	उत्तर पूर्व राज्य	102	94
3.	पश्चिम बंगाल	01 अनुदान रहित	-
	योग	**106**	**94**
	कुलयोग –	**200**	

इन केन्द्रों के अध्येताओं ने बहुत उत्साह दिखाया। छात्रों, अध्यापकों, प्राध्यापकों, चिकित्सकों, अभियन्ताओं, बैंककर्मियों, उद्योगपतियों, अधिकारियों, वकीलों, वैज्ञानिकों, कृषकों और गृहिणियों आदि ने इस कार्यक्रम का लाभ उठाया।

परिणामस्वरूप, देशभर में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों के खुलने से लोगों ने संस्कृत एवं भारत की सांस्कृतिक विरासत का ज्ञान अर्जित किया है। समाज के सभी वर्गों के लोगों ने संस्कृत सीखने में अति उत्साह दिखाया। विभिन्न केन्द्रों पर भव्य उद्घाटन तथा समापन समारोह आयोजित किए गए। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा तैयार की गई प्रथमा, द्वितीया एवं तृतीया दीक्षा की पाठ्य-सामग्री विभिन्न केन्द्रों में संस्कृत शिक्षण का मुख्य आधार है। अध्येताओं ने इस पाठ्य-सामग्री को श्रेष्ठ माना है। प्रथमा, द्वितीया एवं तृतीया दीक्षा की समाप्ति पर सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

इन अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का संचालन न केवल देश के नगरों और महानगरों में किया गया, अपितु दूरवर्ती छोटे गाँवों और छोटे कस्बों, जम्मू व कश्मीर तथा उत्तर-पूर्व राज्यों के दुर्गम क्षेत्रों में भी किया गया। संस्कृत शिक्षकों को अति दूर के स्थानों से भी आना पड़ा। देश भर में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का संचालन विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों (डिग्री कॉलेजों), इण्टर कॉलेजों, उच्च और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों, कनिष्ठ उच्च विद्यालयों, पब्लिक स्कूलों, मदरसों और स्वैच्छिक संस्थाओं में किया गया। परिणाम अत्यन्त उत्साहवर्धक रहे।

इन केन्द्रों की सम्यक् क्रियाशीलता हेतु सम्बद्ध राज्यों से केन्द्रों, केन्द्र-संयोजकों और शिक्षकों के लिए प्रस्ताव प्राप्त होने पर, राज्यों में केन्द्रों, केन्द्र-संयोजकों और शिक्षकों को नामित किया गया। प्रसिद्ध/महत्त्वपूर्ण संस्थाओं से सीधे प्रस्ताव प्राप्त होने पर भी संस्थान द्वारा केन्द्रों हेतु संस्वीकृति प्रदान की गई।

राज्य-संयोजक (अनौ. संस्कृत शिक्षा)

क्र.सं.	राज्य	संयोजक का नाम एवं पता
1.	आन्ध्र प्रदेश	डॉ. श्रीनिवास वरखेड़ी, निदेशक, संस्कृत अकादमी (आर्दश शोध संस्थान) उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदाराबाद-500007 (आन्ध्रप्रदेश)
2.	बिहार+झारखण्ड	डॉ. श्री प्रकाश पाण्डेय, प्रवक्ता, बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, क्वा. नं.-23, विश्वविद्यालय परिसर, मुजफ्फरपुर-1 (बिहार)

3.	दिल्ली	डॉ. हरि राम मिश्रा, सह–आचार्य प्रो. संस्कृत शिक्षण का विशेष केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली–67.
4.	गुजरात	डॉ. बी.बी. रामप्रिय, दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय, श्री स्वामीनारायण गुरूकुल विश्वविद्यालय प्रतिष्ठानम्, एस जी वी पी सर्किल, ए जी हाईवे चारोडी, अहमदाबाद–3284818 (गुजरात).
5.	हरियाणा	डॉ. सुरेन्द्र मोहन मिश्रा, संस्कृत विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र–136119 (हरियाणा).
6.	हिमाचल प्रदेश व पंजाब	डॉ. भक्तवत्सल शर्मा, प्राचार्य, सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी, जिला–ऊना, हिमाचल प्रदेश–174307.
7.	जम्मू एवं कश्मीर	प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री, प्राचार्य, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, ग्रा/पो. कोट भलवल, समीप सेन्ट्रल जेल, तहसील/जिला–जम्मू–181122.
8.	कर्नाटक	प्रो. ए.पी. सच्चिदानन्द, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री राजीव गान्धी परिसर, शृंगेरी–577139, जिला–चिकमंगलूर, कर्नाटक।
9.	केरल	डॉ. सुब्रामण्यम् शर्मा, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय, गुरुवायूर परिसर, डाकघर–पुरनाट्टुकड़ा–680551, जिला त्रिचूर(केरल)
10.	महाराष्ट्र (विदर्भ)	प्रो. पंकज चान्दे, उपकुलपति, कवि कुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक, जिला–रामटेक नागपुर, महाराष्ट्र।
11.	महाराष्ट्र	प्रो. रविन्द्र अंबादसमुले, संस्कृत प्रगट अध्ययन केन्द्र पुनेविश्वविद्यालय, गणेश खिन्द रोड, पुणे–411037 (महाराष्ट्र).
12.	म.प्र.+छत्तीसगढ़	प्रो. पी.एन. शास्त्री, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर, ई–7/62, अरेरा कालोनी, समीप सैन बोर्ड, भोपाल–462016 (म.प्र.)।
13.	उत्तर पूर्व राज्य	डॉ. दीपक कुमार शर्मा, प्रो. संस्कृत विभाग, गोहाटी विश्वविद्यालय, गोपीनाथ बारदोलोई नगर, गुवाहाटी–781014, असम. असम नगर, राधा गोविन्द बरुआ मार्ग, गोहाटी, असम–781005
14.	उड़ीसा	डॉ. सुकान्त कुमार सेनापति, रीडर, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी–752001 (उड़ीसा) – द्वितीय चक्र हेतु।
15.	पंजाब	डॉ. इन्द्रमोहन सिंह, संस्कृत विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला–14702 (पंजाब)
16.	राजस्थान	डॉ. पूर्ण चन्द्र उपाध्याय, संस्कृत विभागाध्यक्ष राजकीय बिरला महाविद्यालय, भवानी मंडी, झालवाड, राजस्थान–326502।
17.	तमिलनाडु	डॉ. आर. रामचन्द्रन्, संस्कृत विभाग, रामाकृष्ण मिशन, विवेकानन्द कॉलेज, मइलापुर, चेन्नई–110004
18.	उत्तराखण्ड	डॉ. बुद्धदेव शर्मा, सचिव, संस्कृत अकादमी, रानीपुर झाल, नेशनल हाईवे, हरिद्वार, उत्तराखण्ड।

19.	उत्तर प्रदेश	डॉ. लक्ष्मी निवास पान्डे, रीडर, संस्कृत विभाग (शिक्षा), राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4, गोमती नगर, लखनऊ-226010.
20.	पश्चिम बंगाल	श्री तन्मय भट्टाचार्य, रामाकृष्ण मिशन इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चर, शोध विभाग, गोल पार्क, कोलकाता-700029.

डॉ. रतन मोहन झा, सहायकाचार्य, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली को अखिल भारतीय स्तर पर राष्ट्रिय संयोजक के रूप में कार्यक्रम संयोजन का भार सौंपा गया।

संस्कृत शिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

विभिन्न स्थानों पर 21 दिवसीय आवासीय शिक्षक प्रारीक्षण शिविरों का आयोजन किया गया जिनका विवरण निम्नलिखित है:

स्थान	अवधि	सहभागियों की संख्या	विदग्ध व्यक्ति
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मानित विश्वविद्यालय, गुरुवायूर परिसर, पो.ओ. पुरनाट्टुकरा, जिला-तिरुचूर (केरल)	19-05-10 से 8-06-10	83	प्रो. सी.एच.एल.एन. शर्मा डॉ. सुब्राह्मन्यम् शर्मा डॉ. एम.वी. नतेशन डॉ. के. गिरधर राव डॉ. सुशान्त कुमार राय डॉ. डी. वेनुगोपाल राव श्री आर.गायत्री मुरलीकृष्णा श्री के.सी. उनीकृष्णन्न श्री. ओ. सुधीश डॉ. शान्तला विश्वास श्री. के. वेंकटेश्वरा मूर्ति
आनन्द विद्या मंदिर, आध्यापीठ, दक्षिणेश्वर राम कृष्ण संघ, कोलकता-700076	25-05-10 से 12-06-10	143	श्री तन्मय भट्टाचार्य डॉ. नारायण दास डॉ. सुधाकर मिश्रा श्री राकेश दास श्रीमति कृष्णा सिन्हा डॉ. मृणाल कान्ती राय श्रीमति मोमिता बार श्री मधुसुदन जैना श्रीमति शम्पा मंडल श्रीमति श्रबणी भट्टाचार्य
राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर गोपालपुरा, बाईपास जयपुर (राज्यस्थान)	07-06-10 से 27-06-10	106	डॉ. अरक नाथ चौधरी डॉ. वाई.एस. रमेश डॉ. श्रीधर मिश्र डॉ. रमाकान्त पाण्डेय डॉ. शिव चरण शर्मा

			डॉ. रघुवीर प्रसाद शर्मा डॉ. जितेन्द्र ठन्डानी श्रीमति प्रतिमा
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मानित विश्वविद्यालय लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4, गोमती नगर लखनऊ (उत्तर-प्रदेश)	10-06-10 से 30-06-10	89	प्रो. सर्व नारायण झा डॉ. लक्ष्मी निवास पाण्डेय डॉ. कुलदीप शर्मा डॉ. धनीन्द्र झा डॉ. बृहस्पति मिश्र प्रो. आनन्द श्रीवास्तव डॉ. ललित कुमार त्रिपाठी डॉ. विजय कुमार कर्ण श्री दीपतान्षु भाषकर

अभिविन्यास कार्यक्रम

त्रिदिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम दिनांक 23.03.2011 से 25.03.2011 तक आद्याकात्यानी शक्तिपीठ, छत्तर पुर नई दिल्ली में संक्षेप रामायाण (तृतीया दीक्षा प्रशिक्षण) पर आयोजित किया गया। जिसमें देश भर से 129 शिक्षकों ने भाग लिया।

क्रमांक	स्थान	अवधि	सहभागियों की संख्या	विदग्ध व्यक्ति
1.	आद्याकात्यानी शक्तिपीठ छतरपुर, नई दिल्ली	23.03.11 से 25.03.2011	129	डॉ. वाई.एस. रमेश (प्रशिक्षण प्रमुख) डॉ. रतन मोहन झा (राष्ट्रिय संयोजक) श्री वेंकटेश मूर्ति श्री सुधीस्ता मिश्र डॉ. सूर्यमणी रथ

दिनांक 27.03.2011 से 13.04.2011 तक 18 दिनों को प्रगतप्रशिक्षण वर्ग गीता आश्रम, होजयी, नागोन, असम में आयोजित किया गया। जिसमें उत्तर पूर्वी राज्यों से 83 शिक्षकों ने भाग लिया।

क्रमांक	स्थान	अवधि	सहभागियों की संख्या	विदग्ध व्यक्ति
1.	गीता आश्रम होजयी नागोन असम	27.03.11 से 13.04.11 तक	91	प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी प्रो. आर. देवनाथन प्रो. पुष्पा दीक्षित प्रो. शिवप्रसाद दीक्षित डॉ. जनार्धन हेगड़े डॉ. विश्वास

डॉ. नाग रत्न हेगड़े
डॉ. शान्तला विश्वास
डॉ. श्री प्रकाश पाण्डेय
डॉ. वाई.एस. रमेश
(प्रशिक्षण प्रमुख)
डॉ. रतन मोहन झा
(राष्ट्रिय संयोजक)
डॉ. नृपेन्द्र शर्मा
डॉ. दीपक कुमार शर्मा

5. पत्राचार पाठ्यक्रम

संस्थान भारत और विदेश में संस्कृत के सामान्य अध्येताओं के लिए हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम से संस्कृत भाषा सीखने के लिए दो वर्ष की अवधि वाले पत्राचार पाठ्यक्रमों का संचालन दो स्तरों पर करता है, अर्थात् (अ) संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-प्रथम वर्ष (ब) संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-द्वितीय वर्ष। वर्ष 2010-2011 के दौरान पत्राचार पाठ्यक्रम के माध्यम से संस्कृत अध्ययन हेतु 1185 (1183 भारतीय एवं 2 विदेशी) नये छात्रों ने पंजीयन करवाया।

6.5 परीक्षा अनुभाग

परीक्षा विभाग का मुख्य दायित्व, विभिन्न परीक्षाओं का आयोजन तथा संस्थान के परीक्षा पत्रों का मूल्यांकन कराना है। संस्थान के द्वारा प्रथमा से आचार्य, शिक्षाशास्त्री, शिक्षा आचार्य तथा विद्यावारिधि जैसी विभिन्न परीक्षाओं का संचालन किया जाता है। इन परीक्षाओं में अंगीभूत परिसरों तथा सम्बद्ध संस्थाओं के छात्र प्रवेश पाते हैं। ये परीक्षाएँ शैक्षिक परिषद् एवं परीक्षा मंडल द्वारा निर्धारित मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार संचालित की जाती हैं।

वर्ष 2010-11 में परिसरों एवं मानित (संबंध) संस्थाओं में विभिन्न कक्षाओं के लिए कुल 14735 छात्रों ने प्रवेश लिया। इन सभी छात्रों में से कुल 11164 (10225+839 सेमिस्टर प्रणाली) छात्रों ने परीक्षा दी। वर्ष 2010-11 में केन्द्रीय रूप से आयोजित, अलग-अलग कक्षाओं एवं उनके छात्रों की संख्याओं सहित, शामिल विभिन्न परीक्षाओं एवं उनमें उत्तीर्ण होने वाले छात्रों का विवरण निम्नलिखित है:-

क्रमांक	**कक्षा**	**परीक्षा में बैठने वाले छात्रों की संख्या**	**उत्तीर्ण**
1.	प्रथमा–III	210	164
2.	पूर्वमध्यमा–II	899	801
3.	उत्तरमध्यमा–II	378	307
4.	प्राक्शास्त्री–II	979	800
5.	शास्त्री–I	1675	1211
6.	शास्त्री–II	1781	1265
7.	शास्त्री–III	1157	937
8.	आचार्य–I	1150	827
9.	आचार्य–II	1201	1022
10.	शिक्षाशास्त्री	751	743
11.	शिक्षाआचार्य	44	44
	योग	**10225**	**8121**

वर्ष 2010-11 के दौरान विभिन्न परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की संख्या इस प्रकार है–

इस वर्ष के दौरान 36 छात्रों को विद्यावारिधि की उपाधि से पुरस्कृत किया गया। इन शोध-छात्रों का विवरण संलग्नक-घ में दिया गया है।

संस्थान ने शिक्षा शास्त्री/बी.एड. पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु पूर्वशिक्षाशास्त्री परीक्षा का संचालन किया। इस प्रवेश-परीक्षा हेतु 6223 छात्रों का पंजिकरण हुआ। इसमें से 3477 छात्र तथा 2098 छात्राएँ थी जो इस परीक्षा बैठे तथा 550 छात्राएँ एवं 1189 छात्रों ने इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने व विभिन्न आठ परिसरों में प्रवेश पाने हेतु सफल घोषित किए गए। 800 छात्रों को वर्ष 2010-11 के शैक्षणिक वर्ष में नियमों अनुसार प्रवेश दिया गया। संस्थान ने वर्ष 2010-11 के लिए पूर्व शिक्षाचार्य परीक्षा तथा पूर्व-शोध परीक्षा का भी संचालन किया। पूर्व शिक्षा आचार्य परीक्षा में 480 एवं पूर्व शोध परीक्षा में 1127 छात्रों ने भाग लिया।

वार्षिक परीक्षा 2010-11 में पाठ्यक्रमानुसार सर्वोच्च स्थान पाने वाले छात्रों का विवरण निम्नलिखित है:

क्रमांक	अनुक्रमांक	छात्र का नाम	कक्षा/विषय	परिसर/संस्थान
1.	1020538	पी.आर अर्चना कारंथ	आचार्य (न.व्याकरण)	श्रृंगेरी परिसर
2.	1020980	गणेश दत्त	आचार्य (प्रा. व्याकरण)	लखनऊ परिसर
3.	1020941	प्रियंका गर्ग	आचार्य (साहित्य)	जयपुर परिसर
4.	1020569	मुकेश कुमार	आचार्य (फ. ज्योतिष)	श्रृंगेरी परिसर
5.	1021106	गणेश तिवारी	आचार्य (सि. ज्योतिष)	आर. पद्मावती वाराणसी
6.	1020744	अमित मिश्र	आचार्य (धर्मशास्त्र)	पुरी परिसर
7.	1020933	शैलेन्द्र	आचार्य (जैन दर्शन)	जयपुर परिसर
8.	27358	भारती एस. सुब्राह्मन्यम्	शास्त्री तृतीय	श्रृंगेरी परिसर
9.	101479	मनीष कुमार त्रिपाठी	उत्तर माध्यमा-II	श्री रामऋषि, कराला
10.	102759	सीतागोपाल भागवत	प्राक्-शास्त्री-II	श्रृंगेरी परिसर
11.	106521	बुलेट मण्डल	पूर्व मध्यमा-II	श्री रामकृष्ण मठ वी पी
12.	113030	राज कुमार शर्मा	प्रथमा तृतीय वर्ष	ब्रह्मऋषि राजघाट
13.	233	अर्चना शर्मा	शिक्षा आचार्य	जयपुर परिसर
14.	12062	पूजा चतुर्वेदी	शिक्षा शास्त्री	भोपाल परिसर

6.6 प्रशासन अनुभाग

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय में प्रशासन अनुभाग नियमों, विनियमों और प्रक्रियानुसार आन्तरिक व्यवस्था के कार्य करता है। यह संस्थान के विभिन्न अंगीभूत परिसरों को अधिक प्रभावी और कार्यकुशल बनाने हेतु आवश्यक स्थापन सहायता प्रदान करता है। यह अनुभाग प्रमुख रूप से सामान्य प्रशासन, स्थापना सम्बन्धी मामलों, सेवा और आपूर्ति, भूमि और भवन अधिग्रहण, नए परिसरों की स्थापना और प्रबन्धन परिषद् तथा वित्त समिति की बैठकों के संचालन आदि कार्य करता है।

गरली परिसर के प्रथम चरण का निर्माण कार्य पूर्ण होने को है। इस उद्देश्य के लिये परिसर को रू 340 लाख की धनराशि दी जा चुकी है। रू 298 लाख की धनराशि मुम्बई परिसर हेतु पहले ही दी जा चुकी है। सोमेय्या न्यास, विद्या विहार द्वारा स्थानांतरित भूमि पर भवन निर्माण हेतु अनुमानित

धनराशि की योजना केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा दी जा चुकी है। B.M.C. से अनुमति प्राप्त होने के बाद शीघ्र ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जायेगा। इसके अतिरिक्त इस स्थान पर मल-निर्यास (सीवेज लाईन) को पुर्नव्यवस्थित करने हेतु 32,500 रू. की धनराशि दी गई। मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा भोपाल एवं पुरी परिसर के द्वितीय चरण निर्माण हेतु प्रशासनिक एवं वितीय स्वीकृति क्रमशः रू 25,01,41,500/- और रू 14,85,93,000/- दी गई।

वर्ष 2010-11 में संस्थान के मुख्यालय में कार्यरत अनुभागानुसार स्टाफ की संख्या संलग्नक-ज में दी गई है।

सूचना के अधिकार के अधीन मुख्यालय कार्यालय में कुल 184 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये। जिसमें से 176 के उत्तर दिये जा चुके है। 8 प्रार्थना पत्र सम्बन्धित परिसरों को स्थानान्तरित किये गये हैं।

6.8 वित्त अनुभाग

वर्ष के दौरान इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण उत्तरदायित्व निम्नलिखित हैं–

बजट (2010-2011) :

वर्ष 2009-10 की 267.88 लाख रूपये की अप्रयुक्त शेष धनराशि को वित्तीय वर्ष 2010-11 मे समाविष्ट किया गया। मन्त्रालय के द्वारा (गत वर्ष के अव्ययित शेष सहित) 9115.88 लाख रूपये का कुल बजट स्वीकृत किया गया। इस राशि को संस्थान के अधीन इकाईयों को निम्नलिखित रूप से आबंटित किया गया:–

(रू. की संख्या लाखों में)

क्रमांक	एकक का नाम	योजना	योजनेतर	योग
1.	मुख्यालय	3636.23	1471.12	5107.35
2.	पुरी परिसर	26.24	519.83	546.07
3.	जम्मू परिसर	21.13	388.21	409.34
4.	इलाहाबाद परिसर	10.00	240.12	250.12
5.	गुरुवायूर परिसर	48.33	402.87	451.20
6.	जयपुर परिसर	20.00	463.13	483.13
7.	लखनऊ परिसर	24.00	391.65	415.65
8.	शृंगेरी परिसर	276.75	0.00	276.75
9.	गरली परिसर	554.94	0.00	554.94
10.	भोपाल परिसर	463.75	0.00	463.75
11.	मुम्बई परिसर	157.58	0.00	157.58
	कुल योग	**5238.95**	**3876.93**	**9115.88**

वर्ष में दौरान यह धन वेतन और भत्ते, छात्रवृत्तियाँ, प्रख्यात संस्कृत विद्वानों को राष्ट्रपति सम्मान एवं संस्कृत शिक्षण के विकास के अन्तर्गत अन्य विभिन्न योजनाओं तथा व्यय की अन्य रख-रखाव की मदों पर उपयोग में लाया गया।

वित्तीय वर्ष के अन्त में 428.04 लाख रुपये (263.13 लाख रुपये योजनागत जिसमें रूप 108.78 लाख उत्तर पूर्वी राज्यों एवं रुपये 164.91 लाख योजनेतर हेतु) शेष धनराशि बिना व्यय अवशिष्ट रही।

लेखा :–

यह अनुभाग संस्थान के विविध एककों से प्राप्त लेखों के समेकन और लेखा-परीक्षा हेतु डी.जी.ए.सी.आर. को प्रस्तुत करने के लिए उत्तरदायी है। वर्ष 2010-11 हेतु परीक्षित वार्षिक लेखा तथा लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन अनुबंध-ड में रखे गए हैं।

भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण

यह अनुभाग मुख्यालय के अधिकारियों व अन्य कर्मचारियों के वेतन व भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण करता है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर अविलम्ब प्रत्येक सदस्य को वार्षिक भविष्य निधि खाते का विवरण प्रदान किया जाता है।

लेखा-परीक्षा आपत्तियों का निराकरण :–

वर्ष में लेखा-परीक्षा आपत्तियों को निपटाने के लिए संगठित प्रयास किए गए। इसके लिए सभी परिसरों को ये निर्देश दिए गए कि वे आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करें। इसके अनुपालन के उत्तर लेखा-परीक्षा अधिकारियों को भेजे गए। इस प्रकार इस वर्ष में बहु-संख्यक लेखा-परीक्षा आपत्तियों को निपटाया गया।

इस अनुभाग को आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों से सम्बन्धित कार्यों और संस्कृत, पाली, प्राकृत, अरबी तथा फारसी भाषाओं के लिए अपना उत्कृष्ट योगदान हेतु भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित विद्वानों को मानदेय देने का कार्य भी सौंपा गया है। इसके साथ ही, देश भर के उन संस्कृत पंडितों को जो दयनीय अवस्था में रहते हैं, उन्हें वित्तीय सहायता देने की योजना का कार्यभार भी इसे सौंपा गया है।

6.8 योजना अनुभाग

यह अनुभाग संस्कृत भाषा और साहित्य के संवर्धन तथा प्रचार हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा अन्तरित निम्नलिखित योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु उत्तरदायी है:–

(i) स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों को वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत चयनित संगठनों को उनके संस्कृत अध्यापकों को वेतन, छात्रों को छात्रवृत्ति, पुस्तकालय अनुदान और संस्थान-भवन के निर्माण के रूप में वित्तीय सहायता की स्वीकृति दी जाती है।

इस योजना के अन्तर्गत वर्ष में संस्थान द्वारा रुपये 735.12/- लाख की राशि व्यय की गई। वर्ष के दौरान 802 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

(ii) अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता

संस्थान द्वारा इस प्रतियोगिता का आयोजन देश के विभिन्न भागों में प्रतिवर्ष परम्परागत संस्कृत के छात्रों को शास्त्रीय संस्कृत भाषा में आशु भाषण के लिए प्रोत्साहित करने हेतु किया जा रहा है। पूर्व में स्पर्धा "अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता" के नाम से जानी जाती थी। जिसमें आठ शास्त्रीय स्पर्धाओं, अन्ताक्षरी एवं समस्या पूर्ति आयोजित किये जाते थे। लेकिन पिछले पांच वर्ष से वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता में अन्य शास्त्रीय प्रतियोगितायें जैसे कि "श्लाका परीक्षा शास्त्रीय ग्रन्थ पर एवं कण्ठ-पाठ स्पर्धा" भी प्रतियोगिता में सम्मिलित किये गये। ये सभी प्रतियोगितायें विभिन्न परम्परागत शास्त्रों पर पूर्व से आयोजित की जाती थी। अत: यह महसूस किया गया कि प्रतियोगिता को "अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा" नाम से जाना जाये।

राष्ट्रीय स्तर पर उपरोक्त प्रतिस्पर्धा आयोजित करने से पहले संस्थान के तत्वावधान में प्रत्येक श्रेणी में सभी क्षेत्रों से राज्यस्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

वर्ष 2010-11 में राज्य स्तरीय शास्त्रीय प्रतियोगिता निम्न स्थानों एवं राज्यों में आयोजित की गई।

1.	जम्मू और कश्मीर	: रणबीर परिसर, जम्मू
2.	हि.प्र., चण्डीगढ़, पंजाब	: गरली परिसर, गरली
3.	दिल्ली, हरियाणा	: एस.डी. आर्दश संस्कृत कॉलेज, अम्बाला
4.	उत्तराखण्ड	: श्री भगवानदास आर्दश संस्कृत महाविद्यालय, हरिद्वार

5.	उत्तर-प्रदेश	: लखनऊ परिसर
6.	राजस्थान	: जयपुर परिसर
7.	म.प्र./ छत्तीसगढ़	: भोपाल परिसर
8.	बिहार, झारखण्ड और पश्चिम बंगाल	: सीताराम आर्दश संस्कृत महाविद्यालय, कोलकता
9.	उत्तरपूर्वी राज्य	: श्री राधा मन्दिर संस्कृत महाविद्यालय नम्बोल, मणिपुर
10.	उड़ीसा	: सदाशिव परिसर, पुरी
11.	गुजरात	: दर्शनम् संस्कृत, महाविद्यालय, छरौड़ी, गुजरात
12.	गोवा और महाराष्ट्र	: के.जे. सौमेया परिसर, मुम्बई
13.	ए.पी./ पाण्डचेरी और टी.एन.	: मद्रास आर्दश संस्कृत कॉलेज, चेन्नई
14.	कनार्टक	: (कनार्टक सरकार द्वारा आयोजित)
15.	केरल	: गुरुवायूर परिसर

राष्ट्रीय स्तर की अखिल भारतीय शास्त्रीय प्रतियोगिताओं का आयोजन दिनांक 6 जनवरी से 8 जनवरी 2011 तक पूर्णप्रज्ञ समशोधन मन्दिर (राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का आर्दश शोध संस्थान) बेंगलूरू में आयोजित किया गया। राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं में चयनित 200 छात्रों ने 19 विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे की वाक्स्पर्धा 8 विभिन्न शास्त्रीय विषयों पर, 7 विभिन्न शलाका परीक्षा परम्परागत शास्त्रीय ग्रन्थों से सम्बन्धित विषयों पर, 2 कंठपाठ प्रतियोगिता अमरकोश एवं अष्टाध्यायी पर समस्यापूर्ति एवं अन्ताक्षरी प्रतियोगिताओं में सम्मिलित हुये।

समारोह का उद्घाटन परमपूज्य श्री श्री विश्वेश्वर स्वामी, पेजावर मठ के अध्यक्ष द्वारा किया गया। प्रो. रामकरण शर्मा, भूतपूर्व अध्यक्ष, IASS एवं प्रो. डी. प्रहालादार्च, भूतपूर्व कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति समारोह के मुख्य अतिथि थे। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा दोनों कार्यक्रमों की अध्यक्षता की गई।

निम्न मूर्धन्य विद्वान प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में आमन्त्रित किये गये।

1. प्रो. रामकरण शर्मा
2. अभिराज राजेन्द्र मिश्र
3. प्रो. हरिराम मिश्र
4. प्रो. सीता नाथ आचार्य
5. प्रो. श्रीकृष्ण शर्मा
6. प्रो. रामचन्द्र झा
7. प्रो. राधाकान्त ठाकुर
8. प्रो. रामदेव झा
9. प्रो. के.के. चतुर्वेदी शास्त्री
10. प्रो. कलानाथ शास्त्री
11. प्रो. गंगाधर पण्डा
12. डॉ. रमाकान्त शुक्ल
13. डॉ. हर्षदेव माधव
14. प्रो. नरेन्द्र अवस्थी
15. प्रो. सोम नाथ नेने
16. प्रो. वाचस्पति शर्मा त्रिपाठी
17. प्रो. गयाचरण त्रिपाठी
18. प्रो. (श्रीमति) पुष्पा दीक्षित
19. प्रो. विश्वनाथ गोपालकृष्ण
20. प्रो. आर. कृष्णमूर्ति शास्त्री
21. डॉ. मणि द्रविण
22. विद्वान के. रामचन्द्र भट्ट
23. आचार्य महाबलेश्वर भट्ट
24. प्रो. डी. प्रहलादाचार्य

प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली द्वारा समापन समारोह की अध्यक्षता की गई। डॉ. (श्रीमति) Anet Schemindchen कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं सम्मननीय अतिथि थी।

सभी प्रदर्शनों में कनार्टक राज्य ने सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये गये। सभी प्रातिभागियों के अतिरिक्त बहुत संख्या में संस्कृत विद्वान, कर्मचारी, छात्र एवं सामान्य जन ने अत्याधिक उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालो को क्रमशः रू 7000/- स्वर्ण पदक सहित, रू 5000/- रजत पदक सहित एवं रू 3000/- कांस्य पदक सहित पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त प्रत्येक शलाका परीक्षा में 80% और अधिक एवं प्रथम श्रेणी 65% सहित प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को विशेष पुरस्कार क्रमशः रू 2000/- एवं रू 1500/- प्रदान किये गये।

(iii) शास्त्रचूडामणि योजना

इस योजना के अन्तर्गत आदर्श पाठशालाओं और राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे संस्कृत महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों एवं स्वैच्छिक संगठनों में सेवानिवृत्त प्रख्यात संस्कृत विद्वानों की सेवाओं का उपयोग किया जाता है।

इस योजना को आरम्भ करने का उद्देश्य यह है कि परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षा प्रदान करने वाले केन्द्रों में विभिन्न शास्त्रीय विषयों के गहन अध्ययन को संरक्षित किया जा सके। योजना के अनुसार परम्परागत- संस्कृत विद्वानों की नियुक्ति विभिन्न संस्थाओं में की जाती है। प्रत्येक विद्वान् को रुपये 6000/- प्रति माह दो वर्ष की अवधि हेतु दिए जाते हैं। अनुदान समिति की संस्तुति पर एक वर्ष हेतु इनकी नियुक्ति का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है।

वर्तमान में नियुक्त विद्वानों के अतिरिक्त 23 अन्य शास्त्रचूडामणि विद्वानों का चयन वर्ष 2010-11 में किया गया। इस योजना के अन्तर्गत रु. 23.62/- लाख व्यय किए गए।

(iv) व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना

इस योजना के अन्तर्गत चयनित संस्थाओं को उनके ज्योतिष, कर्म-काण्ड, पुरालिपि-शास्त्र, सूची-निर्माण, पाण्डुलिपि विज्ञान, संस्कृत आशुलिपि और टंकण आदि विद्या विशेषों में कार्यशालाओं के आयोजन तथा प्रायोगिक प्रशिक्षण के संचालन हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 2010-11 में रु. 6.61 लाख व्यय किए गए।

(v) मान्यता-प्राप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों को वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत देश के विभिन्न भागों में 25 संस्थाएँ भारत सरकार की वित्तीय सहायता से संस्थान के अधीन चल रही हैं। इस योजना के लिए वित्त का बड़ा भाग संस्थान द्वारा जारी किया जाता है। इस योजना के अन्तर्गत मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को व्यय की आवर्ती मदों पर 95% तथा अनावर्ती मदों पर 75% अनुदान दिया जाता है। इस वर्ष योजना के अधीन रुपये 1282.60 लाख तथा योजनेतर में रुपये 634.41 लाख रुपए की धनराशि संस्थान द्वारा इन संस्थाओं को दी गई।

(vi) संस्कृत शब्दकोश परियोजना

ऐतिहासिक सिद्धान्तों के आधार पर एक अतिव्यापक शब्दकोश तैयार करने की परियोजना डेकन कॉलेज, स्नातकोत्तर तथा शोध संस्थान, पुणे द्वारा आरम्भ की गई है। इस परियोजना में व्यय का प्रमुख स्रोत, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहा है। इस परियोजना पर वर्ष 1948 में विचार किया गया था तथा संबद्ध सामग्री के संग्रहण के बाद सम्पादन-कार्य 1973 में प्रारम्भ किया गया। अब तक 9 खण्ड, जिनमें 24 भाग हैं, सम्पादित एवं प्रकाशित हो चुके हैं जिनमें एक लाख से अधिक शब्द सम्मिलित हैं। वर्ष 2010-11 के दौरान संस्कृत शब्दकोश परियोजना हेतु रुपये 31.65 लाख की राशि राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान द्वारा आबंटित की गई है।

(vii) भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मान-पत्र प्राप्त विद्वानों को मानदेय राशि

भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मान-पत्र प्राप्त विद्वानों को संस्थान प्रति वर्ष 50,000/- रुपये की मानदेय राशि प्रदान करता है।

संस्कृत के लिए पुरस्कार

वर्ष 2008 से संस्कृत विद्वानों को 5 लाख रूपये की मानदेय राशि दी जा रही है।

पालि/प्राकृत, अरबी एवं प्रशियन हेतु पुरस्कार

पालि/प्राकृत, प्रशियन एवं अरबी के पुरस्कृत विद्वानों को जीवनपर्यन्त प्रत्यक वर्ष 50,000/- रूपये की मानदेय राशि दी जाती है।

महार्षि बदरायण व्यास सम्मान

30 से 40 वर्ष की आयु वर्ग के युवा विद्वानों को महार्षि बदरायण सम्मान।

इस वर्ष के दौरान इस मद में रुपये 218.03 लाख व्यय किए गए।

(viii) उत्तर-पूर्व क्षेत्रों में संस्कृत भाषा को प्रोत्साहन:

वर्ष 2010-11 में संस्थान ने देश के उत्तर-पूर्व क्षेत्रों में संस्कृत भाषा के अध्ययन, प्रसार और प्रोत्साहन हेतु रुपये 291.22 लाख व्यय किए।

(ix) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं महाविद्यालयों में शिक्षकों हेतु आधुनिक विषयों के लिए वित्तीय सहायता

संस्कृत संवर्धन की इस योजना के अन्तर्गत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में शिक्षकों हेतु आधुनिक विषयों के लिए प्रतिमास रु. 6000/- प्रति विषय के हिसाब से वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। योजनानुसार प्रत्येक संस्था में वित्तीय सहायता को आधुनिक विषयों में तीन शिक्षकों तक सीमित किया गया है।

संस्थान द्वारा वर्ष 2010-11 में इस योजना के अन्तर्गत रु. 74.31 लाख व्यय किए गए। 114 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

(x) विभिन्न राज्यों के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में संस्कृत शिक्षकों हेतु वित्तीय सहायता:-

संस्कृत संवर्धन योजना के अन्तर्गत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान विभिन्न राज्यों में सरकारी विद्यालयों के संस्कृत शिक्षकों को वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। यह सहायता एक संस्कृत शिक्षक के वेतन हेतु प्रदान की जाती है। वर्ष 2010-11 में कुल 105 सरकारी विद्यालयों लाभग्राही थे और इस योजना के अधीन रु. 6.48 लाख की राशि का उपयोग किया गया।

(xi) विभिन्न परियोजनाओं पर एन.जी.ओ., संस्कृत विश्वविद्यालयों, संस्थाओं को वित्तीय सहायता:-

एन.जी.ओ./मानित संस्कृत विश्वविद्यालयों/विश्वविद्यालयों/संस्थाओं द्वारा संस्कृत के विकास एवं प्रचार हेतु आरम्भ की गई विविध परियोजनाओं व कार्यक्रमों से सम्बन्धित शत-प्रतिशत व्यय का वहन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा किया जाता है।

वर्ष 2010-11 में संस्थान ने विभिन्न परियोजनाओं हेतु रु. 93.40 लाख व्यय किए।

6.9 पालि एवं प्राकृत

मानव संसाधन विकास मन्त्रालय भारत सरकार ने वर्ष 2008-09 में 11वीं योजना काल के दौरान रू 5 करोड़ पालि एवं प्राकृत भाषाओं के प्रोत्साहन के लिए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मानित विश्वविद्यालय नई दिल्ली को प्रदान किये। वर्ष 2010-11 में पालि एवं प्राकृत योजनाओं में निम्नलिखित गतिविधियाँ सम्पन्न हुई।

पालि अध्ययन केन्द्र लखनऊ परिसर में एवं प्राकृत अध्ययन केन्द्र जयपुर परिसर में स्थापित किया गया।

वर्ष 2009 में मानव संसाधन विकास मन्त्रालय द्वारा पालि एवं प्राकृत भाषाओं के विकास योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित नियुक्तियाँ हुई एवं निम्न शोध परियोजनाएँ सौंपी गई।

विकास अधिकारी-02 (पालि एवं प्राकृत दोनों में एक)

वरिष्ठ शोध अध्येता - 10 (पालि एवं प्राकृत में पाँच-पाँच)

कनिष्ठ शोध अध्येता - 10 (पालि एवं प्राकृत में पाँच-पाँच)

विकास अधिकारी (प्राकृत) एवं वरिष्ठ शोध अध्येता एवं कनिष्ठ शोध अध्येता प्राकृत अध्ययन केन्द्र, जयपुर परिसर में तथा पालि भाषा के कनिष्ठ शोध अध्येता एवं वरिष्ठ शोध अध्येता पालि अध्ययन केन्द्र लखनऊ परिसर में कार्यरत है। विकास अधिकारी (पालि) एवं एक कनिष्ठ शोध अध्येता एवं एक वरिष्ठ शोध अध्येता पालि तथा दो कनिष्ठ शोध अध्येता प्राकृत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय में कार्यरत है।

पालि एवं प्राकृत भाषा के लिए पाठ्यक्रम एवं अध्ययन सामग्री

आचार्य परीक्षाओं में ऐच्छिक विषय के रूप में जैन एवं बौद्ध धर्म का पाठ्यक्रम तैयार कर लिया गया है।

दूरस्थ शिक्षा के अन्तर्गत पालि एवं प्राकृत प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम तैयार एवं मुद्रित कर लिया गया।

प्रकाशित ग्रन्थ

धम्मपद से चयनित गाथायें अंग्रेजी एवं हिन्दी अनुवाद सहित प्रकाशित की जा चुकी है।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा आयोजित संगोष्ठी "राहुल सांकृतयान का बौद्ध धर्म के लिए योगदान" विषय पर प्राप्त शोध पत्र एवं लखनऊ परिसर में आयोजित "पालि-प्राकृत एवं संस्कृत के परस्पर संबंध" विषय पर प्राप्त शोध पत्र का सम्पादन कार्य प्रगाति पर है। जल्द ही इनको प्रकाशित किया जायेगा।

"Pali Studies Through the Ages" विषय पर शोध कार्य प्रगति पर है। तथा वर्ष के अन्त में प्रकाशित किये जाने की सम्भावना है।

दुर्लभ पालि एवं प्राकृत ग्रन्थों के संस्करण तैयार व प्रकाशित करना

संस्कृत छाया के अन्तर्गत निम्न पालि ग्रन्थों के संस्करणों को तैयार किया जा रहा है।

1. Khuddakapatha
2. थेरीगाथापालि
3. इतिवुत्तक
4. विमानवत्थु
5. पेतावत्थु
6. चरियापिटक
7. देवता, कोश्ला, मारा, निदाना, समयुक्ता निकाय
8. जातक का एकता निपात
9. उदना का प्रथम वाग

संस्कृत छाया के अन्तर्गत निम्न प्राकृत ग्रन्थों के संस्करणों को तैयार किया जा रहा है।

1. कस्यपाहुड
2. रायानषरा
3. कियाष
4. ग्रहयान कोश
5. सतखण्डगम मूलसूत्र

राष्ट्रिय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों व संगोष्ठियों का आयोजन

राष्ट्रीय प्राकृत पाण्डुलिपि प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन जयपुर परिसर में दिनांक 19 जुलाई से 25 जुलाई 2010 तक किया गया।

"डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति व्याख्यान श्रृंखला" का आयोजन अगस्त 2010 में प्रो. अंगराज चौधरी के व्याख्यान के साथ सम्पन्न हुआ।

"आचार्य हीरालाल स्मृति व्याख्यान शृंखला" का व्याख्यान 4 सितम्बर 2010 को जयपुर परिसर में आयोजित किया गया।

त्रिदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन राष्ट्रीय प्राकृत अध्ययन केन्द्र, श्रवणबेलगोला, कनार्टक में दिनांक 12-14 अक्टूबर 2010 को संस्थान के सहयोग से किया गया।

दिनांक 11 से 15 नवम्बर 2010 एवं 14-16 मार्च 2011 को लखनऊ परिसर में संस्कृत भाषा का पालि- प्राकृत भाषा में अनुवाद विषय पर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

पालि एवं प्राकृत में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

इन पाठ्यक्रमों का संचालन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के लखनऊ और जयपुर परिसर में किया गया। प्रथम बार 56 छात्रों ने प्रवेश लिया तथा 41 छात्र उत्तीर्ण हुये।

6.10 परियोजनायें

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने 2004 से कुछ परियोजनायें प्रारम्भ की हैं। कुछ महत्त्वपूर्ण परियोजनायें 2010-11 से प्रारम्भ हुए हैं। परियोजनाओं का वर्तमान प्रतिवेदन इस प्रकार हैं-

1 भाषा मन्दाकिनी (दूरदर्शन प्रसारण)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान सितम्बर, 2003 से संस्कृत कार्यक्रमों का प्रसारण इग्नू के ज्ञान दर्शन चैनल के द्वारा प्रतिदिन एवं सप्ताह में तीन दिन क्रमशः डी.डी. भारती और डी.डी. इण्डिया से कराता है। वर्ष 2010-11 के दौरान, तीन मिनट के 730 कथानक इग्नू से, तीन मिनट के 156 कथानक डी.डी. इण्डिया से और 157 कथानक डी.डी. भारती से प्रसारित हो चुके हैं।

2. संस्कृत साहित्य का राष्ट्रिय ई-डाटा बैंक (ई-टैक्स्ट्)

परियोजना का उद्देश्य संस्कृत में ई-लर्निंग विकसित करना एवं ई-संस्कृत संग्रह को इलैक्ट्रानिक्स टैक्स्टों एवं इन्टरनेट के माध्यम से जन सामान्य को उपलब्ध कराना है। संस्थान के विभिन्न परिसरों के शिक्षकों को उनकी विशेषज्ञता एवं अध्ययन के क्षेत्र के आधार पर ग्रंथ आबंटित किये गये हैं। ग्रंथों को टंकित करने एवं कम्प्यूटर पर फाईल तैयार करने के लिए डाटा एन्ट्री आपरेटरों की नियुक्ति की गयी है। पहले चरण में 62 ग्रंथ संपूर्ण हो चुके हैं तथा संस्थान की वेबसाईट पर भी डाल दिये गये हैं।

पालि की एक पुरस्तक 'Moggalam Vyakaran' भी सर्च मोड सहित वेबसाईट पर डाली जा चुकी है।

3. श्रव्य/दृश्य माध्यमों के द्वारा संस्कृत शिक्षण (मल्टी मीडिया परियोजना)

इस परियोजना में, डीवीडी एलबम तैयार किये जा चुके है। भासनाटकचक्रम्, सामवेद की एम.पी.3 केसेट, तत्त्वचिन्तामणि की 212 घंटे की डी.वी.डी., ई-टेक्स्ट, कविभास्करी की डी.वी.डी., अभिज्ञानशाकुन्तलम् एवं कम्प्यूटर कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम दीक्षा को भी पूर्ण कर प्रस्तुत कर दिया गया। कथादशकम् की दस सजीव कहानीयों की सी.डी. इसी वर्ष प्रस्तुत की जा चुकी है।

4. प्रस्तुत कथानक

दूरदर्शन प्रसारण के 135 कथानक 2010-11 वर्ष के दौरान तैयार हो चुके हैं। मार्च 2011 तक कुल 787 कथानक तैयार हो चुके हैं।

5. पुस्तकालयों की नेटवर्किंग

संस्थान के सभी पुस्तकालयों की सूची नेटवकिंग के द्वारा संस्थान की वेबसाईट पर डाली जा चुकी हैं। इस परियोजना के लिये राष्ट्रीय सूचना केन्द्र ने संस्थान के स्टॉफ को ई-ग्रंथालय सॉफ्टवेयर में प्रशिक्षित कर दिया है। सम्बद्ध परिसरों के पुस्तकालय स्टॉफ के निर्देशन में टंकण कार्य करने के लिये डाटा एन्ट्री आपरेटों की नियुक्ति की जा चुकी है। प्रथम चरण के लिये लक्ष्य 50 हजार प्रविष्टियाँ हैं।

6. पाण्डुलिपियों का डाटा बैंक

संस्कृत पाण्डुलिपियों का डॉटा बैंक तैयार करने के लिय इलाहाबाद परिसर में मानस सॉफ्टवेयर आबंटित किया जा चुका है। परिसर के शोध छात्रों ने पाण्डुलिपि पुस्तकालय के स्टॉफ के निर्देशन में डाटा परिक्षण के पश्चात् डाटा शीट्स तैयार कर ली हैं। इस वर्ष परिसर के विद्वानों द्वारा तीन हजार से अधिक प्रविष्टि जांच कर संस्थान की वेबसाईट पर डाल दी गयी हैं।

संस्थान ने अपने परिसरों के विभिन्न पुस्तकालयों में उपलब्ध सभी पाण्डुलिपियों के डिजिटलाईजेशन के लिये भी पहल कर दी है। डिजिटलाईजेशन का कार्य राष्ट्रिय पाण्डुलिपि मिशन के माध्यम से संचालित होगा।

7. हू इज हू

संस्थान संस्कृत के विद्वानों का डाटा बैंक पुस्तक के रूप में और साथ ही साथ साफ्ट रूप में तैयार कर रहा है। डाटा बैंक मुख्यालय और भोपाल परिसर में तैयार किया जा रहा है। अपेक्षित प्रोफार्मा संस्थान की वेबसाईट पर डाला जा चुका है और सभी संस्कृत विश्वविद्यालयों, संस्कृत विभागों के विभागाध्यक्षों तथा प्रसिद्ध विद्वानों में भी वितरित किया जा चुका है।

8. संस्कृत एवं अन्य भारतीय भाषाओं की बोलियों व उपबोलियों का शब्दकोश

अन्तर्भाषायी अध्ययन भाषाओं के प्रोत्साहन व संरक्षण के लिये एक उपयुक्त मार्ग उपलब्ध करा सकता है। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने "बोलियों व उप-बोलियों सहित संस्कृत एवं अन्य भारतीय भाषाओं का शब्दकोश" की एक परियोजना प्रारम्भ की है। यह परियोजना 2009 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन वित्तीय सहायता के साथ शुरू की गयी है।

यह विविध भारतीय भाषाओं, बोलियों और उप- बोलियों में समान पारिभाषिक शब्दों के अध्ययन के माध्यम से पारंपरिक ज्ञान और भाषाई दक्षता के संरक्षण एवं सुरक्षा में भी योगदान देगी। एक समन्वयक, दो वरिष्ठ अध्येता एवं चार कनिष्ठ अध्येता संस्कृत सहित्य परिषद् कोलकता एवं भोपाल परिसर, भोपाल में कार्यरत है।

9. संस्कृत-हिन्दी-फरसी-ऊर्दू-अंग्रेजी शब्दकोश

इस परियोजना में संस्कृत-हिन्दी-फरसी-ऊर्दू-अंग्रेजी शब्दकोश का निर्माण राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली में किया जायेगा। जिसमें एक वरिष्ठ अध्येता, एक कनिष्ठ अध्येता एवं दो डॉटा एन्ट्री आपरेटर कार्यरत है।

6.11 पुस्तकालय एवं विक्रय इकाई

संस्थान सभी दस परिसरों के समृद्ध पुस्तकालयों के अतिरिक्त मुख्यालय में भी शैक्षणिक कार्यकलापों और आगन्तुक विद्वानों की सुविधा हेतु 22000 से भी अधिक संस्कृत ग्रन्थों से युक्त पुस्तकालय है। परियोजना अधिकारी इस कक्ष के प्रधान हैं जो विक्रय व कम्प्यूटर के कार्यों की भी देखरेख करते हैं। संस्थान के अधीन सभी पुस्तकालयों की नेटवर्किंग 2010-11 में आरम्भ हो गई है। एक तिहाई ग्रन्थों का काम हो चुका है।

इकाई ने परिसरों को पहले से ही कम्प्यूटर प्रदान कर दिए हैं। संस्थान के पुस्तकालय हेतु वर्ष में प्राप्त ग्रन्थों पर हुए व्यय का विवरण तथा बिक्री आय निम्नलिखित है-

पुस्तकालय		
1.	क्रीत ग्रन्थ	रूपये 1,40,372.00
2.	उपहार के रूप में प्राप्त ग्रन्थ	रूपये 1,54,169.00

विक्रय		
1.	पुनर्मुद्रित दुर्लभ ग्रन्थ	रूपये 07,90,642.00
2.	संस्थान के प्रकाशन	रूपये 39,72,787.00
	कुल योग	**रूपये 47,63,429.00**

6.12 मुक्त स्वाध्यायपीठम्
(दूरस्थ शिक्षा संस्थान)

1. मुक्त स्वाध्यायपीठम् (दूरस्थ शिक्षा संस्थान)

मुक्त स्वाध्यायपीठम् (दूरस्थ शिक्षा संस्थान), दूरस्थ शिक्षा परिषद् से मान्यता प्राप्त राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का एक स्वायत संस्थान है। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के परिसरों में इसके अध्ययन केन्द्रों को स्वाध्याय केन्द्र कहा जाता है।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा मुक्त स्वाध्यायपीठम् के माध्यम से परम्परागत पाठ्यक्रमों का शुभारम्भ अगस्त 2010 में किया। मुक्त स्वाध्यायपीठम् के सभी पाठ्यक्रम दूरस्थ शिक्षा परिषद, इन्दिरा गांधी राष्ट्रिय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त है।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

* प्राक्-शास्त्री (2 वर्ष) (साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष)
* आचार्य (2 वर्ष) (व्याकरण, साहित्य)
* प्राक्-शास्त्री सेतु (6 माह) (संस्कृतावतरणी)
* शास्त्री (3 वर्ष) (साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष)
* शास्त्री सेतु (एक वर्ष) (संस्कृतावगाहनी)

प्रस्तवित पाठ्यक्रम

* आचार्य सेतु (एक वर्ष) (शास्त्रावगाहनी)
* पत्रिकारिता में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
* संस्कृत-संस्कृतप्रवेश में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम
* प्राकृत में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
* प्राकृत में आरंभिक पाठ्यक्रम
* पालि में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
* पालि में आरंभिक पाठ्यक्रम
* संस्कृत अनुवाद में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (हिन्दी से संस्कृत, संस्कृत से हिन्दी)
* संस्कृत अनुवाद में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (अंग्रेजी से संस्कृत, संस्कृत से अंग्रेजी)
* शारिरिक शिक्षा में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

मुक्त स्वाध्यायपीठम् के सभी पाठ्यक्रम परिसरों में चलाये जा रहे सभी पाठ्यक्रमों के समकक्ष एवं मान्यता प्राप्त है।

प्राक् शास्त्री प्रथम वर्ष, शास्त्री सेतु, शास्त्री प्रथम वर्ष, आचार्य प्रथम वर्ष के शिक्षार्थियों हेतु परामर्श सह संपर्क कार्यक्रम: शिक्षार्थियों एवं शैक्षिक परामर्शदाताओं के बीच आपसी संपर्क कक्षायें सभी 11 स्वाध्याय केन्द्रों में 01.02.2011 से 10.02.2011, 07.03.2011 से 13.03.2011 के बीच आयोजित की गई।

प्रवेशित छात्र (2010-11)

स्वाध्याय केन्द्र		प्राक् शास्त्री (प्र.वर्ष)	प्राक् शास्त्री सेतु	शास्त्री			शास्त्री सेतु	आचार्य			कुल
				सा.	व्या.	ज्यो.		सा.	व्या.	ज्यो.	
1.	दिल्ली	–	–	02	–	–	17	12	–	–	31
2.	गरली	01	–	01	–	01	04	–	01	–	08
3.	जयपुर	–	–	–	–	02	03	03	02	–	10

प्रवेशित छात्र (2010-11)

स्वाध्याय केन्द्र		प्राक् शास्त्री (प्र.वर्ष)	प्राक् शास्त्री सेतु	शास्त्री			शास्त्री सेतु	आचार्य			कुल
4.	पुरी	–	–	01	–	–	02	09	03	–	15
5.	जम्मू	–	02	–	–	–	01	02	–	–	05
6.	मुम्बई	01	–	04	–	–	06	02	01	–	14
7.	गुरुवायूर	02	05	07	05	01	09	06	04	–	39
8.	लखनऊ	02	–	–	–	–	–	–	01	–	03
9.	भोपाल	–	01	01	–	–	02	02	–	–	06
10.	इलाहाबाद	–	–	–	–	–	01	–	–	–	01
11.	श्रृंगेरी	–	–	01	02	02	02	04	09	–	20
				कुल योग					152		

वर्ष 2010-11 में स्वाध्याय केन्द्रों में विभिन्न कक्षाओं में 170 छात्रों का पंजीकरण किया गया।

प्रवेशित छात्रों का कक्षावार महिला और पुरुष छात्रों का अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग सहित ब्यौरा निम्नवत है।

कक्षा	कुल	पुरुष	महिला	सामान्य	एस.सी.	एस.टी.	पी.एच.	ओ.बी.सी.
प्राक् शास्त्री-1	06	05	01	06	--	--	--	--
प्राक् शास्त्री-2	08	05	03	08	--	--	--	--
सेतु पाठ्यक्रम								
शास्त्री (बी.ए.)	30	17	13	27	01	--	--	02
शास्त्री सेतु	47	31	16	40	--	--	--	07
पाठ्यक्रम								
आचार्य (एम.ए.)	61	36	25	45	04	03	--	09
कुल	152	107	65	143	05	04	01	19

वार्षिक परीक्षा शैक्षिक सत्र के अन्त में आयोजित की जायेगी। (सितम्बर 2011)

बैठकें

अभिकल्प समिति की बैठक संस्थान मुख्यालय नई दिल्ली में दिनांक 13.05.2010 को आयोजित की गई। डॉ. जी.गंगान्ना, डॉ. रामलखन पाण्डेय, प्रो. राजेन्द्र मिश्र, प्रो. सी. आर.के. मूर्ति, प्रो. वी. वेंकंया, डॉ. सच्चिदानन्द ने बैठक में भाग लिया।

कार्यशालाएँ

दिनांक 07.06.2010 को संस्कृत पत्रकारिता के सम्बंध में कार्यशाला का आयोजन संस्थान मुख्यालय नई दिल्ली में किया गया। डॉ. सच्चिदानन्द तिवारी, डॉ. बलदेवानन्द सागर, डॉ. पंकज कुमार मिश्र एवं डॉ. अजय कुमार मिश्र ने इस कार्यशाला में सम्मिलित हुये।

दिनांक 16.08.2010, 10.09.2010 एवं 10 से 24.09.2010 में संस्थान मुख्यालय में पालि एवं प्राकृत पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

नाट्यशास्त्र पाठ्यक्रम के पाठों को सत्यापन करने हेतु समय-समय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्रो. राजेन्द्र मिश्र, भूतपूर्व कुलपति, डॉ. रमाकान्त शुक्ल, डॉ. पंकज मिश्र, डॉ. बलदेवानन्द सागर, प्रो. रंजीत बेहरा ने उपरोक्त कार्यशालाओं में सम्मिलित हुये।

अभिविन्यास कार्यक्रम

मुक्त स्वाध्यायपीठम् का अभिविन्यास कार्यक्रम दिनांक 28-29 सितम्बर 2010 तक संस्थान मुख्यालय में प्रस्तुत किया गया। स्वाध्याय केन्द्रों के सभी समन्वयक एवं सहायक समन्वयक कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

दूरस्थ माध्यम से विभिन्न संस्कृत पाठ्यक्रमों के प्रस्ताव में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा द्वितीय वर्ष की स्वाध्याय पाठ्यसामग्री तैयार है।

परिसरों की एक झलक

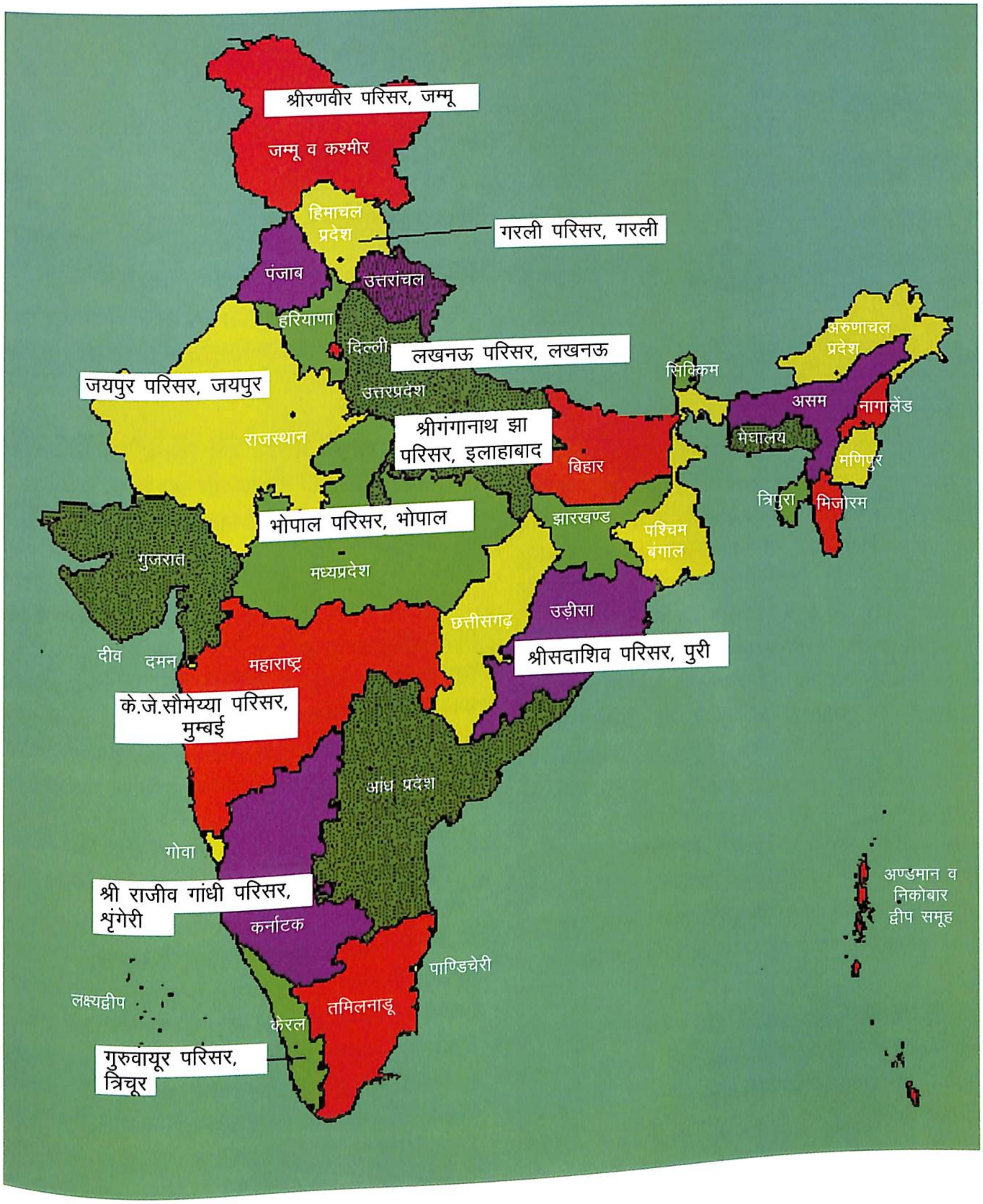

श्रीरणवीर परिसर, जम्मू
जम्मू व कश्मीर
हिमाचल प्रदेश
गरली परिसर, गरली
पंजाब
उत्तरांचल
हरियाणा
दिल्ली
लखनऊ परिसर, लखनऊ
जयपुर परिसर, जयपुर
उत्तरप्रदेश
राजस्थान
श्रीगंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद
बिहार
सिक्किम
अरुणाचल प्रदेश
असम
नागालेंड
मेघालय
मणिपुर
त्रिपुरा
मिजोरम
भोपाल परिसर, भोपाल
झारखण्ड
पश्चिम बंगाल
गुजरात
मध्यप्रदेश
छत्तीसगढ़
उड़ीसा
श्रीसदाशिव परिसर, पुरी
दीव
दमन
महाराष्ट्र
के.जे.सौमेय्या परिसर, मुम्बई
आंध्र प्रदेश
गोवा
श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी
कर्नाटक
अण्डमान व निकोबार द्वीप समूह
पाण्डिचेरी
लक्ष्यद्वीप
तमिलनाडू
केरल
गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर

7. परिसर

7.1 श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उत्तरप्रदेश)

गंगानाथ झा शोध संस्थान की स्थापना सन् 1943 में इलाहाबाद में हुई। संस्थान का अधिग्रहण राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा अपनी अंगीभूत विद्यापीठ के रूप में 1 अप्रैल 1971 को किया गया। अतः संस्थान का पुनः नामकरण "गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद" हुआ। सन् 2002 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अधिसूचना के पश्चात् राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान अपनी सभी सम्बद्ध विद्यापीठों सहित मानित विश्वविद्यालय के रूप में प्रतिष्ठित हुआ तब तक "गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद" के रूप में जाना जाने वाला "गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद" में परिवर्तित हो गया। यह परिसर संस्कृत साहित्य की विभिन्न विधाओं पर शोध-कार्य के लिये विशेष रूप से समर्पित एक मान्यताप्राप्त शोध केन्द्र है। छात्रों की एक बड़ी संख्या राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) की विद्यावारिधि (पीएच.डी.) उपाधि हेतु शोधकार्य करने के लिये पंजीकृत हैं। पंजीकृत शोध छात्र परिसर के किसी एक प्राध्यापक के मार्गदर्शन में कार्य करते हैं एवं समृद्ध पुस्तकालय एवं पाण्डुलिपि अनुभाग में उपलब्ध सुविधाओं का भरपूर प्रयोग करते हैं। पुस्तकालय एवं पाण्डुलिपियों का प्रयोग केवल परिसर के प्राध्यापकों एवं पंजीकृत शोधछात्रों तक सीमित नहीं हैं बल्कि, यह एक संदर्भ पुस्तकालय के रूप में भारत और विदेशों के विद्वानों के मध्य आकर्षण का केन्द्र भी है। यह संस्कृत तथा प्राचीन भारतीय संस्कृति में अभिरुचि रखने वाले विद्वानों और शोधार्थियों को दुर्लभ प्रकाशति पुस्तकों एवं अप्रकाशित पाण्डुलिपियों के अपने पुस्तकालय का प्रयोग करने के लिये आमन्त्रित करता है।

शैक्षिक प्राध्यापक-गण के सदस्य, पंजीकृत छात्रों के शोध-कार्यों में निर्देशन देने के अतिरिक्त, संस्थान द्वारा प्रदत्त उनके अपने शोध कार्य को भी करते हैं। परिसर की शोधपरियोजनायें केवल वैयक्तिक स्तर पर ही नहीं अपितु सामूहिक दल के रूप में भी की जाती हैं।

अपने सुस्वीकृत प्रकाशन कार्यक्रमों के अतिरिक्त, परिसर ने कुछ अन्य परियोजनाओं को भी प्रारम्भ किया है जैसे "ऋग्वेद-भाष्य-कोश"।

सामान्य कार्यकलाप

समारोह उत्सव कार्यक्रम

2010-11 में परिसर ने निम्नलिखित कार्यक्रम संचालित किये।

कौमुदी महोत्सव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा दिनांक 25-27 अक्टूबर 2010 को कौमुदी महोत्सव का आयोजन किया। इसमें परिसर द्वारा "**दूतवाक्यम**" नाटक प्रस्तुत किया गया।

पण्डित मण्डन मिश्र स्मृति व्याख्यानमाला

परिसर में दिनांक 16-07-2010 को पण्डित मण्डन मिश्र स्मृति व्याख्यानमाला का द्वितीय व्याख्यान सम्पन्न हुआ। जिसके मुख्य वक्ता प्रो. सोमनाथ नेने, (संस्कृत विभाग, बनारस-हिन्दु-विश्वविद्यालय वाराणसी) थे, तथा अध्यक्षता प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने की।

कार्यशाला

परिसर में दिनांक 16 से 20 जुलाई 2010 तक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली एवं राष्ट्रिय पाण्डुलिपि- मिशन, नई दिल्ली के द्वारा पाण्डुलिपि संरक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में अध्यक्ष, प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, विशिष्टतिथि के रूप में श्रीमती ममता मिश्रा, निदेशिका, इन्टाक, भारतीय संरक्षण संस्थान, लखनऊ एवं मुख्यातिथि के रूप में श्रीमती उषा अग्रवाल पूर्व निदेशिका आई.सी.सी.आई लखनऊ उपस्थित रहीं। कार्यशाला में लगभग सभी परिसरों के छात्र/छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रासंगिक विषय पर प्रो. राजेन्द्र मिश्र, प्रो. रहसविहारी द्विवेदी तथा विजय नारायण मिश्र के वैदुष्यपूर्ण व्याख्यान हुए।

त्रि-दिवसीय संस्कृत दिवस समारोह

परिसर में दिनांक 25 से 27 अगस्त 2010 तक त्रि-दिवसीय संस्कृत दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में छात्र/छात्राओं द्वारा संस्कृत माध्यम में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया गया। इसी अवसर पर कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में डॉ. जगन्नाथ पाठक, प्रो. हरिदत्त शर्मा, प्रो. रहसविहारी द्विवेदी, डॉ. हीरालाल पाण्डेय एवं परिसर के अन्य प्राध्यापकों ने भाग लिया।

जैवविधिता

परिसर में दिनांक 31-08-2010 को जैवविविधता के ऊपर प्राचार्य प्रो. सुरेन्द्र झा की अध्यक्षता में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें परिसरीय विद्वानों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये।

हिन्दी दिवस समारोह (हिन्दी पखवाड़ा)

परिसर में दिनांक 29-09-2010 को कार्यालयीय कर्मचारियों के लिये अधिक से अधिक हिन्दी की उपयोगिता करने के लिये हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कई प्रतियोगिताओं जैसे-निबन्ध, लेखन, काव्य-पाठ, नोटिंग ड्राफिंट्ग आदि मुख्य रहे।

विदेशी अतिथियों का आगमन

दिनांक 19 दिसम्बर 2010 को परिसर के पुस्तकालय एवं संग्रहालय में स्थित पुस्तकों एवं पाण्डुलिपियों को देखने हेतु **प्रो. जार्ज कार्डोना**, पेन्सिलवानिया यूनिवर्सिटी, अमेरिका एवं **डॉ. नतालिया लिंडोना** जर्मनी से आये थे।

युवा महोत्सव

संस्थान मुख्यालय के द्वारा दिनांक 27 से 29 दिसम्बर 2010 तक गुरुवायुर (केरल) में युवा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस महोत्सव में परिसर के छात्रों द्वारा अच्छा प्रदर्शन किया गया।

विश्व हिन्दी दिवस समारोह

दिनांक 11-01-2010 को परिसर में विश्व हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह मे मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. आनन्द कुमार श्रीवास्तव ने अपने विचार व्यक्त करते हुये हिन्दी की दशा और दिशा पर चर्चा की।

विश्व पुस्तक मेला, बेंगलूरू

जनवरी 2011 में आयोजित विश्व पुस्तक मेला बेंगलूरू में परिसर के 12 ग्रन्थों का लोकापर्ण किया गया।

विशेष व्याख्यानमाला

दिनांक 03 से 05 मार्च 2011 तक परिसर में संस्कृत काव्य में कवि समवाय विषय पर आधारित विशेष व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में दिनांक 3 जनवरी को मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. त्रिविक्रम नारायण धर्माधिकारी, पूर्व निदेशक वैदिक संशोधन मण्डल, पुणे एवं प्रो. गौतमपटेल, पूर्व निदेशक, संस्कृत अकादमी, अहमदाबाद उपस्थित रहे। दिनांक 4 जनवरी को प्रो. इच्छाराम द्विवेदी, अध्यक्ष, पुराणेतिहास विभाग, लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिस संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली एवं डॉ. रमाकान्त शुक्ल, महासचिव, देववाणी परिषद्, नई दिल्ली उपस्थित रहे। दिनांक 5 जनवरी को प्रो. राजेन्द्र मिश्र, पूर्व कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी एवं प्रो. सुरेश चन्द्र पाण्डेय, पूर्व विभागाध्यक्ष, प्रयाग विश्वविद्यालय, प्रयाग एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

शास्त्र चूडामणि योजना

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मुख्यालय द्वारा संचालित शास्त्र चूडामणि योजना में प्रो. रहसविहारी द्विवेदी वर्ष 2010-11 में परिसर में कार्य कर रहे हैं।

कार्यभार ग्रहण

दिनांक 20-09-2010 को डॉ. प्रकाश पाण्डेय ने इस परिसर में प्राचार्य के रूप में अपना कार्यभार ग्रहण किया।

स्थानान्तरण

दिनांक 20.09.2010 को डॉ. प्रकाश पाण्डेय ने इस परिसर में प्राचार्य के रूप अपना कार्यभार ग्रहण किया।

शोध

वाक् परीक्षा सम्पन्न - (विद्यावारिधि)-08

शोध प्रबन्ध जमा - 13

पंजीकृत छात्रं सं. - 24 (पु. 20 स्त्री. 04)

सामान्य	पिछडा वर्ग	अनु.जाति
15	08	01

पुस्तकालय

1. परिसर के पुस्तकालय वर्ष 2010-11 में 226 पुस्तके क्रय की गई एवं 44 पुस्तके उपहार स्वरूप प्रदान की गई।
2. क्षेलेशचन्द्रचट्टोपाध्याय संग्रह पुस्तकालय का पुन-र्व्यवस्थापन किया गया।
3. डाटा इन्टपुट शीट का निर्माण किया गया।
4. परिसर में उपलब्ध शोध प्रबन्धों का परिग्रहण एवं पुनर्व्यवस्थापना किया गया।
5. क्षेलेशचन्द्रचट्टोपाध्याय संग्रह पुस्तकालय के 1100 दुलर्भ ग्रन्थों का प्रलेखीकरण किया गया।
6. सम्पूर्ण पत्रिका का पुर्नव्यवस्थापन किया गया।
7. डाटा-इनपुट शीट का निर्माण किया गया।
8. e-granthalaya software में प्रविष्टि के पश्चात उसका निरीक्षण किया गया।
9. जिल्दबन्दी हेतु ग्रंथों की सूची का निर्माण तथा छटनी।
10. पुस्तकालय स्थित ई-ग्रन्थालय साफ्टवेयर में स्थापित ग्रन्थों का परीक्षण।
11. पुस्तकालय सत्यापन कार्य में सहयोग।

संकाय सदस्यों के कार्यकलाप

1. डॉ. ललित कुमार त्रिपाठी (सह-आचार्य)

(i) तर्कचन्द्रिका का सम्पादन

(ii) सम्पादित चार ग्रन्थों का लोकार्पण

(क) नारायणतीर्थकृता गङ्गालहरी

(ख) शब्दार्थतर्कामृतम्

(ग) शब्दामृतम्

(घ) शब्दशास्त्रमहार्णव:

(iii) दूरस्थ शिक्षण सामग्री का सम्पादन।

(iv) स्वाध्याय केन्द्र का संयोजन।

(v) पद्मश्री मण्डनमिश्र स्मृतिव्याख्यानमाला का संयोजन।

(vi) संस्कृत एवं कम्प्यूटर्स पर विशेष व्याख्यान (जगत् तारन गर्ल्स डिग्री कालेज में)।

(vii) चतुर्थ अन्ताराष्ट्रिय संस्कृत संगणक भाषा विज्ञान सिम्पोजियम के शोधपत्रों का निरीक्षण।

(viii) चतुर्थ अन्ताराष्ट्रिय संस्कृत संगणक भाषा विज्ञान सिम्पोजियम के कार्यक्रम समिति के सदस्य के रूप में कार्य निर्वहण।

(ix) जर्नल ऑफ गङ्गानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ के अंक 64 का संयुक्त सम्पादन।

(x) जर्नल ऑफ गङ्गानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ के अंक 64 में शोधलेख का प्रकाशन।

(xi) 'शब्दामृतस्वाध्याय:' परियोजना का प्रस्तावन।

(xii) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा निर्दिष्ट विद्यालय निरीक्षण।

(xiii) समय समय पर परिसरीय निर्दिष्ट दायित्वों का निर्वहण।

(xiv) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा आयोजित दूरस्थ संस्कृत शिक्षण कार्यशाला में प्रतिभागिता।

(xv) शोधच्छात्रों का मार्गदर्शन।

(xvi) नए हस्तलेखों का अध्ययन, नए शोधपत्रों का लेखन।

1. व्याकरण दर्शन की ज्ञानमीमांसा (अप्रकाशित)।
2. मौनिश्रीकृष्णभट्ट का व्याकरणदर्शन को अवदान (अप्रकाशित)

2. डॉ. वी. एन. गिरि (सह-आचार्य)

1. परिसरीय शोध योजनान्तर्गत सम्पादन/प्रकाशन-

(क) न्यायसूत्र विवृत्ति:- पं. सुखानन्दजाड्शास्त्रि-विद्याभूषणकृता न्यायसूत्रव्याख्यां 2010 में प्रकाशित, बंगलौर पुस्तकमेला में लोकार्पित

2. स्वीकृत/प्रस्तावित सम्पादन परियोजना-

(1) काव्यप्रकाश-टीकात्रयी का सम्पादन क. सारसमुच्चय-रत्कण्ठभट्ट ख. जयन्ती-जयन्तभट्ट ग. तथा आनन्दराजनकृत्य व्याख्या सभी शारदा लिपि में है। इसके पाँच वर्षो में पूर्ण होने की सम्भावना है।

(2) द्रव्यसारसंग्रह- क. श्री रघुदेव भट्टाचार्य लिखित न्याय वैशेषिक का स्वन्त्रग्रन्थ है। 162 पृ. का हस्तलेख परिसर के संग्रहालय में उपलब्ध है। एक वर्ष का समय अपेक्षित है।

3. शोधनिर्देशन-

क. 8 छात्रों को विद्यावारिधि (पीएच.डी.) उपाधि प्राप्त है।

ख. 4 शोध प्रबन्ध प्रस्तुत।

ग. 5 छात्र नवीन पंजीकृत।

4. अन्यशैक्षणिक/गैरशैक्षणिक गतिविधियां-

क. दूरस्थ हेतु पाठ निर्माण।

ख. परिसरीय सामयिक शैक्षिक/संस्कृत कार्यक्रमों का संयोजन।

ग. रेडियो वार्ता आदि शैक्षिक कार्यो में प्रतिभागिता।

घ. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के परीक्षा/मूल्यांकन में सहयोग।

ङ. जर्नल ऑफ दि गंगानाथ झा विद्यापीठ का सह सम्पादन।

च. प्रादेशिक संस्कृत महाविद्यालयों का निरीक्षण/सत्यापन।

छ. परिसरीय प्रबन्धन सम्बन्धी समितियों में सामयिक दायित्व का निर्वहण।

3. प्रो. शैल कुमारी मिश्र (आचार्य)

1. परिसरीय शोध योजनान्तर्गत सम्पादन/प्रकाशन-

सम्पादन कार्य - क. प्रातिशाख्य पारिभाषिक कोष प्रकाशनार्थ पूर्ण प्रूफ संशोधन कार्य चल रहा है। ख. कौलार्चन दीपिका प्रकाशनार्थ पूर्ण है। ग. जगद्धरभट्ट विरचित 'तत्तवदीपिनी' टीका का सम्पादन पूर्ण, प्रकाशन का कार्य चल रहा है।

2. प्रस्तावित परियोजना- वैद्यविलासमहाकाव्यम् का सम्पादनम्

3. शोधनिर्देशन - क. नव प्रविष्ट एवं पूर्व के समस्त 10 छात्रों का मार्ग निर्देशन। ख. 05 शोधच्छात्रों के शोधप्रबन्ध पूर्ण एवं परीक्षार्थ प्रस्तुत। ग. 02 छात्रों की वाक्परीक्षा सम्पन्न।

4. शोध पत्र परिसरीय एवं अन्य पत्रिकाओं में शोध पत्र प्रकाशनार्थ प्रेषित।

4. डॉ. बनमाली बिस्वाल (उपाचार्य)

1. प्रकाशित पुस्तक-1

वाक्यवाद: (with Hindi English Translation & Notes) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, गङ्गानाथ झा परिसर, इलाहाबाद।

2. प्रकाशित पुस्तकसमीक्षा-2

(i) उदयनग्रन्थावली (भाग 1-3), सम्पा. किशोर झा, जर्नल ऑफ गङ्गानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद, भाग-64, 2010

(ii) वशिष्ठ' Contribution to Rivedic Philosophy; Authored by : Vinod Kumar Dixit, जर्नल ऑफ गङ्गानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद, भाग-64, 2010

3. प्रकाशित शोधपत्र-5

a. Origin and Development of Writing in India- CASS, Univ. of Puna

b. A Textual criticism on Somaprabha's सूक्तिमुक्तावली- लोकप्रज्ञा-14, Bhadrak, Orissas.

c. Phonology in its Sources, Studies in Indian Linguistic, Vol.II, Ed. B.K.Dalai, New Delhi.

d. आधुनिक-संस्कृत-नाटकानां परिवर्तित-परिदृश्यम्, संस्कृतमञ्जरी, दिल्ली संस्कृत अकादमी, नई दिल्ली।

e. Contribution of योगरत्नावली पतञ्जलि's of Yoga- Yoga Studies Ed. B.K.Dalai, Pune.

4. परिसरीय शोधयोजना के अन्तर्गत वाक्यदीपिका, प्रातिशाख्य-पारिभाषिककोश, परिभाषार्थमञ्जरी का आंशिक सम्पादन एवं पाठालोचन।

5. 10 पंजीकृत (नूतन-4, पुरातन 6) शोधछात्रों का मार्गदर्शन।

6. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के दूरस्थ-शिक्षणपाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्राक्-शास्त्री कक्षा के लिए निर्धारित व्याकरणपत्र लघुसिद्धान्तकौमुदी (भ्वाद्यन्त) एवं सिद्धान्तकौमुदी (पञ्चसन्ध्यन्त) की पाठ्यसामग्री का निर्माण एवं सम्पादन।

7. समकालिक-संस्कृत-साहित्य-समीक्षा-पत्रिका दृक् के दो अंक (22-23) तथा षाण्मासिक संस्कृत-कक्षा-पत्रिका कथासरित् के तीन अंकों (9-10,11) का सम्पादन।

8. दिनांक 9-9-2010 से 13-09-2010 तक राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी में आयोजित संस्कृतस्वाध्याय-साधनसामग्री-निर्माण विषयक पञ्च-दिवसीय कार्यशाला में सक्रिय भागग्रहण।

9. 22-24 फरवरी 2011 को महात्मागान्धी काशी विद्यापीठ, वाराणसी में आयोजित आधुनिक संस्कृत साहित्य में युगबोध विषयक त्रिदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में शोधपत्र प्रस्तुतिपूर्वक भागग्रहण

10. रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर में 12-13 मार्च, 2011 को पाण्डुलिपिविज्ञान विषय पर 2 व्याख्यान।

5. डॉ. अपराजिता मिश्रा (सहायकाचार्य)

1. सम्पादन कार्य 'गोपालविवेक' (प्रतिलिपि कार्य पूर्ण)
2. सम्पादन कार्य 'विलासरत्नमाला' (प्रतिलिपि कार्य क्रियमाण)
3. 31.03.2010 को परिसर में 'जैव-विवधता' विषय पर आयोजित कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन
4. 14.09.2010 को परिसर में 'हिन्दी-दिवस' के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन तथा 14.09.2010 से 30.09.2010 के मध्य हिन्दीपखवाड़ा के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों का संचालन।
5. 19.11.2010 को आकाशवाणी केन्द्र प्रयाग से वार्ता का प्रसारण।
6. इलाहाबाद विश्वविद्यालय में 19-20 दिसम्बर 2010 को आयोजित अन्तराष्ट्रिय संगोष्ठी में शोधपत्र वचन।
7. दो शोध-छात्रों को शोध-कार्य हेतु मार्गदर्शन।
8. 'शब्दशास्त्रमहार्णव' ग्रन्थ के सह-सम्पादक के रूप में कार्य किया।
9. 09.02.2011 से 02.03.2011 तक इलाहाबाद विश्वविद्यालय में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

6. डॉ. सुरेश पाण्डेय (शोध सहायक)

1. सुदामा शतकम् नामक हस्तलेख का प्रकाशन।
2. कार्यालय आदेश सं. दिनांक 18.08.2010 के आदेशार्थ पुस्तकालय सत्यापन कार्य।
3. इसके अतिरिक्त प्राचार्य के निर्देशित कार्यो का निस्तारण।

7. श्री रामचन्द्र (शोध सहायक)

1. विष्णुभक्तिकल्पता (भक्ति काव्य) नामक ग्रन्थ का प्रकाशन।

8. शैलजा पाण्डेय (शोध सहायक)

महत्वपूर्ण पुस्तके

1. सत्योपाख्यानम् ग्रन्थ, हिन्दी कथा युक्त (रामकथापरक गङ्गानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद) वर्ष 2011
2. मयमतम् (वास्तुग्रन्थ, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वराणसी सम्पादन, हिन्दी अनुवाद, टिप्पणी) वर्ष 2007

महत्वपूर्ण शोध पत्र

1. वास्तु-शास्त्र में राजसी "वास्तुशास्त्र विमर्श" पत्रिका, स्नानागार लाल बहादुर शास्त्री विद्यापीठ, दिल्ली वर्ष 2010
2. महर्षि भारद्वाज की दृष्टि में अन्तरिक्ष एवं सूर्य- रश्मिविज्ञान "संस्कृत-विमर्श", राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, दिल्ली वर्ष 2009
3. पुत्तलिकायें वेद से लोक तक "संस्कृति-सन्धान", जर्नल ऑफ द नेशनल रिसर्च इन्स्टीट्यूट, वाराणसी वर्ष 2006

महत्वपूर्ण लेख

1. श्रद्धा त्रय विभाग, ज्ञानज्योति, इलाहाबाद वर्ष 2008
2. सीता-राम प्रीति रस, पथरचट्टी रामलीला कमेटी स्मारिका इलाहाबाद वर्ष 2009

चालू परियोजनाएँ

1. ऋग्वेद-भाष्य-कोश

2006 से

कुल पुस्तके (संपादित)	= 02
शोध पत्र	= 08
लेख	= 07
संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला	=07

7.2 श्री सदाशिव परिसर, पुरी (उड़ीसा)

परम्परागत संस्कृत अध्ययन-अध्यापन में चिरकाल से सम्बद्ध, राज्य सरकार के अन्तर्गत संचालित पूर्ववर्ती सदाशिव संस्कृत कॉलेज, पुरी का 15 अगस्त, 1971 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के द्वारा अधिग्रहण किया गया। प्रबन्धन के अन्तरण के पश्चात् पुराने सदाशिव संस्कृत कॉलेज, पुरी का नाम बदल कर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरी रखा गया। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को मानित विश्वविद्यालय की पदवी मिल जाने के कारण अब यह राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के श्री सदाशिव परिसर, पुरी के रूप में जाना जाता है।

परिसर के शैक्षिक क्रियाकलाप 4.78 एकड़ भूमि पर नव-निर्मित भवन में आरम्भ हो गए हैं। परिसर में पाठकों के लिए विभिन्न विषयों पर लगभग 50000 पुस्तकों, हस्तलिपियों और पत्रिकाओं से युक्त अति समृद्ध पुस्तकालय है।

यह परिसर साहित्य, नव्य व्याकरण, धर्मशास्त्र, पुराणेतिहास, सिद्धान्त ज्योतिष, फलित ज्योतिष, अद्वैत वेदान्त, सांख्य योग, नव्य न्याय, सर्वदर्शन आदि विभिन्न विभागों में प्राक् शास्त्री से आचार्य तक शिक्षण प्रदान करता है। परिसर विद्यावारिधि (पीएच.डी.) उपाधि हेतु शोध कार्यक्रम भी प्रस्तुत करता है।

इन विषयों के अतिरिक्त, संस्थान के पाठ्यक्रमों के अनुसार शास्त्री व प्राक्शास्त्री की कक्षाओं में अंग्रेजी, हिन्दी, उड़िया, इतिहास, गणित और कंप्यूटर शिक्षा जैसे कुछ आधुनिक विषयों का अध्यापन किया जा रहा है। पर्यावरण अध्ययन का ज्ञान भी इन कक्षाओं में प्रदान किया जाता है। परिसर में बी.एड. के बराबर शिक्षाशास्त्री (प्रशिक्षण) पाठ्यक्रम भी चलाया जाता है।

इस वर्ष में प्राक् शास्त्री से विद्यावारिधि तक कुल 725 छात्र पंजीकृत थे। इन छात्रों में से 481 छात्राएँ थीं। 240 छात्रों को छात्रावास सुविधा प्रदान की गई थी।

समारोहों/सम्मेलनों की सूची

(i) संस्कृत सप्ताहोत्सव : 23से 25-08-2010.

(ii) हिन्दी दिवस : 14.09.2010.

(iii) अखिल भारतीय युवा महोत्सव: 26.12.2010 से 29. 12.2010.

(iv) अखिल भारतीय स्पर्धा: 06.01.2011 से 08.01.2011.

(v) वार्षिक समारोह: 18.03.2011.

(vi) विस्तार व्याख्यान: व्याकरण 28.02.2001 श्री चम्मूकृष्ण शास्त्री, 15.03.2011 प्रो. वासिष्ठ त्रिपाठी द्वारा, 17.03. 2011 प्रो. पी.एम. पटनायक द्वारा।

वर्ष 2010-2011 के दौरान शिक्षाशास्त्री कक्षा की गतिविधियाँ

(i) दखिला : 2, 3.7.2010

(ii) सत्र प्रारम्भ : 07.07.2010

(iii) प्रथमोचार प्रशिक्षण: 1.9.2010 से 14.09.2010

(iv) शिक्षक दिवस समारोह : 5.9.2010.

(v) अध्यापन अभ्यास : 16.9.2010 से 15.11.2010

(vi) स्काऊट एवं गाईड प्रशिक्षण शिविर: 10.11.2010 से 19.11.2010.

(vii) शैक्षिक भ्रमण: 5.1.2011 से 11.1.2011

(viii) अन्तिम शिक्षण : 1.2.2011 से 5.2.2011

(ix) विस्तार व्याख्यान : 30.7.2010 को प्रो. के.एस.आर. मेनन द्वारा।

(x) 27.7.2010 से 6.8.2010

पुनश्चर्या पाठयक्रम

1. डॉ. आर.के. मिश्र, (सहायकाचार्य)

   दिनांक 8.11.2010 से 27.11.2010 हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला।

2. डॉ. श्रीमती एन.पाणिग्रही, (सहायकाचार्य)

   दिनांक 10.04.2010 से 30.04.2010 बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।

3. डॉ. बी. पात्रा, (सहायकाचार्य)

   दिनांक 10.04.2010 से 30.04.2010 बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।

4. डॉ. एस.जी. पाण्डेय, (सहायकाचार्य)

   दिनांक 10.04.2010 से 30.04.2010 बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।

5. डॉ. वी.पी. कछवाह, (सहायकाचार्य)

दिनांक 10.04.2010 से 30.04.2010 बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।

6. डॉ. डी. सी. सारंगी, (सहायकाचार्य)

दिनांक 09.02.2011 से 01.03.2011 इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।

7. श्रीमती जी.पी. दाश, (सहायकाचार्य)

दिनांक 09.02.2011 से 01.03.2011 इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

8. डॉ. एस.एन. महालिक, (सहायकाचार्य)

दिनांक 09.02.2011 से 01.03.2011 इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।

9. डॉ. महेश झा, (सहायकाचार्य)

दिनांक 09.02.2011 से 01.03.2011 इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

ओरियन्टेशन पाठ्यक्रम

1. डॉ. ए.के. मीना, (सहायकाचार्य)

दिनांक 18.11.2010 से 15.12.2010 बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।

2. डॉ. जी. शुक्ला, (सहायकाचार्य)

दिनांक 18.11.2010 से 15.12.2010 बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।

3. डॉ. एम. कुमार, (सहायकाचार्य)

दिनांक 18.11.2010 से 15.12.2010 बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वराणसी।

4. डॉ. के.एस. शर्मा, (सहायकाचार्य)

दिनांक 18.11.2010 से 15.12.2010 बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।

प्रकाशन

प्रो. एच.के. महापात्रा

लेख- 1. श्रीमद्भागवत साम्प्रतिकी आवश्यकता

2. व्याकरणस्य दर्शनरूपत्वम्

प्रो. ए.के. नन्दा

लेख- 1. प्रायश्चितेन पापक्षयविचार:

डॉ. सूर्यमणि रथ (सहआचार्य)

प्रकाशित पुस्तक - ब्रह्मचार्यकृतकाव्यालंकार

लेख- 1. ध्वनि: व्याग्र्थश्च

2. भारतीय सौन्दर्य तत्वम्

डॉ. मीनाति रथ (सहआचार्य)

लेख- 1. गीता सुगीता कर्तव्य

2. महाशिवरात्रि रहस्यम्

डॉ. उदय नाथ झा (सहआचार्य)

लेख- 1. तात्पर्याख्यावृत्तिविचार:

डॉ. विमल प्रसाद मोहन्ती (सहआचार्य)

लेख- 1. मार्निंग वाक (उड़िया)

डॉ. कृपा शंकर शर्मा (सहायकाचार्य)

लेख- 1. अभिज्ञान शाकुन्तले विषक्षितान्य परचाच्यध्वनि:

डॉ. रमाकान्त मिश्र (सहायकाचार्य)

प्रकाशित पुस्तकें - 1. चिरन्तनी

2. साम्प्रतिकपरिप्रेक्ष्ये शिक्षा

डॉ. दुर्गाचरण सारंगी (सहायकाचार्य)

लेख- 1. ब्रह्मादैत शब्दाद्वैतमो:

डॉ. महेश झा (सहायकाचार्य)

लेख- 1. श्रीमद्रामायणी गंगा

डॉ. विश्वरंजन पति (सहायकाचार्य)

प्रकाशित पुस्तक - 1. ज्योतिषशास्त्रयोतिहास:

7.3 श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू और काश्मीर)

जम्मू एवं काश्मीर के पूर्व महाराज श्री रणवीर सिंह जी के द्वारा संस्थापित पूर्ववर्ती श्री रघुनाथ संस्कृत महाविद्यालय का अधिग्रहण 1 अप्रैल, 1971 को संस्थान द्वारा अंगीभूत विद्यापीठ के रूप में किया गया तथा इसका नाम श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ रखा गया। संस्थान की घोषणा मानित विश्वविद्यालय के रूप में किए जाने पर विद्यापीठ का नामकरण पुनः श्री रणवीर परिसर के रूप में किया गया। यह व्याकरण, ज्योतिष (फलित एवं सिद्धान्त), साहित्य, दर्शन, शिक्षा-शास्त्र एवं काश्मीर शैव दर्शन कोश योजना रूपी छः विभागों के माध्यम से कार्यरत है। प्राक् शास्त्री से आचार्य तक के छात्र यहाँ विभिन्न विषयों के विद्वान शिक्षकों से शिक्षा प्राप्त करते हैं। संस्कृत अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए 1979 में शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) पाठ्यक्रम आरम्भ किया गया। शास्त्री स्तर तक पारम्परिक विषयों के साथ हिन्दी, डोगरी, अंग्रेजी, राजनीतिशास्त्र तथा इतिहास जैसे आधुनिक विषय पढ़ाए जाते हैं। छात्रों हेतु कम्प्यूटर शिक्षा, पर्यावरण अध्ययन, संगीत कक्षा और योग प्रशिक्षण की भी अच्छी व्यवस्था है। इसके अतिरिक्त, परिसर विद्यावारिधि (पी-एच. डी) उपाधि प्रदान करने हेतु शोध कार्यक्रम प्रदान करता है। अब तक इस केन्द्र से लगभग 100 शोध-छात्रों को यह उपाधि मिल चुकी है और 4 छात्रों का शोध कार्य प्रगति पर है। परिसर ने कश्मीर शैव दर्शन शब्दकोश नामक महत्वपूर्ण योजना का बीड़ा उठाया है। इसका उद्देश्य कश्मीर शैव दर्शन शब्दकोश का संकलन करना है। इसमें समृद्ध पुस्तकालय है और इसे अब तक 20 रचनाओं के प्रकाशन का श्रेय मिल चुका है।

जम्मू एवं काश्मीर राज्य द्वारा कोट भलवाल, जम्मू में 84 केनाल भूमि पर परिसर का भवन कार्य कर रहा है।

वर्ष 2010-11 में विभिन्न कक्षाओं में प्रविष्ट छात्रों-छात्राओं की कुल संख्या 376 थी जिसमें 48 छात्राएँ थीं। 190 छात्रों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गईं। 25 छात्राओं और 72 छात्रों को छात्रावास सुविधा प्रदान की गई।

सत्र 2010-2011 में सम्पन्न वार्षिक गतिविधियाँ

समारोह आयोजन

दिनांक 07.04.2010 को शिक्षाशास्त्र विभाग का सत्र समापन समारोह आयोजित किया गया।

दिनांक 05.08.2010 को प्रतिवर्ष की तरह मांगालिक पूजा के सत्रारम्भ किया गया।

दिनांक 15.08.2010 को प्रतिवर्ष की भाँति स्वतन्त्रता दिवस मनाया गया।

दिनांक 24.08.2010 श्रावण पूर्णिमा को रक्षाबन्धन पर सूर्यपुत्री तवीनदी के किनारे हर की पौडी पर श्रावणी कर्म का आयोजन किया गया।

दिनांक 25.08.2010 से 27.08.2010 तक परिसर में त्रिदिवसीय संस्कृत समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के दूसरे दिन 'कविता कामिनी' सत्र में संस्कृतक- विगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें पन्द्रह कवियों ने अपनी संस्कृत कविता प्रस्तुत की।

दिनांक 06.09.2010 को परिसर में शिक्षक दिवस मनाया गया।

दिनांक 06.09.2010 से 15.09.2010 तक परिसर में वार्षिक क्रीडा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

दिनांक 06.10.2010 को परिसर के मन्त्रणागार में गांधी जयन्ती के उपलक्ष्य में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया।

दिनांक 26.01.2010 को परिसर में गणतन्त्र दिवस मनाया गया।

जनवरी, 2011 में परिसर के प्राचार्य ने श्री माता वैष्णो देवी श्राईन बोर्ड के गुरूकुल में सप्तदिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया।

दिनांक 08.02.2011 को परिसर में वसन्त पञ्चमी उत्सव मनाया गया।

दिनांक 08.03.2011 को शिक्षाशास्त्रविभाग में विशिष्टव्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। इसमें जम्मूविश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. लोकेश वर्मा ने अपना व्याख्यान दिया।

दिनांक 10.03.2011 को शिक्षाशास्त्र विभाग में विशिष्टव्याख्यानमाला के अन्तर्गत प्रो. जे. एन् वालिया (शिक्षाविभाग, जम्मू विश्वविद्यालय) ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

संकाय सदस्यों के कार्यकलाप

दिनांक 19.05.2010 एवं 21.05.2010 को मुख्यालय मे सम्पन्न हुई प्राचार्यों की बैठक में परिसर प्राचार्य प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री ने भाग लिया।

दिनांक 16.07.2010 से 20.07.2010 तक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के गङ्गानाथ झा परिसर, इलाहाबाद में आयोजित पञ्चदिवसीय पाण्डुलिपि कार्यशाला में इस परिसर से डॉ. रामजी पाण्डेय पी.जी.टी. एवं श्री श्री भगवान ने भाग लिया।

दिनांक 30.09.2010 को ज्योतिष विभागाध्यक्ष प्रो. इन्द्रमणि दास ने दिल्ली में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय वास्तु शास्त्र सम्मेलन में भाग लिया।

दिनांक 12.11.2010 से 14.11.2010 तक ज्योतिष विभाग के डॉ. भारतभूषण मिश्र ने राष्ट्रीय वेद सम्मेलन गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद में पत्रवाचन किया।

दिनांक 21.11.2010 को गरली परिसर में सम्पन्न हुये भारतीय शोध समीति के उपवेशन में परिसर प्राचार्य प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री ने भाग लिया।

दिनांक 10.12.2010 को ज्योतिष विभाग के श्री उपेन्द्र भार्गव ने Forth International Sanskrit computational Linguistic Symposium, J.N.U. New Delhi में पत्रवाचन किया।

दिनांक 15.12.2010 से 17.12.2010 तक संस्थान मुख्यालय में आयोजित "अभिमुखीकरण कार्यक्रम में परिसर से प्रो. एम्. चन्द्रशेखर, डॉ. जगदीशराज शर्मा, डॉ. नागेन्द्र नाथ झा, डॉ. गोविन्द पाण्डेय एवं श्री शीश राम ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रो. एम् चन्द्रशेखर जी ने दो सत्रों का संचालन भी किया।

दिनांक 17.12.2010 से 18.12.2010 तक डॉ. भारतभूषण मिश्र ने बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर की अखिल भारतीय दर्शन परिषद् में पत्रवाचन किया।

दिनांक 19.12.2010 से 21.12.2010 तक डॉ. भारतभूषण मिश्र ने इलाहाबाद केन्द्रिय विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित 'Sanskrit in the Contest of Western Criticism' विषय पर पत्रवाचन किया।

दिनांक 25.12.2010 से 27.12.2010 तक शिक्षाशास्त्र विभाग के श्री कृष्णकान्त तिवारी ने वाराणसी में आयोजित सङ्गीत सेमिनार में भाग लिया।

दिनांक 26.12.2010 से 28.12.2010 तक शिक्षाशास्त्र विभाग के श्री नारायण वैद्य ने तिरूपति में आयोजित शोध सङ्गोष्ठी में भाग लिया।

दिसम्बर 2010 में शिक्षाशास्त्र विभाग के श्री डमरूधरपति ने 'श्रीमद्भगवद्गीतायाः शिक्षामनोविज्ञानम्, शारीरिकविज्ञानम् च' इस विषय पर बालेश्वर, उड़ीसा में पत्रवाचन किया।

दिनांक 07.01.2010 से 10.01.2011 तक बेंगलूरु में विश्व संस्कृत पुस्तक मेले का आयोजन हुआ। संस्कृत जगत् में इस तरह का अनूठा आयोजन पहली बार हुआ है। श्री रणवीर परिसर के प्राचार्य, शिक्षाशास्त्र विभाग के छात्रों एवं प्राध्यापकों तथा सभी विभागाध्यक्षों एवं प्रकाशन समिति ने इसमें भाग लिया। प्रकाशन विभाग की ओर से जम्मू परिसर की प्रकाशित पुस्तकों तथा CDsèkDVDs का स्टॉल भी विक्रयार्थ लगाया गया था।

दिनांक 13.01.2011 से 17.01.2011 तक श्री कृष्णकान्त तिवारी ने वाग्योगचेतनापीठ, वाराणसी द्वारा आयोजित विद्वत् संगोष्ठी में भाग लिया।

दिनांक 13.01.2011 से 14.01.2011 तक वेद विभागाध्यक्ष डॉ. हनुमान मिश्र ने श्रृंगेरी पीठ द्वारा वाराणसी में आयोजित चातुर्वेद पारायण कार्यक्रम में भाग लिया।

दिनांक 13.02.2011 से 14.02.2011 तक 'काशी हिन्दू विश्वविद्यालय' वाराणसी द्वारा आयोजित "अखिल भारतीय ज्योतिष सम्मेलन में ज्योतिष विभागाध्यक्ष प्रो. इन्द्रमणि दास तथा श्री उपेन्द्र भार्गव ने भाग लिया।

दिनांक 19.02.2011 को 'पंजाब विश्वविद्यालय' के शोध संस्थान 'साधु आश्रम' होशियारपुर में आयोजित राष्ट्रिय संगोष्ठी में परिसर के साहित्यविभाग से श्री पुष्पेन्द्र जोशी ने भाग लिया।

दिनांक 27.02.2011 से 28.02.2011 तक श्री उपेन्द्र भार्गव ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में आयोजित 'अन्तर्राष्ट्रीय आगमशास्त्रसंगोष्ठी' में भाग लिया।

दिनांक 13.03.2011 से 14.03.2011 तक श्री उपेन्द्र भार्गव ने "अखिल भारतीय शोध सेमिनार" में भाग लिया, जो कि "दयानन्द वैदिक महाविद्यालय, उरई जिला जालौन (उ. प्र.) द्वारा आयोजित किया गया था।

सम्मान एवं पुरस्कार

दिनांक 07.09.2010 से 23.09.2010 तक हिन्दी पखवाड़े

का आयोजन किया गया। जिसके अन्तर्गत सुप्रसिद्ध कवि, अनुसन्धाता एवं वरिष्ठ हिन्दी सेवा डॉ. विद्यानाथ गुप्त को विशिष्ट हिन्दी प्रतिभा सम्मान प्रदान किया गया। परिसर कार्यालय सहायक श्री रमेश चन्द्र को उत्साह पूर्वक हिन्दी में कार्य करने के लिए 'हिन्दी मित्र' सम्मान प्रदान किया। गया। कार्यालयीय भाषण प्रतियोगिता में वरिष्ठ श्रेणी लिपिक श्री सुमन लाल ने प्रथम पुरस्कार तथा कार्यालय सहायक श्री विशन दान ने द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। छात्रों के लिये भी विभिन्न- प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

दिनांक 01.11.2010 को परमादरणीय काञ्चीकाम-कोटि पीठाधीश्वर श्री श्री श्री 1008 स्वामी जयेन्द्र सरस्वती शङ्कराचार्य महाराज का परिसर में पदार्पण हुआ। एतदर्थ परिसर में उनके अभिनन्दन हेतु एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

7.4 गुरुवायूर परिसर, पुरनाट्टुकरा, त्रिचूर (केरल)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), गुरुवायूर परिसर, भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के अधीन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली द्वारा राष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे 11 परिसरों में से एक है।

गुरुवायूर परिसर 16 जुलाई, 1979 को गुरुवायूर साहित्य दीपिका संस्कृत विद्यापीठ, पावरती, गुरुवायूर के समीप, जिसे स्वर्गीय श्री पी.टी. कुरियाकोसे मास्टर द्वारा स्थापित किया गया था के अधिग्रहण के पश्चात् अस्तित्व में आया। भूतपूर्व विद्यापीठ ने केरल राज्य के भीतर और बाहर शास्त्री और आचार्य स्तर पर संस्कृत शिक्षण के एक केन्द्र के रूप में सर्वप्रथम 1934 में मद्रास विश्वविद्यालय, सन् 1958 में केरल विश्वविद्यालय और सन् 1968 में कालिकट विश्वविद्यालय से सम्बद्ध होते हुए प्रतिष्ठा अर्जित की थी। प्राचीन पारम्परिक स्तर का यह केन्द्र जनवरी 1970 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय से सम्बद्ध हुआ। 7 मई, 2002 को संस्थान को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली के एक घटक के रूप में मानित विश्वविद्यालय घोषित किया गया।

गुरुवायूर परिसर के दो केन्द्र हैं, एक पुरनाट्टुकरा में और एक पावर्टी में। मुख्य केन्द्र पुरनाट्टुकरा में सुन्दर प्राकृतिक दृश्यों सहित 14 एकड़ के क्षेत्र में स्थित है। इसमें मुख्य शैक्षिक खण्ड, प्रशसनिक खण्ड, पुस्तकालय, छात्र व छात्रा छात्रावास, अतिथि गृह, प्रेक्षागार, क्रीड़ा-क्षेत्र, अर्ध-क्रियाशील भवन और आवास गृह समाहित हैं। पावर्टी का केन्द्र 50 सेन्ट क्षेत्र में स्थित है। इस केन्द्र का पुर्ननामकरण, पी.टी. कुरियाकोसे स्मृति भवन किया गया है। यह एक मंजिला भवन है, जिसमें दो बड़े हॉल, कमरे, एक प्रशासनिक कक्ष तथा आधुनिक सुविधाओं से सम्पन्न दस श्रेणी कक्ष हैं।

पी.टी. कुरियाकोसे स्मृति भवन में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण और संस्कृत शिक्षा प्रति हेतु पत्राचार पाठ्यक्रम के अधीन त्रिमासीय कक्षायें चलायी जाती हैं। यह संस्थान पाण्डुलिपि संग्रह का भी यह केन्द्र है।

संस्थान और परिसर के पदाधिकारी अगले शैक्षिक सत्र से इस केन्द्र में शिक्षा आचार्य (एम.एड.) पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने के लिये प्रयास कर रहे हैं।

परिसर की स्थिति

गुरुवायूर परिसर केरल के त्रिचूर जिले में अदत् पंचायत के एक शैक्षिक काम्पलेक्स में स्थित है और अमला चिकित्सा महाविद्यालय, रामकृष्ण आश्रम, गुरूकुलम पब्लिक हायर सैकेण्डरी विद्यालय, शारदा कन्या हायर सैकेण्डरी विद्यालय, केन्द्रीय विद्यालय, एवं आई. ई. इस. इंजीनियरिंग महाविद्यालय से घिरा है। त्रिचूर कस्बे से गुरुवायूर परिसर उत्तर-पश्चिम दिशा में 8 किलोमीटर दूर है। नेदुमावस्येरी में कोच्चि अन्तर्राष्ट्रिय विमान पत्तन परिसर से केवल 61 किलोमीटर की दूरी पर है।

गुरुवायूर परिसर के दो क्रियाशील केन्द्र हैं:

1. पुरनाट्टुकरा अर्थात् मुख्य परिसर।
2. पावर्टी मे कुरियाकोसे मास्टर स्मृति भवन, मुख्य परिसर से 15 किलोमीटर दूर।

प्रस्तुत पाठ्यक्रम

वर्तमान में पुरनाट्टुकरा परिसर अध्ययन के निम्नलिखित पाठ्यक्रम प्रस्तुत करती है।

1. प्राक् शास्त्री (इण्टरमीडियट)

2. शास्त्री (स्तानक)-वेदान्त, साहित्य, व्याकरण, न्याय एवं ज्योतिष में।

3. आचार्य (स्नातकोत्तर)- वेदान्त, साहित्य, व्याकरण, न्याय एवं ज्योतिष में।

4. शिक्षा शास्त्री

5. विद्यावारिधि

परिसर छात्रों को आधुनिक संसार के लिये सक्षम बनाने की दृष्टि से इतिहास, अंग्रेजी, मलयालम, हिन्दी, कम्प्यूटर शिक्षा एवं पर्यावरण अध्ययन जैसे आधुनिक विषयों में प्राक् शास्त्री से लेकर शास्त्री पाठयक्रम तक के पाठयक्रम प्रस्तुत करती है।

प्रवेश

ग्रीष्म अवकाश के पश्चात विद्यापीठ 16 जून 2010 को खुला जिसमें सेतु पाठ्यक्रम एवं संस्कृत पाठ्यक्रम वाले छात्रों को प्राक् शास्त्री प्रथम वर्ष में प्रवेश दिया गया। नियमित कक्षाएँ 05.07.2010 से प्रारम्भ हुई। प्रवेश उपरान्त विभिन्न पाठ्यक्रमों की शैक्षिणक गतिविधि जुलाई माह के समापन के साथ हुई। शैक्षिणक वर्ष में निम्नलिखित प्रवेश हुए।

क्र.	कक्षा	संख्या
1.	प्राक् शास्त्री प्रथम वर्ष	47
2.	प्राक् शास्त्री द्वितीय वर्ष	40
3.	शास्त्री प्रथम वर्ष	28
4.	शास्त्री द्वितीय वर्ष	50
5.	शास्त्री तृतीय वर्ष	48
6.	आचार्य प्रथम वर्ष (साहित्य, व्याकरण, वेदान्त एवं न्याय)	47
7.	आचार्य द्वितीय वर्ष (साहित्य, व्याकरण, वेदान्त एवं न्याय)	26
8.	शिक्षा शास्त्री	100
9.	विद्यावारिधि	06
	कुल	392

छात्रवृत्ति

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान निश्चित रूप से कुछ नियम एवं शर्तो के साथ छात्रों को प्रचुर मात्रा में छात्रवृत्ति प्रदान करता है। छात्रवृत्ति की दर एवं संवितरण विभिन्न पाठ्यक्रमों में निम्न प्रकार से है।

क्र.	कक्षा	दर	संख्या
1.	प्राक् शास्त्री प्रथम वर्ष	रू.300	30
2.	प्राक् शास्त्री द्वितीय वर्ष	रू.300	14
3.	शास्त्री प्रथम वर्ष	रू400	44
4.	शास्त्री द्वितीय वर्ष	रू400	21
5.	शास्त्री तृतीय वर्ष	रू.400	29
6.	आचार्य प्रथम वर्ष (साहित्य, व्याकरण, वेदान्त एवं न्याय)	रू.500	31
7.	आचार्य द्वितीय वर्ष (साहित्य, व्याकरण, वेदान्त एवं न्याय)	रू.500	24
8.	शिक्षाशास्त्री	रू.400	50
9.	विद्यावारिधि	रू.3000	01

समाज कल्याण विभाग द्वारा अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति के छात्रों हेतु छात्रवृत्ति

राज्य सरकार भी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एवं ओ.इ.सी. छात्रों को समाज कल्याण निधि से छात्रवृत्ति प्रदान करती है। इस वर्ष निम्नलिखित छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गई।

1.	अनुसूचित जाति के छात्र	50
2.	अनुसूचित जनजाति के छात्र	02
3.	ओ.इ.सी. छात्र	01

उपरोक्त शैक्षिक रियायत जिला विकास अधिकारी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति त्रिचूर और जनजाति विकास अधिकारी, चालाकुडु, जिला त्रिचूर द्वारा स्वीकृत एवं प्रदान की जाती है।

परीक्षा परिणाम

वार्षिक परीक्षा 2010 में विभिन्न कक्षाओं का परीक्षा परिणाम प्रतिशत में निम्नवत् रहा।

क्र.	कक्षा	प्रतिशत
1.	प्राक् शास्त्री प्रथम वर्ष	100%
2.	प्राक् शास्त्री द्वितीय वर्ष	95%

3.	शास्त्री प्रथम वर्ष	97%
4.	शास्त्री द्वितीय वर्ष	100%
5.	शास्त्री तृतीय वर्ष	100%
6.	आचार्य प्रथम वर्ष	95%
7.	आचार्य द्वितीय वर्ष	86%
8.	शिक्षा शास्त्री	100%

दूरस्थ शिक्षा

इस वर्ष राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से संस्कृत में प्राक् शास्त्री (+1), शास्त्री (बी.ए.) और आचार्य (एम.ए.) पाठ्यक्रम गुरुवायूर परिसर के पावरती केन्द्र "पी.टी. कुरियाक्कोस् स्मृति भवन" में संचालित किये गये।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुक्त स्वाध्याय पीठम् के माध्यम से परम्परागत पाठ्यक्रमों का शुभारम्भ किया गया। (दूरस्थ शिक्षा परिषद् ईग्नू से मान्यता प्राप्त)।

प्रस्तुत पाठ्यक्रम

प्राक् शास्त्री (दो वर्ष) (साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष)

प्राक् शास्त्री सेतु (6 माह)

शास्त्री (तीन वर्ष) (साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष)

शास्त्री सेतु (एक वर्ष)

आचार्य (दो वर्ष) (व्याकरण, साहित्य)

आचार्य सेतु (एक वर्ष)

मुक्त स्वाध्यायपीठम् के सभी कार्य राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के परिसरों में चलाये जा रहे पाठ्यक्रमों के समकक्ष एवं मान्यता प्राप्त है। मुक्त स्वाध्यायपीठम् द्वारा जल्द ही नाट्यशास्त्र, पत्रकारिता तथा पाली एवं प्राकृत में प्रमाण पत्र कार्यक्रम चलाये जाने की योजना है।

प्रवेश

मुक्त स्वाध्यायपीठम् का शैक्षिक वर्ष 2010-11 नवम्बर माह से आरम्भ किया गया। इस वर्ष प्रति कक्षाओं में निम्नानुसार प्रवेश हुए है।

क्र.	कक्षा	संख्या
1.	प्राक् शास्त्री सेतु	05
2.	प्राक् शास्त्री	02
3.	शास्त्री सेतु	09
4.	शास्त्री	13
5.	आचार्य सेतु	12
6.	आचार्य	10

कार्यरत कर्मचारी

1.	प्राचार्य	01
2.	आचार्य	05
3.	उपाचार्य	01
4.	सह-आचार्य	03
5.	सहायकाचार्य	11
6.	कनिष्ठ व्याख्याता	07
7.	अंशकालिक व्याख्याता	03
8.	संविदागत व्याख्याता	05
9.	पुस्तकालयाध्यक्ष	01
10.	अनुभाग अधिकारी	01
11.	शोध सहायक	02
12.	कनिष्ठ अशुलिपिक	02
13.	सहायक	01
14.	प्रवर श्रेणी लिपिक	04
15.	कनिष्ठ श्रेणी लिपिक	03
16.	स्टॉफ कार ड्राईवर	01
17.	पुस्तकालय परिचयक/ग्रुप डी.	02
18.	सफाई कर्मचारी	02
19.	चौकीदार	02
20.	डाटा एन्ट्री आपरेटर	04
21.	दैनिक वेतन कर्मचारी	01

पाठ्येतर शिक्षण क्रियाकलाप

यह परिसर भी राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के अन्य परिसरों के समान त्रिभाषा- फार्मूला सहित आधुनिक ऐच्छिक विषयों के साथ-साथ संस्कृत

शिक्षण के पारंपारिक तरीके के प्रति प्रतिबद्ध है। शिक्षण कार्य के अतिरिक्त, परिसर ने वाग्वर्धिनी परिषद्, वाक्यार्थ परिषद, विस्तार व्याख्यान माला (राष्ट्रिय स्तर) और सम्मेलन आयोजित किये। परिसर छात्रों की सभी श्रेष्ठ क्षमताओं को बाहर लाने के लिये पुस्तकालय, ललित कलाओं, क्रीड़ा और खेल के क्षेत्रों में सभी पाठ्येतर क्रियाकलापों को उपलब्ध कराती है।

वाग्वर्धिनी परिषद्

वाग्वर्धिनी परिषद् छात्रों के लिये अपनी सर्वांगीण शैक्षणिक श्रेष्ठता को विकसित करने के लिये एक मंच है। विभिन्न विधाओं के छात्रों और स्नातक छात्रों के प्रतिनिधियों के लिये विभिन्न संकायों के निर्देशन में विभिन्न मंच हैं। स्नातोकत्तर छात्रों के लिये प्राचार्य द्वारा नियुक्त एक संकाय सदस्य के निर्देशन में एक सामूहिक मंच है। सन् 2010-11 के लिये वाग्वर्धिनी सभा का उद्घाटन, प्रभारी प्राचार्य प्रो. के. टी. माधवन द्वारा 14.07.2010 को किया गया। वाग्वर्धिनी सभा जुलाई 2010 से आगे प्रत्येक बुधवार को सभी कक्षाओं के लिये 2 बजे से 5 बजे (सायंकालीन सत्र) तक संचालित की गयीं। सभा के दौरान स्टॉफ एवं छात्रों द्वारा आलेख प्रस्तुत किये गये।

निम्नलिखित विषयों पर परिचर्चा करते हुए वाग्वर्धिनी सभा का संचालन हुआ।

1. वाक्यार्थ विचार:
2. शास्त्र परिचय:
3. समकालीन विषय:
4. प्रश्नोत्तरी
5. कालविनोद:

30 से अधिक सभा हुईं। छात्रों व शिक्षकों की एक अच्छी संख्या ने सक्रियता से सहभागिता की और विभिन्न विषयों पर लेख प्रस्तुत किये।

वाक्यार्थ परिषद्

वाक्यार्थ परिषद् एक अन्य मंच है, जहाँ परिसर का स्टॉफ छात्रों के समक्ष आदर्श वाक्यार्थ प्रस्तुत करता है और छात्रों को पारम्परिक तरीके से वाक्यार्थ प्रस्तुत करने के लिये प्रशिक्षित किया जाता है। यह छात्रों के लिये वाक्यार्थ की दक्षता विकसित करने का मार्ग प्रशस्त करता है-पारम्परिक शास्त्रिक शिक्षण का सार।

जुलाई माह में, प्रो. के.टी. माधवन, प्राचार्य ने प्रो. च. ल. न. शर्मा, विभागाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्री की अध्यक्षता में वाक्यार्थ परिषद् का उद्घाटन किया। डॉ. मधुसूदनम् ई., न्याय परिसर प्रमुख, डॉ (श्रीमती) आर. प्रतिमा, वेदान्त परिसर प्रमुख एवं डॉ. ई. एम. राजन्, साहित्य परिसर प्रमुख एवं डॉ. वी. के. शैलजा, प्रो. व्याकरण तथा अच्छी संख्या में अन्य शिक्षकों ने आदर्श वाक्यार्थ प्रस्तुत किये।

संस्कृत सप्ताहोत्सव समारोह

परिसर में संस्कृत सप्ताहोत्सव समारोह 30.08.2010 से 03.09.2010 के मध्य मनाया गया। डॉ. के. के. सुन्दरसेन, कुलसचिव, केरल कला मण्डल ने संस्कृत सप्ताहोत्सव का उद्घाटन किया। डॉ. के. एच. सुब्राह्मणयन, भूतपूर्व कुलसचिव, कन्नूर विश्वविद्यालय ने "संस्कृत भाषा का भारतीय संस्कृति के विकास में योगदान" विषय पर मुख्य वक्तव्य दिया। संस्कृत सप्ताहोत्सव का समापन समारोह दिनांक 03.09.2010 को आयोजित किया गया। प्रो. आर. वासुदेवन पोटी, राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित द्वारा समापन समारोह का उद्घाटन किया गया। डॉ. टी. डी. सुनीति देव, विशेष अधिकारी ने "संस्कृत भाषा का महत्त्व" विषय पर मुख्य वक्तव्य दिया। प्रो. के. टी. माधवन, प्रभारी प्राचार्य, गुरुवायूर परिसर ने समारोह की अध्यक्षता की। प्रो. पी. जी. श्रीनिवासन, विभागाध्यक्ष, व्याकरण विभाग और प्रो. सी. एल. सिसली, समिति अध्यक्ष द्वारा भी वक्तव्य दिया गया। इस अवसर पर त्रिचूर स्थित विभिन्न स्कूलों में आयोजित छात्रों में विजेता छात्रों को समापन समारोह में पुरस्कार वितरण किया गया। अन्त में छात्र प्रतिनिधि श्री विश्वम गोपाल ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

विस्तार व्याख्यान माला

परिसर ने, पारम्परिक और आधुनिक दोनों, विभिन्न शास्त्रों के विख्यात् विद्वानों द्वारा विस्तार व्याख्यान माला आयोजित की। व्याख्यान विषय अन्तर्विषयक प्रवृत्ति के हैं जिससे कि विभिन्न शास्त्रीय अवधारणाओं का मूल्याँकन किया जा सके। यह छात्रों के मध्य विभिन्न विषयों के सिद्धान्तों की बेहतर समझ एवं स्पष्टता को सुसाध्य बनाता है। विख्यात विद्वानों द्वारा वर्ष के दौरान दिये गये व्याख्यानों के विषय इस प्रकार हैं-

1. प्रो. पी. के माधवन, भूतपूर्व, प्राचार्य एवं अध्यक्ष विद्याभारती, 13.09.2010, कुडियतम्, केरलीयन- तियकलशच्

2. डॉ. जी. गंगन्ना, प्राचार्य, श्री सदाशिव परिसर पुरी, 14.09.10, अपशुद्राद्किरनविचक्र

3. प्रो. ए.पी. सच्चिदानन्द, प्रभारी प्राचार्य, राजीव गांधी परिसर शृंगेरी, 15.09.2010, शिकश्यामदर्शवधः

4. प्रो. के. ई. देवनाथन, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति, 16.09.2010, अन्याथखतिवादः

5. प्रो. के. वी. रामकृष्णामाचार्यलु, भूतपूर्व कुलपति, जे. आर.आर.एस. विश्वविद्यालय राजस्थान, 17.09.2010, विवाकशततप्रयाश्च्

भारतीय परम्परा एवं सांस्कृतिक केन्द्र

परिसर में ऐतिहासिक और सांस्कृतिक परम्परा का अध्ययन, व्यक्त तथा प्रदर्शित करने के लिये एक परम्परा एवं सांस्कृतिक केन्द्र है। केन्द्र परिसर में प्रदर्शन एवं व्याख्यान आयोजित करता है। कार्यक्रम को समन्वित करने के लिये प्राचार्य ने एक व्याख्यान प्रस्तुत किया। भारत परम्परा और सांस्कृतिक केन्द्र के विभिन्न क्रियाकलापों का संचालन डॉ. बी. पी. एम. श्रीनिवास और श्रीमती के. ए. जैसी के योग्य निर्देशन में हुआ।

साहित्य

साहितीयम् स्टॉफ एवं छात्रों के लिये साहित्यिक क्षेत्रों और साथ ही साथ अक्षर श्लोक जैसी साहित्यिक अभ्यास में कविता, लघु कहानियाँ, इत्यादि के अपने योगदान को प्रस्तुत करने एवं मूल्याकित करने का एक साहित्यिक मंच है। साहितीयम् अन्य साहित्यिक मंचों जैसे केरल साहित्य एकादमी, केरल ललित कला एकादमी, इत्यादि के साथ अच्छे कार्यक्रमों को आयोजित करने के और अवसर उपलब्ध कराता है।

प्रो. के. टी. माधवन्, प्रभारी प्राचार्य ने अगस्त माह में शैक्षणिक वर्ष के लिए श्रीमती पी. इन्दिरा की अध्यक्षता में साहितीयम का उद्घाटन किया। अच्छी संख्या में क्रियाकलापों का आयोजन हुआ।

राष्ट्रिय सेवा योजना

स्वतन्त्रता के समय से ही छात्रों को राष्ट्रिय सेवा में सम्मिलित करने की इच्छा के प्रति बढ़ती जागरूकता है। परिसर ने राष्ट्रिय सेवा योजना की एक शाखा खोलने की पहल की। डॉ. के. के. हर्षकुमार और डॉ. (श्रीमती) के. सरलादेवी राष्ट्रिय सेवा योजना के प्रभारी हैं। इस परिसर के छात्रों ने योजना के प्रति अच्छी रूचि प्रदर्शित की है। विभिन्न क्रियाकलापों के एक भाग के रूप में, राष्ट्रिय सेवा योजना ने एक रक्तदान शिविर और एच.1 एन.1 के प्रति एक जागरूकता शिविर का आयोजन परिसर में एवं उसके आस-पास किया। इसके अतिरिक्त राष्ट्रिय संस्कृत सेवा के छात्रों ने राष्ट्रिय सेवा योजना की रामकृष्ण आश्रम, एच.एस. एस. पुरनट्टुकरा की शाखा एवं गुरुवायूर परिसर के संयोजन से आयोजित दो दिवसीय अंहिसा शिविर में भाग लिया। प्रो. एम. हरीदास, अध्यक्ष, शास्त्रसाहित्य परिषद् ने परिसर में राष्ट्रिय सेवा योजना का उद्घाटन किया। कालीकट विश्वविद्यालय द्वारा टाऊन कल्ब त्रिचूर ने दिनांक 07.10.2010 को World Hospice and Palliative Care Day के अवसर पर राष्ट्रिय सेवा योजना के अन्तर्गत एक संगोष्ठी का आयोजन किया। परिसर के 67 छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

संगोष्ठी

साहित्य विभाग

साहित्य विभाग ने वर्ष के दौरान दिनांक 13.09.2010 को राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया। डॉ. वी. आर. मुरलीधरन, एस.एस. विश्वविद्यालय, कालडी ने "कुदियतम केरलयी नाट्यकलश्च्" विषय पर मुख्य वक्तव्य दिया। संगोष्ठी का उद्घाटन प्रो. एम. नरसिंहमाचार्य, भूतपूर्व आचार्य, मद्रास विश्वविद्यालय द्वारा किया गया। डॉ. पी. इन्दिरा, सह-आचार्या ने संचालन का कार्य किया।

वेदान्त विभाग

अद्वैत वेदान्त विभाग ने दिनांक 14.09.2010 को एक संगोष्ठी का आयोजन किया। डॉ. लक्ष्मी शंकर, श्री कृष्णा कॉलेज, गुरुवायूर ने "आपशुद्रदीकरनाआवीचार" विषय पर मुख्य वक्तव्य दिया। डॉ. आर. प्रतिभा, सहायकाचार्य (वेदान्त) एवं श्री रागेश ने पत्र प्रस्तुत किये। डॉ. एस. सुब्राह्मण्यम शर्मा, सहायकाचार्य ने कार्यक्रम का संचालन किया।

शिक्षा शास्त्री विभाग

शिक्षा शास्त्री विभाग ने दिनांक 15.09.2010 को एक संगोष्ठी का आयोजन किया। डॉ. के. पी. सुरेश, निदेशक, शिक्षा विज्ञान स्कूल, कन्नूर विश्वविद्यालय ने "शिक्षायमदर-स्वध्यय" विषय पर मुख्य वक्तव्य दिया। डॉ. बी. पी. एम. श्रीनिवास, श्री शेषाद्रि. आर., श्री. गिरधर कुमार झा ने पत्र

प्रस्तुत किये। डॉ. के. के. हर्ष कुमार, सहायकाचार्य ने कार्यक्रम का संचालन किया।

न्याय विभाग

न्याय विभाग ने दिनांक 16.09.2010 को एक संगोष्ठी का आयोजन किया। प्रो. रामकृष्णाभट्ट, अध्यक्ष, एस.एस. विश्वविद्यालय, कालडी ने "अन्यातकयतीवाध:" विषय पर मुख्य वक्तव्य दिया। डॉ. एन. आर. श्रीधरन, कुमार स्वाती पी. राज. ने पत्र प्रस्तुत किये। श्री ई.एम. देवन, न्याय विभाग द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया।

व्याकरण विभाग

व्याकरण विभाग ने दिनांक 17.09.2010 को एक संगोष्ठी का आयोजन किया। प्रो. पी.जी. श्रीनिवासन ने मुख्य वक्तव्य दिया। प्रो. वी. के. शैलजा, व्याकरण विभाग, कुमारी गीता प्रेमन, कुमारी गिषम गुनासिंह ने पत्र प्रस्तुत किये। प्रो. के.टी. मधवन ने प्रभारी प्राचार्य ने अध्यक्षीय वक्तव्य दिया। प्रो. सी.एल. सिसली, व्याकरण विभाग ने कार्यक्रम का संचालन किया।

प्रो. पी. टी. कुरियाकोसे मास्टर अन्तर्राष्ट्रीय व्याख्यान

प्रो. पी. टी. कुरियाकोसे मास्टर अन्तराष्ट्रिय व्याख्यान का आयोजन दिनांक 23.02.2011 को हुआ। मुख्य अतिथि प्रो. मुरीन पी. हाल, अध्यापन एवं शिक्षा विभाग University of Massachusetts Dartmouth, America, ने "Binding the Heart and Mind-Community as a device for linking cognitive and affective learning" विषय पर स्मारक व्याख्यान दिया। प्रो. मुरली माधवन, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष (साहित्य) एस.एस. विश्वविद्यालय, कालडी ने इस विषय पर आरंभिक वक्तव्य दिया। प्रो. सी.एल.एन. शर्मा, प्रभारी प्राचार्य ने अध्यक्षीय भाषण दिया।

अन्य क्रियाकलाप

1. कौमुदी महोत्सव

कौमुदी महोत्सव का आयोजन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली द्वारा 25.10.2010 से 27.10.2010 तक लिटिल थियेटर ग्रुप (L.T.G.), कोपरनिकस मार्ग, नई दिल्ली के प्रेक्षागार में किया गया। इस परिसर के छात्रों ने संस्कृत नाटक "कर्णभारतम्" प्रस्तुत किया और प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

2. अखिल भारतीय वाक् स्पर्धा 2010-2011

अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा 06 से 08 जनवरी 2011 तक पूर्णप्रज्ञ विद्यापीठ, बेंगलूरू में हुई। 6 छात्र विभिन्न शास्त्रीय विषयों पर इस स्पर्धाओं में चुने गये और सहभागिता की।

3. युवा महोत्सव-राष्ट्रिय खेलकूद एवं साहित्यिक प्रतियोगितायें

वर्ष 2008 से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा इसके दसों परिसरों हेतु युवा महोत्सव, एक राष्ट्र स्तरीय खेलकूद एवं साहित्यिक प्रतियोगिताओं का आयोजन करना प्रारम्भ किया। इस वर्ष कार्यक्रम 26-29 दिसम्बर 2010 तक गुरुवायूर परिसर में संचालित हुआ। कार्यक्रम की सफलता हेतु विभिन्न समितियों का गठन किया गया। कार्यक्रम अत्यन्त सफल रहा। जिसने राष्ट्र के विभिन्न भागों में स्थित विभिन्न परिसरों के छात्रों को उनके मध्य स्वस्थ अन्योन्यक्रिया के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराये।

विकासात्मक क्रियाकलाप

1. परियोजनायें

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा इस परिसर के लिये स्वीकृत तीन परियोजनायें अद्वैत वेदान्त, साहित्य एवं न्याय प्रगति पर हैं।

2. कम्पयूटेशनल भाषा वैज्ञानिक प्रयोगशला

परिसर ने पिछले आर्थिक वर्ष के अन्त के दौरान भाषा-वैज्ञानिक प्रयोगशाला स्थापित की जिसमें 11 कम्पयूटर समाहित हैं और उसका उद्घाटन 7 जुलाई, 2009 को प्रो. श्रीनिवास रथ, उपाध्यक्ष, वेद विद्या प्रतिष्ठान द्वारा किया गया। अक्टूबर, 2010 में परिसर की वेबसाईट www.sanskritguruvayoor.org शुभारम्भ किया गया। युवा महोत्सव 2010 का स्कोर आदि का सफलता पूर्वक कम्प्यूटर प्रणाली से प्रसारण किया गया। इस वर्ष युवा महोत्सव में परिसर की कम्प्यूटर प्रयोगशाला में कम्प्यूटर प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। जनवरी 2011 में कम्प्यूटर द्वारा अध्यापक प्रशिक्षण का शुभारम्भ किया गया।

धर्मादा पुरस्कार

1. **श्री पी. के. जोस मास्टर धर्मादा पुरस्कार** छात्रों को जिन्होंने क्रमश: आचार्य (साहित्य) प्रथम वर्ष तथा

शास्त्री तृतीय वर्ष मलयालम में प्रथम स्थान प्राप्त किया हो दिया जाता है। यह पुरस्कार इस संस्थान के स्टॉफ ने प्रारम्भ किया है। इस वर्ष यह पुरस्कार यमुना ए., जिन्होंने 500 में से 399 अंक तथा श्री गीतु प्रेमन, जिन्होंने 100 में से 84 अंक 2010 की वार्षिक परीक्षा में अर्जित किये।

2. श्रीराम जानकी पुरस्कार (रू 101/-) की स्थापना डॉ. आर. एन. दास द्वारा आचार्य द्वितीय वर्ष (वेदान्त) में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वालो के लिये की गयी है। पुरस्कार सरन्या वी. आर को प्रदान किया गया जिन्होंने 2010 वार्षिक परीक्षा में 1000 मे से 778 अंक अर्जित किये।

3. प्रो. पी. सी. वासुदेवन् एलायथ स्मारक पुरस्कार 250/- रूपये का है जिसे आचार्य द्वितीय (साहित्य) परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले को दिया जाता है। जिसकी स्थापना उनके सुपुत्र डॉ. पी. सी. मुरली माधवन् द्वारा की गयी है। इस वर्ष यह पुरस्कार विजिता पी. डी. को प्रदान किया गया, जिन्होंने 2010 वार्षिक परीक्षा में 791 अंक अर्जित किये।

4. प्रो. पी. टी. कुरियाकोसे मास्टर स्मारक धर्मादा नकद पुरस्कार (500/-) की स्थापना इस संस्था के सेवा निवृत्त वरिष्ठ श्रेणी व्याख्याता श्री के. एल. सेबैस्टीयन द्वारा आचार्य द्वितीय की परीक्षा में सर्वोच्च अंक अर्जित करने वाले के लिये की गयी है। पुरस्कार विजिता पी.डी. को प्रदान किया गया, जिन्होंने 2010 वार्षिक परीक्षा में 1000 में से 791 अंक अर्जित किये।

5. हनुमंत पुरस्कार की स्थापना डॉ. आर. एन. दास द्वारा आचार्य द्वितीय (व्याकरण) परीक्षा में सर्वोच्च अंक पाने वाले के लिये की गयी है। इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान यह पुरस्कार श्यामा के. एस.-761 अंक को प्रदान किया गया।

6. प्रो. एस. वेंकटकृष्ण स्मारक धर्मादा पुरस्कार की स्थापना प्रो. के. टी. माधवन द्वारा आचार्य द्वितीय (साहित्य) परीक्षा में सर्वोच्च अंक पाने वाले के लिय की गयी है जिसे इस वर्ष विजिता पी.डी. (791/1000) को प्रदान किया गया।

7. डॉ. एम. के एन्डुज स्मारक धर्मादा पुरस्कार आचार्य प्रथम वर्ष (व्याकरण) में सर्वोच्च अंक अर्जित करने वाले के लिये श्रीमती बेबी एन्डुज द्वारा स्थापित किया गया है जिसे इस वर्ष सरन्या पी. राजन ने प्राप्त किया है।

8. "पाणिनी पुरस्कार" जिसकी स्थापना प्रो. वी. के. शैलजा ने अपनी स्वर्गीय माता श्रीमती लक्ष्मीकुट्टी अम्मा के नाम से व्याकरण कक्षाओं के छात्र के लिये की है, जिन्होंने राष्ट्रिय स्तर श्लाका स्पर्धा में सहभागिता की अनु टी. एस. एवं सरन्या पी. राजन आचार्य द्वितीय वर्ष को प्रदान किया गया।

9. अभिभावक शिक्षक संघ द्वारा रूपये 501/- का पुरस्कार प्राक् शास्त्री द्वितीय वर्ष, शास्त्री तृतीय वर्ष, आचार्य द्वितीय वर्ष एवं शिक्षा शास्त्री कक्षाओं में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्रों के लिए स्थापित किया गया।

परिसर के पूर्व छात्र संघ

परिसर के पूर्व छात्र संघ 21.02.2009 को अस्तित्व में आया। श्री पी. जे. श्तैजू और सुनिल मोहन को शैक्षणिक वर्ष के लिये क्रमश: अध्यक्ष और सचिव निर्वाचित किया गया। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति पूर्व छात्र संघ के मुख्य संरक्षक होंगें। परिसर के प्राचार्य संरक्षक के रूप में कार्य करेगें।

पूर्व छात्र कल्याण संघ की द्वितीय साधारण सभा दिनांक 12.06.2010 प्रात: 10 बजे परिसर के ओडिटोरियम में सम्पन्न हुई। प्रसिद्ध मलयाली कवि मुल्लानेरी ने कार्यक्रम का उद्‌घाटन किया। श्री ईरशाद, सिने कलाकार कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। प्रो. के.टी. माधवन, प्रभारी, प्राचार्य भी इस अवसर पर उपस्थित थे। इस अवसर पर छात्र कल्याण संघ के प्रतिष्ठित सदस्यों एवं छात्र कल्याण संघ के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे पूर्व छात्रों का सम्मान किया गया। श्री वी. बी. माधवन की अध्यक्षता में नई समिति का गठन किया गया।

छात्र कल्याण संघ

छात्र कल्याण संघ का उद्‌घाटन दिनांक 12.08.2010 को प्रात: 10.30 बजे प्रो. कुमारवर्मा, निदेशक, नाटक एवं ललित कला कॉलेज, कालिकट विश्वविद्यालय, त्रिचूर द्वारा किया गया। श्री सी. रावनी, सचिव, संगीत नाटक आकदमी ने मुख्य वक्तव्य दिया।

प्रो. सी. एल. एन. शर्मा, स्टॉफ सलाहाकार छात्र कल्याण संघ ने अतिथियों का स्वागत किया। अध्यक्षीय भाषण श्री सिजी एन.एस., संस्था के अध्यक्ष द्वारा दिया गया। प्रो. के.टी. माधवन, प्रभारी प्राचार्य ने समारोह की अध्यक्षता की। संस्था के अंग के रूप में विभिन्न समितियों जैसे ललित कला, साहित्यिक, क्रीड़ा एवं पत्रिका का भी गठन किया गया। पाविश के.पी., सचिव छात्र कल्याण संघ ने धन्यवाद

ज्ञापन दिया।

छात्र कल्याण संघ परिसर प्रमुख की अनुमति से परिसर में विभिन्न अवधारणाओं और विभूतियों पर प्रति वर्ष विभिन्न कार्यकलाप सुनियोजित एवं संचालित करती है जैसे ललित कला दिवस, साहित्यिक दिवस, खेलकूद दिवस, शैक्षणिक भ्रमण, सम्मेलन। छात्र कल्याण संघ की प्रत्येक समिति को स्टॉफ सलाहाकार की सदस्य समिति एवं सह स्टॉफ सलाहाकार द्वारा निरिक्षण और सलाह दी जाती है।

छात्र कल्याण संघ 2010 के पदाधिकारी

छात्र कल्याण संघ के

स्टॅफ सलाहाकार	प्रो. च. ल. न. शर्मा
संयुकत स्टॉफ सलाहाकार	प्रो. सि.एल. सिसली
	एवं डॉ. ई.एम. राजन
अध्यक्ष	सिजी. एन. एस.
सचिव	पाविश के.पी.
उपाध्यक्ष	दिव्या चन्द्रन
संयुक्त सचिव	हेमन्थ पी.के.
ललित कला समिति	डॉ सुब्रह्मन्य शर्मा
संयुक्त सलाहाकार	डॉ पी. इन्दिरा
	डॉ. जे. अभिलाष
सचिव	निपिन पी.यू.
संयुक्त सचिव	आशा ई.
साहित्यिक समिति	डॉ. पी. जी. श्रीनिवासन्
संयुक्त सलाहाकार	डॉ. सी. शान्ता
	श्रीमति के.ए. जेस्सी
सचिव	नवनीत कृष्णा के.
संयुक्त सचिव	विश्वम गोपाल के.
खेलकूद समिति	डॉ. अशोक कुमार कच्छवा
संयुक्त सलाहकार	डॉ. वेंकटरमन् एस. भट्ट
	डॉ. ए. प्रसन्ना उनिथन
सचिव	शरत चन्द्रन
संयुक्त सचिव	रंजीत राज के.
पत्रिका	डॉ. वी. के. शैलजा
संयुकत सलाहाकार	डॉ. (श्रीमती) आर. प्रतिभा
	डॉ. एन. आर. श्रीधरन
सचिव	प्राजीश एन. एस.
	यदू कृष्णन्र

अभिभावक शिक्षक संघ

अभिभावक शिक्षक संघ किसी भी शैक्षणिक संस्थान का एक अनिवार्य अंग है। अभिभावक शिक्षक संघ का उद्देश्य अभिभावकों एवं शिक्षकों के मध्य अच्छे सम्बन्ध बनाना है जिससे कि सभी दोषों को दूर करने के लिये बच्चों में अन्दरूनी प्रेरणा को विकसित किया जा सके। संघ संस्थान के पदाधिकारियों को अनुशासन बनाये रखने एवं लक्ष्यों को अर्जित करने में सक्षम बनाता है। गुरुवायूर परिसर में अभिभावक शिक्षक संघ 8 अगस्त 2008 को अस्तित्व में आया। अभिभावक शिक्षक संघ की सामान्य सभा ने शैक्षणिक वर्ष 2010-11 के लिये दिनांक 13.08.2010 को नई कार्यकारिणी गठित कर श्री आई. मोहनदास को अध्यक्ष और श्री मोहनदास को उपाध्यक्ष निर्वाचित किया गया। अभिभावक शिक्षक संघ की कार्यकारिणी के अन्य सदस्य निम्नवत् है।

सचिव	प्रो. के.टी. माधवन
संयुक्त सचिव	श्री. चा.ल.न. शर्मा
कोषाध्यक्ष	श्री कृष्णन्र उन्नी
सदस्य	प्रो. सी.एल. सिसली,
	डॉ. सुब्रह्मन्यम शर्मा,
	श्रीमती के.ए. जेस्सी,
	श्रीमती रूपवती प्रेमन
	श्री जयप्रकाशन

26.12.2010 से 29.12.2010 तक परिसर में आयोजित युव महोत्सव 2010 में अभिभावक शिक्षक संघ द्वारा पूरे सहायोग एवं मन से समारोह को सफल बनाया गया। युवा महोत्सव 2010 के प्रतिभागियों को शुभकामाना प्रकट करते हुए अभिभावक शिक्षक संघ ने स्वराज मैदान त्रिचूर एवं परिसर में स्वागत फलक स्थापित किये। अभिभावक शिक्षक संघ ने युवा महोत्सव 2010 के सभी स्वयंसेवकों को टोपी प्रदान की।

अभिभावक शिक्षक संघ द्वारा वार्षिक दिवस समारोह हेतु रूपये 501/- का पुरस्कार प्राक् शास्त्री द्वितीय वर्ष, शास्त्री

तृतीय वर्ष, आचार्य द्वितीय वर्ष एवं शिक्षा शास्त्री कक्षाओं में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्रों के लिए स्थापित किया गया। अभिभावक शिक्षक संघ द्वारा नाटक प्रतियोगिता एवं राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा आयोजित कौमुदी महोत्सव में प्रथम पुरस्कार प्राप्त सभी प्रतिभागियों को पेन देने का निर्णय भी लिया गया।

स्वतन्त्रता दिवस

स्वतन्त्रता दिवस समारोह 15 अगस्त, 2010 को प्रात 8. 30 बजे आयोजित किया गया। प्रो. के. टी. माधवन, प्रभारी प्राचार्य द्वारा ध्वजारोहण एवं सभी छात्रों को मिष्ठान वितरण किया गया।

हिन्दी दिवस एवं पखवाडा समारोह

हिन्दी दिवस एवं पखवाडा समारोह का आयोजन दिनांक 14.09.2010 से 18.09.2010 को किया गया। समारोह का उद्घाटन दिनांक 14.09.2010 प्रात: 9.30 बजे डॉ. शुक्ला मुखर्जी, परियोजना अधिकारी, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा किया गया। डॉ. के. वी. मुरलीधरन पिल्लई, भूतपूर्व उपाचार्य, बरनाना कलशाला, टेलसरी, कन्नूर, केरल द्वारा मुख्य वक्तव्य दिया गया। प्रो. के. टी.माधवन ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की एवं डॉ. अशोक कुमार कच्छवा ने कार्यक्रम का संचालन किया। समापन समारोह दिनांक 28.09.2010 को डॉ. पी.वी. कृष्णनायर, भूतपूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी विभाग), केरलवर्मा कॉलेज, त्रिचूर, मुख्य अतिथि के उद्घाटन वक्तव्य के साथ हुआ। प्रो. लक्ष्मी नारायण, विभागाध्यक्ष, शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। प्रो. के.टी. माधवन, प्रभारी प्राचार्य ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिता जिसमें निबन्ध, अनुवाद, भाषण, श्रुत लेख, छात्रों एवं कर्मचारियों के बीच आयोजित किये गये। मुख्य अतिथि द्वारा विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया गया। डॉ. बी.पी.एम. श्रीनिवासन, सहायकाचार्य द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

क्रीड़ा दिवस

खेलकूद प्रतिस्पर्धायें परिसर मैदान में 26, 30 सितम्बर एवं 1 अक्टूबर 2010 को आयोजित की गई थी। श्री अनुप पी. के., भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी द्वारा प्रतियोगिताओं का उद्घाटन किया गया।

ललित-कला एवं साहित्यिक दिवस

ललित कला एवं साहित्यिक दिवस समारोहों (**कलम**) का आयोजन परिसर में 1, 2, 3 फरवरी 2011 को किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री अखितम नारायण, ड्राइंग कलाकार, पेरिस ने किया। श्री एस.सुब्राह्मन्य शर्मा, सलाहाकार, ललित कला ने स्वागत भाषण दिया। श्री एन. एस. सिजी, अध्यक्ष, अभिभावक शिक्षक संघ ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। प्रो. सी.एच.एल.एन. शर्मा सलाहाकार, अभिभावक शिक्षक संघ, सी. शान्ता संयुक्त सलाहाकार, साहित्यिक समिति परिसर एवं निपिन पि. यू., सचिव, ललित कला ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई तथा अन्त में श्री नवनीत कृष्णन्न ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

युवामहोत्सव 2010

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के गुरुवायूर परिसर द्वारा आयोजित युवा महोत्सव 2010 एक प्रतिष्ठापूर्ण कार्यक्रम प्रतिष्ठा का विषय था। समारोह 26 दिसम्बर, 2010 से 29 दिसम्बर 2010 तक 4 दिन चला। विभिन्न राज्यों के सैकड़ों छात्रों ने जोश एवं उत्साह के साथ मनाते हुये एकता में अनेकता का प्रदर्शन करते हुये कार्यक्रम को रंगीन एवं सफल बनाया।

उद्घाटन समारोह सांय 5 बजे, 26.12.10 को परिसर के प्रांगण में हुआ। सभी परिसरों के 10 कुशल एथलीटों द्वारा अपने परिसरों के ध्वजों के साथ मशाल परेड किया। परिसर के मुख्य वेदिका (मंच) में संपन्न उद्घाटन कार्यक्रम में प्रारंभ में छात्रों की प्रार्थना के साथ हुआ एवं प्रो. रामानुज देवनाथन, कुलसचिव राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मानित विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के स्वागत भाषण दिया। डॉ. (श्रीमती) अनिता भटनागर जैन, सयुक्त सचिव (भाषाऐं), मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, समारोह की मुख्य अतिथि ने समारोह का उद्घाटन किया। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने अध्यक्षीय भाषण दिया। प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र, भूतपूर्व कुलपति, संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी ने दीपशिखा को प्रज्जवलित कर छात्रदल के नायक को सौंप दिया। कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक एवं परिसर प्राचार्य प्रो. के.टी. माधवन ने धन्यवाद व्यक्त किया। डॉ. च.ल.न. शर्मा ने मञ्चसञ्चालन किया।

27 और 28 दिसम्बर, 2010 को प्रात: 9 बजे एथलिटिक्स प्रतियोगिता, बैडमिंटन, वालीबाल, कबड्डी और खो-खो स्पर्धाओं की शुरूआत हुई। शाम 5.30 बजे से 10.30 बजे

तक में साहित्यिक और ललित कला प्रतियोगिताएँ परिसर के मुख्य सभागार एवं सम्मेलन कक्ष में हुई।

दिनांक 29.12.2010 को प्रातः 8 बजे सुबह के सत्र में कार्यक्रम की शुरुआत परिसर के मुख्य प्रागंण में एथलीट प्रतियोगिता से हुई। सायं 2 बजे के सत्र में बालीवाल, बैडमिटंन, कबड्डी, खो-खो जैसी खेल प्रतियोगिताएँ सम्पन्न हुईं। समापन समारोह सायं 4 बजे आरम्भ हुआ। छात्रों ने मुख्यद्वार में पंचवाद्य, तलपोली, सिंकरिमेलम् - इत्यादि स्थानीय सांस्कृतिक विधि से कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं संस्थान के कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, विशिष्टातिथि कुमारी पी.की. प्रजूषा (रजतपदक विजेत्री, राष्ट्रमण्डल खेल 2010), अन्य गणमान्य अतिथि, कुलसचिव एवं विभिन्न परिसरों के प्राचार्यों का भव्य स्वागत किया।

पुलिकलि एवं तेय्यम्-नृत्यों का भी प्रदर्शन हुआ उसके पश्चात् कार्यक्रम के मुख्य मञ्च पर समापन समारोह आरम्भ हुआ। प्रो. राधा वल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली ने समापन समारोह का शुभारम्भ किया। डॉ. रमाकान्त शुक्ल, प्रसिद्ध संस्कृत कवि ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की, श्री शिजी एन.एस., अध्यक्ष, छात्र कल्याण संघ गुरुवायूर परिसर ने समापन समारोह को सुगम बनाया। प्रो. राधा वल्लभ त्रिपाठी एवं प्रो. रमाकान्त शुक्ल, प्रसिद्ध संस्कृत कवि ने विजेताओं को ट्राफी, प्रमाणपत्र एवं नकद पुरस्कार वितरित किये। डॉ. रमाकान्त शुक्ल, प्रो. के.टी. माधवन, जनरल संयोजक युवा महोत्सव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रकट किया। कार्यक्रम सांय 8 बजे समाप्त हुआ।

वार्षिक दिवस

इस वर्ष की समाप्ति के साथ ही परिसर का वार्षिक दिवस समारोह दिनांक 11.03.2011 को छात्र कल्याण संघ, प्राध्यापक एवं कार्यालयी कर्मचरियों के सहयोग से सम्पन्न हुआ। समारोह का उद्घाटन श्री पी.जी. थोमस, भारतीय प्रशासनिक सेवा (जिलाधिकारी) द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में तथा श्री एम.पी. सुन्दरन्न (उपसंपादक, दैनिक मात्रभूमि) सम्मानीय अतिथि थे।

7.5 जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)

राजस्थान राज्य के तत्कालीन मुख्यमन्त्री स्व. श्री शिवचरणमाथुर महोदय के अनुरोध पर पद्मश्री डॉ. मण्डमिश्र पूर्व निदेशक के सद् प्रयासों से प्रथम निदेशक आचार्य रामकरण शर्मा के द्वारा 13.05.1983 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली का परिसरः "केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ" के नाम से स्थापित किया गया जो कि इस समय राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), जयपुर परिसर के नाम से प्रसिद्ध है।

इस परिसर को जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा 7.27 एकड़ भूमि त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाई पास, जयपुर में रेलवे स्टेशन से लगभग 21 किलोमीटर दूर उपलब्ध कराई गई है।

डॉ. सरोजिनी महिषी महोदया के उपाध्यक्ष काल में उनके सत्प्रयास से केन्द्र सरकार के द्वारा दी गई (रू 6 करोड़) वित्तीय सहायता से 7.27 एकड़ भूखण्ड में 58 कमरों से युक्त संस्थान का अध्यापन, प्रशासनखण्ड, व्यायामशाला, सुसज्जित सभागार, पुस्तकालय, परियोजना खण्ड, कम्प्यूटर प्रयोगशाला, प्राकृतशोध अध्ययन केन्द्र, मुक्तस्वाध्याय केन्द्र, छात्र-छात्राओं का पृथक् पृथक् छात्रावास, प्राध्यापक- कर्मचारी आवास, क्रीडा मैदान, बगीचे जैसी भौतिक सम्पदाओं से युक्त हमारा यह परिसर शोभायमान है।

परम्परागत शिक्षा के प्रचार प्रसार के लिए, दुर्लभ पाण्डुलिपियों के संरक्षण के साथ-साथ उनके प्रकाशन के लिए, संस्कृत विद्या क्षेत्र में शोध कार्यों के संवर्धन के लिए, शास्त्र ज्ञान के साथ-साथ आधुनिक, लोकापयोगी नूतन विषयों के ज्ञान प्रदान के लिए प्रयासरत यह जयपुर-परिसर, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का 27 वाँ वार्षिक समारोह सम्माननीय मन्त्री महोदय, प्रशासनिक अधिकारी तथा समाज के विशिष्ट विद्वानों की उपस्थिति में आयोजित कर गौरव का अनुभव हो रहा है। क्योंकि इस सत्र में यह संस्थान न केवल राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के दसों परिसरों में श्रेष्ठ रहा है अपितु छात्र की संख्या तथा शैक्षिक उपलब्धि की दृष्टि से भी देश के अनेक सुप्रतिष्ठित संस्कृत विश्वविद्यालयों में श्रेष्ठ रहा है। मेरा मानना है कि संस्कृत शिक्षा किसी भी एक संस्थान में इतनी संख्या में छात्र नहीं है।

परिसर में शोध कार्य होता है जिसके पश्चात् विद्यावारिधि

(पीएच.डी.) की उपाधि दी जाती है। इसके साथ साहित्य, ज्योतिष, व्याकरण, धर्मशास्त्र, जैन दर्शन में आचार्य एवं शास्त्री स्तर का अध्यापन होता है, शिक्षा-शास्त्री (बी.एड.) शास्त्री स्तर पर तथा प्राक् शास्त्री का सीनियर सेकण्डरी स्तर पर अध्यापन होता है। परिसर द्वारा शिक्षा आचार्य (एम.एड) कार्यक्रम भी संचालित किया जाता है। इसके अतिरिक्त छात्रों को कम्प्यूटर शिक्षा सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है।

इस वर्ष में विभिन्न कक्षाओं में कुल 1049 छात्रों का पंजीकरण हुआ है। 423 छात्रों को छात्रावास की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

सहपाठ्य एवं पाठ्येतर गतिविधियाँ

1. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की शास्त्रीय परीक्षा में योग्यता क्रम में प्रथम-द्वितीय-तृतीय स्थान सहित कुल 10 स्थानों में से 7 स्थान, आचार्य के सभी विषयों की परीक्षाओं में प्रथम व तृतीय स्थान, शिक्षाचार्य परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने का गौरव भी जयपुर परिसर को प्राप्त हुआ।

प्राध्यापक कर्मचारियों की संख्या-

प्राचार्य	01
आचार्य	10
उपाचार्या	07
सहायकाचार्या	17 (स्थायी, तदर्थ, संविदा एवं अंशकालिक)
प्राकृत शोध विभाग	06 (समेकिंत)
कर्मचारी	59 (22 स्थायी, 1 तदर्थ, संविदा)
योग	102

वर्ष 2010-11 के दौरान परिसर की सामान्य गतिविधियाँ

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग-21 दिवसीय (गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, मध्यप्रदेश, पजाब, दिल्ली) 7 जून 2010 से 27 जून 2010 तक।
2. प्रवेश उत्सव, 7 जुलाई 2010
3. राष्ट्रिय प्राकृत पाण्डुलिपि शिक्षण कार्यशाला, 19 जुलाई से 25 जुलाई 2010
4. भारतीय फलित ज्योतिष वास्तुशास्त्र परिचय पाठ्यक्रम, अगस्त-अक्टूबर 2010 तक।
5. नि:शुल्क चिकित्सा शिविर कार्यक्रम, 08 अगस्त 2010
6. वृक्षारोपण कार्यक्रम, 8 अगस्त 2010
7. अन्ताराष्ट्रिय युवदिवस:, 12 अगस्त 2010
8. प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण शिविर, 16 अगस्त से 21 अगस्त 2010
9. कठ-पुतली कार्यक्रम प्रस्तुति, 19 अगस्त 2010
10. संस्कृत सप्ताह महोत्सव, 15 अगस्त से 20 अगस्त 2010
11. आचार्य हीरालाल जैन स्मृति व्याख्यान माला, 07 सितम्बर 2010
12. हिन्दी दिवस पाक्षिक समारोह, 14 सितम्बर से 30 सितम्बर 2010
13. 8 दिवसीय नि:शुल्कयोग प्रशिक्षण शिविर, 23 सितम्बर से 30 सितम्बर 2010
14. वार्षिक शैक्षणिक स्पर्धा क्रीडा स्पर्धा आयोजन, 27 सितम्बर से 8 अक्टूबर 2010
15. अखिल भारतीय शलाका परीक्षा शास्त्र स्पर्धा राज्यस्तरीय चयन प्रतियोगिता का आयोजन, 23-24 अक्टूबर 2010
16. कौमुदी महोत्सव मध्यम व्यायोग नाटक की प्रस्तुति, जयपुर एवं दिल्ली में की गई। 23 अक्टूबर, 10 एवं 25 अक्टूबर 2010
17. स्काउट गाइड प्रशिक्षण, 08 से 16 नवम्बर 2010
18. पद्मश्री मण्डनमिश्र स्मृति व्याख्यान सम्मान समारोह, 18 नवम्बर 2010
19. वेदवाचस्पति पं. मधुसूदन ओझा-स्मृति व्याख्यान, 24 नवम्बर 2010
20. राष्ट्रिय सेवा योजना का एक दिवसीय शिविर, 27 नवम्बर 2010
21. शिक्षाचार्य छात्रों की शोध विचार संगोष्ठी, 8 एवं 9 दिसम्बर 2010
22. राष्ट्रिय सेवा योजना विशेष शिविर, 21 दिसम्बर से 27 दिसम्बर 2010
23. युव महोत्सव में छात्रों के द्वारा गुरुवायूर (केरल) में प्रस्तुति 26 से 29 दिसम्बर 2010
24. विश्व संस्कृत पुस्तक मेला एवं शैक्षणिक भ्रमण यात्रा,

201 सदस्य दल, 05 जनवरी से 13 जनवरी 2011

25. रक्तदान शिविर, 30 जनवरी 2011
26. वसन्त उत्सव एव सरस्वती पूजन समारोह, 08 फरवरी 2011
27. वार्षिक उत्सव, निम्बार्क वैदिक संस्कृति पुरस्कार एवं अध्यापक सम्मान, 26 फरवरी 2011
28. छात्रावास दिवस समारोह का आयोजन, 07 मार्च 2011

राष्ट्रिय प्राकृत पाण्डुलिपि प्रशिक्षण कार्यशाला दिनांक 19.07.2010 से 25.07.2010

परिसर की पाठ्येतरगतिविधियाँ

1. व्यायाम शाला का निर्माण एव उद्घाटन।
2. मुक्त स्वाध्याय केन्द्र का उद्घाटन।
3. 'परिसरसन्देश:' नामक त्रैमासिक वार्ता पत्रिका का प्रकाशन।
4. पुस्तकालय के लिए रू. 200000 की पुस्तकों का क्रय।

उपलब्धियाँ

1. राज्य स्तरीय चयन स्पर्धा में संस्थान के छात्रों वर्चस्व।
2. अखिल भारतीय शलाका परीक्षा एवं शास्त्रीय स्पर्धा (बैंगलोर) 18 राज्यों में द्वितीय स्थान प्राप्त कर राजस्थान की प्रतिष्ठा को बढ़ाया।
3. दिल्ली में आयोजित कौमुदी महोत्सव नाटक स्पर्धा में द्वितीय स्थान।
4. अन्त:परिसरीय युवमहोत्सव में (10 राज्य) द्वितीय स्थान।
5. भारतीय प्रशासनिक सेवा में एक छात्र का चयन।
6. रमेश कुमार जोशी, राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित संस्कृत अध्यापक द्वितीय श्रेणी प्रतियोगिता परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
7. प्रतिमाशर्मा, राजस्थान लोक सेवा द्वारा आयोजित प्रथम श्रेणी अध्यापक परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
8. राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अखिल भारतीय कुश्ती स्पर्धाया में 5 छात्रों द्वारा भाग ग्रहण किया।

7.6 लखनऊ परिसर, लखनऊ (उ.प्र.)

प्रस्तावना

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय का लखनऊ परिसर इस वर्ष 25वां वार्षिकोत्सव मना रहा है। यह परिसर परम्परागत संस्कृत शिक्षा के प्रसार में पूर्ण रूप से दत्तावधान है तथा संस्कृत भाषा के प्रचार में भी उत्साहपूर्वक संलग्न है। इस परिसर में प्राक्शास्त्री (इंटर), शास्त्री (बी.ए.), आचार्य (एम.ए.) कक्षाओं में नि:शुल्क शिक्षा व्यवस्था के साथ-साथ शिक्षा शास्त्री (बी.एड.) प्रशिक्षण तथा विद्यावारिधि (पीएच. डी) शोध कार्य की भी व्यवस्था है। शास्त्रीय विषयों में व्याकरण, ज्योतिष, बौद्ध दर्शन तथा साहित्य के अध्यापन की व्यवस्था है। प्राक् शास्त्री तथा शास्त्री स्तर तक हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीति शास्त्र, अर्थ शास्त्र तथा कम्प्यूटर शिक्षा जैसे आधुनिक विषयों को भी पढ़ाया जाता है।

भौतिक सुविधाएँ

वर्ष 1986 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के अंगीभूत केन्द्रीय संस्कृत विद्यपीठ के नाम से अलीगंज, लखनऊ में किराए के भवन में स्थापित यह संस्था वर्तमान में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मानित विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के लखनऊ परिसर के रूप में विशाल खण्ड-4, गोमती नगर, लखनऊ में अपने 10 एकड़ के भूखण्ड पर शोभायमान है। इस भूखण्ड पर परिसर के मुख्य भवन का निर्माण हो चुका है तथा उसमें विधिवत् अध्ययन अध्यापन तथा प्रशासनिक कार्य चल रहा है। इसके अतिरिक्त पुरुष छात्रावास, महिला छात्रावास, प्राचार्य आवास तथा शिक्षक व कर्मचारी आवास भी बन चुके हैं।

छात्रों के उपयोग के लिए विशाल क्रीड़ा मैदान तथा व्यायामशाला की सुविधा भी उपलब्ध है। छात्रों तथा अध्यापकों के उपयोग के लिए पुस्तकालय में पर्याप्त पाठ्यपुस्तकें तथा सन्दर्भ ग्रन्थ उपलब्ध हैं तथा सुसमृद्ध कम्प्यूटर प्रयोगशाला भी है। प्रशिक्षण विभाग में शिक्षा- मनोविज्ञान प्रयोगशाला, शैक्षिक प्रविधि प्रयोगशाला तथा भाषा प्रयोगशाला उपलब्ध है। मानवसंसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित इस संस्था में नि:शुल्क शिक्षा एवं छात्रावास तथा योग्य छात्रों के लिए छात्रवृत्ति की भी व्यवस्था है।

नूतन कार्यक्रम

संस्थान के माननीय कुलपति की प्रेरणा से एवं असीम अनुकम्पा से इस परिसर में पालि/प्राकृत अध्ययन केन्द्र के निदेशक एवं बौद्धदर्शन विभागाध्यक्ष प्रो. विजयकुमार जैन के नेतृत्व में पुष्पित एवं पल्लवित हो रहा है तथा ऑनलाइन प्राकृत शब्दकोश का निर्माण प्रगति पर है।

इस वर्ष दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत संस्थान के 'मुक्त स्वाध्याय पीठम्' के अध्ययन केन्द्र का शुभारंभ लखनऊ परिसर में नवम्बर 2010 में हुआ। डॉ. लक्ष्मी निवास पाण्डेय इसके समन्वयक तथा श्री कुलदीप शर्मा सह-समन्वयक है।

सांख्यकीय विवरण

1. शैक्षणिक वर्ष 2010-11 के दौरान छात्रों का ब्यौरा।
2. गत वर्ष का परीक्षा परिणाम।
3. आर.टी.आई. एक्ट 2005

   कुल प्राप्त आवेदन - शून्य

   प्रदत्त - शून्य

शोध गतिविधियाँ

2010-11 में पंजीकृत विद्यावारिधि शोधार्थियों का विवरण

क्र.सं.	शोधार्थियों का नाम
1.	वंदना द्विवेदी
2.	संतोष कुमार द्विवेदी
3.	मनीष कुमार श्रीवास्तव
4.	अतुल कुमार श्रीवास्तव
5.	अलोक कुमार झा
6.	प्रदीप कुमार लुइटेल
7.	कौशलेश शर्मा
8.	यज्ञ दत्त शुक्ला
9.	संदीप कुमार पाठक
10.	विभाकर दुबे

2. अधोनिर्दिष्ट शोधार्थियों के शोधप्रबन्ध मूल्यांकन हेतु समर्पित किए गए-

1. शम्भूदयाल मिश्र
2. जगदीश तूष्णीवाल

3. डॉ. भारतभूषण त्रिपाठी (सहा. प्रोफेसर, व्याकरण) के मार्गनिर्देशन में सुश्री करुणा आर्य ने 'विद्यावारिधि' उपाधि प्राप्त की।

पाठ्येतर गतिविधियाँ

1. परिसर में दि. 10.06.2010 से 30.06.2010 तक अनौपचारिक संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। दिनांक 10.06.2010 को सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के पूर्व कुलपति प्रो. अशोक कुमार कालिया जी ने उद्घाटन सत्र के मुख्यातिथि के रूप में शिविर का शुभारंभ किया। दि. 21.06.2010 को संस्थान के कुलपति माननीय प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी जी के विशेष व्याख्यान से शिविरार्थी लाभान्वित हुए। उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, पंजाब तथा जम्मू कश्मीर राज्यों के कुल 95 प्रशिक्षार्थियों ने भाग लिया। समापन सत्र में अध्यक्ष के रूप में उत्तर प्रदेश के लोकायुक्त माननीय न्यायमूर्ति एन. के. मेहरोत्रा तथा मुख्यातिथि के रूप में लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. बृजेश कुमार शुक्ल जी पधारे। प्रशिक्षण शिविर के व्यवस्थाप्रमुख प्रो. सर्वनारायण झा (का. प्राचार्य) तथा शिक्षणप्रमुख डा. लक्ष्मीनिवास पाण्डेय रहे। इसमें परिसर के प्रो. सुरेन्द्र पाठक, डॉ. धनीन्द्र झा, डॉ. भारतभूषण त्रिपाठी के अलावा इलाहाबाद से डॉ. आनन्द श्रीवास्तव तथा लखनऊ के डॉ. विजय कर्ण ने शिक्षण कार्य सम्पन्न किया। नवीन शर्मा, दीप्तांश भास्कर तथा ओंकार नारायण दूबे ने प्रशिक्षण में सहयोग किया।

2. संस्कृत दिवस के उपलक्ष्य में 23.08.2010 से 25.08.2010 तक विविध कार्यक्रम सम्पन्न हुए। 23.08.2010 को उद्घाटन सत्र में उ.प्र. विधानसभाध्यक्ष माननीय सुखदेव राजभर अध्यक्ष के रूप में तथा प्रतिनिहित विधानसमिति के सभापति मोहम्मद इरशाद खाँ विशिष्टातिथि के रूप में पधारे। इस अवसर पर परिसरीय छात्रों के लिए भाषण, गायन, नृत्यादि प्रतियोगिताएँ तथा स्थानीय विद्यालय के छात्रों के लिए श्लोकपाठ एवं गीतापाठ की प्रतियोगिताएँ सम्पन्न हुई। 25.08.2010 को अपराह्ण में समापन सत्र मे पूर्व सांसद श्री राजकरणसिंह जी ने अध्यक्षता की तथा श्री सुशील कुमार, प्रमुख सचिव, उ.प्र. शासन, मुख्यातिथि के रूप में पधारे। प्राचार्य (का.) प्रो. सर्वनारायण झा जी ने स्वागत किया तथा कार्यक्रम संयोजक डॉ. लक्ष्मीनिवास पाण्डेय ने धन्यवाद ज्ञापन किया। डॉ. धनीन्द्र झा ने कार्यक्रम का संचालन किया।

3. परिसर के छात्रों ने प्रो. रामलखन पाण्डेय तथा डा. धनीन्द्र झा के निर्देशन/मार्गदर्शन में संस्थान द्वारा नई दिल्ली में आयोजित कौमुदी महोत्सव में भास रचित नाटक 'अविमारकम्' का सफल मंचन किया तथा तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

4. परिसर के शोध छात्रों ने उडुपी, कर्णाटक में शोध कार्यशाला में भाग लिया।

5. सितम्बर 2010 में शिक्षक दिवस तथा शहीद भगतसिंह जयन्ती मनाया गया। शिक्षा शास्त्री छात्रों के लिए सात दिवसीय प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण का आयोजन हुआ।

6. दि. 21.09.2010 को प्रो. सुरेन्द्र झा ने (गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद से स्थानान्तरित होकर) इस परिसर में प्राचार्य का कार्यभार संभाला।

7. महामहोपाध्याय पं. गोपीनाथ स्मृति व्याख्यानमाला के अन्तर्गत दिनांक 21.10.2010 को प्रो. गौतम पटेल का विशिष्ट व्याख्यान सम्पन्न हुआ।

8. 11.11.2010 से 15.11.2010 तक 'पालि संस्कृत छाया' कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसी संदर्भ में डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति व्याख्यानमाला के अन्तर्गत प्रो. अंगराज चौधरी का विशिष्ट व्याख्यान सम्पन्न हुआ।

9. डॉ. गजेन्द्र प्रकाश शर्मा (एसो. प्रोफेसर, शरीरिक शिक्षा) के मार्गदर्शन में परिसर के कबड्डी दल ने डा. वाई. एस. परमार विश्वविद्यालय, सोलन, हिमाचल प्रदेश में आयोजित उत्तर क्षेत्रीय अन्तर्विश्वविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लिया।

10. दिनांक 29.11.2010 से 30.11.2010 तक परिसर में राज्य स्तरीय संस्कृत भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ तथा अखिल भारतीय संस्कृत भाषण स्पर्धा में भाग लेने हेतु उ.प्र. राज्य दल का चयन किया गया।

11. प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय ने मास्को में अतिथि प्राध्यापक के रूप में प्रतिनियुक्ति अवधि को पूर्ण कर दिनांक 27.10.2010 को परिसर में पुनः कार्यभार ग्रहण कर लिया।

12. विशिष्ट व्याख्यान के अन्तर्गत अधोनिर्दिष्ट विद्वानों के व्याख्यान सम्पन्न हुए-

शिक्षाशास्त्र-प्रो. श्रीधर वरिष्ठ, पूर्व कुलपति, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली- दिनांक 07.02.2010

साहित्य- डॉ. राम कृपाल त्रिपाठी, प्राचार्य, रंगलक्ष्मी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, वृन्दावन, दिनांक 04.03.2011

न्याय- प्रो. रामपूजन पाण्डेय, न्याय विभाग, सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी- दिनांक 11.03.2011

13. बेंगलूरु में आयोजित प्रथम विश्व संस्कृत पुस्तक मेला के अवसर पर परिसर के शिक्षाशास्त्री छात्रों का शैक्षणिक भ्रमण दिनांक. 03.01.2011 से 14.01.2011 तक आयोजित हुआ। पुस्तक मेला में भाग लेने के साथ-साथ छात्रों ने बेंगलूरु, मैसूर तथा ऊटी के दर्शनीय स्थलों को भी देखा।

14. परिसर के छः शोध छात्रों ने दिनांक 21.01.2011 से 23.01.2011 तक श्री वादिराज फाउन्डेशन द्वारा उडुपी, कर्णाटक में आयोजित गोष्ठी में भाग लिया।

15. नेशनल बुक ट्रस्ट द्वारा दिनांक 05.02.2011 से 13.02.2011 तक लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित पुस्तक मेले में परिसर ने भी भाग लिया। इस अवसर पर संस्कृत तथा परिसर के प्रचार के साथ-साथ परिसर के कई पुस्तकों की बिक्री भी हुई।

16. शिक्षा शास्त्री छात्रों को दिनांक 08.03.2011 से 14.03.2011 तक भारत स्काउट एवं गाइड, उ.प्र. प्रादेशिक प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद में बेसिक स्काउट मास्टर/गाइड कैप्टन का प्रशिक्षण दिया गया।

17. परिसर में दिनांक 14.03.2011 से 16.03.2011 तक पालि कार्यशाला का आयोजन हुआ जिसमें बाहर से कई विद्वानों ने भाग लिया तथा वार्षिकोत्सव के संदर्भ में उन्हें सम्मानित किया गया।

18. परिसर के वार्षिकोत्सव में दिनांक 16.03.2011 को कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी जी अध्यक्ष तथा प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित होकर गौरवान्वित किये। इस अवसर पर शैक्षणिक तथा क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कार वितरित किये गये तथा परिसर की 'गोमती' पत्रिका का विमोचन भी किया गया।

विशिष्ट उपलब्धियां-

1. गुरुवायूर परिसर, केरल में आयोजित युवा महोत्सव (26-12-2010 से 29-12-2010) में छात्रों की उपलब्धियाँ।

क्र. सं.	खेल	मेडल	छात्र का नाम
1.	बैडमिंटन (सिंगल)	स्वर्ण पदक	श्री अरुण कुमार, आचार्य
2.	बैडमिंटन (डबल)	स्वर्ण पदक	श्री अरुण कुमार और श्री गणेशदत्त
3.	कबड्डी	प्रथम स्थान	कबड्डी टीम लखनऊ परिसर
4.	कुश्ती (ए)	स्वर्ण पदक	श्री उमेश कुमार, शिक्षाशास्त्री
5.	कुश्ती (बी)	स्वर्ण पदक	श्री अनुज कुमार, आचार्य
6.	कुश्ती (सी)	स्वर्ण पदक	श्री संदीप कुमार, शिक्षाशास्त्री
7.	कुश्ती (डी)	रजत पदक	श्री नवीन कुमार, शिक्षाशास्त्री
8.	कुश्ती (ई)	कांस्य पदक	श्री श्याम सुन्दर, शास्त्री
9.	कुश्ती 50 किलो	कांस्य पदक	श्री कमलकांत चौबे, प्राक्शास्त्री
10.	एथलेटिक 400मी. दौड़ (छात्रा)	स्वर्ण पदक	कु. ज्योति सिंह, शास्त्री
11.	400 मीटर	स्वर्ण पदक	श्री संदीप कुमार, शिक्षाशास्त्री
12.	800 मीटर	स्वर्ण पदक	श्री विक्रम कुमार, शास्त्री
13.	800 मीटर	कांस्य पदक	श्री उमेश कुमार, शिक्षाशास्त्री
14.	भाला फेंक	स्वर्ण पदक	श्री धीरज उपाध्याय, आचार्य
15.	गोला फेंक	रजत पदक	श्री सत्यवती, शिक्षाशास्त्री
16.	वालीबाल	तृतीय स्थान	वालीबाल टीम लखनऊ परिसर
17.	प्रश्नमंच (क्विज्)	प्रथम स्थान	परिसरीय दल

2. अखिल भारतीय संस्कृत भाषण स्पर्धा-06.01.2011 से 08.01.2011 पूर्णप्रज्ञ विद्यापीठ, बेंगलूरु (कर्णाटक)

1. अमर कोश पाठ, द्वितीय पुरस्कार रु. 5000/- योगेश पांडेय, प्राक् शास्त्री।

2. पुराण शलाका, तृतीय पुरस्कार रु. 3000/- आदेश कुमार मिश्रा, शास्त्री।

3. व्याकरण शलाका, विशेष पुरस्कार रु. 1500/- अनुज शर्मा शास्त्री।

उल्लेखनीय है कि अखिल भारतीय स्तर पर उत्तर प्रदेश राज्य को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

3. शैक्षणिक अधिकारियों की उपलब्धियाँ

परिसर के शैक्षणिक अधिकारियों ने विविध राष्ट्रिय/अन्तर्राष्ट्रीय समारोहों एवं कार्यशालाओं में भाग लेकर तथा विविध पत्रिकाओं में शोध लेखों को प्रकाशित कर परिसर को गौरवान्वित किया।

7.7 श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्नाटक)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने श्री राजीव गाँधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना अपने अंगीभूत एकक के रूप में शृंगेरी में 13 जनवरी, 1992 को की। तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार, श्री अर्जुन सिंह जी की उपस्थिति में दिनांक 05.03.92 के शुभ दिन पर भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम श्री आर. वेंकटरमण के हाथों इस परिसर का उद्घाटन हुआ। इसका पुनः नामकरण अब राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के श्री राजीव गाँधी परिसर के नाम से किया गया है। परिसर हेतु राज्य सरकार द्वारा शृंगेरी में 10.02 एकड़ भूमि प्रदान की गयी है जो कर्नाटक राज्य के चिकमंगलूर जिले में स्थित है जो मैंगलौर से 120 कि.मी., बंगलौर से 380 कि.मी., उडुपी से 90 कि.मी. और शिमोगा से 105 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। शिमोगा बंगलौर से रेल मार्ग द्वारा जुड़ा हुआ है। केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा रु. 1.63 करोड़ की लागत से परिसर के मुख्य भवन का निर्माण किया गया है। द्वितीय चरण में, बालक एवं बालिकाओं हेतु छात्रावास, न्यूनतम कर्मचारी आवास का निर्माण रु. 4.17 करोड़ की लागत पर होने को है।

परिसर साहित्य, नव्यव्याकरण, अद्वैत वेदान्त, मीमांसा और नव्य न्याय की शिक्षा आचार्य (एम.ए.) एवं शास्त्री (बी.ए.) स्तर पर, शिक्षा-शास्त्री (बी.एड.) की शास्त्री स्तर पर और प्राक् शास्त्री की इण्टर स्तर पर प्रदान कर रहा है। यहाँ शोध कार्य भी होता है जिसको सम्पन्न करने पर शोध छात्र को विद्यावारिधि (पी-एच.डी) की उपाधि प्रदान की जाती है। आधुनिक विषयों तथा कम्प्यूटर का शिक्षण भी दिया जाता है।

वर्ष 2010-11 के शैक्षिक वर्ष में, परिसर के विभिन्न पाठ्यक्रमों में 382 छात्रों को प्रवेश दिया गया। जगद्गुरु श्री श्री भारती तीर्थ महास्वामी जी, मुख्य प्रशासक, शृंगेरी श्री शारदापीठ के आशीर्वाद से परिसर के सभी छात्रों को दिन में दो बार भोजन करवाया जाता है।

1. 2010-11 में प्रवेश प्राप्त छात्र।
2. 2010-11 में छात्रवृत्ति प्राप्त छात्र।
3. छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्र।
4. परिसर के छात्रों की सूची।
5. आर.टी.आई. एक्ट 2005 में प्राप्त सूचना-1
6. आर.टी.आई. एक्ट में दी गई सूचना-0

पाठ्येतर गतिविधियाँ

राजीव गांधी अन्तर्राष्ट्रीय व्याख्यानमाला

विश्व के संस्कृत विद्वानों के मध्य विभिन्न विषयों पर ज्ञान एवं विश्व प्रतिष्ठित विद्वानों के आपसी सहयोग से दिनांक 17.01.2011 को माननीय कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी जी के मार्ग निर्देशन में परिसर में राष्ट्रिय एवं अन्तर्राष्ट्रीय मुर्धन्य विद्वानों द्वारा राजीव गांधी स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। प्रो. शैलडोन ए. पोलेक, विलियम बी. रन्सफोड प्रो. कोल्मबिया विश्वविद्यालय, न्यूयार्क, अमेरिका ने "Rasetihase Vyakhyeya Parivartanam" विषय पर अपना व्याख्यान दिया।

शारदा विशिष्ठ व्याख्यानमाला

छात्रों एवं संकाय सदस्यों के लाभार्थ शास्त्र चर्चा शृंखला के अन्तर्गत "श्रीशारदा विशिष्ठ व्याख्यानमाला" का आयोजन किया गयाा। डॉ. नवीन होला, विभागाध्यक्ष नव्यन्याय एवं डॉ. सी.एच.के. अन्नतापदम्नाभम्, सहायकाचार्य, न्याय व्याकरण द्वारा व्याख्यानमाला का संचालन किया गया। इस वर्ष जो विषय परिसर में पढ़ाये जाते हैं। उन्हीं विषयों पर व्याख्यानमाला आयोजित की गई। मुख्यतया व्याख्यान- माला शृंखला में प्रसिद्ध विद्वान एवं राष्ट्रिय मूर्धन्य विद्वानों को आमन्त्रित किया गया। कार्यक्रम का विस्तृत ब्यौरा निम्नवत है।

दिनांक 22.08.2010 को प्रो. सच्चिदानन्द मिश्रा, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी द्वारा "ज्योतिष शास्त्रे वैज्ञानिक महतम्" विषय पर व्याख्यान दिया गया।

प्रो. हरेराम त्रिपाठी, नई दिल्ली ने न्याय विषय पर व्याख्यान दिया। साहित्य शास्त्र के अन्तर्गत प्रो. बुद्धेश्वरा सदांगी, कोलकाता ने "साहित्य शास्त्रे लोकाकरकोतम्" विषय पर व्याख्यान दिया। मीमांसा शास्त्र के अन्तर्गत प्रो. देवदत्त गोविन्द पाटील, पूना ने "भावना मुक्त विश्वक्या बोध" विषय पर व्याख्यान दिया। व्याकरण शास्त्र के अन्तर्गत प्रो. मलहार कुलकर्णी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुम्बई ने "Adhunika

Paddhatya Vyakar-anasya Anusheelanam" विषय पर व्याख्यान दिया। वेदान्त विषय के अन्तर्गत प्रो. मणिद्रविण, चेन्नई ने "Akhandartha Bodaha" विषय पर एवं प्रो. मुरलीधर शर्मा ने शिक्षा शास्त्र विषय पर अपना व्याख्यान दिया।

वाक्यार्थ परिषद्

परिसर में पूर्व से ही छात्रों के वाक्यार्थ शक्तिवर्धन एवं अध्यापकों के उत्साह वर्धन के लिए परिसर के संकाय सदस्यों द्वारा शास्त्रीयपद्धति से शास्त्रार्थ करने की परम्परा रही है। यह कार्यक्रम प्रतिमाह एक-एक दिन होता रहा। कार्यक्रम का ब्यौरा निम्न है। इस परिषद को डॉ. रामचन्द्र जोयस, सहायकाचार्य एवं श्री वेंकटेशतताचार्य, सहायकाचार्य द्वारा संचालित किया जाता है।

परिषद् का उद्घाटन सत्र दिनांक 27.07.2010 को प्रो. श्रीपाद सुब्राह्मन्य, निदेशक, प्राच्य अनुसंधान केन्द्र, हैदराबाद के उद्घाटन भाषण से आरम्भ हुआ। इस संदर्भ में डॉ. महाबलेश्वर पी. भट्ट, विभागाध्यक्ष, वेदान्त विभाग, डॉ. नवीन होला, विभागाध्यक्ष, न्याय विभाग द्वारा 'Samanyayadhikar-anam', 'Paramasha Lakshanam' विषय पर अपने व्याख्यान दिये।

दिनांक 17.08.2010 को डॉ. आर. बालाजी, वरिष्ठ सहायकाचार्य, शिक्षाशास्त्र विभाग, डॉ. के.कृष्णन्न नम्बुदरी, सहायकाचार्या, साहित्य, डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट, सहाकाचार्य वेदान्त, डॉ. मधुकेश्वर भट्ट, सहायकाचार्य व्याकरण, श्री रामकृष्ण पेजाते, सहाकाचार्य ज्योतिष द्वारा 'Manaskika Swasthyam', 'Aouchitya Vicharaha', 'Atmanaha Swastham', 'Prakashakatvam', 'Halonantarah Samyogaha' और 'Bhuswaroopam' विषय पर क्रमश अपने व्याख्यान दिये।

वाक्यार्थ परिषद् के तृतीय सत्र दिनांक 29.09.2010 को आयोजित किया गया। जिसमें डॉ. चन्द्रकान्ता, सहायकाचार्य, शिक्षा शास्त्री, डॉ. सूर्यनारायण भट्ट, सहायकाचार्य मीमांसा, डॉ. शोभनाथ साहू, सहायकाचार्य, शिक्षा शास्त्र, डॉ. चन्द्रकला आर. कोण्डी, सहायकाचार्य साहित्य, डॉ. ओ.आर. विजयराघवन द्वारा 'Bloom Mahodayasya Shaikshikoddesha Vargikarana Shastre Jnyanakshetra', 'Tantra Nirupanam', 'Asadharana Baalaha Tesham Shiksha cha' 'Analankruti punah Kvapi' और 'Pratyaksha Laksha-nam' विषय पर क्रमश अपने व्याख्यान दिये।

वाक्यार्थ परिषद् का चतुर्थ सत्र दिनांक 26.10.2010 को सम्पन्न हुआ। जिसमें डॉ. सुब्राह्य वी. भट्ट, विभागाध्यक्ष मीमांसा, डॉ. चन्द्रशेखर भट्ट, सहायकाचार्य व्याकरण, श्री वेंकटेशतताचार्य, सहायकाचार्य मीमांसा, श्री एच.वी. श्रीनाथ, सहायकाचार्य ज्योतिष द्वारा 'Dampatyoho Sahadhikaraha', 'Swaritenadhi-karaha', 'Vakyadhikaranam' और 'Vivaha Melep-akam' विषय पर क्रमश अपने व्याख्यान दिये।

वाक्यार्थ परिषद का पंचम सत्र दिनांक 30.11.2010 को सम्पन्न हुआ। डॉ. सी.एस.एस. मूर्ति, विभागाध्यक्ष व्याकरण, डॉ. ई.पी. श्रीदेवी, सहायकाचार्या साहित्य, डॉ. रामचन्द्र जोयस, सहायकाचार्य साहित्य, डॉ. भगवान समंतरे, सहायकाचार्य वेदान्त, श्री नवीन, सहायकाचार्य न्याय द्वारा 'Sambodhana Prathama', 'Vyakti Viveka Disha Sadhasadhana Bhava Vicharaha', 'Upameyopa-mana Lakshana Parishkaraha', 'Vaishamya Nairghrushyadhikara-nam' और 'Hetvabhasa lakshanastha Yadrupapadartha Vivaranam' विषय पर क्रमश अपने व्याख्यान दिये।

व्याक्यार्थ परिषद् का छठा सत्र दिनांक 04.01.2011 को सम्पन्न हुआ। जिसमें डॉ. राघवेन्द्र भट्ट, सहायकाचार्य साहित्य, डॉ. हरिप्रसाद, सहायकाचार्य शिक्षाशास्त्र, डॉ. गणेश टी. पण्डित, सहायकाचार्य शिक्षाशास्त्र, डॉ गिरिधर राव, सहायकाचार्य शिक्षा शास्त्र, डॉ. वेणूगोपाल राव, सहायकाचार्य शिक्षाशास्त्र द्वारा 'Chaturvidham Kavyam', 'Sanjnyanatmarka Siddhantaha', 'Antardvandva Shamanopayaha', 'Kakshya Vyavahara Vishlesha-nam' और 'Vyavahare Mulapravrutinam Pabha-vaha' विषय पर क्रमश अपने व्याख्यान दिये।

वाक्यार्थ परिषद का सातवां सत्र दिनांक 25.01.2011 को सम्पन्न हुआ। जिसमें श्री सी.एच.के. अन्नतापदम्नाभम्, सहायकाचार्य व्याकरण, श्री श्याम सुन्दर भट्ट, सहायकाचार्य न्याय द्वारा 'Kaalaattan' और 'Dhatvartaha' विषय पर अपने व्याख्यान दिये। इस सत्र में प्रो. ई.बालूसुब्राह्मन्य शास्त्री, भूतपूर्वआचार्य, मेलापुरा संस्कृत कॉलेज द्वारा समापन भाषण दिया गया।

संस्कृतोत्सव

परिसर में संस्कृतोत्सव का आयोजन दिनांक 22.08.2010 से 24.08.2010 तक प्रभारी प्राचार्य, प्रो. ए.पी. सच्चिदानन्द के मार्ग दर्शन में तथा डॉ. महाबलेश्वर पी. भट्ट, डॉ. चन्द्रकान्त एवं श्री कृष्णन्नतपदमनाभम् के संयोजकत्व में आयोजित किया गया। अनन्त श्री विभूषित श्री श्री भारतीतीर्थमहास्वामीजी ने 'अनुग्रह भाषण' के साथ उद्घाटन समारोह का शुभारम्भ किया। द्वितीय एवं तृतीय दिन समारोह में विद्यालयीय बालकों हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं, कंठपाठ एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

स्वाध्याय केन्द्र (दूरस्थ शिक्षा अध्ययन केन्द्र)

दिनांक 23.09.2010 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा शृंगेरी परिसर में दूरस्थ शिक्षा अध्ययन केन्द्र का शुभारम्भ किया गया। शृंगेरी अध्ययन केन्द्र एवं कनार्टक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय के समन्वयक डॉ. सी.वी. गिरधर शास्त्री ने उद्घाटन भाषण दिया। डॉ. चन्द्रकान्त एवं डॉ. सोमनाथ साहु को समन्वयक नियुक्त किया गया। इस केन्द्र में 15 छात्रों ने विभिन्न शास्त्रों जैसे की ज्योतिष, व्याकरण एवं साहित्य में प्रवेश लिया है।

राष्ट्रिय शिक्षा दिवस

परिसर में राष्ट्रिय शिक्षा दिवस दिनांक 11.11.2010 को मौलाना अब्दुल कलाम आजाद जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। डॉ. वाई.एस. रमेश, निदेशक दूरस्थ शिक्षा, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। डॉ गणेश. टी. पण्डित ने संयोजक के रूप में कार्य को सम्पन्न किया।

सम्भाषण शिविर

संस्कृत भाषा को बोलचाल में प्रयुक्त करने हेतु परिसर में 10 दिन का सम्भाषण शिविर आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के अधीन संस्कृत को बोलने हेतु प्राक् शास्त्री प्रथम एवं द्वितीय वर्ष, शास्त्री प्रथम वर्ष के छात्रों हेतु संस्कृत कक्षाओं का आयोजन किया गया। प्रो. ए.पी. सच्चिदानन्द के मार्ग निर्देशन एवं डॉ. मधुकेश्वर भट्ट, डॉ. गिरिधर राव एवं वरिष्ठ छात्रों ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

वाग्वर्धिनी परिषद्

परिसर के प्राचार्य के उत्कृष्ट मार्गदर्शन में डॉ. हरि प्रसाद के. एवं डॉ. सूर्य नारायण भट्ट के संयोजकत्व में वाग्वर्धिनी परिषद् के सफल परिणाम सामने आए। कक्षाओं से एक-एक प्रतिनिधि के अतिरिक्त, श्री रविश हेगडे एवं कुमारी शान्तलाराव को एकमत से परिषद् का सचिव चुना गया पात्र छात्र, छात्र परिषद् के विभिन्न पदो हेतु चुने गये। प्रो. सरोजा भाटे, भूतपूर्व निदेशक, भण्डारकर प्राच्य शोध केन्द्र, पूना द्वारा दिनांक 22.07.2010 को परिषद् का उद्घाटन किया गया। प्रति गुरुवार को छात्रों द्वारा अध्यापकों के समूह के समाने वाक्यार्थ प्रस्तुत किये गये। परिषद् के प्रयत्न के फलस्वरूप छात्रों का सर्वतोमुखी विकास हो पाया।

विश्व संस्कृत पुस्तक मेला

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान एवं संस्कृत भारती के सहयोग से विश्व पुस्तक मेले का आयोजन दिनांक 06.01.2011 से 10.01.2011 तक नेशनल हाई स्कूल, बेंगलूरू में आयोजित किया गया। इस अवसर पर परिसर के प्राचार्य, विभागाध्यक्ष, आचार्य एवं छात्रों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया।

हिन्दी दिवस

हिन्दी दिवस का आयोजन परिसर में 14 एवं 15 सितम्बर 2010 को किया गया। स्वतन्त्र वार्ता, दैनिक समाचार पत्र के मुख्य संपादक ने कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। डॉ. सोमनाथ साहू एवं डॉ. रेखाकुमारी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

कन्नड़ राज्योत्सव

कन्नड़ राज्योत्सव का आयोजन परिसर में दिनांक 01.11.2010 को किया गया। प्रो. भुवनेश्वरी हेगडे, आचार्य अर्थशास्त्र, मेंगलौर विश्वविद्यालय ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। डॉ. सुब्राय वी. भट्ट, डॉ. गणेश टी. पण्डित एवं श्रीमती कविता ने कार्यक्रम का संचालन किया।

वर्ष के दौरान संकाय सदस्यों के कार्यकलाप

1. प्रो. ए.पी. सच्चिदानन्द ने गुरुवायूर परिसर, केरल द्वारा आयोजित राष्ट्रिय संगोष्ठी में भाग लिया।

2. सोन्दा स्वर्णवल्लीमठ, वेदान्त भारती संस्था योदोतर मठ और रेवती पट्टतान में आयोजित विभिन्न शास्त्र गोष्ठी में

डॉ. महाबेलश्वर पि. भट्ट ने भाग लिया एवं शास्त्रार्थ पत्र प्रस्तुत किये। शंकराचार्य संस्कृत विश्व विद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रिय संगोष्ठी में भी भाग ग्रहण किया। राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के शास्त्र वारिधि के छात्रों को वेदान्त परिभाषा का अध्ययन कराया।

3. डॉ. सुब्राय वी. भट्ट ने शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रिय संगोष्ठी एवं मीमांसा विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग ग्रहण किया। महागणपति वाक्यार्थ सभा में अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

4. डॉ राम चन्द्रलु बालाजी ने शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रिय संगोष्ठी में भाग ग्रहण किया। राष्ट्रिय शैक्षिक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान परिषद एवं राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा आयोजित कार्यशाला में भागग्रहण किया। अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन में भी भाग ग्रहण किया।

5. डॉ. चन्द्रकान्त ने राष्ट्रिय शैक्षिक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान परिषद एवं राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा आयोजित कार्यशाला में भागग्रहण किया। केवम्पु विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रिय संगोष्ठी में भी भाग लिया।

6. डॉ सी. एस. एस. एन. मूर्ति ने शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रिय संगोष्ठी में भाग ग्रहण किया। महागणपति वाक्यार्थ सभा में अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। गोतामी शास्त्रार्थ सभा एवं सुब्राय शास्त्रार्थ सभा में भाग ग्रहण किया। अनौपचरिक शिक्षण केन्द्र एवं अनुसंधातृ शिक्षण केन्द्र में विभिन्न कक्षायें ली गई।

7. डॉ. नवीन होला ने महागणपति वाक्यार्थ सभा में अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा आयोजित सांस्कृतोत्सव में 'भारतीय शास्त्रीय पारंपरायम हेतवाभाषा' विषय पर अपने पत्र प्रस्तुत किये। अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन में भाग लिया।

8. डॉ. चन्द्र शेखर भट्ट ने शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रिय संगोष्ठी में भाग ग्रहण किया। महागणपति वाक्यार्थ सभा में अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कुमारमंगला मे "वेदांग-व्याकरण" विषय पर अपना शोध लेख प्रस्तुत किया।

9. डॉ. कृष्णन्नतपदमनाभम ने शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रिय संगोष्ठी में भाग ग्रहण किया। महागणपति वाक्यार्थ सभा में अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। गोतामी शास्त्रार्थ सभा एवं सुब्राय शास्त्रार्थ सभा में भाग ग्रहण किया।

10. डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट ने स्वर्णवली मठ, वेदान्त भारती संस्था द्वारा धारवाड में आयोजित विभिन्न संगोष्ठी एवं कार्यशाला में भाग लिया। हैदराबाद संस्कृत अकादमी द्वारा आयोजित राष्ट्रिय संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत किये। स्वर्णवली मठ द्वारा आयोजित राष्ट्रिय स्तर के शास्त्रीय प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में काम किया।

11. डॉ. राघवेन्द्र भट्ट ने कौमुदी महोत्सव में प्रथम पुरस्कार प्राप्त नाटक "स्वप्नवासवदत्तम्" का निर्देशन किया।

12. डॉ. हरि प्रसाद ने राष्ट्रिय शैक्षिक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान परिषद एवं राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा आयोजित कार्यशाला में भागग्रहण किया।

13. डॉ भगवान समनत्रेय ने गंगानाथ झा परिसर में आयोजित पाण्डुलिपि संरक्षण कार्यशाला में भाग लिया। राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी द्वारा आयोजित परिचर्चा में "भारतीय चिकित्सा विज्ञान" विषय पर अपना मन्तव्य दिया। जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रिय संगोष्ठी में भाग लिया। राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के शास्त्र वारिधि के छात्रों को वेदान्त परिभाषा का अध्ययन कराया।

14. डॉ. सोमनाथ साहु ने राष्ट्रिय शैक्षिक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान परिषद एवं राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा आयोजित कार्यशाला में भागग्रहण किया। केवम्पु विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रिय संगोष्ठी में भी भाग लिया। शिमला विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग ग्रहण किया।

15. डॉ. चन्द्रकला आर. कोण्डी ने सहयाद्री महाविद्यालय, शिमोगा में आयोजित राष्ट्रिय संगोष्ठी में शोध लेख प्रस्तुत किये।

16. डॉ. एच. रामचन्द्र ज्योयस ने हैदराबाद संस्कृत अकादमी द्वारा आयोजित राष्ट्रिय संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत किये।

17. डॉ. सूर्य नारायण भट्ट ने राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी द्वारा आयोजित परिचर्चा में "भारतीय चिकित्सा विज्ञान" विषय पर अपना मन्तव्य दिया। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की दैनदिनी का निर्माण किया।

18. डॉ. गणेश टी. पण्डित ने राष्ट्रिय शैक्षिक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान परिषद एवं राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा आयोजित कार्यशाला में भागग्रहण किया।

19. डॉ. रेखा कुमारी ने बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग ग्रहण किया। शांकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रिय संगोष्ठी में भाग ग्रहण किया।

20. श्री वेंकटेशताताचार्य ने महागणपति वाक्यार्थ सभा में अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

शोधार्थियों की गतिविधियाँ

1. श्री प्रियव्रत मिश्र, कालीदास संस्कृत विश्वविद्यालय नागपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रिय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किये। गंगानाथ झा परिसर में आयोजित पाण्डुलिपि संरक्षण कार्यशाला में भाग लिया। वेद विद्या द्वारा उडुपी में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग ग्रहण किया। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा कनिष्ठ अध्येतावृत्ति में चयन हुआ। राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी में आयोजित शोध कार्य प्राणाली पर आधारित कार्यशाला में भाग ग्रहण किया।

2. श्री विनायक रजत भट्ट ने वेद विद्या द्वारा उडुपी में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "आधुनिक परिपेक्ष्य में व्याकरण" विषय शोध लेख प्रस्तुत किये। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा कनिष्ठ अध्येतावृत्ति में चयन हुआ। राजीव गांधी परिसर शृंगेरी में आयोजित शोध कार्य प्राणाली पर आधारित कार्यशाला में भाग ग्रहण किया।

3. श्री श्रीकारा जी.एन. ने गंगानाथ झा परिसर में आयोजित पाण्डुलिपि संरक्षण कार्यशाला में भाग लिया। वेद विद्या द्वारा उडुपी में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग ग्रहण किया। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा कनिष्ठ अध्येतावृत्ति में चयन हुआ। भगवतगीता का संपूर्ण कंठस्थ पाठ करते हुए उसे दिव्य आर्शीवाद प्राप्त है। राजीव गांधी परिसर शृंगेरी में आयोजित शोध कार्य प्रणाली पर आधारित कार्यशाला में भाग ग्रहण किया।

7.8 गरली परिसर, गरली (हिमाचल प्रदेश)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने भारतीय स्वाधीनता के स्वर्ण जयन्ती वर्ष में हिमाचल प्रदेश के गरली नामक स्थान पर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ का उद्घाटन तत्कालीन शिक्षा राज्य मंत्री के द्वारा हिमाचल प्रदेश के तत्कालीन मुख्य मंत्री की उपस्थिति में 16 सितम्बर, 1997 के शुभ दिन को किया गया। इसका नामकरण अब पुनः राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के गरली परिसर के रूप में किया गया है। परिसर अभी किराये के भवन में चल रहा है। परिसर हेतु हिमाचल प्रदेश सरकार ने गाँव बलाहर, समीप प्रागपुर, तहसील देहरा, जिला काँगड़ा में 2-63-18 हेक्टेयर उपयुक्त भूमि आबंटित की है।

जीवन के सभी क्षेत्रों से सम्बद्ध छात्रों को प्राक् शास्त्री का शिक्षण इण्टर स्तर पर और साहित्य, ज्योतिष तथा व्याकरण विद्या विशेषों का शिक्षण शास्त्री एवं आचार्य स्तरों पर दिया जाता है। शोध-छात्रों को विद्यावारिधि (पी-एच. डी.) की उपाधि प्राप्त करवाने की दिशा में शोध कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया जाता है। कम्प्यूटर शिक्षा, पर्यावरण अध्ययन, हिन्दी, अंग्रेजी और इतिहास जैसे आधुनिक विषय भी पाठ्यक्रम के भाग के रूप में पढ़ाए जाते हैं।

शैक्षिक सत्र 2010-11 के दौरान 288 छात्रों ने प्राक् शास्त्री से आचार्य तक की कक्षाओं में प्रवेश प्राप्त किया। उनमें से 146 छात्राएँ थीं।

पाठ्येतर गतिविधियाँ

परिसर द्वारा संस्कृत सप्ताह समारोह का आयोजन 25 से 28 अगस्त, 2010 तक किया गया। कार्यक्रम का आरम्भ देवी सरस्वती की पूजा के साथ किया गया। इस कार्यक्रम में ज्योतिष, साहित्य एवं व्याकरण विषयों में भाषण श्लोकोन्त्याक्षरी आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। डॉ. प्रकाश पाण्डेय, प्राचार्य, डॉ. मदन मोहन पाठक, डॉ. वी.पी. शास्त्री, डॉ. सुबोध शर्मा एवं डॉ. मनोहर लाल आर्य, डी.ए. वी. कालेज कांगडा द्वारा विशेष व्याख्यान दिये गये। कार्यक्रम का समापन अध्यक्षीय भाषण एवं प्रतियोगिता के विजेता छात्र, छात्राओं को पुरस्कार वितरण के साथ सम्पन्न किया गया।

31 जुलाई 2010 को प्रो. रामनारायण दास सेवानिवृत्त हुये। 15 अगस्त 2010 को स्वतन्त्रता दिवस समारोह आयोजित किया गया। 19 अगस्त 2010 को परिसर के नए बनाए जा रहे भवन ग्राम-बलाहार में वृक्षा रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। परिसर में दिनांक 30-08-2010 को जैव विविधता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में डॉ. अजित कुमार अग्निहोत्री, राजकीय महाविद्यालय, हमीरपुर एवं डॉ. रवि कुमार, हिमाचल कृषि विभाग अधिकारी, हि. प्र. ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये।

पतञ्जली विद्यापीठ के सहयोग से परिसर द्वारा आर्युवेद में मूल पाण्डुलिपि प्रकाशन हेतु कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।

प्रो. के.बी.सुब्बारायडु द्वारा पुरी परिसर से स्थानान्तरण के पश्चात् दिनांक 16-09-2010 को प्रभारी प्राचार्य का कार्यभार ग्रहण किया। परिसर में दिनांक 20-09-2010 को हिन्दी दिवस के समापन समारोह के अवसर पर डॉ. रक्षपाल जिन्दल, सहायक प्रोफेसर, राजकीय महाविद्यालय ढलियारा एवं डॉ. गांगाशरण, प्राचार्य, केन्द्रीय विद्यालय नलेटी के द्वारा हिन्दी विषय पर व्याख्यान दिये गये। इस अवसर पर परिसर के प्राचार्य प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु ने हिन्दी में अधिकाधिक कार्य करने पर जोर दिया एवं इसके फायदे बताये। परिसर के छात्रों एवं कर्मचारियों द्वारा हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में प्रतिभागिता एवं भाषण दिये गये।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के द्वारा दि. 25 से 27 अक्टू. 2010 तक कौमुदी महोत्सव का आयोजन किया गया। इस महोत्सव में परिसर के छात्राओं में प्रियंका को प्रथम, संतोष कुमारी को द्वितीय एवं शालिनी शर्मा को तृतीय व्यक्तिगत पुरस्कार प्राप्त हुआ। गरली परिसर के द्वारा प्रस्तुत नाटक को दिल्ली के स्थानीय समाचार पत्र 'अमर उजाला' में विशेष स्थान दिया गया। दूरस्थ शिक्षण केन्द्र का उद्घाटन दिनांक 17 नवम्बर 2010 को परिसर में दूरस्थ शिक्षण केन्द्र का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में दूरस्थ शिक्षण केन्द्र के निदेशक डॉ. वाई.एस. रमेश एवं उपकुलसचिव डॉ. रतनमोहन झा भी उपस्थित रहे। परिसर में दिनांक 17 दिसम्बर 2010 को गीता जयन्ती समारोह का आयोजन किया गया। श्रीमती लीला देवी, गरली पंचायत के ग्राम प्रधान एवं यूको बैंक गरली के शाखा प्रबन्धक श्री अजय महाजन मुख्यअतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के केरल गुरुवायुर परिसर में द्वारा दिनांक 26-29 दिसम्बर 2010 तक युवा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस महोत्सव में परिसर के छात्र/छात्राओं को पुरस्कार दिये गये जिसमें बैडमिटंन बालिका सिंगल एवं डबल प्रथम पुरस्कार को स्वर्ण पदक, खो-खो प्रतियोगिता में बालिका द्वितीय को रजत पदक एवं कुस्ती प्रतियोगिता में छात्र तृतीय को कांस्य पदक दिया गया। 26 जनवरी 2011 को परिसर में गणतन्त्र दिवस का आयोजन किया गया।

परिसर के प्रशासनिक एवं शैक्षिक ब्लाक का निर्माण कार्य फेस-1 के अन्तर्गत प्रगति पर है। निर्माण कार्य जल्दी संपन्न करने के लिए प्रभारी प्राचार्य प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु द्वारा केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के विभिन्न अधिकारियों से बैठक की गई। भवन निर्माण के लिए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से रुपये 8.52 करोड़ प्राप्त हुये जो कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को भुगतान कर दिये गये। शेष रूपये 4.74 करोड़ वर्ष 2011-12 में प्राप्त होने की संभावना है।

परिसर में दिनांक 3 से 4 फरवरी 2011 तक वार्षिक शैक्षिक प्रतियोगिताओं में शास्त्रीय भाषण, हिन्दी भाषण, अंग्रेजी भाषण, संस्कृत, हिन्दी एवं अंग्रेजी निबन्ध लेखन, श्लोकवाचन (केवल प्राक्शास्त्री प्रथम) सूत्रान्त्याक्षरी, श्लोकान्त्याक्षरी एवं संस्कृत गीतिका प्रमुख रहे है। परिसर में दिनांक 9 से 11 फरवरी 2011 तक वार्षिक क्रीडा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में खो-खो, टेनिस, कब्ड्डी, वॉली-वॉल, जैवलिन थ्रो, गोला फेंक, दोड़ आदि प्रमुख रहे है। दिनांक 19-02-2011 को श्रीमती कलावती सूद भजन स्पर्धा, राधा कृष्ण मन्दिर, देहरा में आयोजित भजन स्पर्धा में परिसर के छात्राओं को सामुहिक गायन प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। परिसर में सरस्वती परिषद का गठन किया गया है यह परिषद प्रत्येक गुरुवार को अपने-अपने विभागों में छात्र/छात्राओं द्वारा शास्त्रीय विषयों में भाषण आदि कार्यक्रम कराते है। एवं माह के अन्तिम गुरुवार को सभी विषयों (ज्योतिष, साहित्य एवं व्याकरण) का एक साथ शास्त्रीय विषयों में व्याख्यान आयोजित किया जाता है। दिनांक 26-02-2011 को वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान के माननीय कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी उपस्थित रहे। कुलपति महोदय द्वारा वार्षिक शैक्षणिक एवं क्रीडा प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र/छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

परिसर द्वारा संस्कृत संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 28

एवं 29 मार्च 2011 को ज्वालामुखी में आयोजित किया गया। जिसमें प्रदेश के सरकारी एवं निजी संस्कृत विद्यालयों ने भाग लिया परिचर्चा में हिमाचल प्रदेश में संस्कृत के विकास एवं उन्नयन के सम्बन्ध में समोराह आयोजित किया गया। श्रीमति सरोजिनी महिषी, भूतपूर्व संसद सदस्य राज्य सभा समारोह की मुख्य अतिथि थीं एवं उनके द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। श्री राकेश शर्मा, एच.ए.एस., उपप्रभागीय अधिकारी (सिविल), देहरा भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु द्वारा प्रदेश के सामान्य महाविद्यालयों में आचार्य को एम.ए. के समकक्ष किये जाने हेतु आश्वासन दिया।

7.9 भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के भोपाल परिसर की स्थापना वर्ष 2002 में मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में हुई थी। मध्यप्रदेश के तत्कालीन महामहिम राज्यपाल भाई महावीर जी ने 16 सितम्बर 2002 को इसका औपचारिक शुभारम्भ किया था। इस परिसर के विकास हेतु मध्यप्रदेश शासन ने बागसेवनिया में 10 एकड़ भूमि निःशुल्क प्रदान की है, जिस पर शैक्षिक, प्रशासनिक, पुस्तकालय एवं प्रेक्षागार निर्माण हेतु तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री माननीय श्री अर्जुन सिंह जी ने 19 सितम्बर 2005 को शिलान्यास किया था। अब वह भवन निर्मित हो चुका है, अतः मई 2010 से परिसर की सभी शैक्षिक गतिविधियाँ इस नवनिर्मित अपने भवन में प्रारंभ हो गई हैं। किन्तु छात्रों/छात्राओं के आवास की व्यवस्था अभी किराये से प्राप्त भवनों में की गई है। अपने परिसर में द्वितीय चरण के अन्तर्गत पुरूष छात्रावास, कन्या छात्रावास, अतिथि गृह एवं आवासीय गृह निर्माण हेतु स्वीकृति प्राप्त हो गयी है तथा निर्माण कार्य की प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है।

पाठ्यक्रम

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के भोपाल परिसर में पाठ्यक्रम के अन्तर्गत शिक्षण, प्रशिक्षण एवं शोध विभाग संचालित है। शिक्षण विभाग में प्राक्शास्त्री (10+2), शास्त्री (बी.ए.) एवं आचार्य (एम.ए.) की कक्षाओं का अध्यापन होता है। जिनमें साहित्यशास्त्र, व्याकरणशास्त्र एवं ज्योतिषशास्त्र के साथ हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीतिशास्त्र, कम्प्यूटर विज्ञान एवं पर्यावरण की शिक्षा दी जाती है। प्रशिक्षण विभाग में शिक्षाशास्त्र (बी.एड.) का पाठ्यक्रम संचालित है। शोध विभाग में साहित्यशास्त्र, व्याकरणशास्त्र, ज्योतिषशास्त्र, शिक्षाशास्त्र एवं संस्कृत विद्या की अन्य धाराओं में विद्यावारिधि (पीएच.डी.) उपाधि हेतु शोध छात्र अनुसंधान करते हैं।

पाठ्य सहगामी प्रवृत्तियाँ

संविद्-विकास-परिषद्- विद्यार्थियों की वाक्क्षमता, शास्त्रीय पाण्डित्य एवं प्रतिपादन सामर्थ्य के विकास के लिए परिसर में प्रति शुक्रवार संविद् विकास परिषद् का आयोजन होता है, जिसमें विद्यार्थी साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष, शिक्षाशास्त्र एवं अन्य संबधित प्राच्यविद्याओं के अधीत गहन सिद्धातों की चर्चा एवं व्याख्या करते हैं।

शास्त्रमीमांसा समिति- शास्त्र चर्चा के माध्यम से प्राध्यापकों में शास्त्रीय तेजस्विता के विकास के लिये शास्त्रमीमांसा समिति का संघटन किया गया है। शिक्षकों के संकल्पानुसार प्रतिमास आरम्भिक शुक्रवार को शास्त्र- मीमांसा समिति का आयोजन किया जाता है, जिसमें पूर्व निर्धारित विषय पर प्राध्यापकों द्वारा शास्त्रचर्चा प्रस्तुत की जाती है। सत्रान्त में शास्त्रमीमांसा पत्रिका में शोध निबन्धों का प्रकाशन किया जाता है।

शास्त्रार्थ प्रशिक्षण- परिसर में विभिन्न शास्त्रों के मार्मिक एवं दुरूह पक्षों के परिष्कार हेतु विद्यार्थियों को शास्त्रार्थ का प्रशिक्षण दिया जाता है, जिसमें किसी शास्त्र के विशिष्ट सिद्धांत पर पूर्वपक्ष एवं उत्तरपक्ष के साथ शास्त्रसम्मत एवं प्रामाणिक तर्क उपस्थापित होते हैं। उसके अन्त में सैद्धांतिक निष्कर्ष तक पहुंचा जाता है।

शलाका एवं कंठपाठ- अध्येताओं की स्मृति, मेधा एवं अवबोधन शक्ति के परीक्षण हेतु विभिन्न शास्त्रों एवं काव्यों पर आधारित शलाका एवं कंठपाठ का अभ्यास कराया जाता है। शलाका परीक्षा में स्मृति, मेधा एवं अवबोधन तीनों का परीक्षण होता है। जबकि कंठपाठ में केवल स्मृति का ही परीक्षण होता है।

विस्तार व्याख्यानमाला- परिसर में शिक्षासत्र के मध्य विभिन्न शास्त्रों में विस्तार व्याख्यानमाला का आयोजन होता है, जिसमें विभिन्न शास्त्रों के विशिष्ट एवं पारंगत विद्वानों का व्याख्यान होता है, इससे विद्यार्थियों को अपने अधीत शास्त्रों के विस्तार हेतु मार्गदर्शन प्राप्त होता है।

प्रादेशिक वाक्स्पर्धा- भोपाल परिसर में अधिराज्यीय

वाक्स्पर्धा का आयोजन किया जाता है, जिसमें मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्यों के पारम्परिक संस्कृत विद्यार्थियों की निर्धारित आठ शास्त्रों में प्रतियोगिताएं आयोजित होती हैं। उनमें प्रतिशास्त्र एवं प्रतिराज्य विजेता छात्रों का राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय के द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा के लिए चयन किया जाता है। इस कार्यक्रम में शास्त्रीय शलाका, काव्य शलाका, कंठपाठ एवं श्लोकान्त्याक्षरी की प्रतियोगितायें भी आयोजित होती है।

अखिलभारतीय वाक्स्पर्धा- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय के द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा में भाग लेने के लिये प्रादेशिक वाक्स्पर्धा मे चुने हुए विद्यार्थियों को भोपाल परिसर में शास्त्रीय भाषण, शास्त्रीय शलाका, काव्य शलाका, कंठपाठ एवं श्लोकान्त्याक्षरी का विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है।

क्रीडा एवं योगासन- परिसर में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं के शारीरिक एवं आध्यात्मिक विकास हेतु विभिन्न शारीरिक क्रियाओं, योग एवं क्रीडा का प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रतिवर्ष विजेता छात्रो का अखिल भारतीय युवा महोत्सव हेतु चयन किया जाता है और उन्हें पुरस्कृत किया जाता है।

अखिल भारतीय युवमहोत्सव- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय के द्वारा प्रतिवर्ष अखिल भारतीय युवमहोत्सव का आयोजन किया जाता है, जिसमें परिसरीय प्रतिभावान् युवा विद्यार्थियों को क्रीडा, योग, चित्रांकन, अभिनय, नृत्य, संगीत एवं श्लोक गान आदि विविध पाठ्यसहगामी प्रवृत्तियों के विकास हेतु प्रोत्साहन एवं प्रशिक्षण दिया जाता है।

नाट्याभिनय एवं कलाएं- परिसर में विद्यार्थियों को पारम्परिक नाट्य शास्त्रीय अभिनय कला का प्रशिक्षण दिया जाता है और ग्रीष्मावकाश में संस्थान के सहयोग से अन्य संस्थाओं में आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रशिक्षण हेतु प्रेषित किया जाता है। प्रशिक्षित विद्यार्थियों के द्वारा संस्कृत नाटकों का रूपायन किया जाता है एवं उन्हें कौमुदी महोत्सव और युवमहोत्सव के अन्तर्गत आयोजित नाट्य प्रतियोगिताओं में प्रस्तुत किया जाता है।

अन्य शैक्षिक गतिविधियाँ

दूरस्थ शिक्षा- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय में मुक्तस्वाध्यायपीठम् स्थापित है, जिसके अंतर्गत परिसर में दूरस्थ शिक्षण केन्द्र संचालित है। यह केन्द्र पंजीकृत स्वाध्यायी अध्येताओं को पाठ्यसामग्री भेजता है और आवश्यकतानुसार अवकाश के दिनों में स्वाध्यायी छात्रों के लिए कक्षाओं का आयोजन भी करता है। इस प्रकार परिसर से दूर अपने गृहनगर में रहने वाले पंजीकृत स्वाध्यायी छात्र भी इस केन्द्र के माध्यम से अध्ययन करके प्राक्शास्त्री, शास्त्री और आचार्य पाठ्यक्रमों की परीक्षा दे सकते हैं तथा उत्तीर्ण होने पर पाठ्यक्रमों का प्रमाणपत्र/उपाधि प्राप्त कर सकते हैं।

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण- संस्कृत भाषा, संस्कृत के काव्य एवं संस्कृत शास्त्रों को शिक्षक के बिना स्वयं पढ़ने की क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से संस्थान ने संस्कृत स्वाध्याय पाठ्यक्रम का विकास किया है। इसमें पांच सत्र/दीक्षा हैं। प्रत्येक सत्र/दीक्षा में छह-छह मास अध्ययन करना होगा। निःशुक्ल कक्षा आयोजन की सूचना समय-समय पर समाचार पत्रों के माध्यम से दी जाती है।

भारतीय ज्योतिष परिचय पाठ्यक्रम- भारतीय फलित ज्योतिष में रूचि रखने वाले साधारण शिक्षितों के लिए भारतीय ज्योतिष परिचय का त्रैमासिक पाठ्यक्रम परिसर के द्वारा संचालित है, इस पाठ्यक्रम में अध्ययन करके किसी भी उम्र का कोई भी व्यक्ति फलित ज्योतिष के सामान्य सिद्धान्तों का परिचय प्राप्त कर सकता है। इसकी कक्षायें सायंकालीन होती हैं, जिसमें रूपये 1000/- मात्र पंजीकरण शुक्ल देय है। समाचार पत्रों के माध्यम से इस पाठ्यक्रम में प्रवेश की सूचना प्रसारित की जाती है।

संस्कृत अन्तर्जाल परियोजना- परिसर में संस्कृत के प्राचीन शास्त्रों को अन्तर्जाल में संस्थापित करने हेतु संस्कृत अन्तर्जालपरियोजना प्रचलित है। विभिन्न संस्कृत ग्रंथों को टंकित करके अन्तर्जाल में स्थापित करना इस परियोजना का मुख्य कार्य है। इस योजना के अन्तर्गत परिसर के द्वारा साहित्य दर्पण ग्रंथ का अन्तर्जाल में स्थापना हो चुका है। इसी प्रकार who is who नाम से संस्कृत विद्वानों की एक पंजिका निर्माणाधीन है, जिसका दिसम्बर 2011 तक प्रकाशन होगा तथा उसे अन्तर्जाल में स्थापित किया जायेगा।

शब्दकोश-परियोजना- बोली एवं उपबोली शब्दकोश परियोजना के अन्तर्गत परिसर में अभी बुन्देली एवं मालवी बोली संस्कृत शब्दकोश का निर्माण चल रहा है, जिसका यथाशीघ्र प्रकाशन होगा।

संगोष्ठी एवं कार्यशाला- परिसर में विभिन्न शास्त्रों पर राष्ट्रिय एवं क्षेत्रीय शोध संगोष्ठी एवं कार्यशालाओं का आयोजन होता है। शास्त्रीय ज्ञान का आदान प्रदान, शोध तथा वैदुष्य का विकास करना संगोष्ठी एवं कार्यशालाओं का मुख्य उद्देश्य होता है।

प्रशिक्षण- अनौपचारिक संस्कृतभाषा शिक्षण के शिक्षकों का उनके शिक्षण कौशल तथा पाण्डित्य में विकास हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन होता है। संस्कृत भाषा एवं शास्त्रों के प्रति रूचि उत्पन्न कराना तथा उस दिशा में प्रावीण्य प्राप्त कराना प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य होता है।

पुस्तक विक्रय केन्द्र- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा प्रकाशित संस्कृत विषय की पाठ्यपुस्तकें एवं अन्य महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ सर्वसाधारण जन को उचित मूल्य पर उपलब्ध कराने के लिए परिसर में विक्रम केन्द्र का संचालन होता है।

विशिष्ट गतिविधियाँ 2010-11

संस्कृत सप्ताह समारोह

26-28 अगस्त 2010 भाषण कण्ठपाठ श्लोकान्त्याक्षरी सूत्रान्त्याक्षरी प्रश्नमंच आदि अनेक प्रतियोगिता का आयोजन पंडित प्रभुदयाल मिश्र जी का सम्मान **प्रो रहस विहारी द्विवेदी जी** का विशिष्ट सम्मान।

श्रीराधाकृष्णस्मृतिव्याख्यान माला

6 सितम्बर 2010

मुख्यवक्ता - प्रो. इन्द्रनाथ चौधरी, पूर्व सचिव साहित्य अकादमी, दिल्ली

विषय - कालिदास की मेघदूत एवं रविन्द्रनाथ ठाकुर

अध्यक्ष - प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, रा.सं.सं. नवदेहली

अभिराज्यीय शास्त्रीय-स्पर्धा समागम

25-26 नवम्बर 2010

मध्य प्रदेश - छत्तीसगढ राज्य के प्रतिभागी छात्रों में 08 विषयों की प्रतियोगिता का आयोजन.

निर्णायक-

डॉ. रामकिशोर शुक्ल, पूर्व प्राचार्य, जयपुर परिसर

प्रो. मिथिलाप्रसाद त्रिपाठी, सभापति, पतंजलि संस्कृत संस्थान, भोपाल

प्रो. पी. एन. शास्त्री निदेशक, कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन।

अखिल-भारतीय-शास्त्रीय-प्रतियोगिता

6-8 जनवरी 2011

बैंगलूरू में समायोजित अखिल भारतीय शास्त्रीय प्रतियोगिता 20 प्रतिभागियों की सहभागिता

पुरस्कृत छात्र

राहुल शर्मा	व्याकरणशलाका	रजतपदक
अमित शुक्ल	ज्योतिष भाषण	रजतपदक
अङ्कित शुक्ल	श्लोकान्त्याक्षरी	रजतपदक

हिन्दी दिवस समारोह

14 सितंबर 2010

प्रतिभागियों को पुरस्कृत

विस्तारित व्याख्यान

04 फरवरी 2011

विशिष्ठवक्ता - प्रो. के रविशंकर मेनन, शिक्षा शास्त्र विभाग अध्यक्ष रा.सं. विद्यापीठ तिरूपति

विषय - शिक्षा का चरम उद्देश्य

कौमुदी महोत्सव

नाटक - प्रतिज्ञायौगन्धरायण (भासकृत) (तृतीय पुरस्कार प्राप्त)

निर्देशन - डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति, सहनिर्देशन - डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव

प्रबन्धन - डॉ. प्रदीप कुमार पाण्डेय, प्रस्तुति - प्रो. आजाद मिश्र (प्राचार्य)

युवा महोत्सव 2010

26-29 दिसंबर 2010

पुरस्कार प्राप्ति

03 स्वर्ण पदक - सामूहिक नृत्य, शास्त्रीय नृत्य, संगणक प्रयोग विज्ञान

02 रजत पदक - साहित्य रचना, रंगोली

03 कांस्य पदक - शास्त्रीय नृत्य, एकपात्र अभिनय

विश्वसंस्कृत पुस्तक मेला

08-10 जनवरी 2011, बैंगलुरू

अध्यापक एवं शिक्षाशास्त्री छात्रों की सहभागिता

परियोजना

संस्कृत विद्वत परिचायिका

4500 विद्वानों का परिचय संकलित एवं टंकित कार्य संपन्न

उपभाषा कोश

बुन्देली-संस्कृत-शब्दकोश एवं निमाडी-संस्कृत- शब्दकोश कार्य निमार्ण प्रगति पर।

E-Text

परिभाषेन्दुशेखरः अलङ्कारसर्वस्वम्, अभिराजयशोभूषणम् के E-Text निर्माण प्रचालित

E-Library

6000 ग्रन्थों की प्रविष्टि सम्पन्न

भारतीय ज्योतिष पाठ्यक्रम शिक्षण

03 मार्च - 19 मई 2011 में त्रैमासिक पंचम चक्र संपन्न

मुक्तस्वाध्यायकेन्द्र

सत्र 2010-11

प्राक्शास्त्रीसेतु, शास्त्रीसेतु, शास्त्री, साहित्याचार्य पाठ्यक्रमों में छात्र अध्ययनरत

प्रकाशन

भोजराजपञ्चाङ्गम्

वि.सं. 2068 सन 2011-12 प्रकाशित

भोपाल के समय मानदंड पर आधारित पंचांग का निर्माण एवं प्रकाशन

शास्त्रमीमांसा (वार्षिक शोधपत्रिका)

शास्त्रमीमांसा - 1 वर्ष 2011

प्रधान संपादक - प्रो. आजाद मिश्र

संपादन - डॉ. सनन्दन कुमार त्रिपाठी एवं डॉ. प्रदीप कुमार पाण्डेय

राष्ट्री-6

परिसरीय वार्षिक पत्रिका प्रकाशित

शैक्षिक उपलब्धि 2010-11

व्याकरण विभाग

1. प्रो. आज़ाद मिश्र (प्राचार्य)

विशिष्ट व्याख्यान-05

पत्रिका संपादन-01

2. डॉ. ब्रजभूषण ओझा (सहायकाचार्य)

03 शोधपत्र प्रकाशित, 03 अ.भा. शास्त्रार्थ सं एवं 01 कार्यशला में भागग्रहम। 01 अ.भा.सं.वि.सं. में शोध पत्र वाचन।

3. प्रदीप कुमार पाण्डेय (सहायकाचार्य)

04 शोध पत्र, 03 रा.सं.सं. में शोधपत्र वाचन, वि.सं.पु. मेला में सहभागिता, शास्त्रमीमांसा शोधपत्रिका का सम्पादन।

4. डॉ. कैलासचन्द्रदाश (सहायकाचार्य)

01 रा.वि.समा. में शोधपत्र वाचन, शोधपत्र प्रकाशित, 02 कार्यशाला में भाग ग्रहण, 2011 वि.सं.पु.मेला में सहभागिता सं. पाठशालाओं का निरीक्षण।

5. श्री दिनेश चौबे (संविदा शिक्षक व्या.)

02 शोधपत्र प्रकाशित, 2011 वि.सं.पु. मेला में सहभागिता, 03 सं. पाठशालाओं का निरीक्षण।

साहित्य विभाग

6. प्रो. विद्यानन्द झा (आचार्य)

03 अ.भा.सं. में सहभागिता, 03 शोधपत्र प्रकाशित, परिसर में विभिन्न कार्य सम्पादन।

7. डॉ. सनन्दन कुमार त्रिपाठी (सहायकाचार्य)

01 पुस्तक प्रकाशित, 06 शोधपत्र प्रकाशित, 01 अन्त. रा.सं.सा.सं. और 02 अ.भा.सं.सं. में शोधपत्र वाचन, कविसंगोष्ठी में कविता पाठ, अन्तरा.सं.सा.सं. का सत्रसंचालन, शास्त्रमीमांसा शोधपत्रिका का सम्पादन। अलङ्कारसर्वस्य ग्रन्थ की मञ्चगज प्रस्तुति, वि.सं.पु. मेला में सहभागिता, दू.शि. का पाठलेखन, शोध निर्देशन।

8. डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति (सहायकाचार्य)

काव्यतत्त्वालोक ग्रन्थ का प्रकाशन, 03 शोधपत्र प्रकाशित, अ.भा.सं.सं. में शोधपत्र वाचन एवं कवता प्रस्तुति, कौमुदी महो. में यौगन्धरायण नाटक निर्देशन। दू. शि. का पाठलेखन, शोध निर्देशन।

9. डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव (सहायकाचार्य)

03 शोध पत्र प्रकाशित, 01 सं. कविता प्रकाशति, 04 अ.भा.सं.सं. में शोधपत्र वाचन, 01 अन्तरा. ना.शा.सं. में भाग ग्रहण, 05 कार्यशालाओं में भाग ग्रहण, 03 अ.भा.नाट्यउत्सव

सहभागिता, इंदिरा गाँधी रा.क.के. के जागरूक कार्यक्रम में भागग्रहण, दू.शि. का पाठलेखन, 15 सं.संस्थान निरीक्षण, 2011 वि.सं.पु.मेला सहभागिता, संस्कृत विद्वत् परिचायिका परियोजना सम्पादन कार्य, 02 E-Text प्रस्तुत, 04 शोध निर्देशन।

ज्योतिष विभाग

10. डॉ. हंसधर झा (उपाचार्य)

09 शोधपत्र विविध रा. शोधपत्र प्रकाशित, 02 हिन्दी पाठलेखन कार्य सम्पादन, भोजराज पंचाग का सम्पादन, एवं राष्ट्री 2011 सम्पादन, (मार्गदर्शन) 02 छात्र विद्यावारिधि उपाधि से विभूषित , 06 शोधार्थी कार्यरत, 07 रा.वि.सं. भागग्रहण, 02 आकाशवाणी भोपाल से काव्यपाठ प्रसारित, 06 अशा.सं.सं.निरीक्षण, विविध विश्वविद्यालय परीक्षक प्रश्न पत्र निर्माण, विशेष विद्यावारिधि उपाधि परीक्षक कार्य।

11. डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम (सहायकाचार्य)

धार (भोज महो.), काशी वि.वि., सं.महा. इन्दौर, सं.सं. शोधपत्र वाचन, भोजराज पंचाङ्ग सम्पादन, भा.ज्यो.पा.शि. सहसमन्वयक कार्यसम्पादन।

12. डॉ. अशोक थपलियाल (सहायकाचार्य)

वास्तुप्रबोधिनी ग्रन्थ प्रकाशित, 03 शोध पत्र प्रकाशित, 04 रा.सं.सं. शोधपत्र वाचन, Orientation कार्यक्रम A ग्रेड प्राप्त, सं.वि.परिचायिका परियोजना सम्पादन, भोजराज पंचाङ्ग सम्पादन।

13. श्री अवधेश कुमार श्रोत्रिय (संविदा शिक्षक)

04 शो.प. वाचन, 02 शो.प. प्रकाशन, वि.सं.पु.मेला सहभागिता, सं.पाठशाला निरीक्षण।

शिक्षाशास्त्रविभाग

14. डॉ. वेदनारायण चौधरी (उपाचार्य)

02 शो.प. प्रकाशित, N.C.F. कार्यक्रम, पाठयोजना निर्माण सम्मेलन, पु. मेला सहभागिता।

15. डॉ. प्रभादेवी चौधरी (उपाचार्य)

01 शो.प. प्रकाशित, 01 लेख प्रकाशित, N.C.F. कार्यक्रम सहभागिता।

16. डॉ. जे. भानुमूर्ति (उपाचार्य)

04 शो.प. प्रकाशित, रा.अभिमुखीकरण पाठयोजना नि. सहभागिता, वि.सं.पु. मेला सहभागिता।

17. श्री नीलाभ तिवारी (सहायकाचार्य)

03 शो.प. प्रकाशित, सं.समवाय संयोजन, N.C.F. कार्यक्रम भाग ग्रहण, 03 कार्यशाला भाग ग्रहण, 2011 वि. सं.पु. मेला सहभागिता, म.पा.सं.वि.वि. साधारणपरिषद सहदस्यता म.प्र. सरकार द्वारा।

18. श्री नितिन जैन (संविदा शिक्षक)

01 शो.प.प्रकाशित, 2011 वि.सं.पु.मेला सहभागिता, PG-DDE परीक्षा में सम्मिलित।

19. श्री रमण मिश्र (संविदा शिक्षक)

02 शो.प. प्रकाशित, 01 रा.सं. शो.प. वाचन, संस्कृत समवाय, वि.सं.पु. मेला सहभागिता।

आधुनिक विभाग

20. डॉ. अर्चना दुबे (सहायकाचार्या हिन्दी)

अ.भा.प्रा.विद्या सम्मेलन तिरुपति शो.प. वाचन, म.प्र.रा. शि.केन्द्र शिक्षक रिसोर्स बुक निर्माण कार्यशला भाग ग्रहण, भो.मु.वि.वि. स्नातको, हिन्दी पाठ लेखन कार्य।

21. श्रीमती श्रुति खरे (अतिथि अध्यापिका अंग्रेजी)

01 आलेख प्रकाशित, Staff Development Programme कार्यक्रम भागग्रहण।

22. श्री सुमित सक्सेना (संविदा शिक्षक संगणक)

01 आलेख प्रकाशित, युवा महोत्सव 2010 सहभागिता, परिसर प्रकाशन तकनीकी सहयोग।

23. श्रीमती निरुपमा सिंहदेव (संविदा शिक्षिका संगणक)

02 शो.प. प्रकाशित, वि.पु.मेला सहभागिता, परिसर सांस्कृतिक कार्यक्रम सहयोग, महिला छात्रावास अधिष्ठात्री।

24. श्री मुकेश उपाध्याय (अतिथि अध्यापक शारीरिक शिक्षा)

01 लेख प्रकाशित, 2010 युवा महो. भाग ग्रहण

7.10 के.जे. सौमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)

के.जे. सौमैया ट्रस्ट, विद्या विहार, मुम्बई ने अपने परिसर में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ स्थापित करने के प्रस्ताव के साथ में एक एकड़ भूमि विद्यापीठ भवन के लिए उपलब्ध कराने का प्रस्ताव किया। तत्पश्चात् राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा नियुक्त समिति द्वारा इसका निरीक्षण किया गया और अनुशंसा की गयी कि अंगीभूत विद्यापीठ स्थापित किया जाए। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग, भाषा प्रभाग, भारत सरकार द्वारा इस प्रस्ताव को 31.03.2002 को निर्णय लेकर स्वीकृत किया गया। के.जे. सौमैया ट्रस्ट ने आबंटित भूमि पर विद्यापीठ हेतु भवन बनने तक अपने भवन में कक्षाएँ चलाये जाने की स्वीकृति दी। संस्थान ने पट्टाकर्ता सौमैया ट्रस्ट से आबंटित एकड़ जमीन का अधिग्रहण कर लिया है। तत्कालीन माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार ने के. जे. सौमैया केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, मुम्बई परिसर का उद्घाटन दिनांक 16.05.2002 के शुभ दिन को किया। विद्यापीठ की स्थिति विद्या विहार स्थानीय सेन्ट्रल रेलवे स्टेशन के पूर्व की ओर सौमैया कॉलेज परिसर में के. जे. सौमैया आर्ट्स एण्ड कॉमर्स कॉलेज, विद्याविहार (पूर्व) मुम्बई - 77 के समीप लगभग आधा किलोमीटर की दूरी पर है।

वर्ष 2002-03 के मध्य अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण त्रैमासिक कार्यक्रम की प्रथम दीक्षा का पाठ्यक्रम आरंभ किया गया। बाद में मार्च, 2003 में मानित विश्वविद्यालय के रूप में प्रतिष्ठित होकर इस विद्यापीठ का नाम राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), के. जे. सौमैया संस्कृत विद्यापीठ परिसर रखा गया। शैक्षिक सत्र 2003-04 से प्राक् शास्त्री, शास्त्री और आचार्य की नियमित कक्षाओं का शिक्षण आरम्भ किया गया।

परिसर में इण्टर के समकक्ष प्राक् शास्त्री, बी.ए. के समकक्ष शास्त्री और एम.ए. (संस्कृत) के समकक्ष आचार्य तथा पीएच.डी. (संस्कृत शास्त्रों में) के समकक्ष विद्यावारिधि का शिक्षण साहित्य, व्याकरण और ज्योतिष विद्या विशेषों में प्रदान किया जाता है। पारम्परिक विषयों के अतिरिक्त आधुनिक विषयों का शिक्षण भी संस्थान के पाठ्यक्रम के अनुसार कराया जाता है। अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण त्रैमासिक कार्यक्रम की प्रथम व द्वितीय दीक्षा पाठ्यक्रम एवं ज्योतिष के प्रारम्भिक पाठ्यक्रम भी संस्थान के अनुमोदनानुसार पढ़ाये जाते हैं। क्षेत्रीय, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्, भोपाल ने बी.एड. के समकक्ष शिक्षा शास्त्री के लिए बढ़ाई गई 100 सीटों की भर्ती का अनुमोदन किया। फलस्वरूप शैक्षिक सत्र 2006-07 से इस पाठ्क्रम को परिसर में आरंभ कर दिया गया। पिछले साल की वार्षिक परीक्षा का परिणाम लगभग 100 प्रतिशत रहा।

वर्ष के दौरान परिसर में शिक्षण संकाय के रूप में 11 व्याख्याता से प्रोफेसर श्रेणी के प्रोफेसर, 7 अंशकालिक शिक्षक तथा 1 शास्त्र चूड़ामणि विद्वान थे। यद्यपि अभी तक परिसर में अपनी कोई छात्रावास सुविधा नहीं है, तथापि दस विद्यार्थियों के लिए शुल्क भुगतान के आधार पर के. जे. सौमैया पॉलीटेक्निक होस्टल में छात्रवास सुविधा की व्यवस्था की गई।

शैक्षणिक वर्ष 2010-11 में परिसर में प्राक् शास्त्री से विद्यावारिधि तक 80 छात्रों को प्रवेश मिला। जिसमें से 10 छात्रायें एवं 70 छात्र थे। 52 छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

पाठ्य एवं पाठ्येतर गतिविधियाँ

संस्कृत सप्ताह का आयोजन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय) के.जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठ, विद्याविहार एवं संस्कृत विभाग मुम्बई विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 23.08.2010 को आयोजित किया गया। उद्घाटन समारोह के अवसर पर डॉ. रामरूप मिश्र, पूर्व प्राचार्य, मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डॉ. गौरी माहु-लीकर, विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई उपस्थित रहे।

परिसर का उद्घाटन 15 मई 2002 को हुआ। के.जे. सौमेया जी ने शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सौमेया विहार का निर्माण किया जो विद्याविहार के नाम से जाना जाता है। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के 10 परिसरों में से के.जे. सौमेया परिसर एक परिसर है। के.जे. सौमेया ट्रस्ट द्वारा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के सौमेया विहार स्थित परिसर हेतु एक एकड़ भूमि प्रदान की है।

ग्रीष्म अवकाश के पश्चात् परिसर एक जुलाई 2010 को खुला सभी कक्षाओं में प्रवेश प्रक्रिया आदि जुलाई 2010 में पूर्ण हो गई। परिसर में निम्नलिखित कक्षाएँ चलाई जा रही है।

1.	प्राक् शास्त्री (दो वर्ष)	इंटरमिडियट
2.	शास्त्री (तीन वर्ष)	बी.ए.
3.	आचार्य (दो वर्ष)	एम.ए.
4.	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
5.	विद्यावारिधि	पीएच.डी.

साहित्य, व्याकरण एवं ज्योतिष विषयों का अध्ययन परम्परागत रूप से किया जाता है। आधुनिक विषय के रूप में राजनीति विज्ञान उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त पर्यावरण विज्ञान एवं आधुनिक भाषाओं के अन्तर्गत अंग्रेजी एवं हिन्दी उपलब्ध है। शिक्षा शास्त्री एक वर्ष का बी.एड. पाठ्यक्रम है। जिसमें मुख्य विषय संस्कृत एवं द्वितीय विकल्प के रूप में हिन्दी एवं अंग्रेजी उपलब्ध है। शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम भारत वर्ष के सभी विश्वविद्यालयों एवं राष्ट्रिय अध्यापक शिक्षा परिषद् से मान्यता प्राप्त है।

इस शैक्षणिक सत्र से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा शास्त्री प्रथम वर्ष, आचार्य प्रथम वर्ष में सेमेस्टर प्रणाली आरम्भ की गई है। जिसके अनुसार शास्त्री एवं आचार्य कक्षाओं का प्रथम सेमिस्टर 11 जुलाई 2010 से 21 दिसम्बर 2010 तक एवं सेमिस्टर अवकाश दिनांक 26 दिसम्बर तक है। द्वितीय सेमिस्टर 27 दिसम्बर 2010 से 20 मई 2011 तक रहेगा।

सभी कक्षाएँ नियमित समय में शुरू कर उपलब्ध पाठ्यक्रम के अनुसार पूर्ण समय में सम्पन्न की गई। परीक्षा 01.04.2011 से आरम्भ होकर 20 मई 2011 तक पूर्ण हुई। सेमिस्टर प्रणाली की परीक्षा भी इस सत्र में सम्पन्न हुई।

मूर्धन्य संस्कृत विद्वान डॉ. एन.एन. जोशी ने शास्त्रचूडामणि विद्वान के रूप में दिनांक 16.06.2010 को कार्यभार ग्रहण किया।

परिसर की पाठ्येतर गतिविधियाँ संस्कृत सप्ताहोत्सव दिनांक 21.08.2010 से 27.08.2010 को प्रारम्भ हुई। इस वर्ष संस्कृत दिवस समारोह संस्कृत विभाग, मुम्बई विश्वविद्यालय के सहयोग से एक साथ मनाया गया। डॉ. गौरी महोलकर, विभागाध्यक्ष संस्कृत विभाग उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह शिक्षाशास्त्री विभाग के छात्रों एवं प्राध्यपकों द्वारा कला भवन में आयोजित किया गया। मुम्बई विश्वविद्यालय ने कार्यक्रम में भाग लिया। संस्कृत सप्ताहोत्सव के अन्तर्गत संस्कृत नाटक, प्रतियोगिता अयोजित की गई। जिसमें संस्कृत विभाग मुम्बई विश्वविद्यालय के संस्कृत छात्रों एवं परिसर के छात्रों ने भाग लिया। परिसर के छात्रों ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। संस्कृत सप्ताहोत्सव के अन्तर्गत सप्ताह भर विभिन्न प्रतियोगितओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्कृत विभाग, मुम्बई विश्वविद्यालय में एक संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया जिसमें डॉ. एस. राधा, सहआचार्या (सहित्य) द्वारा पत्र प्रस्तुत किये गये। 27.08.2010 को संस्कृत विभाग मुम्बई विश्वविद्यालय में समापन समारोह आयोजित किया गया। परिसर के कर्मचारी एवं छात्रों ने समापन समारोह में भाग लिया।

शिक्षा शास्त्री विभाग द्वारा कला भवन में शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में सभी अध्यापकों द्वारा अशुभाषा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शिक्षा शास्त्री में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे सभी छात्रों ने प्राख्यात व्यक्तित्व डॉ. एस. राधाकृष्णन्न के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला।

हिन्दी दिसव परिसर में दिनांक 14 से 24 सितम्बर 2010 तक हिन्दी पखवाडा मनाया गया। हिन्दी दिवस के उद्घाटन समारोह के अवसर पर प्रमुख वक्ता के रूप में श्री प्रेम शुक्ला, कार्यकारी सम्पादक 'सामना' एवं श्री अजय पाण्डेय, फिल्म निदेशक एवं अभिनेता उपस्थित रहे एवं हिन्दी भाषा में अधिक से अधिक कार्य करने पर प्रमुख वक्ता ने बल दिया।

कौमुदी महोत्सव राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के द्वारा दिनांक 11 एवं 12 अक्टूबर 2011 को कौमुदी महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में इस परिसर के छात्रों द्वारा 'पंचरात्रम्' नाटक का मंचन किया गया। डॉ. आर.जी. मुरलीकृष्णन्न, सहायकाचार्य एवं अन्य प्राध्यापकों ने छात्रों को इस नाटक के लिए प्रोत्साहित किया।

परिसर में दिनांक 23 से 26 नवम्बर 2010 तक अखिल भारतीय संस्कृत प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले छात्र/छात्राओं के चयन हेतु राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में डॉ. रामरूप मिश्र, अध्यक्ष, भूतपूर्व प्राचार्य, मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मुम्बई एवं पं. गुलाम दस्तगीर विराजदार मुख्यनिर्णायक के रूप में उपस्थित रहे।

शिक्षा शास्त्री विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ दिनांक 01.11.2010 से 30.11.2010 तक संचालित की गई। शिक्षा शास्त्री प्रशिक्षुओं के लिए स्काऊट एवं गाईड प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर दिनांक 09.10.2010 से 15.10.2010 तक भारत स्काऊट एवं गाईड, भोर, पूना में आयोजित किया गया।

इसी तरह प्रशिक्षुओं के हित के लिए दिसम्बर माह के प्रथम सप्ताह में भारतीय रेड क्रोस सोसाइटी, फोट, मुम्बई में प्रथमोपचार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सभी कार्यक्रम सुचारू रूप से संचालित किये गये।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 26 से 29 दिसम्बर 2010 तक गुरुवायूर परिसर केरल में युवा महोत्सव का आयोजन किया गया। परिसर के 40 छात्रों एवं 5 स्टॉफ कर्मचारी द्वारा युवा महोत्सव में प्रतिभागिता की गई। श्री चिन्तामण प्रकाश, शिक्षाशास्त्री के छात्र को वाद-विवाद प्रतियोगिता में अखिल भारतीय स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। डॉ. के.के. सिनोय, विभागध्यक्ष, शिक्षाशास्त्री के प्रतिनिधित्व में युवा महोत्सव में सम्मिलित हुए।

दिनांक 07 से 09 जनवरी 2011 तक बैंगलोर में आयोजित विश्वपुस्तक मेले में इस परिसर के प्रो. प्रकाशचन्द्र, विभागाध्यक्ष (व्याकरण) एवं डॉ. श्रीमती एस. राधा, विभागाध्यक्ष (साहित्य) डॉ. के के शाइन, विभागाध्यक्ष (शिक्षाशास्त्र) एवं श्रीमती सीता लक्ष्मी, अनुभाग अधिकारी को परिसर के पुस्तकालय के लिए पुस्तकों के क्रय हेतु अधिकृत किया गया था। इनके द्वारा पुस्तकालय के लियें उपयोगी लगभग रू 200000 (दो लाख) की पुस्तकें क्रय की गई।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 06 से 08 जनवरी 2011 तक अखिल भारतीय संस्कृत विविध शास्त्रीय प्रतियोगिताओं का आयोजन पूर्णप्रज्ञ- संशोधनमन्दिर, पूर्णप्रज्ञविद्यापीठम् बैंगलोर (कर्नाटक) में किया गया। इन प्रतियोगिताओं में श्री विपिन कुमार, शास्त्री द्वितीय वर्ष के छात्र को अष्टाध्यायी कण्ठपाठ में स्पर्धा तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। परिसर में दिनांक 25 मार्च 2011 को वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में श्रीमती सरोजा भाटे उपस्थित रही। मुख्य अतिथि के द्वारा प्रतियोगिताओं में विजेता छात्रों को पुरस्कार प्रदान किया गया। वार्षिकोत्सव के अवसर पर परिसर के सभी प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्र/छात्राओं ने भाग लिया।

इस परिसर के शोध छात्र श्रीमती गौरी रमन, संदीप पाण्डे एवं सचिन भानोट आचार्य प्रथम वर्ष ने दिनांक 21 से 23 जनवरी 2011 को वादीराज शोध संस्थान, उडुपी द्वारा आयोजित डिकोड़िग वेद विद्या अन्तर्राष्ट्रिय सम्मेलन में प्रतिभागिता की।

दिनांक 22 से 25 जनवरी 2011 को राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति में अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा समारोह के अन्तर्गत साहित्य भाषण स्पर्धा में परिसर के शास्त्री तृतीय वर्ष के छात्र श्री भाऊसाहेब गवारे ने सान्तवना पुरस्कार प्राप्त किया।

विस्तार व्याख्यानमाला का शुभारम्भ दिनांक 04.02.2011 को साहित्य विषय के साथ शुरू हुआ। प्रो. जी.यू. थिटे, मूंधन्य संस्कृत विद्वान एवं भूतपूर्व संस्कृत प्रो., पूना विश्वविद्यालय ने grace of Kalidasa regarding the ritual challenges today. अपना वक्तव्य दिया। डॉ. एस. राधा, विभागाध्यक्ष साहित्य एवं साहित्य विभाग द्वारा कार्यक्रम को संचालित किया गया।

विस्तार व्याख्यानमाला के अन्तर्गत व्याकरण विषय पर दिनांक 04.03.2011 को प्रसिद्ध व्याकरणविद डॉ. व्यासप्रसाद पाण्डेय, आचार्य व्याकरण, मुम्बादेवी संस्कृत महाविद्यालय के व्याख्यान से आरम्भ हुआ। उन्होंने संस्कृत भाषा में व्याकरण के महत्व पर छात्रों एवं कर्मचारीयों को प्रेरित किया। प्रो. रामरूप मिश्र एवं विभाग के सभी सदस्य इस अवसर पर उपस्थित थे।

दिनांक 08.03.2011 को डॉ. एन.डी. जोशी, प्राचार्य, केन्द्रीय विद्यालय, पनवेल द्वारा 'Qualities and Personalities of a model teacher in the present world' विषय पर अपना वक्तव्य दिया। डॉ. के.के. शिनाय, विभागाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र एवं विभाग के अन्य सदस्यों के पूर्ण सहयोग से कार्यक्रम का संचालन किया गया।

प्रो. प्रकाशचन्द्र समन्वयक एवं डॉ. देवधर सरोदय, सह-समन्वयक के मार्ग निर्देशन में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुम्बई परिसर में दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम अक्टूबर 2010 में आरम्भ किया गया। काफी छात्रों ने दूरस्थ शिक्षा के मध्यम से संस्कृत सिखने में उत्साह प्रकट किया। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के निर्देशन में क्रमश: संपर्क कक्षाओं का आयोजन किया गया।

प्रभारी प्राचार्य एवं वरिष्ठ संकाय अध्यक्षों की उपस्थित में परिसर में शिक्षा की गुणवता हेतु आन्तरिक गुणवता मूल्यांकन प्रकोष्ठ कार्य करती है। परिसर की वार्षिक पत्रिका विद्यारश्मि प्रो. प्रकाशचन्द्र, मुख्य संपादक के द्वारा प्रकाशित की जाती है।

डॉ. वी.एस.वी. भास्कार रेड्डी ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में शैक्षणिक स्टॉफ कॉलेज, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ में दिनांक 17.11.2010 से

24.12.2010 के मध्य भाग लिया। जनवरी 2011 में उन्हें राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, त्रिरुपति द्वारा विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की गयी। डॉ. सुशन्त कुमार राज ने भी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में शैक्षणिक स्टॉफ कॉलेज, इलाहाबाद में दिनांक 09.02.2011 से 01.03.2011 के मध्य भाग लिया।

इस परिसर के शैक्षणिक कर्मचारियों द्वारा विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों में विभिन्न स्थानों में भाग लिया गया। डॉ. एस. राधा ने दिनांक 18.01.2011 को कालीदास अकादमी, जबलपुर में आयोजित संगोष्ठी में 'राजशेखरा काव्यमीमांसा' विषय पर शोध लेख प्रस्तुत किये। 14.03.2011 को श्री शांकराचार्य विश्वविद्यालय केरल में डॉ. एस. राधा द्वारा साहित्य विषय पर विस्तार व्याख्यान दिया गया। अभिविन्यास कार्यक्रम में प्रो. प्रकाशचन्द्र, प्रो. रामरूप मिश्र, डॉ. देवदत्त सरोदय एवं डॉ. सुशान्त कुमार राज ने केन्द्रीय विद्यालय एवं डी.ए.वी. स्कूल मुम्बई में कक्षाएँ ली। एस.एन.डी.टी. विश्वविद्यालय, मुम्बई में फरवरी 2011 में आयोजित राष्ट्रिय संगोष्ठी में परिसर के अनेक प्राध्यापकों ने भाग लिया।

डॉ. शान्तीलाल के. सौमेया के निधन के पश्चात् श्री समीर सौयेया जी को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, के.जे. सौमेया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर की स्थानीय सलाहाकार समिति का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। स्थानीय सलाहाकार समिति की प्रथम बैठक 5.8.2010 एवं द्वितीय बैठक 02.02.2011 को सम्पन्न हुई। भवन के निर्माण हेतु सौमेया ट्रस्ट के साथ बातचीत सक्रिय प्रगाति पर है। मुम्बई नगर निगम द्वारा योजना की स्वीकृति की प्रतीक्षा की जा रही है। सौमेया ट्रस्ट, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के प्रधिकारी, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के आपसी सहयोग से औपचारिकताएँ पूर्ण होने पर भवन का निर्माण कार्य आरम्भ होगा। आशा है कि वर्ष 2012 में इस परिसर के Decentenary वर्ष के दौरान परिसर के लिए भवन का भौतिक निर्माण का सपना सच होगा।

8. योजनाएँ

भारत सरकार द्वारा 1956 में नियुक्त संस्कृत आयोग ने यह सिफारिश की थी कि ऐसी महत्त्वपूर्ण सक्रिय निजी शैक्षिक संस्थाओं और निकायों को सहायता तथा संरक्षण दिया जाए जो अपने-अपने क्षेत्र में संस्कृत प्रचार का कार्य कर रहे हैं।

उनका पालन करते हुए भारत सरकार ने सम्बद्ध योजनाओं के अन्तर्गत आने वाले आवेदकों को वित्तीय सहायता देकर संस्कृत के प्रोत्साहन हेतु विविध योजनाएँ आरम्भ की हैं। पहले इन योजनाओं को मा.सं.वि. मन्त्रालय, भारत सरकार ने प्रारम्भ किया था, पश्चात् विधिवत् गठित सहायता अनुदान समिति की संस्तुति पर इनके निष्पादन एवं कार्यान्वयन हेतु इन्हें संस्थान को सौंप दिया गया है। इन योजनाओं का वर्णन यहाँ नीचे किया गया है :

8.1 संस्कृत के प्रोन्नयन हेतु स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों, संस्थाओं तथा पाठशालाओं को वित्तीय सहायता

कार्यक्षेत्र

इस योजना के अन्तर्गत संस्कृत के प्रचार एवं विकास के क्षेत्र में संगठनों/संस्थाओं/व्यक्तियों को अपनी गतिविधियाँ जारी रखने और/या उनका विस्तार करने या नये क्षेत्रों का उद्घाटन करने हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। ये गतिविधियाँ निम्नलिखित में से किसी एक अथवा अधिक प्रयोजनों से संबद्ध हो सकती है:–

(क) नई संस्थाएं/पाठशालाएं खोलना और/या विकसित पाठशालाओं/संस्थाओं का अनुरक्षण करना।

(ख) संस्कृत शिक्षण की कक्षाएं चलाना।

(ग) संस्कृत शिक्षकों/प्रचारकों का प्रशिक्षण और नियुक्ति।

(घ) संस्कृत पुस्तकालयों तथा वाचनालयों की स्थापना, अनुरक्षण या बढ़ाना।

(ङ) संस्कृत प्रचार हेतु प्रचार उपस्करों को खरीदना।

(च) प्रमुख संस्कृत विद्वानों के व्याख्यानों, संस्कृत वाद-विवाद, वाक्स्पर्धा, संस्कृत नाटकों आदि का आयोजन।

(छ) द्विभाषीय शब्दकोश तैयार करना जिसकी एक भाषा संस्कृत हो।

(ज) संस्कृत पाण्डुलिपियां तैयार करना और प्रकाशित करना।

(झ) संस्कृत की पत्र-पत्रिकाएं तैयार करना, उनका प्रकाशन तथा उनके स्तर का अनुरक्षण तथा उनके सार और गुणवत्ता में सुधार।

(ञ) संस्कृत पढ़ने वाले छात्रों हेतु पुरस्कारों की व्यवस्था।

(ट) भवनों का निर्माण, उनकी मरम्मत तथा उनका विस्तार। (सीमित सहयोग)

(ठ) अनुमोदित संस्कृत परम्पराओं का संगठन

(ड) संस्कृत में अनुसंधान।

(ढ) संस्कृत की समृद्धि, प्रचार और विकास में सहायता देने वाली कोई अन्य क्रियाकलाप।

सहायता का विस्तार

वित्तीय सहायता के लिए आवेदन पत्र (प्रकाशन परियोजनाओं को छोड़कर) इस प्रयोजन के लिए निर्धारित विहित आवेदन-पत्र फार्म पर नियमत: राज्य सरकारों के माध्यम से प्राप्त किए जाते हैं। अखिल भारतीय स्तर के संगठनों से अनुदान के आवेदन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान सीधे भी प्राप्त कर सकता है। यह राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान पर निर्भर है कि वह विशेष मामलों में आवेदन सीधे ही स्वीकार करे। वित्तीय सहायता के सभी आवेदनों पर उनके गुणों के आधार पर विचार किया जाता है और अनुदान केवल कार्य की अनुमोदित मदों के लिए ही स्वीकृत किया जाता है। अखिल भारतीय स्तर के आवेदनों को छोड़कर जिन संगठनों और संस्थाओं के आवेदन सीधे प्राप्त होते हैं, आवश्यकता पड़ने पर उनके लिए राज्य-सरकारों के विचार आमंत्रित किए जा सकते हैं।

कार्य की प्रगति और प्रारंभ परियोजना की प्रकृति के अनुसार अनुदान किस्तों में दिए जा सकते हैं।

आवेदन-पत्र भेजने की प्रक्रिया:

संबंधित राज्य-सरकार संगठन के आवेदन की जांच करेगी और अपनी सिफारिश भेजते हुए यह बताएगी कि–

(क) संगठन सुस्थापित क्षमता और योग्यता रखता है।

(ख) सिफारिश प्राप्त योजना से संस्कृत की अभिवृद्धि/प्रचार/प्रसार होगा (ब्योरे दिये जाएं)।

(ग) प्राक्कलनों की जांच हुई है और उन्हें उचित समझा गया है।

(घ) वह विशेष राशि जिसे राज्य सरकार उस संगठन/संस्था/व्यक्ति को देने हेतु सिफारिश राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से करती है, तथा

(ङ) सहायता-अनुदान की सिफारिश जिस निकाय हेतु है, वह दूषित भ्रष्टाचार व्यवहार से मुक्त है और प्रतिबन्ध लागू करने के उपाय (लेखा परीक्षा सहित) सोच निकाले हैं।

(च) कोई अन्य लाभदायक सूचना जो राज्य सरकारें संगठन/संस्था/व्यक्ति के आवेदन के बारे में देना चाहें।

किसी आवेदन पर अपनी सिफारिश भेजते वक्त राज्य-सरकारों को संगठन आदि की वास्तविकता और जिस कार्य के लिए अनुदान मांगा गया है, उसकी आवश्यकता और उपयोगिता के विषय में अपनी तसल्ली कर लेनी चाहिए। अनुदान सम्बन्धी प्रत्येक आवेदन पत्र के साथ आवश्यक सूचना और दस्तावेज भेजे जाएँ।

अनुदान देने की शर्तें

स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों/संस्थाओं को संस्कृत के प्रचार और प्रसार हेतु अनुदानों के संबंध में निम्नलिखित शर्तों का पालन करना होगा–

1. वित्तीय सहायता लेने वाली संस्था की जांच राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान या राज्य-शिक्षा-विभाग या भारतीय लेखा-परीक्षा और लेखा-विभाग का कोई अधिकारी किसी भी समय कर सकता है। यदि केन्द्रीय सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा प्रदत्त अनुदान 25,000 रु. से अधिक है तो संस्था की जांच वहां जाकर की जा सकती है।

2. अनुदान लेने से पहले यह वचन देना होगा कि जिस काम के लिए सहायता दी गई है, उसे सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा नियत समय में पूरा किया जाएगा और अनुदान का केवल उसी उद्देश्य के लिए उपयोग होगा जिसके लिए वह स्वीकृत किया जाएगा। ऐसा न करने पर संस्था को पूरा अनुदान केन्द्रीय सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा निर्धारित ब्याज के साथ सरकार/संस्थान को वापस करना होगा।

3. किस्तों में दी जाने वाली अनुदान की बाद की किस्तें तब तक नहीं दी जाएंगी जब तक कि पहली किस्त का अधिकांश भाग खर्च न किया गया हो और जब तक पहली किस्त से किए गए काम की रिपोर्ट के साथ खर्च का प्रमाणित विवरण, अगली किस्त की प्राप्ति-प्रार्थना के साथ न भेजा जाए। काम की प्रगति के बारे में सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के संतुष्ट हो जाने पर ही बाद की किस्त दी जाएगी।

4. भवन निर्माण/प्रकाशन के मामले में अनुदानों के लिए एक उचित समय निर्धारित किया जाना चाहिए। इस अवधि में संस्था को भवन निर्माण/प्रकाशन कार्य पूरा करना होगा, जब तक संस्थान प्रार्थना करने पर अवधि न बढ़ा दे।

5. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से अनुदान प्राप्त संस्था अपनी सम्पत्ति को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की अनुमति के बिना किसी व्यक्ति/संस्था/संगठन के नाम हस्तांतरित नहीं कर सकती। यदि किसी समय संस्था बन्द हो जाए तो केन्द्रीय सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के अनुदान में से बनाई गई सम्पत्ति या खरीदा गया सामान भारत सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को वापस हो जाएगा।

6. संस्था के लेखे उचित रूप से रखे जाने चाहिए और मांगे जाने पर पेश किए जाएं। इनकी जांच नियन्त्रक और महालेखा परीक्षक कभी भी कर सकता है।

7. यदि राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान/सरकार को यह विश्वास हो जाए कि संस्था का प्रबन्ध सुचारु रूप से नहीं हो रहा है, अथवा स्वीकृत धन का उपयोग अनुमोदित उद्देश्यों हेतु नहीं हो रहा है तो अनुदान की अदायगी रोकी जा सकती है।

8. संस्था, भारत के समस्त नागरिकों के लिए जाति, धर्म या वर्ग के भेदभाव के बिना खुली रहेगी। जिस राज्य में संस्था स्थित हो उसके बाहर के राज्य के लोगों से व्यक्तिकर या कोई अन्य फीस नहीं ली जाएगी।

9. जिस काम के लिए अनुदान स्वीकृत है, उसके संबंध में संस्था राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के निर्देशों और सुझावों के पालन के लिए बाध्य होगी। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा किसी भी विषय पर कोई सूचना या स्पष्टीकरण मांगे

जाने पर संस्था संस्थान द्वारा निर्धारित अवधि के भीतर उसे मन्त्रालय को भेजेगी।

10. संगठन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान/भारत सरकार की पूर्व अनुमति के बिना भारत के बाहर के किसी भी विदेशी को आमन्त्रित नहीं करेगा।

वर्ष 2010-11 में प्राप्त आवेदनों के आधार पर जिन स्वैच्छिक संगठनों को वित्तीय सहायता स्वीकृत की गई है, उनका राज्य-वार विवरण संलग्नक-झ में दिया गया है।

8.2 अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा

संस्थान पारम्परिक संस्कृत छात्रों को शास्त्रीय संस्कृत भाषा में आशु भाषण के लिए प्रोत्साहित करने हेतु देश के विभिन्न भागों में प्रतिवर्ष अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता का आयोजन करता है। समस्या-पूर्ति की प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की जाती हैं। प्रत्येक राज्य सरकार/संघ शासित प्रदेश सरकार से अनुरोध किया जाता है कि वे आठ शास्त्रीय विषयों में प्रतियोगिता हेतु एक अध्यापक सहित आठ सहभागियों के नाम भेजें। सर्वश्रेष्ठ प्रतियोगियों को प्रत्येक प्रतियोगिता में पदक व प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाते हैं। श्रेष्ठता के क्रम में क्रमशः रु. 2000/-, रु. 1500/- तथा रु. 1000/- के प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय नकद पुरस्कार भी दिए जाते हैं। इन पुरस्कारों के अतिरिक्त विजेताओं को पदक भी दिए जाते हैं। श्लोकान्त्याक्षरी में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार की राशि बढ़ाकर रु. 7000/-, रु. 5000/- और रु. 3000/- कर दी गई है। परिशोधित पुरस्कार राशि वर्ष 2005-06 से प्रयोज्य है।

वर्तमान दस प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त "शास्त्र शलाका परीक्षा" का भी आयोजन किया जाता है।

प्रतियोगिता का स्वरूप भारत की प्राचीन परम्परा की शास्त्र शिक्षण पद्धति से लिया गया है। इसमें छात्र को अपनी स्मृति में टीका सहित सारे मूल-पाठ को रखना होता है और "रजत शलाका" द्वारा प्रकट बिन्दु से वर्णन व व्याख्या करना अपेक्षित होता है। इस प्रतियोगिता का लक्ष्य परम्परा को पुनर्जीवित करना एवं छात्र की स्मरण-शक्ति को तीक्ष्ण करना है।

वर्ष 2010-11 में प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 6-8 जनवरी 2011 तक पूर्णप्रज्ञ विद्यापीठ, बेगलूरू, कनार्टक में किया गया। निर्णायक पैनल द्वारा कर्नाटक राज्य को प्रथम घोषित किया गया।

8.3 शास्त्रचूडामणि योजना

संस्थान के परिसरों, आदर्श संस्कृत पाठशालाओं और राज्य सरकार द्वारा संचालित अन्य संस्कृत कॉलेजों और स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों में प्रख्यात साहित्यिक विद्वानों की सेवाओंके उपयोग हेतु योजना

उद्देश्य

इस योजना का उद्देश्य उन विभिन्न केन्द्रों में विविध शास्त्रीय विषयों के संस्कृत में गहन अध्ययन को बढ़ावा देना है जहाँ छात्रों को पारम्परिक पद्धति से संस्कृत शिक्षण प्रदान किया जाता है। प्राचीन काल में शिक्षण पद्धति में शिष्य और गुरु के न्यूनतम 12 वर्ष तक साहचर्य का पूर्णकालिक होना ध्यान रखा जाता था। उनके पास विभिन्न दुर्बोध शास्त्रीय विषयों की व्याख्या करने का पर्याप्त समय होता था और छात्रों के पास विषय विशेष पर ध्यान व विस्तृत ढंग से नैपुण्य प्राप्त करने का अवसर रहता था। लेकिन हाल की आधुनिक शिक्षा पद्धति में सीमित अवधि के लिए पाठ्य-पुस्तकों में से चयनित व निर्धारित पाठ्यक्रम होता है। इससे संस्कृत शिक्षण पद्धति भी प्रभावित हुई है। परिणामस्वरूप, जहाँ संस्कृत विषय में छात्रों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे स्नातकोत्तर स्तर पर विशेषज्ञता प्राप्त करें, वहीं समयाभाव के कारण उच्चतर पाठ्य-पुस्तकों को विस्तार से एवं सम्पूर्णता से पढ़ाने की कोई सम्भावना नहीं है। परिणामतः इस पद्धति के अध्येता यद्यपि अपने विषयों के मूलभूत सिद्धान्तों में पूर्ण निपुण होते हैं, तथापि उनमें इन विषयों पर लिखित उच्चतर पुस्तकों के गहन एवं व्यापक ज्ञान का अभाव होता है।

स्नातकोत्तर स्तर की परीक्षा में उत्तीर्ण होने के तुरन्त बाद घरेलू आवश्यकताएँ उन्हें आजीविकोपार्जन हेतु किसी व्यवसाय के लिए बाध्य कर देती हैं। इन्हीं स्नातकोत्तर परीक्षोत्तीर्ण व्यक्तियों में से अब हमें तरुण अध्यापक एवं प्राध्यापक भर्ती करने होते हैं। यद्यपि वे अपनी पढ़ाई आगे जारी रखने में अत्यधिक रुचि रखते हैं तथापि जिन संस्थाओं में वे नियुक्त होते हैं उनमें ऐसा करने की सुविधाएँ नहीं होतीं। परिणामस्वरूप, ये प्राध्यापक अपने छात्रों को सम्बन्धित परीक्षाओं के लिए तैयारी करवाने से सम्बद्ध अपने कर्त्तव्य का निर्वहण तो प्रवीणता से कर देते हैं, फिर भी उन्हें अपने क्षेत्र में उतनी योग्यता प्राप्त नहीं होती जितनी योग्यता 2 या 3 दशाब्दि पूर्व उनके पूर्ववर्ती प्राप्त करने में सक्षम होते थे। उनकी शैक्षणिक रुचि का शोषण नहीं किया जाना चाहिए और उनकी

अध्ययनशील रिक्ति दूर की जानी चाहिए। इससे वे इस उद्देश्य को पूर्ण करने में सक्षम होंगे और छात्रों की एक ऐसी पीढ़ी का निर्माण करने में समर्थ होंगे जो अपने-अपने विषयों में वास्तव में दक्ष होगी।

सौभाग्यवश इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु कुछ पुराने विद्वान् अभी भी जीवित हैं। वे शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से सजग हैं और कुछ अधिक वर्षों के लिए उनका सफल उपयोग किया जा सकता है। यह आवश्यक नहीं है कि वे किसी विश्वविद्यालय की उपाधि या योग्यता के कारण विद्वान् हों। लेकिन फिर भी वे अपने क्षेत्र में निपुण हैं और उनके चरणों में बैठकर तरुण शिक्षकों को अध्ययन करने में कोई अनुताप नहीं होगा। वे संस्था के शैक्षिक वातावरण में वृद्धि करेंगे और अध्यापकों तथा छात्रों के सन्देह-निराकरण करने हेतु सहज ही उपलब्ध रहेंगे।

कार्यान्वयन

इस योजना के अन्तर्गत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के प्रत्येक परिसर, आदर्श संस्कृत पाठशाला और संस्कृत विश्वविद्यालय में दो विद्वान् और राज्य सरकार द्वारा संचालित अथवा पर्याप्त रूप से वित्तपोषित संस्कृत कालेजों में एवं स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों में एक विद्वान् की नियुक्ति सामान्यतया की जाती है। ऐसी नियुक्तियाँ सम्बद्ध संस्था के माध्यम से प्राप्त आवेदनों के आधार पर विशेषज्ञों से युक्त सहायता अनुदान समिति की संस्तुतियों पर की जाती हैं। इस प्रकार से की गई नियुक्तियां प्रारम्भ में दो वर्ष की अवधि हेतु की जाती हैं। संस्था के प्रधान की विशिष्ट रिपोर्ट के आधार पर समिति द्वारा एक वर्ष का विस्तार प्रदान किया जाता है। नियुक्त विद्वान् को प्रतिमास रु. 6000/- का मानदेय प्रदान किया जाता है।

इस वर्ष विभिन्न संस्थाओं में 45 शास्त्र चूड़ामणि विद्वानों की नियुक्ति की गई।

8.4 व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना

परम्परागत संस्कृत पाठशालाओं/संस्थाओं से शिक्षित छात्रों हेतु "प्रायोगिक प्रशिक्षण" संचालन के लिए पंजीकृत शैक्षिक संगठनों को वित्तीय सहायता

कुछ विशिष्ट विभागों में परम्परागत शिक्षण प्राप्त प्रत्याशियों को आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पंजीकृत शैक्षिक निकायों को वित्तीय सहायता प्रदान करने की योजना आरम्भ की गई। इसके अन्तर्गत पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/संस्थाओं से शिक्षित छात्रों को अल्पकालीन अनुकूलन पाठ्यक्रम प्रदान किए जाते हैं। अध्यापन के विषय पाण्डुलिपि विज्ञान, सूची-निर्माण, पुरालिपि शास्त्र, संस्कृत टंकण व आशुलिपि, ज्योतिष, कर्मकाण्ड व पुरालेखशास्त्र इत्यादि हैं। ये प्रशिक्षण पाठ्यक्रम सामान्यतया तीन से नौ सप्ताह तक की विभिन्न अल्पावधियों के लिए संचालित किए जाते हैं। इस अवधि में छात्रों को शिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से शैक्षिक निकाय से सम्बन्धित क्षेत्रों के विशेषज्ञों को आमन्त्रित किया जा सकता है। इच्छुक संस्थाएँ ऐसे किसी भी कार्यक्रम के आयोजन हेतु निर्धारित आवेदन-पत्र में आवेदन कर सकती हैं। उन्हें अल्पावधि पाठ्यक्रमों हेतु स्थानीय समाचार-पत्रों में भी विज्ञापन देना होता है और इसका लाभ प्राप्त करने के इच्छुक छात्रों से आवेदन आमन्त्रित करने होते हैं। प्रत्येक छात्र से रु. 5/- का सामान्य पंजीकरण शुल्क लिया जा सकता है। प्रत्येक छात्र को प्रशिक्षण दिवसों में रु. 10/- प्रति दिन के हिसाब से फुटकर भत्ता दिया जाता है। विशेषज्ञ प्रशिक्षक को सामान्यतः प्रतिदिन रु. 100/- का मानदेय प्रदान किया जाता है।

योग्यता के आधार पर संस्तुति करने हेतु किसी विशेषज्ञ/सहायता अनुदान समिति द्वारा आवेदनों पर विस्तृत विचार किया जाता है। संस्थान द्वारा सम्बद्ध संस्था को समिति द्वारा अनुमोदित कुल अनुमानित व्यय का 75% अग्रिम के रूप में जारी किया जाता है और अवशिष्ट 25% का निर्मोचन लेखा-परीक्षित लेखों की प्राप्ति होने पर तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की रिपोर्ट मिलने पर किया जाता है।

8.5 संस्कृत शब्दकोश परियोजना

1500 ईसा पूर्व से 1900 ई० तक ऐतिहासिक सिद्धान्तों पर अति व्यापक संस्कृत कोश तैयार करने की योजना डेकन कॉलेज, पूना द्वारा आरम्भ की गई है। यह वर्ष 1948 में आरम्भ की गई थी। प्रधान सम्पादक द्वारा संस्कृत शब्दकोश परियोजना विभाग, डेकन कॉलेज, पूणा का नेतृत्व किया जा रहा है। अब तक शब्दकोश की 8 जिल्दें प्रकाशित की जा चुकी हैं। आठवें खण्ड का कार्य प्रगति पर है। यह योजना मुख्य रूप से भारत सरकार द्वारा और कुछ सीमा तक महाराष्ट्र सरकार द्वारा वित्त-पोषित की गई। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा वर्ष 2010-11 में संस्कृत शब्दकोश परियोजना हेतु रु. 34.65 लाख की राशि का निर्मोचन किया गया।

8.6 संस्कृत, पालि/प्राकृत, अरबी और फ़ारसी विद्वानों को राष्ट्रपति-सम्मान-पत्र प्रदान करने की योजना

संस्कृत, अरबी और फ़ारसी भाषाओं के विद्वानों को सम्मानित करने के लिए 'राष्ट्रपति-सम्मान-पत्र प्रदान करने की योजना' 1958 में आरम्भ की गई। इस योजना को 1996 में पालि/प्राकृत तक विस्तारित किया गया। विद्वानों को उनके सम्बद्ध क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण योगदान की स्वीकृति में वर्ष में एक बार स्वतन्त्रता दिवस पर सम्मानित किया जाता है। इस वर्ष 2008 से, एन.आर.आइ. अथवा किसी विदेशी द्वारा संस्कृत के क्षेत्र में उनकी आजीवन उपलब्धि हेतु एक अन्तरराष्ट्रीय पुरस्कार सम्मिलित करने के उद्देश्य से इस योजना का विस्तार किया गया। इस योजना के अधीन राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक विद्वान् को एक सनद तथा शाल प्रदान किए जाने के अतिरिक्त संस्कृत के विद्वानों को रु. 5.00 लाख का आर्थिक अनुदान तथा पालि/प्राकृत, फारसी एवं अरबी विद्वानों को आजीवन रु. 50,000/- का वार्षिक अनुदान देने पर विचार किया जाता है।

इस योजना के अन्तर्गत संस्कृत हेतु 15, अरबी और फ़ारसी में से प्रत्येक के लिए 3 और पाली/प्राकृत के लिए एक पुरस्कार है।

वर्ष 2002 से 30-40 वर्ष की आयु वर्ग के युवा विद्वानों के लिए संस्कृत में 5 पुरस्कार तथा पालि/प्राकृत, अरबी और फारसी में से प्रत्येक के लिए एक पुरस्कार आरम्भ किया गया है। इस पुरस्कार का नाम महर्षि बादरायण व्यास सम्मान है। प्रत्येक को सनद तथा शाल के अतिरिक्त रु. 1 लाख का एकमुश्त नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इन युवा विद्वानों से अपेक्षित है कि वे अन्त: विद्या विशेषों के अध्ययन में निपुण हों। इनमें आधुनिकता एवं परम्परा तथा इन भाषाओं में विज्ञान के प्रोत्साहन हेतु कार्यरत वैज्ञानिकों व आइ.टी. व्यावसायिकों के मध्य सह-क्रिया की प्रक्रिया में संस्कृत अथवा प्राचीन भारतीय प्रज्ञा का योगदान सम्मिलित है।

प्रतिवर्ष इन पुरस्कारों हेतु निम्नलिखित से प्रस्ताव आमन्त्रित किए जाते हैं :

(अ) भारत सरकार के सभी सचिव।

(आ) सभी राज्य सरकारों/संघ शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव।

(इ) सभी राज्य सरकारों/संघ शासित प्रदेशों के शिक्षा-सचिव।

(ई) सभी भारतीय विश्वविद्यालयों और मानित विश्वविद्यालयों के कुलपति।

(उ) राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त विद्वान।

(ऊ) बाह्य मामले सम्बन्धी मन्त्रालय (सभी भारतीय दूतावासों हेतु)

सर्वप्रथम संस्तुतियों की जाँच मानव संसाधन विकास मन्त्री द्वारा अनुमोदित प्राथमिक चयन समिति करती है। सदस्य अपने-अपने कार्य क्षेत्र कि अत्यन्त प्रख्यात विद्वान् हैं।

प्राथमिक चयन समिति द्वारा की गई संस्तुतियाँ फिर मानव संसाधन विकास मन्त्री, प्रधान मन्त्री और तब अन्त में भारत के राष्ट्रपति को स्वीकृति हेतु भेजी जाती हैं।

8.7 संस्कृत वाङ्मय सृजन योजना

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान संदर्भ ग्रन्थ, मूल लेखन, शोध-प्रबन्ध, अनुवाद, हस्तलिपियों की विवरणात्मक सूची, समीक्षात्मक संस्करण, दुर्लभ अप्राप्य ग्रन्थों के पुनर्मुद्रण संस्करण और अन्य किसी भी प्रकार के प्रकाशन जो संस्कृत भाषा तथा साहित्य के प्रोत्साहन हेतु प्रेरक रूप में वैयक्तिक रूप से स्वीकृत हों-जैसे संस्कृत आधारित ग्रन्थों के प्रकाशन के लिए पंजीकृत संगठनों, लेखकों, सम्पादकों एवं अनुवादकों या विशिष्ट व्यक्तियों अथवा विचाराधीन ग्रन्थ का प्रकाशनाधिकार रखने वाले और उस ग्रन्थ के प्रकाशन के इच्छुक व्यक्तियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इस योजना के अन्तर्गत सहायता राशि मूल लेखन के मामले में रचना की वास्तविक लागत की अधिकतम 80% स्वीकृत की जाती है और शोध-प्रबन्ध के मामले में यह अधिकतम 50% स्वीकृत की जाती है। तथापि, दुर्लभ हस्तलिपियों की विवरणात्मक सूची के लिए सहायता कुल व्यय का 100% तक हो सकती है।

आवेदकों को निर्धारित आवेदन प्रपत्र में प्रकाशन अनुदान हेतु आवेदन करना होता है। साथ में दो भिन्न-भिन्न मुद्रकों से रचना की अनुमानित लागत और प्रस्तावित कार्य के लगभग पैंतीस पृष्ठ भी प्रस्तुत करने होते हैं। इस प्रकार से प्राप्त नमूना पृष्ठों को प्रस्तावित कार्य की उपयोगिता पर विशेषज्ञों की राय जानने हेतु भेजा जाता है। फिर प्रस्ताव और विशेषज्ञों की राय को आवश्यक संस्तुतियाँ करने हेतु सहायता अनुदान समिति के समक्ष रखा जाता है। स्वीकृत प्रस्तावों के आवेदकों को संस्वीकृति आदेश की तारीख से दो साल की अवधि के अन्दर ही ग्रन्थ को प्रकाशित करना होता है। मुद्रण के बाद ग्रन्थ की नमूना प्रति और मुद्रक बिल की जाँच विशेषज्ञ अभिकरण द्वारा की जाती है जो रचना की वास्तविक लागत

का हिसाब लगाता है। उसके आधार पर निश्चित फॉर्मूला के अनुसार एक प्रति की कीमत निश्चित की जाती है। वास्तविक संस्वीकृत अनुदान सहित इसकी सूचना आवेदक को भेजी जाती है। अनुदान के बदले में आवेदकों को मामले के अनुसार ग्रन्थ की कुछ प्रतियाँ डाक द्वारा सूचीबद्ध पुस्तकालयों को निःशुल्क भेजनी होती हैं। संस्थान डाक प्रभार अदा करता है और संस्वीकृत अनुदान जारी करता है। इसके साथ, संस्कृत पत्रिकाओं/समाचार-पत्रों के लिए वार्षिक संस्वीकृत प्रकाशन अनुदान भी जारी किया जाता है।

इसके अतिरिक्त, समय-समय पर सहायता अनुदान समिति की सिफारिशों पर संस्थान दुर्लभ संस्कृत ग्रंथों के पुनर्मुद्रण हेतु कुछ शर्तों के आधार पर किसी विश्वविद्यालय अथवा पंजीकृत स्वैच्छिक संगठन या सुप्रतिष्ठित व्यावसायिक प्रकाशक की सहायता कर सकता है। ऐसी सहायता अनुमोदित निम्न कीमत पर ऐसे प्रत्येक पुनर्मुद्रण की 500 प्रतियाँ खरीद कर की जा सकती है, बशर्ते कि प्रकाशक प्रथम क्रय आदेश की तारीख से तीन वर्ष के भीतर उसी कीमत पर 300 अतिरिक्त प्रतियों की आपूर्ति का वचन देता है।

वर्ष 2010-11 में वित्तीय सहायता से प्रकाशित एवं प्रकाशन अनुदान हेतु संस्वीकृत प्रस्तावों का विवरण क्रमशः संलग्नक ञ और ट में दिया गया है।

8.8 ग्रन्थ क्रय योजना

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान लेखकों, प्रकाशकों, पुस्तकों के विक्रेताओं, संगठनों आदि से संस्कृत भाषा और साहित्य से सम्बद्ध पुस्तकों की प्रतियाँ थोक में खरीद कर उनको वित्तीय सहायता प्रदान करता है, बशर्ते कि ऐसी पुस्तकें संस्थान की किसी अन्य योजना के अन्तर्गत सहायता पाकर प्रकाशित नहीं हुई हैं। हालांकि, जिन पुस्तकों के लिए नकद राज्य पुरस्कारों के माध्यम से अथवा प्रशंसात्मक उल्लेख के माध्यम से मान्यता दी गई है वे भी इसके पात्र हैं।

आवेदक निर्धारित आवेदन-प्रपत्र में संस्थान को आवेदन भेजते हुए पुस्तकों की कम-से-कम दो प्रतियाँ मानार्थ भेजें। ये मानार्थ प्रतियाँ प्रत्यावर्तनीय नहीं हैं। सहायता अनुदान समिति की सिफारिशों पर आवेदकों को क्रय आदेश के साथ उन पुस्तकालयों की सूची भी भेजी जाती है जिन्हें निर्धारित संख्या में पंजीकृत पार्सल के द्वारा प्रतियाँ भेजनी हैं। आवेदक से अपेक्षित है कि वह न्यूनतम 25% व्यापारिक बट्टा प्रदान करे। आवेदक बिल में पैकिंग व्यय और पंजीकृत पार्सल व्यय जोड़ सकता है जिनका वहन भी संस्थान करता है। आवेदक प्रतियों के प्रेषण-सम्बन्धी मूल डाक रसीदों सहित सम्बन्धित बिल भुगतान की संस्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया जाता है।

वर्ष 2010-11 में इस योजना के अन्तर्गत रुपये 6.27 लाख की राशि का उपयोग किया गया।

8.9 आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों के रूप में मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु योजना

उद्देश्य

इस योजना का उद्देश्य पारम्परिक संस्कृत विद्या तथा शोध को सहायता देना एवं प्रोत्साहित करना है। इस योजना के अन्तर्गत इसी प्रयोजन से, संस्कृत महाविद्यालयों को प्राक्शास्त्री, शास्त्री एवं आचार्य स्तर पर पाठ्यक्रमों का संचालन करने हेतु और शोध संस्थानों को पी-एच.डी. एवं पी-एच.डी. से उच्च स्तरों पर शोध का आयोजन तथा संचालन हेतु सहायता प्रदान की जाती है। ऐसी अनुदानग्राही संस्थाएं स्वीकृत आवर्ती का 95%, स्वीकृत अनावर्त्ती का 75% प्राप्त करती हैं।

मान्यता एवं वित्तीय सहायता की शर्तें :

इस योजना के अन्तर्गत केवल संस्कृत महाविद्यालयों अथवा शोध संस्थानों के रूप में मान्यता-प्राप्त संस्थाएँ वित्तीय सहायता हेतु विचारणीय हैं। हालांकि, मान्यता के कारण किसी भी संस्था को स्वतः वित्तीय सहायतार्थ अधिकार नहीं मिलता और न ही सहायता अनुदान का जारी रहना अधिकार की बात होती है।

कोई भी पंजीकृत स्वैच्छिक संगठन जो संस्कृत महाविद्यालय या शोध संस्थान का अनुरक्षण करता हो, यदि वह सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम के अन्तर्गत 'सोसाइटी' अथवा 'पंजीकृत न्यास' है, तो वह मान्यता हेतु आवेदन कर सकता है। निम्नलिखित शर्तों को पूरा करने पर ही भारत सरकार द्वारा मान्यता देने पर विचार किया जाता है।

(i) महाविद्यालय में पारम्परिक पद्धति से प्राक्शास्त्री, शास्त्री, आचार्य अथवा समकक्ष पाठ्यक्रमों का अध्यापन होता हो। शोध संस्थान में विभिन्न पारम्परिक संस्कृत विद्या विशेषों में क्रियात्मक शोध जारी रखा जाता हो;

(ii) महाविद्यालय/शोध संस्थान ऊपर (i) में उल्लिखित स्तर पर कम-से-कम सात साल से अस्तित्व में होना चाहिए।

हालांकि, पहली योजना के अन्तर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले महाविद्यालयों/शोध संस्थानों का इस संशोधित योजना के अन्तर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त करने का अधिकार बना रहेगा;

(iii) संस्थाओं के पास उपयुक्त भवनों तथा परिसरों का स्वामित्व एवं नियन्त्रण होना चाहिए। संस्थाओं के पक्ष में 99 वर्ष का पट्टा भी स्वीकार्य होगा;

(iv) इस योजना के अन्तर्गत भविष्य में मान्यता एवं वित्तीय सहायता हेतु आवेदन करने वाले पंजीकृत मूल निकाय को सावधि जमा खाते में न्यूनतम रु. 2.00 लाख की राशि जमा करवानी होगी। हालांकि, पुरानी योजना के अधीन पहले से सहायता प्राप्त जिन संस्थाओं ने महाविद्यालय/शोध संस्थान के पक्ष में रुपये 1 लाख जमा करवाए हैं, उन्हें इस शर्त से छूट दी जाएगी;

(v) महाविद्यालय/शोध संस्थान या तो केन्द्रीय सरकार अथवा राज्य सरकार द्वारा अधिनियम बनाकर विधिवत् संस्थापित किसी विश्वविद्यालय से या राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से सम्बद्ध होना चाहिए;

(vi) एक महाविद्यालय में छात्रों की संख्या 50 से कम नहीं होनी चाहिए, एक शोध संस्थान में 12 सक्रिय शोधकर्त्ताओं से कम संख्या नहीं होनी चाहिए।

मान्यता प्रदान करने हेतु आवेदन मिलने पर सरकार तत्काल निरीक्षण करवाएगी और विशेषज्ञ समिति द्वारा उसका आकलन होगा तथा मान्यता हेतु इसका निर्णय आवेदनकर्त्ता संगठन को सूचित किया जाएगा। इसके पश्चात् विशेषत: इस उद्देश्य से संगठित अनुवीक्षण समिति द्वारा वर्तमान स्टाफ की छानबीन की जाएगी।

इस योजना के अन्तर्गत सभी मान्यता-प्राप्त संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान वित्तीय सहायता हेतु विचार किए जाने के पात्र होंगे, बशर्ते कि वे इस योजना में बताई गई शर्तों का पालन करने हेतु वचनबद्ध हों। इसके अतिरिक्त उन्हें योजना में उल्लिखित अनुसार प्रबन्धन समिति के स्वरूप एवं संरचना, इसके कार्य, स्टाफ का स्वरूप, उपयोज्य अनुदान आदि से सम्बद्ध शर्तों का भी अनुपालन करना होगा।

संस्थान से वार्षिक अनुदान प्राप्त करने वाले आदर्श महाविद्यालयों/शोध संस्थानों की सूची संलग्नक-ठ में दी गई है।

8.10 शोध एवं उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियाँ प्रदान करने हेतु योजना

इस योजना के अन्तर्गत शिक्षा की + 2 पद्धति, स्नातक, स्नातकोत्तर और पारम्परिक पद्धति के समकक्ष पाठ्यक्रमों एवं पी-एच.डी. की मार्गदर्शक शोध अथवा संस्कृत अध्ययन में समकक्ष उपाधि जिसमें पाली व प्राकृत भाषाएँ भी एक विषय के रूप में सम्मिलित हैं–इन सभी के नियमित छात्रों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। प्रत्येक वर्ष में प्रदत्त छात्रवृत्तियों की संख्या निधि की उपलब्धता पर निर्भर है। आरक्षण समय-समय पर सरकार की नीति के अनुसार प्रदान किया जाता है। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नौवीं व दसवीं अथवा समकक्ष स्तर के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करता है।

संस्कृत में न्यूनतम 60% अंक लेकर अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण परीक्षार्थी इन छात्रवृत्तियों के पात्र हैं। आरक्षित वर्ग के परीक्षार्थियों के मामले में अंकों की प्रतिशतता की अर्हता को घटाकर 50% किया जा सकता है। प्रार्थी छात्रों से अपेक्षित है कि वे छात्रवृत्तियाँ पाने हेतु अपने आवेदन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को उन संस्थाओं के माध्यम से भेजें जिनमें वे अपना अध्ययन/शोध जारी रखने के इच्छुक हों। ये छात्रवृत्तियाँ इस उद्देश्य से गठित चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर प्रदान की जाती है। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम तक के छात्रों हेतु ये छात्रवृत्तियाँ 10 मास के एक शैक्षिक वर्ष के लिए समर्थनीय हैं। क्योंकि ये वार्षिक परीक्षा परिणामों के आधार पर प्रदान की जाती हैं, अत: छात्रों को प्रति वर्ष नये सिरे से आवेदन करना होता है। शोध छात्रवृत्ति दो पूर्ण वर्षों के लिए दी जाती है और दूसरे वर्ष की छात्रवृत्ति उपयोगिता प्रमाण-पत्र एवं छात्र के कार्य की प्रगति की रिपोर्ट प्राप्त होने पर प्रदान की जाती है।

जो छात्र किसी अन्य संस्था से कोई भी छात्रवृत्ति प्राप्त करता है या छात्रवृत्ति के कार्यकाल में किसी अन्य वृत्तिकारी कार्य में संलग्न रहता है, या किसी अन्य पाठ्यक्रम का अध्ययन करता है जिसमें संस्कृत अध्ययन का प्रावधान नहीं हो, उसे छात्रवृत्ति के अधिकार से वंचित कर दिया जाता है। प्रत्येक प्रत्याशी से सभी आवश्यक शर्तों को प्रमाणित करने की अपेक्षा की जाती है।

अध्ययन के विभिन्न पाठ्यक्रमों हेतु छात्रवृत्ति की निम्नलिखित दरें हैं :

(1) संस्कृत के साथ नवम एवं दशम कक्षाएँ तथा समकक्ष पाठ्यक्रम रु. 250/- प्रतिमाह।

(2) संस्कृत के साथ ग्यारहवीं एवं बारहवीं कक्षाएँ तथा समकक्ष पाठ्यक्रम रु. 300/- प्रतिमाह।

(3) बी.ए./बी.ए. (आनर्स) तथा त्रिवर्षीय समकक्ष पाठ्यक्रम रु. 400/- प्रतिमाह।

(4) संस्कृत/पालि/प्राकृत में एम.ए. तथा इसके समकक्ष स्नातकोत्तर उपाधि रु. 500/- प्रतिमाह।

(5) संस्कृत/पालि/प्राकृत में पी-एच.डी. और समकक्ष रु. 1500/- प्रतिमास + रु. 2000/- प्रतिवर्ष आनुषंगिक अनुदान के रूप में (दो वर्ष तक)।

8.11 असहाय परिस्थितियों वाले प्रसिद्ध संस्कृत पंडितों को सम्मान राशि देने की योजना

इस योजना के अन्तर्गत, 55 वर्ष की आयु से अधिक वाले प्रसिद्ध उन योग्य विद्वानों को सम्मान राशि दी जाती है, जिन्होंने संस्कृत को अपना जीवन समर्पित कर दिया है, लेकिन कोई स्थायी आय-स्रोत नहीं है। ऐसे सुझाव राज्य-सरकारों से सीधे प्राप्त होते हैं अथवा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के माध्यम से पहुंचते हैं। प्रत्येक चयनित विद्वान को रुपये 24000/- प्रतिवर्ष, अन्य आय की कटौती बिना दिये जाते हैं। इस उद्देश्य हेतु केवल उन्हीं पंडितों पर विचार किया जाता है जिसकी आय रुपये 24000/- प्रतिवर्ष से कम है। किसी अन्य गुणवत्ता का निर्धारण नहीं है। संस्कृत पंडितों को यह वित्तीय सहायता 'राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान', नई दिल्ली के माध्यम से बांटा जाता है तथा लाभार्थी व्यक्ति के बैंक खाते में जमा किया जाता है।

प्राप्तकर्ता की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु की दशा में, यह सहायता उसके पति/पत्नी को मृत्युपर्यन्त लगातार दी जाती है।

योजना व्यय पर खर्च (वर्ष 2010-11)

क्र.सं.	योजना का नाम	व्यय (रू लाख में)
1.	आर्दश संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान	
2.	राष्ट्रपति पुरस्कार	1917.00
3.	आधुनिक/संस्कृत अध्यापकों को अनुदान	218.03
4.	परम्परागत संस्कृत पाठशाला/स्वैच्छिक संस्कृत संगठन	74.31
5.	सम्मान राशि	735.12
6.	एन.जी.ओ./एन.जी.ओ. विश्वविद्यालयों	67.49
7.	संस्कृत वाङमय सृजन योजना	93.40
8.	छात्रवृत्ति	13.07
9.	अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र	407.49
10.	ग्रन्थ क्रय योजना	153.10
11.	शास्त्रचूडामणि	6.27
12.	व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	23.62
13.	अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा	6.61
14.	उच्चतर माध्यिमिक/माध्यिमिक विद्यालयों के संस्कृत अध्यापकों का अनुदान	28.08
15.	उत्तरपूर्वी राज्य	6.48
16.	दूरस्थ शिक्षा योजना	291.22
17.	डेकेन कॉलेज-पूना	24.23
18.	पालि-प्राकृत	31.65
	कुल योग	56.92
		4154.09

9. वर्ष 2010-11 की प्रमुख गतिविधियाँ

9.1 वाङ्मयी भाषा अनुशीलन केन्द्र

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के वाङमयी भाषा अनुशीलन केन्द्र का उद्घाटन श्री महाबल मिश्र, माननीय संसद सदस्य (पश्चिमी दिल्ली) के द्वारा दिनांक 6 अप्रैल, 2010 को संस्थान मुख्यालय में किया गया। इस अवसर पर श्री महाबल मिश्र ने अपने व्याख्यान में संस्कृत भाषा की उन्नति के लिये सहायता देने का आश्वासन दिया। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, ने समारोह की अध्यक्षता की।

समारोह को सम्बोधित करते हुये श्री महाबल मिश्र

9.2 संस्कृत सप्ताहमहोत्सव समारोह (21-27 अगस्त, 2010)

21 अगस्त से 27 अगस्त तक संस्कृत सप्ताहमहोत्सव का आयोजन किया गया। 24 अगस्त 2010 को राष्ट्रीय संग्रहालय सभागार में मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली के सौजन्य से 'संस्कृत दिवस' मनाया गया। श्री त्रिलोकी नाथ चर्तुवेदी भूतपूर्व राज्यपाल, कर्नाटक ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की तथा डॉ. अनिता भटनागर जैन संयुक्त सचिव, (भाषाएँ), मानव संसाधन विकास मंत्रालय मुख्य अतिथि थी। डॉ. गौतम बोस, उप महानिदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र समारोह में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

प्रो. वाचस्पति उपाध्याय, कुलपति श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ ने स्वागत भाषण देते हुये इस अवसर पर सभी को बधाई दी। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया। अनिता भटनागर जैन, संयुक्त सचिव, (संस्कृत प्रभाग) ने भी समारोह को सम्बोधित किया।

अब यह वेबसाईट तीन भाषाओं अंग्रेजी, हिन्दी एवं संस्कृत में उपलब्ध है।

समारोह को सम्बोधित करते हुये श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी।

इस अवसर पर श्री त्रिलोकीनाथ चर्तुवेदी द्वारा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की संस्कृत वेबसाईट का प्रमोचन व उद्घाटन किया गया। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की वेबसाईट पुस्तकालयों की पुस्तकों का डाटा बैंक तैयार कर रही है जिसमें संस्थान परिसर के पुस्तकालय भी सम्मिलित हैं। ई-ग्रन्थालय साफ्टवेयर का विकास राष्ट्रीय सूचना केन्द्र द्वारा किया गया। इस समय 57000 पुस्तकों का डाटा बैंक www.sanskrit.nic में निवेशित कर दिया गया है जो कि

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की वेबसाईट संस्कृत रूप का उद्घाटन

वर्ष 2000 में दो भाषाओं में प्रमोचित हुई थी, अब यह वेबसाइट अंग्रेजी, हिन्दी एवं संस्कृत भाषाओं में उपलब्ध है। छात्र सम्बन्धित पसन्द की पुस्तक वेबसाइट से खोज सकता है तथा सम्बन्धित परिसर मे से पुस्तक हेतु सम्पर्क कर सकता है। इस जाल-तत्र कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. अनिता भटनागर जैन, संयुक्त सचिव (भाषाएँ), मानव संसाधन विकास मन्त्रालय द्वारा किया गया।

पुस्तकालय नेटवर्क का उद्घाटन

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने 50 दुर्लभ बहुमूल्य ग्रन्थों को संस्थान के विश्वव्यापीजालपुट (वेबसाईट) में निवेशित किया है इस ई ग्रन्थालय में "मोग्गलान व्याकरण" ग्रन्थ भी डॉ. गौतम बोस जी द्वारा निवेशित किया गया है।

ई-ग्रन्थ का उद्घाटन

इस अवसर पर निम्न पुस्तकों का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया।

1. Importance of Nepalese Sanskrit Inscriptions (English-Hindi Translation) -Krishna Dev Agarwal 'Arvind'.
2. प्रबुद्धभारतम्
3. भोजप्रबन्ध : एक काव्यशास्त्रीय अध्ययन
4. चित्रम् भाग-3
5. शिवस्तोत्रावली
6. शाब्दिकभरणम्
7. स्वरूपप्रकाश:
8. संस्कृत विमर्श: (चतुर्थ अंक)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा भाषा मंदाकिनी परियोजना के अन्तर्गत आचार्य के.ई. देवनाथन, न्याय विभाग, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति द्वारा निर्मित "तत्त्वचिन्तामणि" की MP-3 एलबम का उद्घाटन किया गया। माननीय कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की अध्यक्षता में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के परिसरों के सभी प्राध्यापकों द्वारा निर्मित किया जा रहा है। समारोह में संस्कृत के प्रतिष्ठित विद्वान उपस्थित थे आचार्य रामानुज देवनाथन कुल सचिव द्वारा अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

संस्कृत विर्मश के चतुर्थ अकं का प्रमोचन

सामवेद सी.डी. का प्रमोचन

कार्यक्रमों की श्रृंखला के अन्तर्गत दिनांक 23 अगस्त 2010, प्रात: 10:30 बजे संस्थान मुख्यालय में संस्कृत सप्ताहोत्सव चर्चा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. किशोर नाथ झा, भूतपूर्व प्राचार्य गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद को उनके विद्वत्वपूर्ण कार्य को देखते हुये सम्मानित किया गया। इस अवसर पर निम्न विद्वानों ने प्रो. झा के बारे में अपने विचार व्यक्त किये।

1. डॉ. गयाचरण त्रिपाठी, दिल्ली
2. प्रो. के.ई. देवनाथन, तिरुपति
3. प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी
4. प्रो. आर. देवनाथन

डॉ. किशोर नाथ झा का सम्मान करते हुये प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी

"हेत्वाभास" पर एक परिचर्चा का आयोजन भी किया गया जिसमें प्रो. गोदावरीश मिश्र, प्रो. के.ई. देवनाथन, प्रो. किशोरनाथ झा, प्रो. पीयूशकान्त दीक्षित, प्रो. हरेराम त्रिपाठी, प्रो. नवीन होला एवं प्रो. आर. देवनाथन ने "हेत्वाभास" के सम्बन्ध में अपने विचार व्यक्त किये।

शास्त्र चर्चा करते हुये विद्वगण

कविसपर्या के अन्तर्गत 'समकालीन संस्कृत कवि पर चर्चा राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान मुख्यालय के सम्मेलन कक्ष में दिनांक 23.8.2010 को प्रात: 10.30 बजे आयोजित किया गया। प्रो. अभिराजराजेन्द्रमिश्र, भूतपूर्व कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी उद्घाटन समारोह में मुख्यातिथि थे। निम्न कवियों ने प्रो. महाराजाद्दीन पाण्डेय की साहित्यिक उपलब्धियों का मूल्यांकन प्रस्तुत किया :

1. प्रो. अभिराजराजेन्द्र मिश्र, शिमला
2. प्रो. हर्षदेव माधव, अहमदाबाद
3. डॉ. इच्छाराम द्विवेदी, दिल्ली
4. डॉ. बजरंग बिहारी तिवारी, दिल्ली
5. डॉ. नारायण दास, कोलकाता

कवि सपर्य

सप्ताहोत्सव के दौरान कक्षा 6-12 वर्ग के विद्यार्थियों हेतु संस्कृत श्लोक, भाषण और निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दिल्ली स्थित 63 विद्यालयों के 286 विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। विजेता छात्रों को नगद पुरस्कार, स्मृति चिह्न एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

26 अगस्त 2010 को प्रो. पंकच चांदे, कुलपति, कविकुलगुरु संस्कृत विश्वविद्यालय, नागपुर संस्कृत सप्ताहोत्सव समापन समारोह के मुख्यातिथि थे। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में सभी प्रतिभागियों, निर्णायकों एवं उपस्थित विद्वानों को धन्यवाद प्रकट किया।

पुरस्कार वितरण समारोह

9.3 हिन्दी पखवाड़ा (14-30 सितम्बर, 2010)

14 सितम्बर से 30 सितम्बर 2010 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय एवं सभी परिसरों में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। संस्थान के कर्मचारियों ने अत्यन्त उत्साह के साथ भाग लिया। 15 अक्टूबर 2010 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के स्थापना दिवस के सुअवसर पर हिन्दी प्रतियोगिता में भाग लेने वाले समस्त कर्मचारियों को हिन्दी प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण कार्यक्रम राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के स्थापना दिवस दिनांक 15 अक्टूबर 2010 को प्रदान किये गये। दिनांक 10 जनवरी 2011 डॉ. शुक्ला मुखर्जी, परियोजना अधिकारी ने राजभाषा विभाग, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित गोष्ठी में भाग लिया।

हिन्दी प्रतियोगिता

हिन्दी प्रतियोगिता

9.4 स्थापना दिवस (15 अक्टूबर 2010)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय द्वारा अपना एकतालीसवाँ स्थापना दिवस दिनांक 15 अक्टूबर को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के सम्मेलन कक्ष में मनाया गया। प्रो. रेखा प्रसाद द्विवेदी, भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय मुख्य अतिथि थे। प्रो. रामकरण शर्मा भूतपूर्व निदेशक, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान सम्माननीय अतिथि थे। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। प्रो. रामानुज देवनाथ प्रभारी कुलसचिव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर हिन्दी प्रतियोगिता के सफल कर्मचारियों को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया।

प्रो. रेवा प्रसाद द्विवेदी वक्तव्य देते हुये

9.5 कौमुदी महोत्सव (25-27 अक्टूबर 2010)

अन्तरपरिसरीय संस्कृत नाट्य प्रतियोगिता "कौमुदी महोत्सव" का उद्घाटन 25 अक्टूबर 2010 को LTG सभागार, नई दिल्ली में हुआ। महाकवि भास कौमुदी उत्सव का मुख्य विषय था।

समारोह का उद्घाटन माननीय श्रीमति कपिला वात्सायन, भूतपूर्व संसद सदस्य एवं अध्यक्ष IIC एशिया परियोजना ने किया। उन्होंने अपने सम्बोधन में संस्कृत और संस्कृत नाटकों के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने अपने स्वागत भाषण में भास संस्कृत नाटकों के महत्त्व पर प्रकाश डाला। प्रो. रामानुज देवनाथन प्रभारी कुलसचिव राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापन दिया।

डॉ. कपिला वात्सायन का सम्मान करते हुये प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी

अर्न्तपरिसरीय छात्रों ने भास के निम्न नाटकों की प्रस्तुति की।

1.	स्वप्नवासवदत्तम्	–	श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी	–	प्रथम
2.	कर्णभारम्	–	गुरुवायूर परिसर, पुरनाटुकरा	–	प्रथम
3.	बालचरितरम्	–	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	–	द्वितीय
4.	मध्यमव्यायोग:	–	जयपुर परिसर, जयपुर	–	द्वितीय
5.	अविमारकम्	–	लखनऊ परिसर, लखनउ	–	तृतीय
6.	प्रतिज्ञायौगन्धारायणम्	–	भोपाल परिसर, भोपाल	–	तृतीय
7.	प्रतिमानाटकम्	–	श्री रणवीर परिसर, जम्मू		
8.	पञ्चरात्रम्	–	के.जे. सौमया परिसर, मुम्बई		
9.	दरिद्रचारुदत्तम्	–	गरली परिसर, गरली		
10.	दूतवाक्यम्	–	गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद		

नाटको के निम्न निर्णायक थे।

1. प्रो. गौतम भाई पटेल, अहमदाबाद
2. डॉ. श्रीमती एस.आर. लीला, बैंगलूरु
3. श्री सूर्य मोहन कुलश्रेष्ठ, लखनऊ
4. श्रीमती बिधू खरे, नई दिल्ली
5. डॉ. शर्मिला बागची, गुजरात
6. डॉ. बलदेवानन्द सागर, दिल्ली

प्रो. पंकज एल. जानी, कुलपति, सोमनाथ राष्ट्रिय विश्वविद्यालय अहमदाबाद समापन समारोह के मुख्य अतिथि थे। प्रो. राधवल्लभ त्रिपाठी, कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने समारोह की अध्यक्षता की। प्रो. रामानुज देवनाथन, प्रभारी कुलसचिव ने अतिथियों एवं सभी को धन्यवाद ज्ञापन किया।

बायें से : श्री सूर्य प्रकाश कुलश्रेष्ठ, प्रो. एस.आर. लीला, प्रो. गौतम भाई पटेल, प्रो. रामकरण शर्मा, प्रो. राधा वल्लभ त्रिपाठी, प्रो. पकंज एल. जानी, श्रीमति बिधु खरे एवं डॉ. बलदेवानन्द सागर

आमंत्रित नाटक की श्रेणी में श्रीमति कमलिनी दत्त निदेशक (संग्रह) आकाशवाणी, नई दिल्ली द्वारा निर्देशित "ऊरुभगंम" नामक नाटक मयूरी समूह द्वारा प्रस्तुत किया गया। दिल्ली के प्रख्यात संस्कृत विद्वानों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने प्रतियोगिता का स्वागत किया।

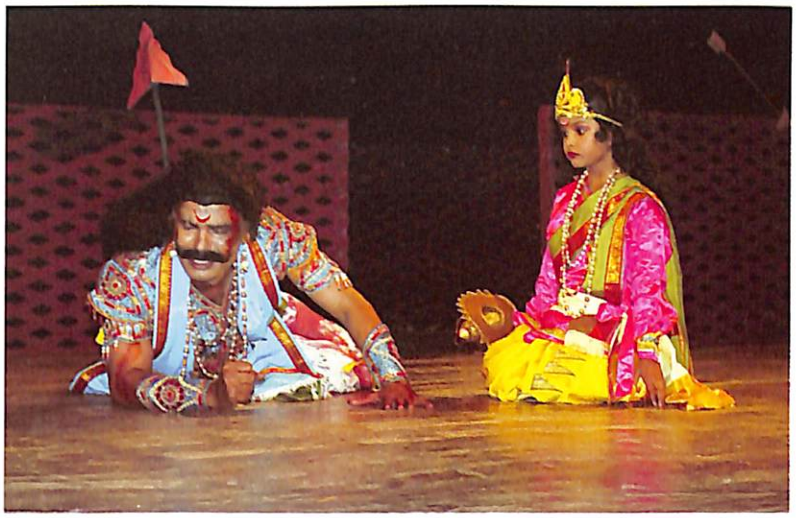

ऊरुभंगम

स्वप्नवासवदत्तम्

कर्णभारतम्

बालचरितम्

मध्यमव्यायोग:

अविमारकम्

प्रतिज्ञायौगन्धारायणम्

प्रतिमानटकय्

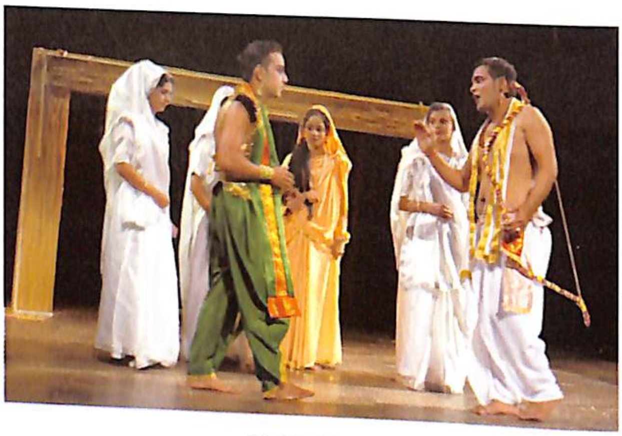

पञ्चरात्रम्

दरिद्रचारुदत्तम्

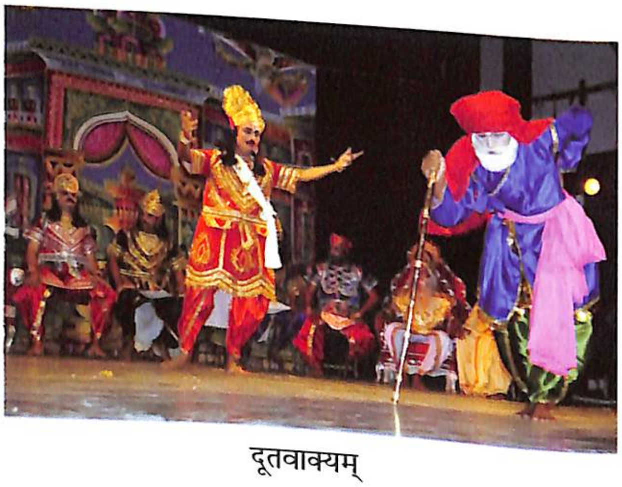

दूतवाक्यम्

9.6 अखिल भारतीय संस्कृत नाट्योत्सव (6-8 दिसम्बर, 2010)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान दिल्ली ने तृतीय अखिल भारतीय संस्कृत नाट्योत्सव का आयोजन 6-8 दिसम्बर, 2010 को डॉ. हरि सिंह गौड़ विश्वविद्यालय, सागर मध्य प्रदेश के स्वर्णजयन्ती सभागार में आयोजित किया गया। समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि स्थानापन्न कुलसचिव डॉ. हरिसिंह गौड़, प्रो. एम.एम. तिवारी ने किया। इस समारोह मे प्रो. पी. एन. शास्त्री, निदेशक, कालीदास अकादमी सम्माननीय अतिथि थे।

बायें से: प्रो. पी.एन. शास्त्री, प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रो. एम.एस. तिवारी, प्रो. कुसुम भूरिया एवं डॉ. रतन मोहन झा

प्रो. कुसुम भूरिया, विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग डॉ. हरिसिंह गौड़ विश्वविद्यालय, सागर, मध्यप्रदेश समापन समारोह में मुख्य अतिथि और प्रो. गौतम चटर्जी, निदेशक अभिनव गुप्ता अकादमी, वाराणसी सम्माननीय अतिथि थे। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी कुलसचिव राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने दोनों समारोहों की अध्यक्षता की।

निम्नलिखित नाटक विभिन्न सांस्कृतिक समूहों द्वारा प्रस्तुत किये गये।

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम - कालीदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन द्वारा प्रस्तुत।
2. महावनम् - संस्कृत भाषा प्रचारिणी सभा, नागपुर
3. बन्धु नाटकम करोति - संस्कृत भाषा प्रचारिणी सभा, नागपुर
4. भगवदाकुजियम - नटबुदेंल, भोपाल द्वारा प्रस्तुत
5. मध्यमनयोग - संस्कृत विमाल, डॉ. हरि सिंह गौड़ विश्वविद्यालय, सागर द्वारा प्रस्तुत।

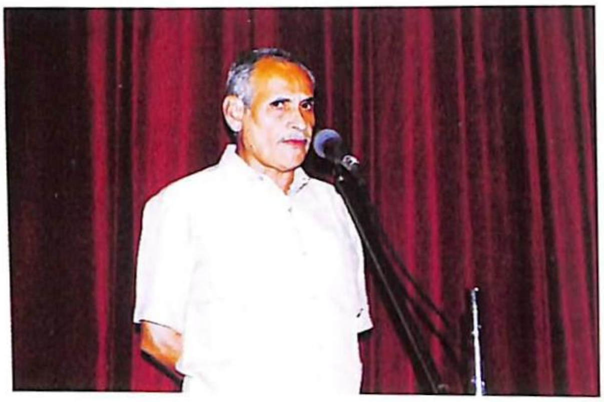

व्याख्यान देते हुये श्री गजानन हेगड़े

व्याख्यान देते हुये डॉ. गौतम चटर्जी

अभिज्ञानशाकुतलम्

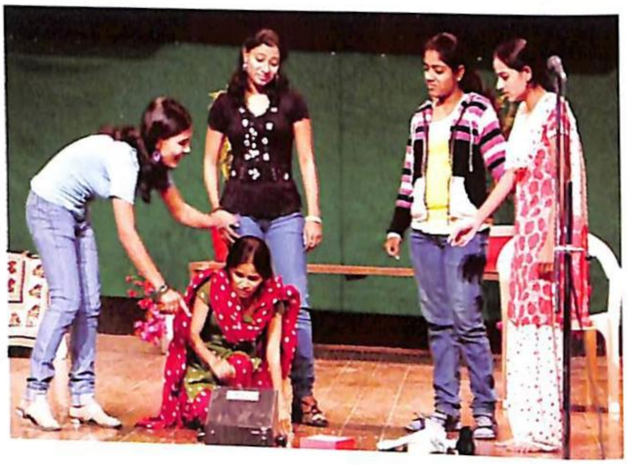

मोहवनम्

बन्धु नाटकम् करोति

मध्यमावयोग

9.7 युवामहोत्सव (26-29 दिसम्बर, 2010)

तृतीय युवा महोत्सव का आयोजन 26-29 दिसम्बर, 2010 को गुरुवायूर् परिसर, पुरनाट्टुकरा, त्रिचूर के प्रांगण में हुआ जिसमें दस परिसरों के 585 छात्रों ने विभिन्न कार्यक्रम में भाग लिया।

शास्त्रीय कार्यक्रम

1. स्तोत्रपाठ
2. चित्रकला
3. विज्ञापन चित्रण
4. रंगोली
5. वाद विवाद
6. हास्य चित्र चित्रण
7. शास्त्रीय नृत्य
8. वाचिक संगीत (शास्त्रीय)
9. वाद्य संगीत (शास्त्रीय)
10. एकल अभिनय
11. प्रश्नोत्तरी
12. संस्कृत गीत
13. शास्त्रीय नृत्य
14. रचनात्मक लेखन
15. परिचर्चा
16. सामूहिक नृत्य

खेल कार्यक्रम

1. दौड़ें (100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर एवं 1000 मीटर)
2. लम्बी कूद एवं ऊंची कूद
3. गोला फेंक एवं डिस्कस फेंक
4. बालीवॉल
5. कबड्डी
6. मुक्केबाजी/जूडो
7. बैडमिंटन
8. शतरंज
9. खो-खो

विजेता

श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी को युवामहोत्सव का विजेता घोषित किया गया।

डॉ. अनिता भटनागर जैन, संयुक्त सचिव (भाषाएँ) समोराह की मुख्य अतिथि थी, प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

तृतीय युवामहोत्सव का शुभारम्भ परेड के प्रथम सत्र से शुरु हुआ जिसमें विभिन्न प्रान्तों के रंग-बिरंगे परिधान थे मेजबान परिसर के छात्रों ने परेड के दौरान भारतीय छवि प्रस्तुत की। संयुक्त सचिव (भाषाएँ) द्वारा अपने सम्बोधन में इस अद्भुत छवि का उल्लेख किया।

राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता कुमारी पी.के. परजुषा परेड की विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थी।

प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। प्रो. आर. देवनाथन प्रभारी कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा अतिथियों का स्वागत एवं प्रो. के.टी. माधवन प्रभारी प्राचार्य, गुरुवायूर् परिसर पुरनाट्टुकरा ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

उद्घाटन समारोह

राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्
युवमहोत्सवः २०१०

314
1
2
3

युवमहोत्सव 2010 के विजेता

9.8 विश्व संस्कृत पुस्तक मेला (7-10 जनवरी, 2011)

विश्व संस्कृत पुस्तक मेला हेतु तीन स्टाल आरक्षित किये गये थे। जिसमें से एक सस्थान मुख्यालय के लिये, दूसरा परिसरों के प्रकाशन हेतु तथा तीसरा दूरस्थ शिक्षा हेतु था। विश्व संस्कृत पुस्तक मेला के दौरान अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

7 जनवरी, 2011 को पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में प्रो. रामकरण शर्मा, अध्यक्ष, अन्तराष्ट्रीय संस्कृत समवाय, भूतपूर्व कुलपति, संस्कृत विश्वविद्यालय, प्रो. अभिराजराजेन्द्रमिश्र, भूतपूर्व कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृतविश्वविद्यालय, वाराणसी एवं प्रो. सुधारानी पाण्डेय, कुलपति, उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार मंच पर उपस्थित सम्माननीय अतिथि थे। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की अध्यक्षता की निम्न पुस्तकों का विमोचन किया गया।

1. गजानन ग्रन्थावली
2. आचार्य रतिनाथ झा ग्रन्थावली
3. शिवशतकम्
4. भारतवंशम्
5. ध्वनिमीमांसा
6. आयति
7. लघुप्रबन्धत्रयी
8. लहरीपञ्चकम्
9. कवितावली
10. अभिधर्मकोश
11. रहस्यवाणी
12. बोधिचर्यावतार
13. वैदिक देवता
14. आदर्श टीका
15. संस्कृतग्रन्थसप्तशती
16. उपानास कथाशा
17. निबन्ध ललितनिबन्धः

पुनर्मुद्रण प्रकाशन

1. सुभाषितरत्नसंदोहः
2. कर्मविपाकसंहिता
3. सुभाषितसहस्त्री
4. भारतीयम् अर्थशास्त्रम्
5. परिभाषेन्दुशेखरः
6. कात्यायनपद्धतिविमर्शः
7. युभातः संस्कृतं प्रति
8. भाट्टदीपिका (4 भाग)

9. चन्द्रगोलविमर्श
10. अनुसन्धानस्य प्रविधि-प्रक्रिया
11. कवि भास्करी (शृखला-2)
12. भासनाटकचक्रम्

गंगानाथ झा परिसर प्रकाशन

1. न्यायसूत्रविवृत्ति
2. शाब्दशास्त्रमहान
3. शब्दार्थकोमीतमी
4. गंगालहरी
5. विष्णुभक्तिकल्पलता
6. सकलसारसंग्रह
7. राघोवल्लाहमहाकाव्यम्
8. सत्योपाख्यानम्
9. शब्दामृतम्

E-Text की 26 सी.डी. और पुस्तक सूची का विमोचन भी हुआ।

विद्वत गोष्ठी का आयोजन दिनांक 8 जनवरी 2011 को नेशनल कालेज मैदान, बैंगलूर में 'संस्कृत- शिक्षाया: नूतनपरिप्रेक्ष्यम्' विषय पर आयोजित किया गया। प्रो. रामकरण शर्मा, अध्यक्ष (आई.एस.एस.) भूतपूर्व, कुलपति मुख्य अतिथि थे। प्रो. अभिराज राजेन्द्रमिश्र भूतपूर्व कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी सम्माननीय अतिथि थे। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

कवि समवाय-तृतीय अखिल भारतीय संस्कृत कवि समवाय (कवि भास्करी) का आयोजन दिनांक 9 जनवरी 2011 को नेशनल कॉलेज परिसर, बेंगलूर, कर्नाटक में विश्व संस्कृत पुस्तक मेला के अवसर पर किया गया। प्रो. रामकरण शर्मा भूतपूर्व अध्यक्ष (आई.एस.एस.), समारोह के मुख्य अतिथि थे। प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र, भूतपूर्व कुलपति सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी सम्माननीय अतिथि थे। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी द्वारा उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की गई।

निम्नलिखित कवियों ने अपनी कविताओं का पाठ किया।

कवि समवाय

प्रो. रामकरण शर्मा, प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रो. अभिराजराजेन्द्र मिश्र, प्रो. इच्छाराम द्विवेदी, प्रो. कलानाथ शास्त्री, प्रो. वी. कनन, डा. रमाकान्त शुक्ल, प्रो. हर्षदेव माधव, प्रो. रामानुज देवनाथन, डा. पुष्पा दीक्षित, डा. रामविनय सिंह, डा. आर. गणेश, डा. भगीरथी नन्द, डा. राम कुमार शर्मा, डा. नारायण दास, डा. परमानन्द झा।

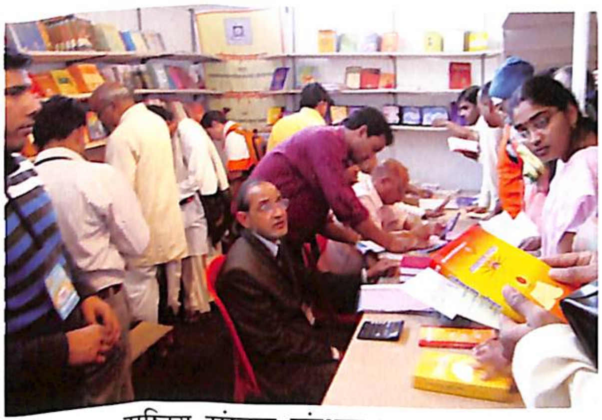

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का बुक स्टाल

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का बुक स्टाल

9.9 अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा (6-8 जनवरी 2011)

49वाँ अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा 6-8 जनवरी 2011 को पूर्व प्रज्ञा विद्यापीठ बेंगलूर में आयोजित किया गया जिसमें 17 प्रान्तों के 22 प्राध्यापक एवं 209 छात्रों ने कण्ठपाठस्पर्धा, समस्यापूर्ति, श्लोकान्ताक्षरी, भाषणस्पर्धा, शलाकापरीक्षा (काव्य), साहित्य, न्याय, सिद्धान्तज्योतिष, व्याकरण, पुराणेतिहास, वेदान्त, अष्टाध्यायी एवं अमरकोष प्रतियोगिताओं में भाग लिया। समारोह का उद्घाटन श्री श्री विश्वेश्वर तीर्थ स्वामी, अध्यक्ष पेजावर मठ ने किया। प्रो. रामकरण शर्मा, भूतपूर्व अध्यक्ष, अन्तर्राष्ट्रिय संस्कृत समवाय और प्रो. डी. प्रहलादाचार्य समारोह के मुख्य अतिथि थे। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी कुलपति ने दोनो कार्यक्रमों की अध्यक्षता की। प्रो. हरिहार भट्ट एवं प्रो. रामानुज देवनाथ कुलसचिव भी उपास्थित थे।

दिनांक: 6-8 जनवरी, 2011 पूर्ण प्रज्ञ विद्यापीठ, बैंगलुरू में अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा का उद्घाटन करते हुये, डॉ. रामकरण शर्मा:, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के संस्थापक निदेशक एवं भूतपूर्व अध्यक्ष, IASS

परमपूज्य श्री विशवेश्वरा तीर्थ स्वामी जी, पेजावर मठ, उड़िपि अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा के उद्घाटन सत्र में अपना सन्देश देते हुये।

निम्नलिखित प्रख्यात विद्वानों को स्पर्धा में निर्णायकों के रूप में आमंत्रित किया गया।

1. प्रो. रामकरण शर्मा
2. अभिराज राजेन्द्र मिश्र
3. प्रो. हरिराम मिश्र
4. प्रो. सीता नाथ आचार्य
5. प्रो. श्रीकृष्ण शर्मा
6. प्रो. रामचन्द्र झा
7. प्रो. राधाकान्त ठाकुर
8. प्रो. रामदेव झा
9. प्रो. के.के. चतुर्वेदी शास्त्री
10. प्रो. कलानाथ शास्त्री
11. प्रो. गंगाधर पण्डा
12. डॉ. रमाकान्त शुक्ल
13. डॉ. हर्षदेव माधव
14. प्रो. नरेन्द्र अवस्थी
15. प्रो. सोम नाथ नेने
16. प्रो. वाचस्पति शर्मा त्रिपाठी
17. प्रो. गयाचरण त्रिपाठी
18. प्रो. (श्रीमति) पुष्पा दीक्षित
19. प्रो. विश्वनाथ गोपालकृष्ण
20. प्रो. आर. कृष्णमूर्ति शास्त्री
21. डॉ. मणि द्रविण
22. विद्वान के. रामचन्द्र भट्ट
23. आचार्य महाबलेश्वर भट्ट
24. प्रो. डी. प्रहलादाचार्य

प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने समापन समारोह की अध्यक्ष की। प्रो. आर. देवनाथन ने अतिथियों का स्वागत किया। श्री श्री विश्वेश्वर तीर्थ स्वामी ने सभी प्रतिभागियो एवं अतिथियों को शुभकामना दी। डॉ. अनेति सचमिदचेन समापन समारोह की मुख्य अतिथि थी।

कर्नाटक राज्य सभी प्रर्दशनों में शीर्ष पर रहे। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। प्रतिभागियों के अतिरिक्त काफी, संख्या में संस्कृत विद्वान्, कर्मचारी छात्रों एवं सामान्य लोगों ने भारी उत्साह के साथ कार्यक्रम का लाभ उठाया।

बायें से: डॉ. ए.वी. नागसम्पिगे, प्रो. रामकरण शर्मा, प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी,
डॉ. अनेती सचमिदचेन, प्रो. डी. प्रहलादाचर एवं प्रो. आर. देवनाथन

अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा के विजेता

9.10 अन्तर्राष्ट्रिय प्राकृत संगोष्ठी (12-14 अक्टूबर 2010)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा बाहुबली प्राकृत विद्यापीठ, श्री धवलातीर्थम, श्रवणबेलगोला के सहयोग से उनके परिसर में "प्राचीन प्राकृत ग्रन्थों का वैश्विक मूल्य" विषय पर 12-14 अक्टूबर 2010 को अन्तर्राष्ट्रीय प्राकृत सम्मेलन का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का शुभारम्भ प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय नई दिल्ली के उद्घाटन भाषण से हुआ। परम पूजनीय जगदगुरु कर्मयोगी स्वस्ति श्री चारुकीर्ती भटारक महास्वामीजी, संस्थापक अध्यक्ष, बाहुबली प्राकृत विद्यापीठ द्वारा समारोह की अध्यक्षता की गई। 60 विद्वान संगोष्ठी में उपस्थित हुये। जिसमें भारत और 15 विद्वान विदेश जैसे कि जर्मनी, फ्रॅास, स्वीटजरलैण्ड, अमेरिका भी उपस्थित हुये। सत्र में अनेक पत्र प्रस्तुत किये गये। प्रो. हम्पानागराजद्य, उपाध्यक्ष, बैंगलूरू, प्रो. आर.पी. पोद्दार, सम्पादक, प्राकृत शब्दकोश परियोजना, भंडारकर शोध-संस्थान, पूना समापन समारोह के मुख्य अतिथि थे।

उद्घाटन समारोह

9.11 उत्तरपूर्व राज्यों पर सम्मेलन (12-14 मार्च 2011)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने असम विश्वविद्यालय, सिल्चर के सहयोग से त्रिदिवसीय उत्तर पूर्व राज्यों पर सम्मेलन के अन्तर्गत "उत्तरपूर्व क्षेत्र के सन्दर्भ में भारतीय संस्कृति के लिये संस्कृत का योगदान" विषय पर दिनांक 12-14 मार्च 2011 में विपिन चन्द्र पाल मिलनायातन सभागार, असम विश्वविद्यालय सिल्चर में आयोजित किया गया। सम्मेलन का उद्घाटन प्रो. तपोधीर भट्टाचार्य, कुलपति, असम विश्वविद्यालय सिल्चर ने किया। श्री रुद्रप्रसाद पोडियाल, निदेशक, मानव संसाधन विकास विभाग, सिक्किम सरकार, गंगटोक उद्घाटन समारोह के सम्मानित अतिथि थे। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने समारोह में अध्यक्षीय भाषण प्रस्तुत किया।

प्रो. तपोधिर भट्टाचार्य दीप प्रज्जवलित करते हुये

प्रो. मानवेन्दु बनर्जी, सेवानिवृत्त आचार्य एवं विभागाध्यक्ष जादवपुर विश्वविद्यालय एवं मानद सचिव, संस्कृत साहित्य परिषद्, कोलकत्ता समापन समारोह में मुख्य अतिथि थे। प्रो. तपोधीर भट्टाचार्य, कुलपति, असम विश्वविद्यालय, सिल्चर द्वारा समापन समारोह की अध्यक्षता की गई। प्रो. भट्टाचार्य ने संस्कृत भाषा की दार्शनिक, धार्मिक एवं साहित्यिक दृष्टिकोण विषय पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। वह राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा किये जा रहे कार्यों से अत्यन्त ही प्रभावित हुये। तीन दिन के सम्मेलन में 55 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किये गये। विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा संस्कृत नाटक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्मेलन के सायंकालीन सत्र में प्रस्तुत किये गये।

समापन समारोह

सांस्कृतिक कार्यक्रम

9.12 वर्ष 2010 में निम्न कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

1. पाण्डुलिपि सरंक्षण पर कार्यशाला (16-20 जुलाई, 2010)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मानित विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रिय पाण्डुलिपि मिशन, नई दिल्ली के सहयोग से पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद में किया गया। श्रीमति उषा अग्रवाल, पूर्व निर्देशिका, आई.एल.एल.आई. लखनऊ कार्यशाला में मुख्य अतिथि एवं श्रीमति ममता मिश्रा, निदेशिका, इन्टाक, भारतीय संरक्षण संस्थान, लखनऊ ने उद्घाटन समारोह की सम्माननीय अतिथि थी।

प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र, भूतपूर्व कुलपति, संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मानित विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता की गई। 32 प्रशिक्षित छात्रों एवं शोध छात्रों ने प्रतिभागिता की।

कार्यशाला

प्रमाणपत्र वितरण

1. लखनऊ में पालि विषय पर कार्यशाला (11-15 नवम्बर 2010)

पालि-प्राकृत कार्यशाला का आयोजन दिनांक 11-15 नवम्बर 2010 को लखनऊ परिसर, लखनऊ में आयोजित किया गया। निम्न विशेषज्ञ कार्यशाला में उपस्थित थे।

1. प्रो. धर्मचन्द्र जैन
2. प्रो. एस.पी. नारंग
3. प्रो. रामसागर मिश्र
4. प्रो. दीनानाथ शर्मा
5. प्रो. जानकी प्रसाद
6. प्रो. जगतराम भट्टाचार्य

सभी वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अध्येताओं ने कार्यशाला में भाग ग्रहण किया।

9.13 SARIT के साथ अन्तर्राष्ट्रीय MOU

प्रो. शेलडान पौलाक का सम्मान करते हुये प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी

एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर करते हुये

9.14 वर्ष 2010-11 में निम्न विशेष-व्याख्यान-माला का आयोजन किया गया।

1. डॉ. बी.आर. अम्बेडकर स्मृति व्याख्यान
2. पण्डित मडन मिश्रा स्मृति व्याख्यान
3. राजीव गांधी अन्तर्राष्ट्रीय स्मृति व्याख्यान
4. वी. राघवन स्मृति व्याख्यान
5. राधा कृष्णन्न स्मृति व्याख्यान
6. पण्डित गोपीनाथ कविराज स्मृति व्याख्यान
7. प्रो. हीरा लाल जैन स्मृति व्याख्यान
8. महामहोपाध्याय मधुसूदन ओझा स्मृति व्याख्यान
9. पण्डित गौरीनाथ शास्त्री स्मृति व्याख्यान
10. श्री कुरिआकोसे स्मृति व्याख्यान

1. डॉ. बी.आर. अम्बेडकर स्मृति व्याख्यान

डॉ. बी.आर अम्बेडकर स्मृति व्याख्यान का आयोजन 14 अप्रैल 2010 को लखनऊ में हुआ। प्रो. अंगराज चौधरी ने इस व्याख्यान माला में व्याख्यान दिया।

2. पण्डित मडन मिश्रा स्मृति व्याख्यान

पण्डित मंडन मिश्र स्मृति व्याख्यान का आयोजन 7 जून 2010 को लखनऊ में हुआ। इस व्याख्यानमाला में प्रो. सोमनाथ नेने ने मुख्य व्याख्यान दिया।

3. राजीव गांधी अन्तर्राष्ट्रीय स्मृति व्याख्यान

राजीव गांधी अन्तर्राष्ट्रीय स्मृति व्याख्यान का आयोजन दिनांक 17.01.2011 को श्रृंगेरी में हुआ। इस व्याख्यान माला में प्रो. एलिसन बुश, मध्यपूर्व एशिया-अफ्रीका अध्ययन विभाग, कोलम्बिया विश्वविद्यालय, अमेरिका एवं प्रो. शेलडोन पौलेक ने व्याख्यान दिया। प्रो. पोलाक ने संस्कृत में भट्टानायक रस के सिद्धांत पर व्याख्यान दिया। श्रीमती बुश ने हिन्दी साहित्य पर अपना व्याख्यान दिया।

4. वी. राघवन स्मृति व्याख्यान

वी. राघवन स्मृति व्याख्यान 22 अगस्त 2010 को मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई में आयोजित किया गया। इस व्याख्यान माला के वक्ता प्रो. एन.पी. उन्नी थे।

5. राधा कृष्णन्न स्मृति व्याख्यान

राधा कृष्णन्न स्मृति व्याख्यान का आयोजन दिनांक 06 सितम्बर 2010 को भोपाल में आयोजित किया गया। प्रो. इन्दरनाथ चौधरी, भूतपूर्व सचिव, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली इस व्याख्यानमाला के मुख्य वक्ता थे।

6. पण्डित गोपीनाथ कविराज स्मृति व्याख्यान

पण्डित गोपीनाथ कविराज स्मृति व्याख्यान का आयोजन दिनांक 21.10.2011 को लखनऊ में आयोजित किया गया। प्रो. गौतमभाई पटेल, भूतपूर्व आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, अहमदाबाद विश्वविद्यालय व्याख्यान माला के मुख्य वक्ता थे।

7. प्रो. हीरा लाल जैन स्मृति व्याख्यान

प्रो. हीरा लाल जैन स्मृति व्याख्यान का आयोजन दिनांक 07.09.2010 को जयपुर में आयोजित किया गया। इस व्याख्यानमाला के मुख्य वक्ता प्रो. प्रेमसुमन जैन, निदेशक, श्रीबाहुबली प्राकृत विद्यापीठ, श्रवणबेलगोला, कनार्टक थे।

8. महामहोपाध्याय मधुसूदन ओझा स्मृति व्याख्यान

महामहोपाध्याय मधुसूदन ओझा स्मृति व्याख्यान का आयोजन दिनांक 24.11.2010 को जयपुर में आयोजित किया गया। इस व्याख्यानमाला के मुख्य वक्ता प्रो. दयानन्द भार्गव, प्रतिष्ठत विद्वान जयपुर थे।

9. पण्डित गौरीनाथ शास्त्री स्मृति व्याख्यान

पण्डित गौरीनाथ शास्त्री स्मृति व्याख्यान का आयोजन दिनांक 02.02.2011 को कोलकता में आयोजित किया गया। इस व्याख्यानमाला के मुख्य वक्ता प्रो. अभिराजराजेन्द्र मिश्र, भूतपूर्व कुलपति, संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी थे।

10. श्री कुरिआकोसे स्मृति व्याख्यान

श्री कुरिआकोसे स्मृति व्याख्यान का आयोजन गुरुवायूर परिसर में आयोजित किया गया। इस व्याख्यामाला के मुख्य वक्ता प्रो. मुरीन पी. हाल, Macchichuates Unversity थे।

प्रबन्ध मण्डल के सदस्यों की सूची

1.	प्रो. राधा वल्लभ त्रिपाठी कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली।	अध्यक्ष
2.	प्रो. लोकेश चन्द्र (भूतपूर्व संसद सदस्य लोक सभा) जे-22, हौज खास एंक्लेव, नई दिल्ली-110016	सदस्य
3.	प्रो. डी. प्रहलादाचार 120/2, 15वां क्रॉस, गंगामा लेआऊट, बीएसकेएस प्रथम स्टेज, बेंगलूरू (कर्नाटक)	सदस्य
4.	श्री ओ.पी. आचार्य निदेशक, आचार्य नित्यानन्द स्मृति संस्कृत शिक्षा शोध संस्थान गिरिजा निकेतन ए-136, लेक गार्डन, कोलकता-700045	सदस्य
5.	डॉ. (श्रीमति) सरोजा भाटे भूतपूर्व आचार्या, संस्कृत विभाग, पूना विश्वविद्यालय, पूना वर्तमान- सचिव भंडारकर प्राच्या शोध संस्थान पूना (महाराष्ट्र)	सदस्य
6.	प्रो. शारदा शर्मा (वि.वि.अ.आ. द्वारा नामित) संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली-110007	सदस्य

क्रमशः....

7. वित्त सलाहकार — सदस्य
उच्चतर शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास मन्त्रालय
शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001

8. निदेशक (भाषाएं) — सदस्य
उच्चतर शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास मन्त्रालय
शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001

9. डॉ. जी. गगन्ना — सदस्य
प्राचार्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री सदाशिव परिसर
पुरी-7522001 (उडीसा)

10. प्रो. राम नारायण दास (31-07-2010 तक) — सदस्य
आचार्य,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गरली परिसर, गरली
जिला-कांगडा (हिमाचल प्रदेश)-177108

प्रो. के.टी. माधवन (01-08-2010 से 31-03-2011) — सदस्य
आचार्य,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गुरुवायूर् परिसर, पो.ओ. पुरानाटुकरा-680551
जिला-त्रिचूर (केरल)

11. डॉ. एस. राधा — सदस्य
उपाचार्या,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
के.जे.सोमेया संस्कृत विद्यापीठम्,
द्वितीय तल, SIMSR भवन,
विद्या विहार, मुम्बई-400077 (महाराष्ट्र)

12. डॉ. के. सरला देवी — सदस्य
सहायकाचार्या,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गुरुवायूर् परिसर, पो.ओ. पुरानाटुकरा-680551
जिला-त्रिचूर (केरल)

13. कुलसचिव — सदस्य-सचिव
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058

वित्त समिति के सदस्यों की सूची (16-09-2010 तक)

1.	कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली	अध्यक्ष
2.	निदेशक (भाषाएं) मानव संसाधन विकास मन्त्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	सदस्य
3.	प्रो. श्रीनिवास रथ 12, उदयन मार्ग, उज्जैन-456010 (म.प्र.)	सदस्य
4.	श्री एस.के.राय, वित्त सलाहकार मानव संसाधन विकास मन्त्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	सदस्य
5.	डॉ. करतार सिंह (वि.वि.अ.आ. द्वारा नामित) उप वित्त अधिकारी जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	सदस्य
6.	श्री नीतिश सेनगुप्ता भूतपूर्व सदस्य - योजना आयोग 'सुनन्दा' 40/135, सी.आर.पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110019	सदस्य
7.	प्रो. केशव शर्मा रत्न कुमारी संस्कृत शोध संस्थान भारती विहार, मशोबरा, शिमला (हि.प्र)	सदस्य
8.	कुलसचिव राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली	सदस्य-सचिव

क्रमशः....

पुनर्गठित वित्त समिति के सदस्यों की सूची (17-09-2010 से)

1. कुलपति — अध्यक्ष
   राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान,
   (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली

2. श्री जे.वीरा राघवन — सदस्य (अध्यक्ष द्वारा नामित)
   निदेशक, भारतीय विद्याभवन,
   कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

3. प्रो. डी. प्रहलादाचार — सदस्य (प्रबन्ध मंडल द्वारा नामित)
   120/2, 15वां क्राँस,
   गंगामा लेआऊट,
   बीएसकेएस प्रथम स्टेज,
   बेंगलूरू (कर्नाटक)

4. प्रो. वाचस्पति उपाध्याय — सदस्य (प्रबन्ध मंडल द्वारा नामित)
   कुलपति,
   श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ,
   नई दिल्ली-110016

5. निदेशक (वित्त) — सदस्य (सरकारी प्रतिनिधि)
   उच्चतर शिक्षा विभाग,
   मानव संसाधन विकास मन्त्रालय
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001

6. निदेशक (भाषाएँ) — विशेष आमंत्रित
   उच्चतर शिक्षा विभाग,
   मानव संसाधन विकास मन्त्रालय
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001

7. श्री नारायण सिंह — सदस्य (वि.वि.अ.आ. द्वारा नामित)
   भूतपूर्व संयुक्त सचिव, (वि.वि.अ.आ.)
   एच-3/21, बंगाली कॉलोनी,
   महावीर एंक्लेव, नई दिल्ली-110045

8. प्रो. आर. देवनाथन — सदस्य-सचिव
   प्रभारी कुलसचिव,
   राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
   नई दिल्ली-110058

संलग्नक-ग

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के संकाय-सदस्यों का परिसर-वार विवरण

1. श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उ.प्र.)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
1.	प्रो. सुरेन्द्र झा (21.2.2008 से)	प्राचार्य	साहित्य, व्याकरण
2.	डॉ. (श्रीमती) एस. के. मिश्र	उपाचार्या	साहित्य
3.	डा. ललित कुमार त्रिपाठी	उपाचार्य	नव्य व्याकरण
4.	डॉ. वी. एन. गिरि	उपाचार्य	साहित्य
5.	डॉ. बनमाली बिस्वाल	उपाचार्य	व्याकरण
6.	डॉ. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय	उपाचार्य	साहित्य
7.	डॉ. अपराजिता मिश्रा	सहायकाचार्या	साहित्य
8.	श्रीमती बीना मिश्र	संग्रहाध्यक्ष	शोध
9.	श्री राम रूप	पुस्तकालयाध्यक्ष	शोध
10.	डॉ. (श्रीमती) शैलजा पाण्डेय	शोध सहायक	शोध
11.	श्री रामचन्द्र	शोध सहायक	शोध
12.	डॉ. सुरेश पाण्डेय	शोध सहायक	शोध
13.	डॉ. राम किशोर झा	प्रतिलिपिक	शोध
2.	**श्री सदाशिव परिसर, पुरी**		
1.	डॉ. जी. गंगन्ना	प्राचार्य	अद्वैत वेदान्त
2.	डॉ. एच. के. महापात्रा	आचार्य	नव्य व्याकरण
3.	डॉ. फकीर मोहन पण्डा	आचार्य	पुराणेतिहास
4.	डॉ. अतुल कुमार नन्दा	आचार्य	धर्मशास्त्र
5.	डॉ. खगेश्वर मिश्र	आचार्य	धर्मशास्त्र
6.	डॉ. के रघुनाथन	उपाचार्य	सर्वदर्शन
7.	श्री एस.वी.आर. मूर्ति	उपाचार्य	अंग्रेजी
8.	डॉ. के.वी. सोमयाजुलु	उपाचार्य	नव्य व्याकरण
9.	डॉ. (श्रीमती) एम.रथ	उपाचार्य	पुराणेतिहास
10.	डॉ. एल.के. साहू	उपाचार्य	धर्मशास्त्र

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
11.	डॉ. एस.एम. रथ	उपाचार्य	साहित्य
12.	डॉ. एस.के. सेनापति	उपाचार्य	सर्वदर्शन
13.	डॉ. यू.एन. झा	उपाचार्य	साहित्य
14.	डॉ. आर.के. बर्मन	उपाचार्य	अद्वैत वेदान्त
15.	श्री बी.पी. मोहन्ती	उपाचार्य	शारीरिक शिक्षा
16.	डॉ. ए. परुस्ती	सहायकाचार्य	नव्य व्याकरण
17.	डॉ. पी.के. महापात्र	सहायकाचार्य	ज्योतिष
18.	डॉ. आर.के. मिश्रा	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्र
19.	डॉ. (श्रीमती) एन. पाणिग्रही	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्र
20.	डॉ. बृंदाबन पात्र	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्र
21.	डॉ. वी.पी. कच्छवाह	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्र
22.	डॉ. दुर्गा चरण सारंगी	सहायकाचार्य	नव्य व्याकरण
23.	डॉ. शम्भूनाथ महालिक	सहायकाचार्य	अद्वैत वेदान्त
24.	डॉ. महेश झा	सहायकाचार्य	नव्यन्याय
25.	डॉ. बी. सामन्त्रे	सहायकाचार्य	अद्वैत वेदान्त
26.	डॉ. बी.पी.एम. श्रीनिवास	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
27.	डॉ. विश्वरंजन पति	सहायकाचार्य	ज्योतिष
28.	श्री ए.के. मीणा	सहायकाचार्य	सांख्ययोग
29.	डॉ. गणपति शुक्ला	सहायकाचार्य	नव्यन्याय
30.	डॉ. मखलेश कुमार	सहायकाचार्य	पुराणेतिहास
31.	डॉ. कृपाशङ्कर शर्मा	सहायकाचार्य	साहित्य
32.	डॉ. श्रीमती के. महोपात्र	कनिष्ठ व्याख्याता (वरिष्ठ ग्रेड)	हिन्दी
33.	डॉ. एन.सी. साहू	कनिष्ठ व्याख्याता (वरिष्ठ ग्रेड)	उड़िया
34.	श्री पी.सी. मोहपात्र	पी.जी.टी.	इतिहास
35.	डॉ. श्रीमती एस. सतपथी	पी.जी.टी.	सर्वदर्शन
36.	डॉ. (श्रीमती) आर.एम. प्रतिहारी	पी.जी.टी.	साहित्य
37.	श्री डी.पी. दास मोहापात्र	पी.जी.टी.	इतिहास
38.	श्री बी.एल. मोहन्ती	टी.जी.टी. (वरिष्ठ ग्रेड)	साहित्य
39.	श्री नन्दीघोष महापात्रा	संविदागत अध्यापक	सर्वदर्शन
40.	डॉ. पी.आर. रथ	संविदागत अध्यापक	धर्मशास्त्र
41.	डॉ. (श्रीमती) सुकान्ति बारिक	संविदागत अध्यापक	सांख्ययोग

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
42.	डॉ. आर. पाठक	संविदागत अध्यापक	साहित्य
43.	डॉ. श्रीमती बी.एल. मोहापात्रा	संविदागत अध्यापक	ज्योतिष
44.	डॉ. पी.के. दलाई	अतिथि अध्यापक	उड़िया
45.	श्री पी.सी. साहू	अतिथि अध्यापक	गणित
46.	श्रीमती रश्मि मिश्रा	अतिथि अध्यापक	अंग्रेजी
47.	श्री एस.के. शथपथी	संविदागत अध्यापक	संगणक
48.	श्री बी.एन. मिश्रा	संविदागत अध्यापक	संगणक
49.	श्री लक्ष्मीधर पण्डा	संविदागत अध्यापक	संगणक
50.	श्री दयानन्द पाणिग्रही	संविदागत अध्यापक	संगणक
51.	डॉ. एस.एस. वाजपेयी	संविदागत अध्यापक	संगणक
52.	डॉ. जे.के. रायगुरु	संविदागत अध्यापक	संगणक
53.	डॉ. जे. दास	संविदागत अध्यापक	संगणक
54.	डॉ. के.बी. द्विवेदी	संविदागत अध्यापक	संगणक
3.	**श्री रणवीर परिसर, जम्मू**		
1.	प्रो. वी.एम. शास्त्री	प्राचार्य	साहित्य
2.	डॉ. वाई.पी. खजूरिया	प्रोफेसर	व्याकरण
3.	डॉ. आई.एम. दास	प्रोफेसर	ज्योतिष
4.	डॉ. बी.एन. झा	प्रोफेसर	दर्शन
5.	श्री एस.सी. शर्मा	उपाचार्य	अंग्रेजी
6.	डॉ. वी.एन.झा	प्रोफेसर	साहित्य
7.	डॉ. रमेश सिंह	उपाचार्य	शारीरिक शिक्षा
8.	डॉ. हरि नारायण तिवारी	उपाचार्य	व्याकरण
9.	डॉ. जे.आर. शर्मा	उपाचार्य	शिक्षा-शास्त्र
10.	डॉ. जय प्रकाश नारायण	सहायकाचार्य	साहित्य
11.	डॉ. नागेन्द्र नाथ झा	उपाचार्य	शिक्षा-शास्त्र
12.	डॉ. बी.बी. मिश्रा	उपाचार्य	ज्योतिष
13.	डॉ. सी.एम. रैना	सहायकाचार्य	ज्योतिष
14.	श्री शीश राम	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्र
15.	श्री गोरांग बाग	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्र
16.	श्रीमती रेणु मल्होत्रा	कनिष्ठ व्याख्याता	राजनीति विज्ञान

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
17.	डॉ. विनोद कुमार गुप्ता	कनिष्ठ व्याख्याता	हिन्दी
18.	डॉ. रामजी पाण्डेय	पी.जी.टी.	व्याकरण
19.	श्रीमती निर्मल गुप्ता	टी.जी.टी.	डोगरी/हिन्दी
20.	डॉ. एस.एन. शर्मा	टी.जी.टी.	व्याकरण
21.	श्रीमती विजय शर्मा	टी.जी.टी.	डोगरी/हिन्दी
22.	श्री राम दास	टी.जी.टी.	ज्योतिष
23.	कुमारी मीनाक्षी बावा	कम्प्यूटर शिक्षिका	
24.	श्री अजय कुमार	कम्प्यूटर शिक्षक	
4.	**गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर**		
1.	प्रो. के.टी. माधवन्	प्रभारी प्राचार्य	साहित्य
2.	प्रो. च.ल.न. शर्मा	आचार्य	शिक्षा शास्त्र
3.	डॉ. के.के. हर्षकुमार	सहायकाचार्य	शिक्षा शास्त्र
4.	डॉ. बी.पी.एम. श्रीनिवास	सहायकाचार्य	शिक्षा शास्त्र
5.	डॉ. अशोक कुमार कुशवाह	सहायकाचार्य	शिक्षा शास्त्र
6.	डॉ. वेंकटरमण भट	सहायकाचार्य	शिक्षा शास्त्र
7.	प्रो. पी.जी. श्रीनिवासन	आचार्य	व्याकरण
8.	प्रो. (श्रीमती) वी.के. शैलज	आचार्य	व्याकरण
9.	डॉ. (श्रीमती) सी.एल. सिसिली	आचार्य	व्याकरण
10.	डॉ. (श्रीमती) के. सरलादेवी	सहायकाचार्य	व्याकरण
11.	डॉ. प्रसन्ना उन्निथान	सहायकाचार्य	व्याकरण
12.	डॉ. ई.एम. राजन	सहायकाचार्य	साहित्य
13.	डॉ. (श्रीमती) पी. इन्दिरा	उपाचार्य	साहित्य
14.	डॉ. के.विश्वनाथन	सहायकाचार्य	साहित्य
15.	डॉ. (श्रीमती) सी. सन्था	कनिष्ठ व्याख्याता	साहित्य
16.	डॉ. पी.वी. श्रीदेवी	कनिष्ठ व्याख्याता	साहित्य
17.	श्री ए.एम.सी.टी. नम्बूदिरि	कनिष्ठ व्याख्याता	साहित्य
18.	डॉ. च.ल.न. प्रसाद राव	उपाचार्य	अद्वैत वेदान्त
19.	डॉ. (श्रीमती) आर.प्रतिभा	उपाचार्य	अद्वैत वेदान्त
20.	डॉ. एस. सुब्रह्मण्य शर्मा	उपाचार्य	अद्वैत वेदान्त
21.	डॉ. के.ई. मधूसूदन	उपाचार्य	न्याय

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
22.	डॉ. एन.आर. श्रीधरन	सहायकाचार्य	न्याय
23.	डॉ. ओ.आर. विजयराघवन	सहायकाचार्य	न्याय
24.	श्रीमती के. ए. जेस्सी	कनिष्ठ व्याख्याता	मलयालम
25.	श्रीमती के.यू. जया	कनिष्ठ व्याख्याता	इतिहास
26.	श्रीमती वी. के. सुबैदा	कनिष्ठ व्याख्याता	हिन्दी
5.	**जयपुर परिसर, जयपुर**		
1.	प्रो. अर्कनाथ चौधरी	प्रभारी प्राचार्य	व्याकरण
2.	डॉ. शिवकान्त झा	प्रोफेसर	व्याकरण
3.	डॉ. कमल चन्द्र योगी	उपाचार्य	व्याकरण
4.	डॉ. श्रीधर मिश्रा	उपाचार्य	व्याकरण
5.	डॉ. विष्णुकान्त पाण्डेय	उपाचार्य	व्याकरण
6.	डॉ. वासुदेव शर्मा	प्रोफेसर	ज्योतिष
7.	डॉ. ईश्वर भट्ट	उपाचार्य	ज्योतिष
8.	डॉ. (श्रीमती) शुभस्मिता मिश्रा	सहायकाचार्य	ज्योतिष
9.	डॉ. विजेन्द्र कुमार शर्मा	सहायकाचार्य	ज्योतिष
10.	प्रो. श्रेयांस कुमार सिंघई	आचार्य	जैन-दर्शन
11.	डॉ. कमलेश कुमार जैन	उपाचार्य	जैन दर्शन
12.	डॉ. सत्यम कुमारी	उपाचार्य	सर्वदर्शन
13.	प्रो. के. पी. केशवन	आचार्य	साहित्य
14.	डॉ. रामकुमार शर्मा	उपाचार्य	साहित्य
15.	डॉ. रमाकान्त पाण्डेय	उपाचार्य	साहित्य
16.	डॉ. उमाकान्त चतुर्वेदी	सहायकाचार्य	साहित्य
17.	प्रो. (श्रीमती) भगवती सुदेश	आचार्य	धर्मशास्त्र
18.	डॉ. कमल नयन शर्मा	उपाचार्य	धर्मशास्त्र
19.	श्रीमती कृष्णा शर्मा	संविदागत अध्यापक	धर्मशास्त्र
20.	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
21.	प्रो. फतेह सिंह	आचार्य	शिक्षाशास्त्र

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
22.	प्रो. (श्रीमती) संतोष मित्तल	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
23.	डॉ. सोहन लाल पाण्डेय	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
24.	डॉ. बत्तीलाल मीणा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
25.	डॉ. प्रवीण कुमार	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
26.	डॉ. दरियाव सिंह	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
27.	श्री गोरांग बाग	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
28.	डॉ. हरिओम शर्मा	संविदागत अध्यापक	शिक्षाशास्त्र
29.	श्री सुरेन्द्र सिंह राजावत	संविदागत अध्यापक	शिक्षाशास्त्र
30.	डॉ. विनि	अतिथि अध्यापक	राजनीतिशास्त्र
31.	डॉ. सुरेश सिंह राठौर	सहायकाचार्य (तदर्थ)	हिन्दी
32.	डॉ. सुभाश चन्द्र	संविदागत अध्यापक	हिन्दी
33.	डॉ. पर्वत सिंह	संविदागत अध्यापक	अंग्रेजी
34.	श्री हरीश शर्मा	संविदागत अध्यापक	अंग्रेजी
35.	श्रीमती नमिता मित्तल	संविदागत अध्यापक	संगणक
36.	श्री मोहित कुमार झालानी	संविदागत अध्यापक	संगणक
37.	श्री प्रदीप मिश्रा	संविदागत अध्यापक	संगणक
38.	श्रीमती रिचा शर्मा	संविदागत अध्यापक	संगणक
39.	डॉ. ओम प्रकाश भड़ाना	उपाचार्य	शारीरिक शिक्षा
40.	डॉ. अवधेश कुमार कौशिक	पुस्तकालय अध्यक्ष	पुस्तकालय
41.	सुश्री मीना कुमारी	सहायक पुस्तकालय	पुस्तकालय

6. लखनऊ परिसर, लखनऊ

1.	प्रो. सुरेन्द्र झा	प्राचार्य	व्याकरण
2.	प्रो. एस.एन. झा	आचार्य	ज्योतिष
3.	प्रो. सुरेन्द्र पाठक	आचार्य	व्याकरण
4.	प्रो. लोकमान्य मिश्रा	आचार्य	फलित ज्योतिष
5.	प्रो. वी.के. जैन	आचार्य	बौद्ध दर्शन
6.	प्रो. बटोही झा	आचार्य	साहित्य

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
7.	डॉ. राम लखन पाण्डेय	आचार्य	साहित्य
8.	प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय	आचार्य	हिन्दी
9.	डॉ. एस.के. चतुर्वेदी	उपाचार्य	व्याकरण
10.	डॉ. लक्ष्मीनिवास पाण्डेय	उपाचार्य	शिक्षाशास्त्र
11.	डॉ. गजेन्द्र प्रकाश शर्मा	उपाचार्य	शारीरिक शिक्षा
12.	श्रीमती अवनीश अग्रवाल	उपाचार्य	शिक्षाशास्त्र
13.	डॉ. बच्चा भारती	उपाचार्य	शिक्षा-शास्त्र
14.	डॉ. धनीन्द्र कुमार झा	उपाचार्य	व्याकरण
15.	डॉ. देवी प्रसाद द्विवेदी	उपाचार्य	शिक्षाशास्त्र
16.	डॉ. अवधेश कुमार चौबे	उपाचार्य	बौद्ध-दर्शन
17.	डॉ. भारत भूषण त्रिपाठी	सहायकाचार्य	व्याकरण
18.	डॉ. गणेश शंकर विद्यार्थी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
19.	श्री पवन कुमार	सहायकाचार्य	साहित्य
20.	डॉ. शामदेव मिश्र	सहायकाचार्य	ज्योतिष
21.	डॉ. अमित कुमार शुक्ला	सहायकाचार्य	ज्योतिष
22.	कुमारी गजाला अंसारी	सहायकाचार्य	साहित्य
23.	डॉ. गुरचरन सिंह नेगी	सहायकाचार्य	बौद्ध दर्शन
24.	श्री कुलदीप शर्मा	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्र
25.	श्री जगन्नाथ झा	कनिष्ठ व्याख्याता	राजनीति विज्ञान
26.	डॉ. एस.पी. सिंह	कनिष्ठ व्याख्याता	अर्थशास्त्र
27.	श्रीमती कविता बिसरिया	कनिष्ठ व्याख्याता	अंग्रेजी
7.	**श्री राजीव गान्धी परिसर, शृंगेरी**		
1.	प्रो. ए.पी. सच्चिदानन्द	प्रभारी प्राचार्य	शिक्षाशास्त्र
2.	डॉ. महाबलेश्वर पी.भट्ट	उपाचार्य	अद्वैत वेदान्त
3.	डॉ. सुब्राय वी. भट्ट	उपाचार्य	मीमांसा
4.	डॉ. ई.पी. श्रीदेवी	सहायकाचार्य	साहित्य
5.	डॉ. रमाकान्त मिश्र (स्थानान्तरित)	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्र
6.	डॉ. रामचन्द्रुल बालाजी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
7.	डॉ. सी.एस.एस.एन. मूर्ति	सहायकाचार्य	व्याकरण
8.	डॉ. नवीन होल्ला	सहायकाचार्य	नव्य न्याय
9.	डॉ. चन्द्रशेखर भट्ट	सहायकाचार्य	व्याकरण

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
10.	श्री कृष्णनाथन पद्मनाभम्	सहायकाचार्य	व्याकरण
11.	श्री गणेश ईश्वर भट्ट	सहायकाचार्य	अद्वैत वेदान्त
12.	डॉ. राघवेन्द्र भट्ट	सहायकाचार्य	साहित्य
13.	डॉ. भगवान समथराय	सहायकाचार्य	अद्वैत वेदान्त
14.	डॉ. चंद्रकला आर. कोन्डी	सहायकाचार्य	साहित्य
15.	डॉ. सूर्यनारायण भट्ट	सहायकाचार्य	मीमांसा
16.	*डॉ. वेंकटरमन भट्ट (स्थानान्तरित)*	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्र
17.	डॉ. गणेश टी. पंडित	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्र
18.	डॉ. के. गिरिधर राव	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्र
19.	श्री प्रभाकर	संविदागत अध्यापक	इतिहास
20.	श्री श्यामसुन्दर	संविदागत अध्यापक	नव्य न्याय
21.	श्री मधुकेश्वर भट्ट	संविदागत अध्यापक	नव्य न्याय
22.	श्री शंकर एम. हैबर	संविदागत अध्यापक	मीमांसा
23.	श्री विनय एम.एस.	संविदागत अध्यापक	अंग्रेजी
24.	श्रीमती श्यामनाथन जे.एस.	संविदागत अध्यापिका	हिन्दी
25.	श्री अनन्तकृष्णा	संविदागत अध्यापक	नव्य न्याय
26.	श्री शशिधर के.वी.	संविदागत अध्यापक	कम्प्यूटर

8. गरली परिसर, गरली

1.	डॉ. प्रकाश पाण्डेय	प्राचार्य	वेद, तन्त्र, साहित्य, वेदान्त, सुरलिपि
2.	प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु	प्रभारी प्राचार्य (16.09.2010 से)	अद्वैत वेदान्त
3.	डॉ. विजयपाल शास्त्री	उपाचार्य	साहित्य
4.	डॉ. सुबोध शर्मा	उपाचार्य	व्याकरण
5.	डॉ. अशोक कुमार गौड़	उपाचार्य	व्याकरण
6.	श्रीमती गौरप्रिया दास	सहायकाचार्य	
7.	डॉ. के.के. दलाई	सहायकाचार्य	साहित्य
8.	डॉ. वी.के. निर्मल	सहायकाचार्य	ज्योतिष
9.	डॉ. सुज्ञान कुमार मोहन्ती	सहायकाचार्य	
10.	डॉ. रामनारायण ठाकुर	अतिथि अध्यापक	
11.	श्री सन्दीप कुमार	अतिथि अध्यापक	
12.	डॉ. मनोज श्रीमल	संविदागत अध्यापक	
13.	श्री मनीश कुमार	अतिथि अध्यापक	

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
14.	श्री अमित वालिया	संगणक अध्यापक	
15.	श्री राकेश कुमार	संगणक अध्यापक	
16.	डॉ. नन्द किशोर तिवारी	संविदागत अध्यापक	
17.	डॉ. राधावल्लभ शर्मा	संविदागत अध्यापक	
18.	श्री अरुण कुमार	संविदागत अध्यापक	
19.	श्री भानु शर्मा	संविदागत अध्यापक	
20.	श्री सन्वित महापात्रा	संविदागत अध्यापक	
21.	डॉ. संजय कुमार मनकोटिया	अतिथि अध्यापक	
22.	श्रीमती मोनिका शर्मा	अतिथि अध्यापक	
9.	**भोपाल परिसर, भोपाल**		
1.	प्रो. आजाद मिश्र	प्राचार्य	व्याकरण
2.	प्रो. पी.एन. शास्त्री	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
3.	डॉ. वी.एन. चौधरी	उपाचार्य	शिक्षाशास्त्र
4.	डॉ. पी.डी. चौधरी	उपाचार्य	शिक्षाशास्त्र
5.	श्री नीलाभ तिवारी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
6.	श्री ब्रजभूषण ओझा	सहायकाचार्य	व्याकरण
7.	डॉ. कैलाश चन्द्र दाश	सहायकाचार्य	व्याकरण
8.	डॉ. सुज्ञान कुमार महन्ती	सहायकाचार्य	साहित्य
9.	डॉ. नारायणन ई. आर.	सहायकाचार्य	साहित्य
10.	डॉ. रामचन्द्र जोइस	सहायकाचार्य	साहित्य
11.	डॉ. हंसधर झा	उपाचार्य	ज्योतिष
12.	श्री अमित शुक्ल	सहायकाचार्य	ज्योतिष
13.	डॉ. अशोक थपलियाल	सहायकाचार्य	ज्योतिष
14.	डॉ. अर्चना दूबे	सहायकाचार्य	हिन्दी
10.	**के.जे. सौमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई**		
1.	डॉ. एम.ए. बाबू	प्रभारी प्राचार्य	व्याकरण
2.	प्रो. प्रकाश चन्द्र	आचार्य	व्याकरण
3.	डॉ. एस. राधा	उपाचार्य	साहित्य
4.	डॉ. के.के. शिने	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
5.	डॉ. सुशान्त कुमार राज	सहायकाचार्य	साहित्य
6.	डॉ. देवदत्त सरोदे	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
7.	डॉ. हरिप्रसाद	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
8.	श्री वी.एस.वी.भास्कर रेड्डी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
9.	डॉ. आर. गायत्री मुरली कृष्णा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
10.	डॉ. रामरूप मिश्रा	शास्त्र चूड़ामणि	व्याकरण

संलग्नक-घ

विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि प्राप्त शोध छात्रों का विवरण

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
1.	करुणा आर्य (901)	लखनऊ परिसर, लखनऊ	अष्टाध्याय्यां वर्णितप्रत्ययानां लोकशास्त्रे च प्रयोग दृष्ट्या अर्थ समीक्षणम्	व्याकरण
2.	मनीष शर्मा (868)	जयपुर परिसर, जयपुर	परिभाषेन्दु शेखरस्य परिभाषार्थ मञ्जरीटीकायाः समीक्षात्मकं सम्पादनम्	व्याकरण
3.	तेज कुमार (876)	गरली परिसर, गरली	श्रीशरणदेवविरचित दुर्घटवृत्तेः समीक्षात्मकमध्ययनम्	नव्य व्याकरण
4.	चन्द्रप्रभा श्रीवास्तव (906)	गंगा नाथ झा परिसर, इलाहाबाद	वेदान्त देशिक प्रणीताया निक्षेपरक्षायाः समीक्षात्मकमध्ययनम्	रामानुज वेदान्त
5.	कृष्ण केशव मिश्रा (838)	गंगा नाथ झा परिसर, इलाहाबाद	आचार्योत्पलदेवेन विरचित शिवस्तोत्राणां दार्शनिकं साहित्यकञ्चाध्ययनम्	शैवदर्शन
6.	मेघना श्रीवास्तव (852)	गंगा नाथ झा परिसर, इलाहाबाद	योगसूत्रभाष्य किरणावल्या समालोचनात्मकमध्ययनम्	दर्शनशास्त्र
7.	रमेश राय (900)	गंगा नाथ झा परिसर, इलाहाबाद	शिङ्गभूपाल प्रणीतस्य रसार्णवसुधाकरस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
8.	एल.एस. वादिराजाचार्य (912)	पूर्ण प्रज्ञा संशोधन मन्दिर, बंगलूरु	श्रीसुमतीन्द्रतीर्थविरचित तत्वप्रकाशिकाव्याख्यानस्य भावरत्नकोशस्य सविमर्श सम्पादनमध्ययनं च	द्वैत वेदान्त

क्रमशः....

क्रमांक	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
9.	एस.एन. प्राणेश (903)	पूर्ण प्रज्ञा संशोधन मन्दिर, बंगलूरु	सत्त्वरत्नमालोक्तत्त्व विमर्शः (द्वैतवेदान्त)	द्वैत वेदान्त
10.	द्वारका प्रसाद शर्मा (839)	जयपुर परिसर, जयपुर	परिभाषेन्दुशेखर परिभाषा प्रदीपर्चिषोः तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
11.	सूर्य कान्त झा (917)	गंगा नाथ झा परिसर, इलाहाबाद	तापसवत्सराजनाटकस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
12.	श्रीजा के.पी. (911)	गुरूवायूर परिसर, गुरूवायूर	सामुदायिक भाषाशास्त्र दृष्ट्या यास्मभिरूकस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	भाषाशास्त्र
13.	सुन्दर सिंह परिहार (909)	जयपुर परिसर, जयपुर	देहलीप्रान्ते प्रणीतानां स्वातन्त्रोत्तर संस्कृत काव्यानां समीक्षणम्	साहित्य
14.	नीरज कुमार मिश्रा (904)	गंगा नाथ झा परिसर, इलाहाबाद	श्रैधरीटीकालोके लघुशब्देन्दुशेखरस्थकार-कान्तसूत्राणां समीक्षणम्	व्याकरण
15.	प्रतिमा पाण्डे (910)	गंगा नाथ झा परिसर, इलाहाबाद	गोपालदेवप्रणीतायाः वैयाकरणभूषणसार-कान्तिटीकायाः सम्पादनं परिशीलनञ्च	व्याकरण
16.	बनवारी लाल शर्मा (918)	गंगा नाथ झा परिसर, इलाहाबाद	स्वातन्त्र्यात्परं व्याकरणशास्त्रस्य विकासपरम्पराः	व्याकरण
17.	श्रीकृष्ण देव (927)	जयपुर परिसर, जयपुर	भागवृत्तेरूपलब्धोद्धरणानां काशिकया सह समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
18.	प्रदीप कुमार पाण्डे (919)	गरली परिसर, गरली	पञ्चायुधप्रपञ्चभाणस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
19.	दिग्विजय नाथ मिश्रा (932)	गंगा नाथ झा परिसर, इलाहाबाद	मूलशङ्करयाज्ञिक-विरचितस्य संयोगितास्वयम्बरस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
20.	भगवान सहाय जाट (923)	जयपुर परिसर, जयपुर	पण्डित रामेश्वर विरचितस्य इकोगुणवृद्धी सूत्रार्थ इत्यस्य समीक्षासहित सम्पादनम्	व्याकरण
21.	ममता शर्मा (940)	राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान	संस्कृतकाव्येषु श्रीरामस्य व्यक्तित्वम्	साहित्य
22.	श्रीमती सुधा चतुर्वेदी (916)	गंगा नाथ झा परिसर, इलाहाबाद	कुवलयानन्दालंकारमंजशायोस्तुलनात्मकं परिशीलनम्	साहित्य
23.	श्री तपन कुमार माझी (908)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	वाक्यपदीयब्रह्मकाण्डस्थप्रदीपाम्वाकर्त्योः तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
24.	श्री रामेश्वरप्रसाद शर्मा (668)	जयपुर परिसर, जयपुर	'जानकी राघव' नाटकस्य सम्पादनं समीक्षणम्	साहित्य
25.	श्री मुरलीधर मिश्र (946)	गंगा नाथ झा परिसर, इलाहाबाद	ब्रह्मपुराणमेकमध्ययनम्	पुराण

क्रमांक	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
26.	श्री सच्चिदानन्द सिंह (929)	गंगा नाथ झा परिसर, इलाहाबाद	स्त्रीबाल-प्रसूतिरोगाणां वैदिकोपचाराः एकम् अनुशीलनम्	व्याकरण
27.	श्री विपिन चन्द्र पाण्डेय(937)	गंगा नाथ झा परिसर, इलाहाबाद	कौटिल्यार्थशास्त्रीयकूटनीतिसमीक्षणम्	साहित्य
28.	श्री गिरिजेश पाण्डेय (922)	जयपुर परिसर, जयपुर	प्राच्यप्रतीच्योभयदृष्ट्या सिद्धान्ततत्त्व विवेकस्य सिद्धान्तशिरोमणेश्च तुलनात्मकं विवेचनम्	साहित्य
29.	श्री दामोदरप्रसाद शर्मा (914)	जयपुर परिसर, जयपुर	श्री नृसिंहाचार्यविरचितस्य कालनिर्णय-दीपिका विवरणस्य समीक्षात्मकम् सम्पादनम्	धर्मशास्त्र
30.	श्री उमेश कुमार पाण्डेय (915)	गरली परिसर, गरली	प्राच्यप्रतीच्योभयदृष्ट्या सिद्धान्ततत्त्वविवेकस्य सिद्धान्त शिरोमणेच्च तुलनात्मकम् विवेचनम्	फलित ज्योतिष
31.	श्री ई.एन. श्रीनिवास (952)	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मन्दिर, बैंगलोर	न्यायशास्त्रोक्तनियमाना विमर्शत्मकमध्ययनम्	न्यायशास्त्र
32.	श्रीमती अर्चना पाण्डेय (931)	गंगा नाथ झा परिसर, इलाहाबाद	सोमेश्वप्रणीतस्य 'उल्लाघराघव' नाटकस्य समालोचनात्मकध्ययनम्	साहित्य
33.	श्रीमती दीप्तिमयी दाश(926)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	पाणिनीयलिंगानुशासनस्य प्रायोगिकं परिशीलनम्	व्याकरण
34.	श्रीमती मोनिका साहू (890)	गंगा नाथ झा परिसर, इलाहाबाद	वैदिकबौद्ध धर्मसमन्वये नागानन्द-रूपकस्यावदानम्	बौद्धदर्शन
35.	श्री शम्भूनाथ त्रिपाठी (935)	गंगा नाथ झा परिसर, इलाहाबाद	'कविडिण्डिम' लक्ष्मीदत्त प्रणीतस्य पाण्डवचरित महाकाव्यस्य परिशीलनम्	साहित्य
36.	सुश्री ज्योति (928)	गंगा नाथ झा परिसर, इलाहाबाद	महाकविबिल्हणस्य कृतीनां वक्रोक्तिमूलकं समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) से सम्बद्ध संस्थाएं

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
बिहार		
1.	देवराहा बाबा भक्त शिव शंकर संस्कृत महाविद्यालय, रामचन्द्रपुर, अन्धैल, पो. पटेली, जिला–समस्तीपुर, पिन–848132	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
2.	डॉ. रामजी मेहता संस्कृत महाविद्यालय मालीघाट, मुजफ्फरपुर (बिहार) 842001	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण, सिद्धान्त ज्योतिष, फलित ज्योतिष, सर्वदर्शन, प्राचीन व्याकरण)
3.	सरस्वती आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, बेगूसराय, बिहार–851101	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
4.	राजकुमारी गणेश शर्मा संस्कृत विद्यापीठ कोलहन्टा पटोरी, पो. पटोरी बसंत, जिला–दरभंगा (बिहार) 846003	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय, प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, ज्योतिष-सिद्धान्त व नव्यव्याकरण)।
5.	रामसुन्दर संस्कृत विश्व विद्या प्रतिष्ठान रमोल बेलान (लक्ष्मीनाथ नगर) वाया बहेरा, जिला–दरभंगा (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय, आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, वेद, ज्योतिष)
6.	डॉ. मंडन मिश्र माध्यमिक संस्कृत विद्यालय, संजात, जिला–बेगुसराय (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्रमशः....

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
7.	अजित कुमार संस्कृत शिक्षण संस्थान, उमाकान्त नगर, पो. लढोरा, जिला–समस्तीपुर–848302 (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (व्याकरण, साहित्य फलित ज्योतिष)
8.	लक्ष्मी हरिकान्त प्राथमिक संस्कृत माध्यमिक विद्यालय झंझारपुर, जिला–मधुबनी, बिहार–847404	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
9.	दीनानाथ मिथिला संस्कृत महाविद्यालय गाँव व पो. कथरा–847423 जिला–दरभंगा (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
10.	जे.एन.बी. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय पो. ऑ. लगमा, वाया लोहना रोड, जिला–दरभंगा (बिहार) 847407	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (वेद, व्याकरण, साहित्य और धर्मशास्त्र)।
दिल्ली		
11.	श्री मोतीनाथ संस्कृत महाविद्यालय, रमेश नगर, नई दिल्ली–15	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, नव्य न्याय)
12.	ब्रह्मर्षि राम प्रपन्नाचार्य संस्कृत वेद वेदांग महाविद्यालय राजघाट के पीछे, पुराना पावर हाऊस, नई दिल्ली–2	प्रथमा–प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
13.	श्रीराम ज्योतिष कर्मकाण्ड महाविद्यालय, (राम विद्या मन्दिर एजुकेशन सोसायटी के अन्तर्गत) मंडावली, दिल्ली–110092	आचार्य–प्रथम, द्वितीय (कर्मकाण्ड, पौरोहित्य, ज्योतिष-फलित और सिद्धांत)
14.	वसंत ग्राम आदर्श संस्कृत विद्यालय वसंत विहार, नई दिल्ली–110057	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
15.	राम दल संस्कृत महाविद्यालय 1612 दरीबा कलाँ, दिल्ली–6	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
16.	शारदा देवी संस्कृत विद्यापीठ, 1021-1024, गली शक्ति मन्दिर दरियागंज, नई दिल्ली-110002	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
17.	समन्त भद्र संस्कृत महाविद्यालय दरियागंज, नई दिल्ली-110002	प्रथमा-तृतीय, पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, जैन-दर्शन)
18.	श्री महावीर विश्व विद्यापीठ ए-6, पश्चिम विहार, चौधरी बलबीर सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110063	प्रथमा-तृतीय, पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, सर्वदर्शन)
19.	श्री हनुमान संस्कृत महाविद्यालय एफ-487/3, रघुवीर नगर नई दिल्ली-110027	प्रथमा-तृतीय, पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
20.	आर्य कन्या गुरुकुल न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली-110060	प्रथमा-तृतीय, पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
21.	राम ऋषि संस्कृत महाविद्यालय कराला, दिल्ली-110081	प्रथमा-तृतीय, पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
22.	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ हरेवली, दिल्ली-110039	प्रथमा-तृतीय, पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
23.	बाल विद्या मन्दिर रोहिणी, पूठ कलाँ दिल्ली-110041	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
	गुजरात	
24.	श्री समर्थ संस्कृत महाविद्यालय, समर्थेश्वर महादेव एलिस ब्रिज, अहमदाबाद-6	प्रथमा-तृतीय, पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
25.	श्री रघुवर रामानंद वेदांत महाविद्यालय श्री कौशलेन्द्र मठ, सुरखेज रोड,	प्रथमा-तृतीय, पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय

क्रमशः....

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
	पो. पलाडी, अहमदाबाद, गुजरात–380007	शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (रामानंद वेदांत)
26.	एम.जे.पी. संस्कृत विद्यालय नरुनपुर, मीलाम्बिका रोड, अहमदाबाद–13	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
हरियाणा		
27.	आलोक संस्कृत महाविद्यालय महेन्द्रगढ़ (हरियाणा) – 123039	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (केवल शैक्षणिक सत्र 2010-11 के लिए)
28.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ पो. बघौला, तहसील–पलवल जिला–फरीदाबाद (हरियाणा)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
29.	श्री रामानन्द ब्रह्मर्षि महाविद्यालय विराट नगर, पिंजौर (हरियाणा)	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
30.	श्री लज्जाराम संस्कृत महाविद्यालय तीर्थ, पाण्डु पिण्डारा, जीन्द (हरियाणा)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
जम्मू व कश्मीर		
31.	श्री गुरु गंगादेव संस्कृत महाविद्यालय, शिवकाशी, सुन्दरवनी जिला–राजौरी, जम्मू	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष वेद)

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
झारखण्ड		
32.	लक्ष्मी देवी शर्राफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, काली रेखा, वैद्यनाथ धाम देवघर, झारखण्ड, पिन : 814112	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय
कर्नाटक		
33.	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मन्दिर पूर्णप्रज्ञा विद्यापीठ, पूर्णप्रज्ञा नगर, कठरीगुप्पा मेन रोड, बैंगलोर–560028	विद्यावारिधि
केरल		
34.	भारतीय संस्कृत महाविद्यालय पिल्हारा रोड, वाया मंडुर जिला–कन्नूर – 670501 (केरल)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
35.	श्री रामकृष्ण आदर्श संस्कृत महाविद्यालय रामकृष्ण मठ, पो.–अरुणापुरम, पलै जिला–कोट्टायम – 686574 (केरल)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (अद्वैत वेदान्त)
36.	श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठ पो. इड्डाकाडोम, वा. इजहूकोन, जिला–क्वीलोन (केरल)	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
37.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पो. बालूसरी, जिला–कालीकट – 673612	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, अद्वैत वेदान्त)
38.	कोंडगलूर विद्वत्पीठम् पैलेस रोड, पो. कोडंगलूर जिला–त्रिचूर (केरल) - 680664	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
39.	वूमेंस चैरिटेबल सोसाइटी, श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठ, ओवर बिज जंक्शन, ए.जी. रोड़ तिरुवन्तपुरम, 695003 केरल	प्राक् शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
40.	महेश्वरी संस्कृत कॉलेज गाँव व पो. कक्कुर जिला–कोजीकोड–673619 (केरल)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय

क्रमशः....

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
महाराष्ट्र		
41.	मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय भारतीय विद्याभवन, के.एम. मुन्शी मार्ग मुम्बई–400007	पूर्वमध्यमा-प्रथम (अस्थायी मान्यता)
42.	श्री अंबाजी संस्कृत महाविद्यालय निवेतिया रोड, मलाड (पूर्व) मुम्बई (महाराष्ट्र) – 400097	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
मणिपुर		
43.	मणिपुर संस्कृत विद्यापीठ डी.एम. कॉलेज कैम्पस, इम्फाल, मणिपुर–795001	पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
44.	राधा माधव संस्कृत महाविद्यालय, पो. नाम्बोल, मणिपुर–795134	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण, फलित ज्योतिष व सर्वदर्शन)
पंजाब		
45.	बाबा हरदित गिरि संस्कृत विद्यालय संस्कृत-प्रचारिणी अखाड़ा सरहिन्द शहर, जिला–फतेहगढ़ साहिब, पंजाब	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
46.	श्री सरस्वती संस्कृत कॉलेज पो0 खन्ना–141401 जिला–लुधियाना (पंजाब)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
राजस्थान		
47.	नवजागृति संस्कृत विद्यापीठ, गंगापुर सिटी–322201 जिला–सवाई माधोपुर (राजस्थान) 322201	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–द्वितीय (केवल वर्ष 2010-11 के लिए)
उत्तर-प्रदेश		
48.	रानी पद्मावती तारा योग तंत्र आदर्श महाविद्यालय, इन्द्रपुर, (शिवपुर) वाराणसी	उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण,

क्रमशः....

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
		फलित ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, कर्मकाण्ड, सर्वदर्शन एवं वेद)
49.	श्री बटुकनाथ संस्कृत महाविद्यालय बी-22/195, द्वारिकाधीश मन्दिर, शंकुलधारा, वाराणसी-221010	पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्यव्याकरण)
50.	गिन्नी देवी संस्कृत विद्यापीठ, मोदीनगर, जिला गाजियाबाद-201204 उत्तर प्रदेश	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
51.	श्री टिबरीनाथ सांगवेद संस्कृत महाविद्यालय, नैनीताल रोड, बरेली, उत्तर प्रदेश-248005	प्रथमा-तृतीय, पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
52.	गान्धी संस्कृत महाविद्यालय, पँवरी गौहनिया, पो. जसरा, इलाहाबाद	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण)
53.	अनन्ता देवी संस्कृत महाविद्यालय पो. कौंधियार, इलाहाबाद (उ.प्र.)	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण)
54.	रानी पद्मावती योग तन्त्र उच्च माध्यमिक विद्यालय इन्द्रपुर (शिवपुर), वाराणसी (उ.प्र.)	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
उत्तराखण्ड		
55.	देववाणी संस्कृत विद्यालय पो. त्रियुगी नारायण जनपद जिला-चमोली	पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
56.	ज्वाल्पा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय ज्वल्पा देवी मन्दिर, पो. पति सैन पौडी-गढ़वाल	शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
57.	आदर्श संस्कृत विद्यापरिषद् सलड महादेव जिला-पौडी गढ़वाल-246279	प्रथमा-तृतीय, पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
	पश्चिम बंगाल	
58.	श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 7/2 पी.डब्ल्यू.डी. रोड, कोलकाता–700035	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्यन्याय, व्याकरण, अद्वैत वेदान्त, वेद, ज्योतिष, बौद्ध दर्शन, धर्म-शास्त्र)
59.	हरेश्वर संस्कृत महाविद्यालय लिंग्से, दार्जीलिंग हरलोक लिंग्से, वाया रीनोक (प. बं.) – 737133	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
60.	कालियाचक विक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, गाँव–कालियाचक पोस्ट ऑफिस हेरिया जिला–मिदनापुर (पश्चिम बंगाल) – 721430	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, धर्मशास्त्र, व्याकरण, अद्वैत वेदान्त)
61.	मदर उषा मेमोरियल ओरियन्टल सैन्ट्रल इंस्टीट्यूशन एण्ड आगम (तंत्र) रिसर्च सेन्टर, तेनोहरी, थाना रानीगंज जिला–उत्तर दीनाजपुर (पश्चिम बंगाल) – 733123	प्रथमा–प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
62.	भारती चतुष्पठी श्री श्रीगुरु कर्ण निकेतन, अमूल्य पारा, नवद्वीप, नादिया, (पश्चिम बंगाल) – 741302	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण, अद्वैत वेदान्त)
63.	रामकृष्ण मठ विवेवकानन्द वेद विद्यालय, पो. ओ. वेलूर मठ जिला–हावड़ा (पश्चिम बंगाल) – 711202	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
64.	ठाकुर गदधर संस्कृत विद्यापीठ पोस्ट ऑफिस आरामबाग (कलिपुर) जिला हुगली (पश्चिम बंगाल)-71260	प्रथमा-तृतीय, प्राक् शास्त्री-प्रथम

उन सरकारों के नामों की सूची जिन्होंने संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता दे दी है

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
1.	भारत सरकार, कैबिनेट सचिवालय, कार्मिक विभाग, नई दिल्ली नं. 6/12/71 स्थापना (डी)	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल 2. मध्यमा-उच्चतर माध्यमिक 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्.
2.	मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग नं. 796/786/1 (3)/72 दिनांक 5.12.1972	-वही-
3.	पंजाब सरकार, नं. 472-468-II/72/2686 दिनांक जनवरी, 1971	-वही-
4.	गोआ, दमन व दीव, विशेष-स्थापना-2065-II दिनांक 23 अक्तूबर, 1972	-वही-
5.	भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय/शिक्षा, नई दिल्ली सं.एफ. 7-2/83-संस्कृत-2, दि. 31.12.1992	शिक्षा आचार्य-एम.एड.
6.	तमिलनाडु सरकार, ज्ञापन सं. 94120/एच-172-2-शिक्षा पत्र संख्या-एल.डिस 35033/04 दिनांक 2 जनवरी, 1973	1. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 2. प्रथमा-मिडिल स्कूल 3. मध्यमा-उच्चतर माध्यमिक 4. पूर्वमध्यमा-मैट्रिक
7.	महाराष्ट्र सरकार, 82/ दिनांक 24-9-92 अनुशेष सं. एस.एस.एन. 3371/137427-ई दिनांक 23 अक्तूबर, 1972	1. उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री- उच्चविद्यालय प्रमाणपत्र

क्रमशः....

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
8.	उत्तर प्रदेश सरकार, सं. 10/3/1972 नियुक्ति (4) लखनऊ, दिनांक 27 अगस्त, 1973	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल (आठवीं कक्षा) 2. पूर्वमध्यमा-हाई स्कूल 3. उत्तरमध्यमा-इण्टर 4. शास्त्री-बी.ए. 5. आचार्य-एम.ए. 6. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 7. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 8. वाचस्पति-डी.लिट्
9.	हरियाणा सरकार, सं. 278, जी. शिक्षा (4ई) 74/14620 चंडीगढ़, दिनांक 13.5.1974 ज्ञापन सं.-डी 4/50-73-सीओ (2) चंडी दिनांक 21.10.1986	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी या इण्टरमीडिएट 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 6. वाचस्पति-डी.लिट् 7. शिक्षाशास्त्री-ओ.टी. (संस्कृत)
10.	गुजरात सरकार, प्रस्ताव सं. एसएसएन-3266/72127 (73) ई 78583-जी सचिवालय, गान्धीनगर, दिनांक 30 अप्रैल 1986	1. शिक्षा-शास्त्री-बी.एड.
11.	हिमाचल प्रदेश सरकार, सं. 23-62/70/सेक्रे/ एजु-ए वोल् 3 दिनांक 17.3.1973	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्
12.	त्रिपुरा सरकार, सं. एफ. 83 (4-12) डीई/73 अगरतला, दिनांक 15.7.1972	—वही—
13.	राजस्थान सरकार, पी 9 (75) एस.पी./71/शिक्षा-5 दिनांक 18.3.1975 शिक्षा (ग्रुप 8) सं. एफ 10 व 74 शिक्षा (ग्रुप 4)/72 दिनांक 22 मई, 1978	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्

क्रमशः....

सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
14. जम्मू व कश्मीर सरकार, सं एजु. - 9/ई/74 स्वीकृत दिनांक 22.6.1975	1. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी अथवा पी.यू.सी. 2. शास्त्री-बी.ए. 3. आचार्य-एम.ए. 4. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 5. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 6. वाचस्पति-डी.लिट्
15. उड़ीसा सरकार 176/10/ईवाइई दिनांक 19.6.1975 सं. 20/32/75/828	1. शास्त्री-बी.ए. 2. आचार्य-एम.ए.
16. पश्चिम बंगाल सरकार, शिक्षा विभाग सेक. ब्राँच, सं. 441 - एजु. (एस) 6 सी-II/89	शिक्षाशास्त्री-बी.एड.
17. बिहार सरकार, संकल्प सं. 8/आर.-2003/86 के.ए. 9139/पटना दि. 25-6-1987	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-पूर्व मैट्रिक (अंग्रेजी रहित) मैट्रिक (अंग्रजी सहित 3. शास्त्री-(अंग्रेजी सहित) बी.ए. 4. आचार्य-(बी.ए. अंग्रेजी सहित उत्तीर्ण) एम.ए.

क्रमशः....

संलग्नक-छ

उन विश्वविद्यालयों के नामों की सूची जिन्होंने संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता दे दी है

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
1.	महाराजा सायाजीराव बडौदा विश्वविद्यालय, पत्र सं. एसी/II/221 दिनांक 4.9.73	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
2.	सागर विश्वविद्यालय, सागर, पत्र सं. सामान्य/मान्यता/974 दिनांक 16.6.73 तथा दिनांक 9.4.1973	मध्यमा शास्त्री आचार्य	इंटरमीडिएट बी.ए. एम.ए.
3.	विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.) पत्र सं. प्रशासन/मान्यता/73 दिनांक 9 अगस्त, 1973	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्
4.	आन्ध्र विश्वविद्यालय, पत्र सं. 1 (6) 3925/72 दिनांक 27.9.73 वाल्टेयर	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
5.	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर पत्र सं. एफ-4-1/72 शैक्षिक-II/1146/ए दिनांक 22.5.73	शास्त्री	बी.ए.
6.	कालीकट विश्वविद्यालय संदर्भ सं. जी ए (डी 4) 899/72 दिनांक 28.11.1973 विद्यावारिधि	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री पी-एच.डी.	बी.ए. (संस्कृत मुख्य) एम.ए. (संस्कृत मुख्य) बी.एड. (संस्कृत) वाचस्पति डी.लिट्
7.	श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति संख्या-सी.आई. 33017/73 दिनांक 19.1.76	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. (संस्कृत) में प्रवेश के प्रयोजन से)
8.	मगध विश्वविद्यालय, बोध गया	मध्यमा	हायर सेकेण्डरी

क्रमशः....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
	पत्र सं. 4767/48-23 डी II/बोध गया दिनांक 4.12.73	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि	बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी.
9.	जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू पत्र संख्या-एफ शैक्षिक/V/153/74/4195-99 दिनांक 14.2.1974	मध्यमा शास्त्री-भाग-1 शास्त्री-भाग-3 आचार्य साहित्याचार्य	प्री-यूनिवर्सिटी बी.ए. (भाग-1) बी.ए. (अंतिम वर्ष) एम.ए., संस्कृत या
10.	अन्नामलाई विश्वविद्यालय एल. डिस्. पी-बी 21/83/73 दिनांक 22.2.1974	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
11.	बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान आर.सी.आई/सम/141/376/74 दिनांक 24.6.74	मध्यमा शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम कला-स्नातक परीक्षा (त्रिवर्ष) एम.ए. डी.फिल्. डी.लिट्
12.	कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर पी एस के वी/बोर्ड/4318/74-75 दिनांक 22.11.74	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
13.	उत्कल विश्वविद्यालय, पत्र सं. ए सी-1/आर.एम./171/51046/75 दिनांक 1.7.1975	शास्त्री	बी.ए. (द्रष्टव्य क्रम सं. 32 भी)
14.	पूना विश्वविद्यालय, पूना ईएलजी/सम-109/3949 दिनांक 26.4.1975	प्राक्शास्त्री शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री	प्री-डिग्री बी.ए. (संस्कृत) एम.ए. (संस्कृत) बी.एड. (संस्कृत)
15.	जयपुर विश्वविद्यालय, पत्र सं. ई./3013 दिनांक 13.5.1975	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
16.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र पत्र सं. ए सी एम-II/6115	शास्त्री आचार्य	बी.ए., शास्त्री एम.ए.

क्रमशः....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
	दिनांक 6.6.1975 और ए सी एम/II/137/76/18904 दिनांक 7.8.76, ए सी एम-II/137/81/4139 दिनांक 19.3.81		
	ए सी एम-II/08/एफ/37/3695 दिनांक 1-4-08	प्राक्शास्त्री	+2 स्तर परीक्षा
	ए सी एम-II/08/एफ/37/4788 दिनांक 25-4-08	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
17.	गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, परीक्षा/बी. मान्यता सं. 32482 दिनांक 17.9.1975	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
18.	केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली देखिए डी.ओ.सं. 80628 दिनांक 27-5-1988 सी बी.एस.इ./कोआर्ड/एसओसीडी/2009/6147 दिनांक 3.3.09	प्रथमा पूर्वमध्यमा द्वितीय वर्ष उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री-II	आठवीं दसवीं बारहवीं
19.	केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम पत्र सं. सी.-3/720/76 जिला त्रिवेन्द्रम दिनांक 22.3.76, एसी. सी 3/1600/77 दिनांक 3.1.81	शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. एम.ए. पी-एच.डी. डी.लिट्
20.	विश्व भारती सं. जी-4-43 दिनांक 23.4.76	शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. एम.ए. पी-एच.डी. डी.लिट्
21.	भारतीय विश्वविद्यालय संघ संघ पत्र सं. ईवी II/(227)/76/32765 दिनांक 7.2.76 नई दिल्ली	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
22.	हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला पत्र सं. 3-8-74-एच पी यू (शैक्षिक) दिनांक 2.7.77, 3-27/79 दिनांक 4.7.80	शास्त्री शिक्षा-शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. बी.एड. एम.ए. पी-एच.डी. डी.लिट्
23.	दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली पत्र सं.-1/मान्यता/डी/84 दिनांक 14.11.84	शास्त्री आचार्य	बी.ए. पासकोर्स (एम.ए. संस्कृत में प्रवेश के प्रयोजन से) एम.ए.
24.	संभलपुर विश्वविद्यालय, संभलपुर पत्र सं. 11727/शैक्षिक दिनांक 4.5.79, 6824/शैक्षिक दिनांक 27.9.85 संभलपुर	शास्त्री आचार्य	बी.ए. पासकोर्स (एम.ए. संस्कृत में प्रवेश के प्रयोजन हेतु) एम.ए.

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
25.	श्री कामेश्वर सिंह दरभंगा विश्वविद्यालय पत्र संख्या-9356/74 दिनांक 4.10.74	मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि विद्या वाचस्पति
26.	कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ पत्र सं.-मान्यता/के-108/शैक्षिक/1504 दिनांक 12.7.79	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
27.	गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर पत्र सं. सामान्य/मान्यता/3920 दिनांक 22.4.1980	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
28.	मद्रास विश्वविद्यालय पत्र सं. सी आर-III/मान्यता/1925 दिनांक 17.3.1980	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए. (यदि पाठ्यक्रम में अंग्रेजी एक विषय के रूप में हो)
29.	पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ पत्र सं. एस-16981 दिनांक 28.11.1980	प्रथमा मध्यमा शास्त्री आचार्य	प्राज्ञ विशारद शास्त्री आचार्य
30.	श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय पत्र सं. 5163/84/एस.जे.एस.बी. दिनांक 10.8.84	प्रथमा पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	प्रथमा मध्यमा उपशास्त्री शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति
31.	बरहामपुर विश्वविद्यालय/भंज विहार, बरहामपुर, जिला-गंजाम उड़ीसा पत्र सं. 5131/शैक्षिक-II/बी यू/84 दिनांक 16.4.84 सं 5/01/शैक्षिक-I दिनांक 3.6.2005	शास्त्री आचार्य शिक्षा शास्त्री	बी.ए. (पास) एम.ए. (संस्कृत) बी.एड.
32.	उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर (उड़ीसा) पत्र सं. ए सी/आर एम/171ए/16292 दिनांक 31.3.84, ए सी/ मान्यता/सामान्य/ए-16178/84 दिनांक 29.3.84	आचार्य शिक्षा-शास्त्री	एम.ए. (संस्कृत) बी.एड.

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
33.	त्रिभुवन विश्वविद्यालय मछली टेकू, काठमांडू, नेपाल पत्र सं. 372/04 दिनांक 19.9.84	प्राक्शास्त्री शास्त्री	उत्तरमध्यमा शास्त्री
34.	संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी पत्र सं. जी-458/4019/74-85 दिनांक 28.5.85	प्रथमा/पूर्वमध्यमा प्राक्शास्त्री/उत्तरमध्यमा शास्त्री/आचार्य शिक्षा-शास्त्री/शिक्षा-आचार्य	प्रथमा/पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा शास्त्री/आचार्य शिक्षा-शास्त्री/शिक्षा-आचार्य
35.	भोपाल विश्वविद्यालय, भोपाल पत्र सं. 1112/बी यू/शैक्षिक/85 दिनांक 15.3.85	शास्त्री/आचार्य शिक्षा-शास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए./एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्
36.	संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी पत्र सं. शै.-1722/92 दिनांक 22.12.92	आचार्य विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) वाचस्पति (डी.लिट्)	आचार्य विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) वाचस्पति (डी.लिट्)
37.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र पत्र सं.-एसीएम/II/137/92/32489 दिनांक 28.12.92	शास्त्री (अंग्रेजी विषय के साथ)	बी.ए. (पास) टी डी सी (10+1+3 योजना के अंतर्गत) परंतु विद्यार्थी को अंग्रेजी विषय के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए।
		शास्त्री आचार्य	शास्त्री एम.ए. (यदि विद्यार्थी बी.ए. अंग्रेजी विषय के साथ पास हुआ हो)
38.	गांधीजी विश्वविद्यालय, कोट्टायम् सं.एसी.ए. I/3/305/86 (3) दि. 24.10.86	प्राक्शास्त्री तथा उत्तरमध्यमा शास्त्री शिक्षाशास्त्री आचार्य विद्यावारिधि एवं वाचस्पति	प्री.डिग्री (संस्कृत) बी.ए. (संस्कृत) बी.एड. एम.ए. पी.एच.डी.
39.	मणिपुर विश्वविद्यालय कांचीपुर, इम्फाल सूचना दिनांक 3 जनवरी, 1992	शास्त्री (अंग्रेजी सहित)	बी.ए.
40.	अजमेर विश्वविद्यालय, अजमेर पत्र सं. एफ 14 (193) शैक्षिक-II/यू ओ ए/92/3400/3506 दिनांक 6 फरवरी, 1992	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.

क्रमशः....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
41.	नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर, द्वारा सं. परीक्षा/मान्यता/ए/3667 दिनांक 1.4.78	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. भाग I में प्रवेश प्राप्ति हेतु)
42.	उदयपुर विश्वविद्यालय, उदयपुर, द्रष्टव्य सं. ई/3013 दिनांक 13.5.75	शास्त्री	बी.ए. (यदि बी.ए. स्तर के अंग्रेजी विषय में उत्तीर्ण)
		आचार्य	एम.ए. (यदि बी.ए. स्तर का अंग्रेजी विषय उत्तीर्ण हो)
43.	ओसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, द्रष्टव्य सं. 1866/1-942/II/शैक्षिक दिनांक 20.4.73 सं. 265/एल/2001/शै.दि. 27.1.2001	शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि शिक्षाशास्त्री	बी.ए. एम.ए. पी-एच.डी. बी.एड.
44.	महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक, द्रष्टव्य सं. ए सी-/III/आर./81/2472 दिनांक 2.3.81	शास्त्री और आचार्य	उपलब्ध उच्चतर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु
45.	हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी, द्रष्टव्य सं.ए.पी.बी./10000/472/प्रकाश/25-9-03 दिनांक 19.5.05	पूर्व मध्यमा उत्तर मध्यमा/प्राक् शास्त्री	मैट्रिक सीनियर सेकण्डरी
46.	शिक्षा निदेशक, दिल्ली एफ-32/1/25/शिक्षा/72 दिनांक : 28.8.72	प्रथमा मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा शास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	मिडिल स्कूल उच्च माध्यमिक बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्.
47.	शिक्षा निदेशक, मणिपुर II/3/71-एस.ई. दि. 30 अगस्त 1972	-वही-	-वही-

संलग्नक-ज

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय में कर्मचारियों की अनुभागवार कार्यरत संख्या

1. शैक्षणिक अनुभाग

I	अनुभाग अधिकारी	1
II	शोध सहायक	1
III	अवर श्रेणी क्लर्क (लिपिक)	1
IV	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	1

2. शोध एवं प्रकाशन अनुभाग

I	सहआचार्य	1
II	शोध सहायक	2
III	अवर श्रेणी लिपिक	1

3. दूरस्थ शिक्षा विभाग

I	सहआचार्य	1
II	सहायकाचार्य	4
III	शोध सहायक	2
IV	कनिष्ठ श्रेणी लिपिक	2

4. परीक्षा अनुभाग

I	सहआचार्य	1
II	सहायक कुलसचिव	1
III	अनुभाग अधिकारी	1
IV	अनुदेशक	1
V	सहायक	2
VI	कनिष्ठ श्रेणी लिपिक	4
VII	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	2

5. प्रशासन अनुभाग

I	अनुभाग अधिकारी	2
II	सहायक	5
III	प्रवर श्रेणी लिपिक	3

क्रमशः....

IV	अवर श्रेणी लिपिक	5
V	चतुर्थ श्रेणी/चौकीदार	11
6.	**वित्त अनुभाग**	
I	लेखा अधिकारी	1
II	अनुभाग अधिकारी	1
III	सहायक	1
IV	प्रवर श्रेणी लिपिक	1
V	अवर श्रेणी लिपिक	2
VI	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	2
7.	**योजना अनुभाग**	
I	अनुभाग अधिकारी	1
II	सहायक	2
III	प्रवर श्रेणी लिपिक	1
IV	अवर श्रेणी लिपिक	1
8.	**पुस्तकालय**	
I	पुस्तकालयाध्यक्ष	1
II	पुस्तकालय सहायक	1
III	अवर श्रेणी कर्मचारी	1
9.	**आदर्श पाठशाला योजना एकक**	
I	अनुभाग अधिकारी	1
II	सहायक	1
III	चतुर्थ कर्मचारी	1
10.	**छात्रवृत्ति अनुभाग**	
I	अनुभाग अधिकारी	1
II	सहायक	1
III	अवर श्रेणी लिपिक	1
IV	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	1
11.	**कुलपति एवं कुलसचिव कार्यालय**	
I	निजी सचिव	2
II	अनुभाग अधिकारी	2
III	अवर श्रेणी लिपिक	2
IV	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	3

12.	**पत्राचार पाठ्यक्रम**	
I	सहायक कुलसचिव	1
II	शोध सहायक	1
III	सहायक	1
IV	अवर श्रेणी लिपिक	1
13.	**विक्रय**	
I	विक्रय सहायक	1
14.	**पालि**	
I	विकास अधिकारी	1
II	वरिष्ठ शोध अध्येता	1
III	कनिष्ठ शोध अध्येता	2
15.	**प्राकृत**	
I	वरिष्ठ शोध अध्येता	1
II	कनिष्ठ शोध अध्येता	1

संलग्नक-झ

सम्बद्ध राज्य सरकारों के माध्यम से प्रेषित आवेदनों के आधार पर जिन स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों को वर्ष 2010-11 के मध्य वार्षिक अनुदान स्वीकृत किया गया, उनकी राज्यवार संख्या का विवरण

क्रमांक	राज्य	संगठनों की संख्या
1.	आन्ध्र प्रदेश	19
2.	असम	1
3.	बिहार	29
4.	दिल्ली	11
5.	गुजरात	6
6.	हरियाणा	29
7.	हिमाचल प्रदेश	3
8.	जम्मू और कश्मीर	2
9.	झारखण्ड	3
10.	कर्नाटक	24

क्रमशः....

संलग्नक-झ (क्रमशः....)

क्रमांक	राज्य	संगठनों की संख्या
11.	केरल	25
12.	मध्य प्रदेश	29
13.	महाराष्ट्र	16
14.	मणिपुर	4
15.	उड़ीसा	13
16.	पाण्डिचेरी	1
17.	पंजाब	8
18.	राजस्थान	34
19.	सिक्किम	19
20.	तमिलनाडु	22
21.	उत्तर प्रदेश	179
22.	उत्तराखंड	58
23.	पश्चिम बंगाल	268
	कुल	**802**

संलग्नक-ञ

संस्थान की वित्तीय सहायता से प्रकाशित प्रकाशनों का विवरण

क्रमांक	अनुदानप्राप्तकर्ता/लेखक	शीर्षक	प्रकाशक	प्रदत्त अनुदानराशि (रुपयों में)
1.	डॉ. रविशंकर शुक्ल	मधुसूदन्य तत्वावधानम्	मान्यता प्रकाशन, दिल्ली	11,483
2.	डॉ. शंकरलाल शास्त्री	राजस्थान की संस्कृत सम्पदा समीक्षात्मकम् अध्ययनम्	रचना प्रकाशन, जयपुर	79,412
3.	डॉ. रमेश चन्द्र पण्डया	त्रिरत्न ज्योतिष दर्शन	अग्रवाल प्रिंटर, उदयपुर	53,835
4.	डॉ. कीर्ति वल्लभ सावंत	रंगवीथि	मान्यता प्रकाशन, दिल्ली	16,906
5.	डॉ. गोवर्धन विश्नोई	वैदिक संस्कृत परिप्रेक्ष्ये जम्भवाण्या	अनुभव प्रिंटिंग प्रैस, हरिद्वार	18,346
6.	डॉ. देशराज शर्मा	कौषीतकगृहासूत्र समीक्षा	प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली	33,619
7.	डॉ. रामाशीष पाण्डेय	यास्ककालीन भारतवर्ष	प्रबोध संस्कृत प्रकाशन, रांची	33,498

क्रमांक	अनुदानप्राप्तकर्ता/लेखक	शीर्षक	प्रकाशक	प्रदत्त अनुदानराशि (रुपयों में)
8.	डॉ. सुखमय भट्टाचार्य	भाषापरिक्रमा	विवेक मुद्रणम्, शिलचर	26,938
9.	डॉ. सनन्दन कुमार त्रिपाठी	मृच्छकीटस्य धर्मशास्त्रीय समीक्षा	नाग पब्लिकेशन्स, दिल्ली	21,118
10.	डॉ. निरंजन दास	साहित्यदर्श	भक्तिप्रकाशन	10,498
11.	डॉ. शिवसागर त्रिपाठी	भ्रष्टाचार सत्पशती	देवनागर प्रकाशन, जयपुर	17,958
12.	डॉ. कमलेश कुमार	संस्कृत साहित्य में यथार्थ	कादम्बरी प्रकाशन	28,167
13.	निदेशक, साहित्य अध्ययन संस्थान, राजस्थान	नारायण विलास	कैलाश प्रिंटर, उदयपुर	27,074
14.	आचार्य विद्याधर दीक्षित, मृदुल	अथ पुत्रेष्टि नाटकम् एवं चिन्हम कपोल कल्पितम् क्षेमकुतूहम	शारदा प्रैस, कानपुर	17,252
15.	डॉ. जी.जी. गंगाधरन	क्षेमकुतूहम	नवभारत प्रेस	46,090
16.	संस्कृत शोध अकादमी	विशिष्टाद्वैत कोशः भाग 9-10	नवभारत प्रेस	91,223
17.	प्रो. रहस विहारी द्विवेदी	तीर्थभारतम्	डी.पी. प्रिंटर	17,439
18.	प्रो. किशोर चन्द्र दास	मम् सत्यप्रयोग कथा (आत्मचरितम्)		51,225
190	श्री सतीश आर्य	पातञ्जल योग दर्शन		1,22,860
20.	डॉ. सुधांशु शेखर भट्टाचार्य	नेपाल राजबधम्		43,045
21.	डॉ. एन.लक्ष्मीनारायण भट्ट	साहित्यवल्लरी		26,485
22.	डॉ. शीतल प्रसाद पाण्डेय	वैखानस आगम : एक अध्ययनम्		17,490
23.	डॉ. बी.पी.टी. वागीश शास्त्री	अनिरूद्ध चम्पू काव्यम्		44,411

संलग्नक-ट

प्रकाशन-अनुदान हेतु संस्वीकृत प्रस्तावों का विवरण

क्रमांक	आवेदक का नाम व पता	शीर्षक	रचना की अनुमानित लागत
1.	डॉ. लक्ष्मी नारायण भट्ट उडुपी, कनार्टक	साहित्यवल्लरी	58,000
2.	स्वामी ब्रह्मनानेन्द्र सरस्वती शिमोगा, कनार्टक	बोध सुधातरंगाणि	18,600
3.	डॉ. हेतीलाल त्रिपाठी मथुरा, उत्तर-प्रदेश	वैष्णवपुराणेसु भक्तिस्वरूपम्	84,420
4.	डॉ. एन. रंगनाथ शर्मा बेंगलूरू, कनार्टका	काव्योध्यानम्	35,000
5.	स्वामी ब्रह्मनानेन्द्र सरस्वती शिमोगा, कनार्टक	गीता तत्वार्थकारध	31,034
6.	सत्यानन्द शुक्ला फतेहपुर, उत्तर-प्रदेश	उदटकानम् मध्यकाव्य	65,000
7.	डॉ. लाल शंकर गयावल भरतपुर, राज्यस्थान	पाणिनी से पतंजलि तक संस्कृत भाषा का विकास	51,425
8.	श्री बालाकान्त झा सीतामणि, बिहार	स्त्रोत-कुसुमंजलि	40,614

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) से वार्षिक अनुदान प्राप्तकर्ता आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों का विवरण

1. कालीकट
आदर्श संस्कृत विद्यापीठ,
पो. बालुसरी,
जिला-कोजीकोड,
केरल-673612

2. श्री रंगलक्ष्मी
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
वृन्दावन, उत्तर प्रदेश-281121

3. हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ,
पो. बघोला, (पलवल),
जिला-फरीदाबाद,
हरियाणा

4. वैदिक संशोधन मंडल,
तिलक विद्यापीठ,
गुलटेकड़ी,
पुणे-400037

5. जे.एन.बी. आदर्श
संस्कृत महाविद्यालय,
पो. लगमा, वाया-लोहना रोड,
जिला-दरभंगा,
बिहार-847407

6. श्री भगवानदास आदर्श
संस्कृत महाविद्यालय,
पो. गुरुकुल कांगड़ी,
जिला-हरिद्वार,
उत्तराञ्चल

7. मद्रास संस्कृत कॉलेज
एवं एस.एस.वी. पाठशाला
84, रोयपेटा हाई रोड,
मइलापुर, चेन्नई-600004,
तमिलनाडु

8. लक्ष्मी देवी सर्राफ
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
काली रेखा, जिला-देवघर,
झारखण्ड-814112

9. श्री एकरसानन्द
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
जिला-मैनपुरी,
उत्तर प्रदेश-205001

10. मुम्बा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय
द्वारा भारतीय विद्या भवन,
के.एम. मुंशी मार्ग, मुम्बई
महाराष्ट्र-400007

11. एस.डी. आदर्श संस्कृत कॉलेज,
डोहगी, जिला-ऊना,
हिमाचल प्रदेश-174307

12. हिमाचल आदर्श संस्कृत महाविद्यालय
जांगला (रोहड़ू), जिला-शिमला
हिमाचल प्रदेश-171207

13. श्री दीवान कृष्ण किशोर
एस.डी. आदर्श संस्कृत कॉलेज,
अम्बाला कैंट, हरियाणा-133001

14. राजकुमारी गणेश शर्मा
संस्कृत विद्यापीठ, कोलहन्टा, पटोरी, जिला-दरभंगा,
बिहार-846003

15. पूर्णप्रज्ञा संशोधन मंदिरम,
काठीगुप्पा मेन रोड, बंगलोर,
कर्नाटक-560028

16. स्वामी प्राङ्कुशाचार्य आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
हुलासगंज, गया,
बिहार-804407

क्रमशः....

17. श्री सीताराम वैदिक
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
7/2 पी.डब्ल्यू.डी. रोड,
कोलकाता-700035
पश्चिम बंगाल

18. रामजी मेहता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
मालीघाट, मुजफ्फरपुर,
बिहार-842001

19. कालियाचक विक्रम किशोर
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
ग्राम-कालियाचक, पो. हरिया
जिला-पूर्वमेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल-721430

20. रानी पद्मावती तारा योग तन्त्र
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
इन्द्रपुर (शिवपुर), वाराणसी
उत्तर प्रदेश-221003

21. संस्कृत अकादमी
(शोध संस्थान)
ओसमानिया यूनिवर्सिटी,
हैदराबाद, आन्ध्र प्रदेश

22. अहोबिला मठ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय
मदुरान्तकम्, चेन्नई (तमिलनाडु)

23. चिन्मय इंटरनेशनल फाउंडेशन शोध संस्थान
वेलियानाद, एरनाकुलम् (केरल)

24. श्री रामसुन्दर संस्कृत विश्वविद्या प्रतिष्ठान
लक्ष्मीनाथ नगर, रामोली-सेलोन
वाया-बहेडा, जिला-दरभंगा
बिहार-847201

25. राधा माधव संस्कृत महाविद्यालय,
नाम्बोल,
मणिपुर-795134

आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान

31 मार्च 2011 को समाप्त वर्ष के लिए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के लेखों पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की पृथक् लेखा-रिपोर्ट

हमने राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के 31 मार्च, 2011 के संलग्न तुलनपत्र और 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखों/प्राप्ति एवं भुगतान लेखों की लेखा-परीक्षा, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कार्य, शक्तियाँ व सेवा शर्तें) अधिनियम की धारा 20 (1) के अन्तर्गत सम्पन्न की हैं। लेखा-परीक्षा 2012-13 तक की अवधि के लिए सौंपी गई हैं। ये वित्तीय विवरण संस्थान के कार्यकर्ताओं का उत्तरदायित्व है। इन वित्तीय विवरणों में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के 10 एककों के लेखे सम्मिलित हैं। हमारा उत्तरदायित्व इन वित्तीय विवरणों का लेखा-परीक्षा के आधार पर मूल्यांकन प्रकट करना है।

2. इस पृथक् लेखा-परीक्षा रिपोर्ट में भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सी.ए.जी.) की टिप्पणी केवल लेखा-विवेचन पर है जो श्रेष्ठ लेखा रीतियों, लेखा-मानकों एवं प्रकटन मानदंडों आदि सहित वर्गीकरण समनुरूपता से सम्बद्ध हैं। विधि, नियम तथा विनियम (उपयुक्तता और नियमितता) के अनुपालन से संबधित वित्तीय लेन-देन तथा कार्यक्षमता-सह-निष्पादन पहलुओं आदि पर लेखा-परीक्षा टिप्पणी कोई हो, निरीक्षण रिपोर्टों/सी.ए.जी. की लेखा-परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से पृथक् रूप से सूचित की जाती है।

3. हमने अपनी लेखा-परीक्षा सामान्यत: भारत में स्वीकृत लेखा-परीक्षा मानकों के अनुरूप सम्पन्न की है। इन मानकों में अपेक्षित है कि वित्तीय विवरणों के आर्थिक, अयथार्थ विवरणों से मुक्त होने के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए हम लेखा-परीक्षा आयोजित एवं सम्पन्न करें। लेखा-परीक्षा के वित्तीय विवरणों में राशियों तथा प्रकटन समर्थक साक्ष्यों की नमूना आधार पर जांच शामिल है। प्रयुक्त लेखा-सिद्धान्तों तथा प्रबन्धन द्वारा किए गए महत्त्वपूर्ण प्राक्कलनों और वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी लेखा-परीक्षा में अन्तर्विष्ट है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखा-परीक्षा हमारे विचार को उचित आधार प्रदान करती है।

4. हमारी लेखा-परीक्षा के आधार पर हम सूचित करते हैं कि:-

(i) हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार हमने लेखा परीक्षा के लिए आवश्यक समस्त सूचना एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं।

(ii) इस प्रतिवेदन के तुलन-पत्र, आय एवं व्यय लेखे/प्राप्ति एवं भुगतान लेखे भारत सरकार वित्त मन्त्रालय द्वारा निर्धारित फार्मेट में तैयार **नहीं** किए गए हैं।

(iii) हमारा विचार है कि राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने उचित लेखा बहियों तथा अन्य सम्बद्ध रिकार्डों का अनुरक्षण किया है। हमारे द्वारा अब तक परीक्षित ऐसी बहियों से यहीं प्रकट होता है।

(iv) हम आगे सूचित करते हैं कि:-

क. **तुलन-पत्र**

क.1 स्थायी परिसम्पत्तियाँ

क.1.1 निवेश

वित्त मंत्रालय, भारत सरकार की अधिसूचना सं. - 5/38/2006 - ई.पी.आर., दिनांकित 14.8.08 ने भविष्य निधि का निवेश करने के लिये निर्धारित स्वरूप नियत किया है। तथापि राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने भविष्य निधि का सम्पूर्ण धन 15.88 करोड़ रु. केवल बैंक में सावधि जमा के रूप में जमा करा दिया है।

क्रमशः....

क.1.2 बैंक में रोकड़

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मुख्यलाय) द्वारा प्रचालित दूरस्थ शिक्षा एवं विश्व संस्कृत सम्मेलन का क्रमशः रूपये 2,99,805/- और रू 4,68,533/-, 31.03.2011 के तुलन पत्र में न होने के फलस्वरूप रू 7,68,338/- की परिसम्पतियों में न्यूनोक्ति है।

ख. सामान्य

ख.1 सामान्य भविष्य निधि खाता- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का सामान्य भविष्य निधि लेख निम्नलिखित अनियमितताओं के कारण संस्थान की वास्तविक स्थायी परिसम्पतियों एवं देनदारियों को प्रस्तुत नही करता है।

* सामान्य भविष्य निधि के तुलन पत्र में मूलधननिधि को योगदानकर्त्ताओं के प्रति कुल देनदारियों के आधार पर मूल विवरण के अनुसार नहीं बनाया गया है अर्थात् योगदानकर्त्ताओं से प्राप्त कुल योगदान, योगदान कर्त्ताओं को देय/प्रदत्त ब्याज, अग्रिम एवं निकासी का समायोजन, इत्यादि। इसके स्थान पर निवेश तथा बैंक शेष को मूलधन निधि के रूप में लिया गया है। इसलिए सामान्य भविष्य निधि के खाते में अधिशेष घाटा सामान्य भविष्य निधि के खाते पर योगदानकर्त्ता की ओर कुल देयता लेखा परीक्षा में सत्यापित नहीं किया जा सकता है।

* राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुम्बई परिसर में रु. 11.99 लाख (अनन्तिम राशि) का गबन हुआ, जिसमें से रु. 6.28 लाख की राशि मुख्य लेखे में डाल दी गई है और तुलन-पत्र में रु. 5.69 लाख समायोजनाधीन के रूप में एवं रु. 0.59 लाख 'वसूली योग्य अग्रिमों' के अन्तर्गत दिखाए गए हैं। सामान्य भविष्य निधि से सम्बन्धित रु. 5.71 लाख की शेष राशि को हिसाब में सम्मिलित नहीं किया गया है। वर्ष 2009-10 के दौरान रूपये एक लाख की वसूली हुई जो कि लेखे में दर्शाया गया है। वर्ष 2010-11 में कोई भी वसूली नहीं हुई। अपील प्राधिकारी के निर्णय की अभी प्रतीक्षा है।

समेकित तुलन - पत्र की परिसम्पतियों में गबन राशि (नकद) के बदले रू 59122/- की राशि (नकद) के रूप में पिछले वर्ष में दर्शाया गया है।

* वर्ष के दौरान सामान्य भविष्य निधि निवेश पर अर्जित ब्याज को सामान्य भविष्य निधि खाते से मुख्य खाते में स्थानान्तरित कर दिया गया है और उसे संस्थान की आय की तरह दर्शाया गया है तथा इसी प्रकार वर्ष के लिये योगदानकर्त्ताओं को देय ब्याज को मुख्य खाते में व्यय के रूप में डाल दिया गया है, जो एक उचित प्रक्रिया नहीं है। सामान्य भविष्य निधि खाते के कार्यविवरणों को मुख्य खाते में समाहित नहीं किया जाना चाहिये। सामान्य भविष्य निधि खाते का अधिशेष/घाटा सामान्य भविष्य-निधि तुलन पत्र में पृथक् रूप से दिखाया जाना चाहिये।

वर्ष 2010-11 के दौरान 0.20 करोड़ रूपये का ब्याज सामान्य भविष्य निधि खाते से मुख्य खाते में स्थानान्तरित किया गया है जिसके विपरीत 0.55 करोड़ रूपये की धनराशि मुख्य खाते में व्यय के रूप में ''सामान्य भविष्य निधि योगदान पर ब्याज'' में डाल दी गयी है। जिसका परिणाम आय की अत्युक्ति तथा मुख्य खाते में 0.35 करोड़ रुपये का अधिशेष हुआ है।

* सामान्य भविष्य निधि एवं नई पेंशन योजना के प्राप्तियां एवं भुगतान के खाते तैयार नहीं किये गये है।

* संस्थान के शृंगेरी परिसर द्वारा परिसम्पतियों में रू 15.43 लाख की अन्तिम निकासी दर्शायी गयी है। फलस्वरूप तुलन - पत्र में समान राशि की न्यूनोक्ति राशि परिसम्पतियों में है।

ख.2 संस्थान ने अपना लेखा उपचय आधार के बजाय नकदी आधार पर तैयार किया है। जो कि वित्त मंत्रालय द्वारा निर्धारित स्वायत्त संस्थाओं के लेखा के सामान्य प्रारूप के अनुसार नहीं है।

क्रमशः....

ग. सहायता अनुदान

वर्ष 2010-11, में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय से कुल रु. 88.48 करोड़ (योजना रु. 51.50 करोड़ तथा योजनेत्तर रु. 36.98 करोड़) का अनुदान प्राप्त किया जिसमें से रु. 16.76 करोड़ (योजना रु. 11.50 करोड़, और योजनेत्तर रु. 5.26 करोड़) मार्च 2011 में प्राप्त किये गये। संस्थान द्वारा पूर्व वर्ष का रू. 2.68 करोड़ (योजना रु. 0.89 करोड़ तथा योजनेत्तर रु. 1.79 करोड़) अव्ययित शेष था। संस्थान ने रु. 2.75 करोड़ (योजना रु. 0.43 करोड़ और योजनेत्तर रु. 2.33 करोड़) की आय अपने स्रोतों से अर्जित की। रु. 93.91 करोड़ के कुलधन में से, संस्थान ने रु. 89.70 करोड़ (योजना : रु. 50.17 करोड़ तथा योजनेत्तर : रु. 39.53 करोड़) का उपयोग किया।

घ. प्रबन्धन पत्र

उपचारी/सुधारात्मक कार्यवाही के लिए पृथक् प्रबन्धन-पत्र जारी किया गया। उसमें उन कमियों की सूचना कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को दी गई जिन्हें लेखा-परीक्षा रिपोर्ट में सम्मिलित नहीं किया गया है।

(v) पूर्ववर्ती पैराग्राफों की हमारी टिप्पणी के अधीन, हम सूचित करते हैं कि रिपोर्ट से सम्बन्धित तुलन-पत्र और आय-व्यय लेखा/प्राप्ति एवं भुगतान लेखा की लेखा बहियों से अनुरूपता है।

(vi) हमारे विचार में तथा हमें उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार उक्त वित्तीय विवरण, लेखांकन नीतियों और खातों पर टिप्पणी के साथ मिलकर करें। उपर्युक्त महत्त्वपूर्ण मामलों एवं प्रस्तुत लेखा-परीक्षा रिपोर्ट के संलग्नक में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन, भारत में स्वीकृत लेखांकन सिद्धान्तों के समनुरूप सत्य एवं स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं।

(अ) जहाँ तक यह 31 मार्च 2011 के अनुसार राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कार्यकलापों के तुलनपत्र से सम्बद्ध है; एवं

(ब) जहां तक यह उक्त दिनांक को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष के आय-व्यय लेखे से संबद्ध है।

कृते एवं की ओर से

स्थान - नई दिल्ली
दिनांक - 03-11-2011

ह०
महानिदेशक लेखा-परीक्षा
केन्द्रीय व्यय

नोटः **'प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक् लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।'**

क्रमशः....

लेखा-परीक्षा रिपोर्ट का संलग्नक

1. **आन्तरिक लेखा-परीक्षा की पर्याप्तताः**

आन्तरिक लेखा-परीक्षा कक्ष राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान में नही है और न ही मन्त्रालय द्वारा आयोजित किया जा रहा है। वर्ष 2009-10 के दौरान संस्थान की दस इकाइयों के आन्तरिक लेखा परीक्षा मुख्यालय के द्वारा किया गया था। लेकिन ऐसी कोई लेखा-परीक्षा 2010-11 के दौरान नही आयोजित की गई।

2. **आन्तरिक नियन्त्रण-प्रणाली की पर्याप्तता :**

नियन्त्रण वातावरण

वित्त अधिकारी का आवश्यक पद 2002 से रिक्त पड़ा है।

मानीटर

लेखा-परीक्षा की आपत्तियों के प्रति प्रबन्धन की अनुक्रिया प्रभावकारी नहीं है। 2001-02 से 2010-11 तक की अवधि के लिए 28 पैराग्राफ बकाया हैं।

3. **स्थायी परिसम्पत्तियों के प्रत्यक्ष सत्यापन की प्रणाली**

स्थायी परिसम्पत्तियों का प्रत्यक्ष सत्यापन 2010-11 में किया गया है।

4. **सामान-सूची के प्रत्यक्ष सत्यापन की प्रणाली**

पुस्तकों एवं प्रकाशन का प्रत्यक्ष सत्यापन 1988 से नहीं किया गया है।

लेखन एवं उपभोज्य सामग्रीयों का प्रत्यक्ष सत्यापन अगस्त 2010 में किया गया है।

5. **सांविधिक देय राशि के भुगतान की नियमितता**

31-3-2011 को उपलब्ध लेखा के अनुसार सांविधिक देय से सम्बन्धित कोई भी भुगतान छः महीने से अधिक समय तक बकाया नहीं था।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

31 मार्च 2011 की समेकित प्राप्तियों एवं भुगतान का विवरण

राशि रुपयों में

प्राप्तियाँ	अनुसूची	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1. पूर्व बकाया			
a) हाथ में रोकड़		328976.00	338370.00
b) बैंक में जमा			
i) बचत खाता		26498983.00	35090437.00
c) यू.जी.सी. से अनुदान		214790.00	846790.00
II. अनुदान प्राप्ति			
a. भारत सरकार से प्राप्त		884800000.00	851000000
संस्थान से प्राप्त		0.00	
III. निवेश पर ब्याज			
a. अक्षय निधि		14697.00	50918.00
b. सावधि जमा		0.00	
IV ब्याज की प्राप्ति			
a. बचत खाता		0.00	
b. ऋण पर/अग्रिम (कर्मचारी)		0.00	
c. जी.पी.एफ पर निवेश		0.00	
d. नयी पेंशन योजना पर		0.00	
V. अन्य आय		0.00	
a. छुट्टी वेतन एवं पेंशन अंशदान (यदि कोई हो)	(1)	805201.00	
b. प्रकाशनों की बिक्री			
b.1. मंत्रालय	(1)	477973.00	407995.00
b.2. संस्थान		1937392.00	1506797.00
c बिक्री/नीलामी की प्रक्रिया		0.00	
d सी.सी. की प्राप्ति		192628.00	
e. परीक्षा से प्राप्ति		3132715.00	
f. पू.शि.शा. परीक्षा		3233805.00	
g. ज्ञान दर्शन	(1)	241761.00	
h. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र	(1)	1102744.00	
VI. अन्य प्राप्तियाँ			
a. प्रेषित राशि	(1)	79267548.00	94089794.00
b. यू.जी.सी. (जे.आर.एफ./एस.आर.एफ.)		2002949.00	
c. आई.जी.पी.जी. छात्रवृत्ति		0.00	
d. वापसी (ऋण एवं अग्रिम कर्मचारी)	(1)	15292883.00	12055022.00

भुगतान	अनुसूची	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
I. व्यय			
a. स्थापना व्यय	(2)	324009760.00	346191061.00
b. प्रशासन व्यय	(2)	103686829.00	75054998.00
II. विभिन्न परियोजनाओं/योजनाओं के लिए भुगतान			
a. योजनाएँ/परियोजनाएँ	(2)	395343313.00	383552320.00
b. परिसरों के लिए निर्गत अनुदान		0.00	
III. सावधि परिसंपत्तियों एवं कार्य पूँजी पर व्यय - प्रगति पर			
a. सावधि जमा का क्रय	(2)	13118070.00	16537676.00
b. पूंजी कार्य पर व्यय - प्रगति पर	(2)	62871432.00	80045247.00
IV अन्य भुगतान			
a. प्रेषित राशि	(2)	78746308.00	93049746.00
b. यू.जी.सी. (जे.आर.एफ./एस.आर.एफ.)	(2)	243196.00	
c. आई.जी.पी.जी. छात्रवृत्ति		0.00	
d. अग्रिम/निकासी - जी.पी.एफ.		0.00	
e. अन्य परिसरों को शेष जी.पी.एफ. - स्थानान्तरित		0.00	
f. नई पेंशन योजना		0.00	
g. एफ.डी.आर. पुनः निवेशित/क्रय		154226.00	460144.00
h ब्याज पर भुगतान		0.00	
i. बैंक प्रभार		0.00	
j. ऋण एवं अग्रिम कर्मचारी	(2)	15061530.00	10991834.00
k. मुख्य लेखा में जी.पी.एफ. ब्याज स्थानान्तरित		0.00	
V. अन्तिम शेष			
a. हाथ में रोकड़	(2)	294137.00	328976.00
b. बैंक नकद	(2)	42511570.00	26713773.00
i.) स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया		0.00	
i.) अन्य		0.00	

क्रमश......

संलग्नक-ठ (क्रमश.........)

e. दान (यदि कोई)		0.00							
f. भविष्य निधि अंशदान									
i. अंशदान वापसी		0.00							
ii. अन्य परिसरों से स्थानान्तरित		0.00							
iii. मुख्यलेखा से जी.पी.एफ. - ब्याज हस्तान्तरित	(1)	2019177.00							
g डोएक सोसाइटी	(1)	45401.00							
h अन्य विविध प्राप्तियाँ	(1)	14262578.00	37030426.00						
i. सावधि जमा योजना (अक्षय निधि)		168170.00	409226.00						
j. नई पेंशन योजना - योगदान		0.00							
i. सरकारी		0.00							
ii कर्मचारी		0.00							
VII. गवन राशि की वापसी		0.00	100000.00						
कुल योग		1036040371.00	1032925775.00				कुल योग	1036040371.00	1032925775.00

* अवकाश वेतन एवं पेंशन योगदान तथा प्राक् शिक्षा शास्त्री परीक्षा।

ह०	ह०	ह०
अनुभाग अधिकारी	उप निदेशक (वित्त)	कुलसचिव

क्रमश......

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

31 मार्च 2011 तक समेकित आय एवं व्यय का लेखा

राशि रुपयों में

आय	अनुसूची	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
I. अनुदान/		884800000.00	754417077.00
II. निवेश पर आय			
a. अक्षय निधि पर ब्याज (दान)		0.00	0.00
b. सा॰ जमा पर ब्याज		0.00	0.00
c. उपार्जित ब्याज		0.00	0.00
III. अर्जित ब्याज			
a. बचत खाता पर		0.00	0.00
b. ऋण/अग्रिम (कर्मचारी) पर		0.00	0.00
IV. अन्य आय			
a. प्रकाशनों की विक्रय	(1A)	2415365.00	1914792.00
b. सी.सी. प्राप्ति	(1A)	192628.00	149445.00
c. परीक्षा प्राप्ति	(1A)	3132715.00	3388409.00
d. पू.शि.शा. परीक्षा	(1A)	3233805.00	1192055.00
e. विक्रय/नीलामी की प्रक्रिया	(1A)	0.00	0.00
f. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र	(1A)	1102744.00	1416847.00
g. ज्ञान दर्शन	(1A)	241761.00	132780.00
h. डोएक सोसाइटी	(1A)	45401.00	0.00
h. अवकाश वेतन एवं पेंशन अंशदान	(1A)	805201.00	722377.00
i. जी.पी.एफ. से मुख्य लेखा में ब्याज स्थानांतरित	(1A)	2019177.00	20815998.00
j. अन्य स्रोतों से प्राप्ति		0.00	801315.00
k. पुस्तकालय		0.00	67.00
l. के.लो.नि.विभाग से वापसी		0.00	37608.00
V. अन्य विविध प्राप्तियाँ	(1A)	14262578.00	8373525.00
कुल योग (A)		912251375.00	793362295.00
व्यय			
1. स्थापना व्यय	(2A)	324009760.00	346191061.00
2. अन्य प्रशासनिक व्यय	(2A)	103686829.00	112648572.00
3. विविध परियोजनाओं / योजनाओं के लिए भुगतान			
a. योजनाएँ / परियोजनाएँ	(2A)	385789277.00	337959566.00
b. परिसरों के लिए अनुदान निर्गत		0.00	0.00
4. बैंक प्रभार		0.00	0.00
5. जी.पी.एफ. लेखा पर प्रदत्त ब्याज		0.00	0.00
6. मूल्य ह्रास	(3)	21903814.00	41080005.00
कुल योग (B)		835389680.00	837879204.00
अधिक व्यय पर अधिक आय शेष (ए-बी)		76861695.00	
अधिक आय पर अधिक व्यय शेष (ए-बी)			44516909.00
		76861695.00	

ह॰ अनुभाग अधिकारी — ह॰ उप निदेशक (वित्त) — ह॰ कुलसचिव

(158)

क्रमश......

संलग्नक-ठ (क्रमश.........)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

31 मार्च 2011 का समेकित तुलन पत्र

राशि रुपयों में

समग्र/पूंजी निधि एवं देनदारियाँ	अनुसूची	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1. समग्र/पूंजी निधि	(4)	803640169.00	743279092.00
2. चिह्नित / अक्षय निधि (दान)	(5)	509778.00	2744106.00
3. वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	(6)	7436440.00	13675645.00
4. जी.पी.एफ. देयता		187014167.00	175340843.00
5. मुम्बई - परीसरीय देयता		100000.00	100000.00
6. नई पेंशन योजना		9975909.00	14951084.00
7. विद्यार्थी निधि		3222815.00	1578454.00
8. अक्षय निधि (गुरुवायूर)		173334.00	0.00
9. सावधि जमा (भविष्य निधि)	(7)	17075691.00	0.00
कुल योग		**1029148303.00**	**951669224.00**
परिसम्पत्तियाँ			
1. सावधि परिसम्पत्तियाँ	(3)	383583820.00	351839490.00
2. अन्य निवेश		0.00	0.00
3. जमा/अक्षय निधि/निवेश	(8)	499300.00	513244.00
4. चालू परिसम्पत्तियाँ, ऋण, अग्रिम आदि	(9)	8278609.00	8509962.00
5. अन्तिम शेष			
a. हाथ में रोकड़		294137.00	328976.00
b. बैंक में रोकड़		42511570.00	26498983.00
c. फैलोशिप		243196.00	214790.00
6. आशंकित लेखा		569000.00	569000.00
7. नकद		59122.00	59122.00
8. पूँजी कार्य में प्रगति	(4)	375460320.00	353828938.00
9. जी.पी.एफ. देयता		187014167.00	175340843.00
10. नयी पेंशन योजना		9975909.00	14951084.00
11. विद्यार्थी निधि		3222815.00	1578454.00
12. अक्षय निधि (गुरुवायूर)		173033.00	173033.00
13. सावधि जमा (भविष्य निधि)	(7)	17075691.00	17075691.00
14. सुरक्षा जमा (बी.एस.ई.एस.)		174065.00	174065.00
15. अन्य मद		13549.00	13549.00
कुल योग		**1029148303.00**	**951669224.00**

ह०	ह०	ह०
अनुभाग अधिकारी	उप निदेशक (वित्त)	कुलसचिव

क्रमश......

वर्ष 2011 की समेकित प्राप्ति एवं भुगतान लेखा अनुसूची

अनुसूची (1)

प्राप्तियाँ

चालू वर्ष

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	योजना रुपये	योजनेत्तर रुपये	कुल योग रुपये	पूर्व वर्ष रुपये
1	विविध प्राप्ति				
i	पत्राचार प्राप्ति	0.00	192628.00	192628.00	149445.00
ii	परीक्षा प्राप्ति	0.00	3132715.00	3132715.00	3388409.00
iii	अन्य विविध प्राप्ति	1934172.00	12328406.00	14262578.00	8373525.00
iv	सा. भविष्य निधि लेखा से स्थानान्तरित ब्याज	0.00	0.00	0.00	20815998.00
v	पू.शि.शा.परीक्षा प्राप्ति	0.00	3233805.00	3233805.00	1192055.00
vi	संस्थान प्रकाशन	0.00	1937392.00	1937392.00	1506797.00
vii	मंत्रालय प्रकाशन	477973.00	0.00	477973.00	407995.00
viii	अवकाश वेतन एवं पी.सी.	314160.00	491041.00	805201.00	722377.00
ix	अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा	1102744.00	0.00	1102744.00	1416847.00
x	ज्ञान दर्शन/संस्कृत नेट	241761.00	0.00	241761.00	132780.00
xi	पुस्तकालय	0.00	0.00	0.00	67.00
xii	एम.एस.एस. संग्रह	0.00	0.00	0.00	0.00
xiii	अन्य स्रोतों से प्राप्ति	0.00	0.00	0.00	801315.00
xiv	के.लो.नि.विभाग से वापसी	0.00	0.00	0.00	37608.00
xv	डोयक सोसाइटी	45401.00	0.00	45401.00	0.00
xvi	सा.भ.नि. से मुख्य लेखा में हस्तान्तरित ब्याज	184439.00	1834738.00	2019177.00	0.00
	कुल योग	**4300650.00**	**23150725.00**	**27451375.00**	**38945218.00**
	अक्षय निधि				
	i. सावधि जमा (दूबे पुरस्कार) पर ब्याज	0.00	0.00	0.00	542.00
	ii. सावधि जमा (जिन्दल न्यास) पर ब्याज	0.00	0.00	0.00	13402.00
	iii. सावधि जमा (सोमया न्यास) पर ब्याज	0.00	14125.00	14125.00	36974.00
	iv सावधि जमा (शुक्ल पुरस्कार) पर ब्याज	0.00	572.00	572.00	0.00
	कुल योग	**0.00**	**14697.00**	**14697.00**	**50918.00**
2	प्रेषित राशि				
	i आयकर	3780246.00	14176865.00	17957111.00	34970082.00
	ii सा. भविष्य निधि	3505173.00	34886570.00	38391743.00	37764923.00
	iii नयी पेंशन योजना	1619926.00	5039045.00	6658971.00	3685841.00
	iv सामूहिक बीमा योजना	167808.00	493208.00	661016.00	873931.00
	v जी.आई. किश्त	23602.00	2088861.00	2112463.00	0.00
	vi अन्य विभागों को प्रेषित राशि	3727689.00	8432060.00	12159749.00	12010791.00

क्रमश......

संलग्नक-ठ (क्रमश.........)

अनुसूची (1)

	vii. जीवन बीमा निगम (वेतन योजना)	0.00	540964.00	540964.00	1486838.00
	viii. मीयादि जमा (पो.आ.)	0.00	130500.00	130500.00	213900.00
	ix. टी.डी.एस.	4243.00	349955.00	354198.00	294023.00
	x. छात्र कोष	0.00	98000.00	98000.00	75600.00
	xi. सुरक्षा राशि की वापसी	0.00	0.00	0.00	0.00
	xii. जीवन बीमा निगम	0.00	0.00	0.00	125294.00
	xiii. डाक जीवन बीमा	0.00	134033.00	134033.00	146355.00
	xiv. अर्जित राशि एवं जमा	0.00	68800.00	68800.00	71800.00
	xvi. जीवन बीमा निगम (किस्त)	0.00	0.00	0.00	1117371.00
	xvii. अंशदायी भविष्य निधि	0.00	0.00	0.00	824275.00
	xviii. व्यवसायिक कर	0.00	0.00	0.00	399970.00
	xviv. पुस्तकालय जमानती रकम	0.00	0.00	0.00	28800.00
	कुल योग	**12828687.00**	**66438861.00**	**79267548.00**	**94089794.00**
3	**सावधि जमा**				
	i. सावधि जमा समायोजन	0.00	0.00	0.00	0.00
	ii. सावधि जमा (जिंदल न्यास)	0.00	161628.00	161628.00	148226.00
	iii. सावधि जमा (दूबे पुरस्कार)	0.00	6542.00	6542.00	6000.00
	iv. सावधि जमा (सोमैया न्यास)	0.00	0.00	0.00	255000.00
	v. सावधि जमा भविष्य निधि	0.00	0.00	0.00	0.00
	कुल योग	**0.00**	**168170.00**	**168170.00**	**409226.00**
4	**अग्रिम लेखा**				
	i. अवकाश यात्रा भत्ता	413400.00	1330900.00	1744300.00	680635.00
	ii. यात्रा भत्ता	1200700.00	3044830.00	4245530.00	2389000.00
	iii. त्यौहार	53700.00	353100.00	406800.00	370600.00
	iv. वाहन	90281.00	1220930.00	1311211.00	965187.00
	v. आकस्मिक	1123650.00	5110316.00	6233966.00	6602838.00
	vi. गृह निर्माण अग्रिम	0.00	551090.00	551090.00	442746.00
	vii. चिकित्सा	0.00	190000.00	190000.00	81820.00
	viii संगणक	91019.00	518967.00	609986.00	522196.00
	ix. पंखा	0.00	0.00	0.00	0.00
	x. परीक्षा	0.00	0.00	0.00	0.00
	कुल योग	**2972750.00**	**12320133.00**	**15292883.00**	**12055022.00**
5	आशंकित				
	गवन राशि (बैंक)				569000.00
	गबन राशि (नगद)				59122.00
	कुल योग	**20102087.00**	**102092586.00**	**122194673.00**	**146178300.00**

ह०	ह०	ह०
अनुभाग अधिकारी	**उप निदेशक (वित्त)**	**कुलसचिव**

क्रमश......

वर्ष 2010-2011 की समेकित प्राप्ति एवं भुगतान लेखा अनुसूची

भुगतान | चालू वर्ष | अनुसूची (2)

क्र.सं.		योजना	योजनेत्तर	कुल योग	पूर्व वर्ष
	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
1	स्थापना व्यय				
	i. वेतन एवं भत्ता	58139532.00	210388882.00	268528414.00	291583126.00
	ii. चिकित्सा व्यय पूर्ति	235902.00	3770686.00	4006588.00	2173412.00
	iii. सेवा निवृत्ति लाभ				
	a. पेंशन/पेंशन कमिटमेंट	1490512.00	26269180.00	27759692.00	32235672.00
	b. ग्रेच्युटी	1000000.00	7934750.00	8934750.00	7547335.00
	c. अवकाश का नगदीकरण	947696.00	4001688.00	4949384.00	3971253.00
	iv. अवकाश वेतन एवं पेंशन अंशदान	9391.00	0.00	9391.00	623099.00
	v. सा. भविष्य निधि अंशदान पर ब्याज	1368372.00	4104343.00	5472715.00	3366064.00
	vi. भविष्य निधि पर अंशदान	240764.00	0.00	240764.00	175184.00
	vii. नई पेंशन योजना पर संस्थान का हिस्सा	1789833.00	2318229.00	4108062.00	3612059.00
	viii. नई पेंशन योजना पर ब्याज	0.00	0.00	0.00	138938.00
	ix. पेंशन निधि	0.00	0.00	0.00	0.00
	x. अंशदायी भविष्य निधि (परिसर)	0	0.00	0.00	764919.00
	कुल योग	**65222002.00**	**258787758.00**	**324009760.00**	**346191061.00**
2	प्रशासनिक व्यय				
	i. किराया दर एवं कर	1174643.00	1070549.00	2245192.00	3561466.00
	ii. मरम्मत एवं रख रखाव	349105.00	3146670.00	3495775.00	3632979.00
	iii. पोस्ट एवं टेलिग्राफ	97978.00	1415795.00	1513773.00	1504316.00
	iv. दूरभाष	145337.00	876214.00	1021551.00	967849.00
	v. यात्रा भत्ता एवं महंगाई भत्ता	2236066.00	6628820.00	8864886.00	7799929.00
	vi. विज्ञापन	105112.00	3249288.00	3354400.00	2236706.00
	vii. स्टेशनरी एवं मुद्रण	404686.00	1765460.00	2170146.00	3136133.00
	viii. लेखा परीक्षा शुल्क	21820.00	401846.00	423666.00	611815.00
	ix. जल एवं विद्युत	956140.00	4169223.00	5125363.00	3612396.00
	x. विविध अंशदान	3476997.00	20153804.00	23630801.00	26050090.00
	xi. परीक्षा अंशदान	160144.00	6328740.00	6488884.00	6071708.00
	xii. पत्राचार अंशदान	0.00	289146.00	289146.00	413693.00
	xiii. वर्दियां	1782.00	33525.00	35307.00	82247.00
	xiv. विधिक व्यय	67978.00	1216740.00	1284718.00	329421.00
	xv. स्टॉफ कार व्यय	27999.00	911983.00	939982.00	518701.00
	xvi. पृ.शि.शा. परीक्षा	31069.00	1107590.00	1138659.00	689555.00
	xvii. संगणक शिक्षा	813434.00	89526.00	902960.00	529476.00

क्रमश......

अनुसूची (2)

	xviii. कार्यशाला/संगोष्ठी	415656.00	0.00	415656.00	48000.00
	xix. वसंतोत्सव/कौमुदीमहोत्सव	1884352.00	0.00	1884352.00	1886293.00
	xx. दीक्षान्त समारोह/वार्षिक समारोह	281257.00	523851.00	805108.00	2795245.00
	xxi. विश्व संस्कृत सम्मेलन	2993953.00	0.00	2993953.00	4958527.00
	xxii. युवा महोत्सव	2862356.00	0.00	2862356.00	2000232.00
	xxiii. कवि भास्करी	273549.00	0.00	273549.00	327572.00
	xxiv. कवि सम्मेलन	0.00	0.00	0.00	0.00
	xxv. कन्टेंट जेनरेशन	0.00	0.00	0.00	0.00
	xxvi. दूरस्थ शिक्षा	2422575.00	0.00	2422575.00	539209.00
	xxvii. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा	15310488.00	0.00	15310488.00	26595500.00
	xxviii. सी.डी.ए.सी. परियोजना	0.00	0.00	0.00	674939.00
	xxix. मल्टीमीडिया परियोजना	0.00	0.00	0.00	2570130.00
	xxx. शोध प्राविधि	0.00	0.00	0.00	500000.00
	xxxi. ज्ञान दर्शन	4937083.00	0.00	4937083.00	1114422.00
	xxxii. ई-बुक लेखा	2554046.00	0.00	2554046.00	433080.00
	xxxiii. पालि एवं प्राकृत	5691683.00	0.00	5691683.00	5166294.00
	xxxiv. अखिल भारतीय नाट्य महोत्सव	610771.00	0.00	610771.00	0.00
	xxxx. परियोजना (हू इज हू/साहित्य)	0.00	0.00	0.00	173434.00
	xxxxi. पूर्व वर्ष का भुगतान	0.00	0.00	0.00	1117215.00
	योग	**50308059.00**	**53378770.00**	**103686829.00**	**112648572.00**
	अक्षय निधि				
	i. विद्यार्थी पुरस्कार (टी. सौमय्या)	0.00	0.00	0.00	0.00
	ii. विद्यार्थी पुरस्कार (जिन्दल न्यास)	0.00	0.00	0.00	0.00
	iii. विद्यार्थी पुरस्कार (दूबे पुरस्कार)	0.00	0.00	0.00	0.00
	योग	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**
3	योजनाएँ				
	i. शास्त्र चूड़ामणि	2362500.00	0.00	2362500.00	2898575.00
	ii. विशेष ओरिएंटेशन कोर्स	660600.00	0.00	660600.00	7800.00
	iii. संस्कृत पुस्तकों का क्रय	627457.00	0.00	627457.00	6529333.00
	iv. संस्कृत पुस्तकों का पुनर्मुद्रण	790642.00	0.00	790642.00	0.00
	v. संस्कृत साहित्य की वृद्धि/संवर्धन	1306738.00	0.00	1306738.00	1730607.00
	vi. डेक्कन कॉलेज पूना	3165000.00	0.00	3165000.00	2956000.00
	vii. राष्ट्रपति सम्मान	15794053.00	6008647.00	21802700.00	28526830.00
	viii. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	128260000.00	63440620.00	191700620.00	87410535.00
	ix. छात्रवृत्ति	34779518.00	5,969,939.00	40749457.00	69164619.00
	x. स्वैच्छिक संस्कृत संगठन	73511828.00	0.00	73511828.00	103602907.00
	xi. अखिल भारतीय प्रतियोगिता	2808492.00	0.00	2808492.00	1348227.00
	xii. उत्तर पूर्वी राज्य	29122332.00	0.00	29122332.00	10094654.00
	xiii. एन.जी.ओ./एन.जी.ओ. विश्वविद्यालय	9340223.00	0.00	9340223.00	10831493.00
	xiv. आधुनिक शिक्षक को अनुदान	7431000.00	0.00	7431000.00	10048000.00

क्रमश......

संलग्नक-ठ (क्रमश.........)

अनुसूची (2)

	xv. वरिष्ठ माध्यमिक/उच्च विद्यालय को अनुदान	648000.00	0.00	648000.00	2143118.00
	xvi. कनिष्ठ शोध छात्रवृत्ति	1974543.00	0.00	1974543.00	717500.00
	xvii. सम्मान राशि	6748851.00	0.00	6748851.00	7241680.00
	xviii. इन्दिरा गांधी पी.जी.	40000.00	0.00	40000.00	40000.00
	xix. अखिल भारतीय प्राच्य संगोष्ठी पूना	0.00	0.00	0.00	0.00
	xx. उर्दू संस्कृत परियोजना	32000.00	0.00	32000.00	0.00
	xxi. नैक/आर.जी.सी. शुल्क	270000.00	0.00	270000.00	0.00
	xxii. पण्डित परिषद	250330.00	0.00	250330.00	0.00
	xxiii. डी.ई.ओ./ई. ग्रन्थालय	0.00	0.00	0.00	666868.00
	योग	**319924107.00**	**75419206.00**	**395343313.00**	**345958746.00**
4	**प्रेषित राशि**				
	i. आयकर	3780453.00	14176865.00	17957318.00	34969875.00
	ii. सा. भविष्य निधि	3505173.00	34886570.00	38391743.00	37764923.00
	iii. नई पेंशन योजना	1619926.00	5039045.00	6658971.00	3277911.00
	iv. समूह बीमा योजना	149393.00	472015.00	621408.00	791634.00
	v. समूह बीमा किस्त	23602.00	2008128.00	2031730.00	0.00
	vi. अन्य विभागों को प्रेषित राशि	3671003.00	8145660.00	11816663.00	11725849.00
	vii. जीवन बीमा निगम (वेतन योजना)	0.00	540964.00	540964.00	1540176.00
	viii. आर.डी. (पी. ओ.)	0.00	130500.00	130500.00	213900.00
	ix. टी.डी.एस.	4243.00	349955.00	354198.00	299598.00
	x. अर्जित राशि एवं सावधि जमा	0.00	35080.00	35080.00	70000.00
	xi. पुस्तकालय जमानत रकम	0.00	0.00	0.00	22200.00
	xii. छात्र कोप	0.00	73700.00	73700.00	75200.00
	xiii. जीवन बीमा निगम	0.00	0.00	0.00	125294.00
	xiv. पी.एल.आई.	0.00	134033.00	134033.00	146355.00
	xv. जीवन बीमा निगम (किस्त)	0.00	0.00	0.00	802586.00
	xvi. अंशदायी भविष्य निधि	0.00	0.00	0.00	824275.00
	xvii. व्यवसायिक कर	0.00	0.00	0.00	399970.00
	योग	**12753793.00**	**65992515.00**	**78746308.00**	**93049746.00**
5	**पूँजीगत व्यय**				
	i. भवन निर्माण कार्य (प्रगति पर)	62871432.00	0.00	62871432.00	80045247.00
	ii. फर्नीचर एवं फिक्सचर	2507210.00	1280148.00	3787358.00	9321836.00
	iii. मशीनरी एवं उपकरण	1262182.00	1422143.00	2684325.00	5156412.00
	iv. पुस्तकालीय पुस्तकें	913794.00	646451.00	1560245.00	509894.00
	v. प्रकाशन	34200.00	4040297.00	4074497.00	1549534.00
	vi. प्रयोगशाला यन्त्र	0.00	0.00	0.00	0.00
	vii. कार	705701.00	0.00	705701.00	0.00
	viii. संगणक	0.00	305944.00	305944.00	0.00
	योग	**68294519.00**	**7694983.00**	**75989502.00**	**96582923.00**

क्रमश......

अनुसूची (2)

6	सावधि जमा				
	i. सावधि जमा क्रय	0.00	0.00	0.00	6542.00
	ii. सावधि जमा (जिन्दल न्यास)	0.00	148226.00	148226.00	161628.00
	iii. सावधि जमा (दूबे पुरस्कार)	0.00	6000.00	6000.00	5000.00
	iv. सावधि जमा (सोमैया न्यास)	0.00	0.00	0.00	286974.00
	v. सावधि जमा (भविष्य निधि)	0.00	0.00	0.00	0.00
	योग	**0.00**	**154226.00**	**154226.00**	**460144.00**
7	अग्रिम लेखा				
	i. अवकाश यात्रा भत्ता	413400.00	1318200.00	1731600.00	587360.00
	ii. यात्रा भत्ता	1375700.00	3294830.00	4670530.00	2262300.00
	iii. त्योहार	51000.00	336000.00	387000.00	414000.00
	iv. साधन	90000.00	1314000.00	1404000.00	568000.00
	v. आकस्मिक	1123650.00	5045305.00	6168955.00	6256054.00
	vi. चिकित्सा	0.00	200000.00	200000.00	61820.00
	vii. अग्रिम गृह निर्माण	0.00	0.00	0.00	0.00
	viii. संगणक	141445.00	358000.00	499445.00	560900.00
	ix. स्कूटर/कार	0.00	0.00	0.00	281400.00
	योग	**3195195.00**	**11866335.00**	**15061530.00**	**10991834.00**
8	आशंकित				
	गबन राशि (बैंक)				569000.00
	गबन राशि (नगद)				59122.00
9	अन्तिम शेष				
	i. हाथ में रोकड़	14472.00	279665.00	294137.00	328976.00
	बैंक शेष				
	i. बचत खाता	26299631.00	16211939.00	42511570.00	26498983.00
	ii. फैलोशिप	243196.00	0.00	243196.00	214790.00
	कुल योग	**546254974.00**	**489785397.00**	**1036040371.00**	**1033553897.00**

ह०	ह०	ह०
अनुभाग अधिकारी	उप निदेशक (वित्त)	कुलसचिव

क्रमश......

संलग्नक-ठ (क्रमश.........)

अनुसूची (1 ए)

आय एवं व्यय की अनुसूची

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	योजना	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष
		रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
1	विविध प्राप्तियाँ				
i	पत्राचार कोर्स से प्राप्ति	0.00	192628.00	192628.00	149445.00
ii	परीक्षा से प्राप्ति	0.00	3132715.00	3132715.00	3388409.00
iii	अन्य विविध प्राप्ति	1934172.00	12328406.00	14262578.00	8373525.00
iv	स.भा.नि. से लेखा से ब्याज स्थानान्तरित	0.00	0.00	0.00	20815998.00
v	पू.शि.शा. परीक्षा से प्राप्ति	0.00	3233805.00	3233805.00	1192055.00
vi	संस्थान प्रकाशन	0.00	1937392.00	1937392.00	1506797.00
vii	मंत्रालय प्रकाशन	477973.00	0.00	477973.00	407995.00
viii	अवकाश वेतन एवं पी.सी.	314160.00	491041.00	805201.00	722377.00
ix	अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण	1102744.00	0.00	1102744.00	1416847.00
x	ज्ञानदर्शन / संस्कृत नेट	241761.00	0.00	241761.00	132780.00
xi	पुस्तकालय	0.00	0.00	0.00	67.00
xii	पाण्डुलिपि संग्रह	0.00	0.00	0.00	0.00
xiii	अन्य स्रोतों से प्राप्ति	0.00	0.00	0.00	801315.00
xiv	के.लो.नि. विभाग (जी) से वापसी	0.00	0.00	0.00	37608.00
xv	डोएक सोसाइटी	45401.00	0.00	45401.00	0.00
xvi	स.भा.नि. से मुख्य लेखा में ब्याज स्थानान्तरित	184439.00	1834738.00	2019177.00	0.00
	योग	**4300650.00**	**23150725.00**	**27451375.00**	**38945218.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश......

आय एवं व्यय की अनुसूची

अनुसूची (2 ए)

क्र.सं.		योजना	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष
	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
1	स्थापना व्यय				
	i. वेतन एवं भत्ते	58139532.00	210388882.00	268528414.00	291583126.00
	ii. चिकित्सा प्रतिपूर्ति	235902.00	3770686.00	4006588.00	2173412.00
	iii. सेवा निवृत्तिक लाभ				
	a. पेंशन/परिवर्तित पेंशन	1490512.00	26269180.00	27759692.00	32235672.00
	b. उपदान / ग्रेच्यूटी	1000000.00	7934750.00	8934750.00	7547335.00
	c. अवकाश का नगदीकरण	947696.00	4001688.00	4949384.00	3971253.00
	iv. अवकाश एवं पेंशन अंशदान	9391.00	0.00	9391.00	623099.00
	v. स.मा.नि.पर ब्याज	1368372.00	4104343.00	5472715.00	3366064.00
	vi. भविष्य निधि पर अंशदान	240764.00	0.00	240764.00	175184.00
	vii. नई पेंशन योजना पर संस्थान का भाग	1789833.00	2318229.00	4108062.00	3612059.00
	viii. नई पेंशन योजना अंशदान पर ब्याज	0.00	0.00	0.00	138938.00
	ix. पेंशन निधि	0.00	0.00	0.00	0.00
	x. सी.पी.एफ. (परिसर)	0	0.00	0.00	764919.00
	योग	**65222002.00**	**258787758.00**	**324009760.00**	**346191061.00**
2	प्रशासनिक व्यय				
	i. किराया दर एवं कर	1174643.00	1070549.00	2245192.00	3561466.00
	ii. मरम्मत एवं रख रखाव	349105.00	3146670.00	3495775.00	3632979.00
	iii. पोस्ट एवं टेलिग्राफ	97978.00	1415795.00	1513773.00	1504316.00
	iv. दूरभाष	145337.00	876214.00	1021551.00	967849.00
	v. यात्रा भत्ता एवं महंगाई भत्ता	2236066.00	6628820.00	8864886.00	7799929.00
	vi. विज्ञापन	105112.00	3249288.00	3354400.00	2236706.00
	vii. स्टेशनरी एवं विज्ञापन	404686.00	1765460.00	2170146.00	3136133.00
	viii. लेखा परीक्षण शुल्क	21820.00	401846.00	423666.00	611815.00
	ix. जल एवं विद्युत	956140.00	4169223.00	5125363.00	3612396.00
	x. विविध व्यय	3476997.00	20153804.00	23630801.00	26050090.00
	xi. परीक्षा व्यय	160144.00	6328740.00	6488884.00	6071708.00
	xii. पत्राचार कोर्स व्यय	0.00	289146.00	289146.00	413693.00
	xiii. वर्दियां	1782.00	33525.00	35307.00	82247.00
	xiv. विधिक व्यय	67978.00	1216740.00	1284718.00	329421.00
	xv. स्टाफ कार व्यय	27999.00	911983.00	939982.00	518701.00
	xvi. पू.शि.शा. परीक्षा	31069.00	1107590.00	1138659.00	689555.00
	xvii. संगणक शिक्षा	813434.00	89526.00	902960.00	529476.00
	xviii. कार्यशाला / सम्मेलन	415656.00	0.00	415656.00	48000.00
	xix. वसंतोत्सव / कौमुदीमहोत्सव	1884352.00	0.00	1884352.00	1886293.00

क्रमश......

अनुसूची (2 ए)

	xx.	वार्षिक दीक्षांत समारोह	281257.00	523851.00	805108.00	2795245.00
	xxi.	विश्व संस्कृत सम्मेलन	2993953.00	0.00	2993953.00	4958527.00
	xxii.	युवा महोत्सव	2862356.00	0.00	2862356.00	2000232.00
	xxiii.	कवि भास्करी	273549.00	0.00	273549.00	327572.00
	xxiv.	कवि सम्मेलन	0.00	0.00	0.00	0.00
	xxv.	कन्टेंट जनरेशन	0.00	0.00	0.00	0.00
	xxvi.	दूरस्थ शिक्षा	2422575.00	0.00	2422575.00	539209.00
	xxvii.	अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा	15310488.00	0.00	15310488.00	26595500.00
	xxviii.	सीडैक परियोजना	0.00	0.00	0.00	674939.00
	xxix.	मल्टीमीडिया परियोजना	0.00	0.00	0.00	2570130.00
	xxx.	शोध प्राविधि	0.00	0.00	0.00	500000.00
	xxxi.	ज्ञान दर्शन	4937083.00	0.00	4937083.00	1114422.00
	xxxii.	ई-बुक लेखा	2554046.00	0.00	2554046.00	433080.00
	xxxiii.	पालि एवं प्राकृत	5691683.00	0.00	5691683.00	5166294.00
	xxxiv.	अखिल भारतीय नाट्यमहोत्सव	610771.00	0.00	610771.00	0.00
	xxxx.	परियोजना (हू इज हू / साहित्य)	0.00	0.00	0.00	173434.00
	xxxxi.	पूर्व वर्ष का भुगतान	0.00	0.00	0.00	1117215.00
		योग	**50308059.00**	**53378770.00**	**103686829.00**	**112648572.00**
3		**योजनाएँ**				
	i.	शास्त्र चूड़ामणि	2362500.00	0.00	2362500.00	2898575.00
	ii.	विशेष प्राच्य पाठ्यक्रम	660600.00	0.00	660600.00	7800.00
	iii.	संस्कृत पुस्तकों का क्रय	627457.00	0.00	627457.00	6529333.00
	v.	संस्कृत साहित्य का संवर्धन	1306738.00	0.00	1306738.00	1730607.00
	vi.	डेकन कालेज पूना	3165000.00	0.00	3165000.00	2956000.00
	vii.	राष्ट्रपति पुरस्कार	15794053.00	6008647.00	21802700.00	28526830.00
	viii.	आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	128260000.00	63440620.00	191700620.00	87410535.00
	ix.	छात्रवृत्ति	34779518.00	5,969,939.00	40749457.00	69164619.00
	x.	स्वैच्छिक संस्कृत संगठन	73511828.00	0.00	73511828.00	103602907.00
	xi.	अखिल भारतीय शास्त्रीय वाकस्पर्धा	2808492.00	0.00	2808492.00	1348227.00
	xii.	उत्तर पूर्वी राज्य	29122332.00	0.00	29122332.00	10094654.00
	xiii.	एन.जी.ओ./एन.जी.ओ. विश्वविद्यालय	9340223.00	0.00	9340223.00	10831493.00
	xiv.	आधुनिक शिक्षक अनुदान	7431000.00	0.00	7431000.00	10048000.00
	xv.	वरिष्ठ माध्यमिक/उच्च विद्यालय को अनुदान	648000.00	0.00	648000.00	2143118.00
	xix.	अखिल भारतीय प्राच्य संगोष्ठी, पूना	0.00	0.00	0.00	0.00
	xx.	उर्दू संस्कृत परियोजना	32000.00	0.00	32000.00	0.00
	xxi.	नैक / आर.जी.सी. शुल्क	270000.00	0.00	270000.00	0.00
	xxii.	पण्डित परिषद	250330.00	0.00	250330.00	0.00
	xxiii.	डी.ई.ओ. / ई.-ग्रन्थालय	0.00	0.00	0.00	666868.00
		योग	**310370071.00**	**75419206.00**	**385789277.00**	**337959566.00**

ह०	ह०	ह०
अनुभाग अधिकारी	उप निदेशक (वित्त)	कुलसचिव

क्रमश......

अनुसूची 3

सावधि परिसम्पत्तियाँ एवं मूल्य ह्रास चार्ट	ओ.बी.	क्रय	क्रय	विक्रय	योग	मूल्य ह्रास			31 मार्च तक वर्तमान मूल्य
		सितम्बर तक	सितम्बर के बाद			ओ.बी. पर मूल्य ह्रास	सित. मास तक क्रय पर मूल्य ह्रास	सित. के बाद क्रय पर मूल्य ह्रास	
भूमि									
भवन	262653033.00	0.00	42154797.00	0.00	304807830.00	13132652.00	0.00	1053870.00	290621308.00
मशीनरी एवं उपकरण									
a. जेनरेटर	20197232.00	0.00	2684325.00	0.00	22881557.00	3029585.00	0.00	201324.00	19650648.00
b. प्रयोगशालीय उपकरण	421042.00	0.00	0.00	0.00	421042.00	63156.00	0.00	0.00	357886.00
वाहन									
a. स्टाफ कार	1039562.00	705701.00	0.00	0.00	1745263.00	207912.00	141140.00	0.00	1396211.00
फर्नीचर	37930242.00	0.00	3787358.00	0.00	41717600.00	3793024.00	0.00	189368.00	37735208.00
a. केबीनेट/अल्मारी/रेक्स									
b. वातानूकूलर / वातानूकूलर प्लांट									
c. एयरकूलर									
d. वाटरकूलर									
e. टेवल/कुर्सियां/सोफा/कार्पेट									
f. लकड़ी का बाड़ा/अस्थायी ढांचा									
g. वाल्टेज स्टेबलाइजर/यू.पी.एस. सिस्टम									
h. अन्य वस्तुएें									
कार्यालीय उपकरण									
a. टाइपराइटर									
b. फोटोकापी/डुप्लीकेटर्स									
c. फैक्स मशीन									
कम्प्यूटर/बाह्य उपकरण	0.00	0.00	305944.00	0.00	305944.00	0.00	0.00	91783.00	214161.00
विद्युत स्थापना									
a. विद्युत मशीनरी									
b. विद्युत प्रकाश / पंखा									
c. स्विच गेयर उपकरण									
d. ट्रांसफार्मर									
e. विद्युत वाईरिंग एवं फिटिंग									
सभी पुस्तकालीय पुस्तकें	16880403.00	0.00	1560245.00	0.00	18440648.00	0.00	0.00	0.00	18440648.00
प्रकाशन	6476748.00	4074497.00	0.00	1937392.00	8613853.00	0.00	0.00	0.00	8613853.00
a. मंत्रालय प्रकाशन									
b. संस्थान प्रकाशन									
संस्कृत पुस्तक (पुनर्मुद्रण) का क्रय	6241228.00	790642.00	0.00	477973.00	6553897.00	0.00	0.00	0.00	6553897.00
कुल योग	351839490.00	5570840.00	50492669.00	2415365.00	405487634.00	20226329.00	141140.00	1536345.00	383583820.00
* वर्ष 2010-11 में कुल मूल्य ह्रास	21903814.00 *								

ह०
अनुभाग अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश......

अनुसूची 4

कार्पस/पूंजीगत निधि की अनुसूची		चालू वर्ष		
		संयोजन	अंश.	
प्रारंभिक रोकड़	392919495.00	42154797.00	2415365.00	432658927.00
आय से अधिक व्यय	-3469341.00	76861695.00	0.00	73392354.00
कम सावधि जमा (भविष्य निधि)	0.00	0.00	15000000.00	-15000000.00
के.लो.नि.विभाग का जमा	353828938.00	0.00	41240050.00	312588888.00
				803640169.00

अनुसूची 5

चिह्नित अनुसूची / अक्षय निधि (दान)	योजना	योजनेत्तर	योग
जिन्दल न्यास (आदि शेष)		161628.00	
जोड़ (ब्याज)		14631.00	
कम उपभोग / व्यय		0.00	
योग			**176259.00**
दूबे पुरस्कार (आदि शेष)		6542.00	
जोड़ (ब्याज)		1574.00	
कम उपभोग / व्यय		0.00	
योग			**8116.00**
सोमैया न्यास (आदि शेष)		286974.00	
जोड़ (ब्याज)		33429.00	
कम उपभोग / व्यय		0.00	
योग			**320403.00**
शुक्ल न्यास (आदि शेष)		5000.00	
जोड़ (ब्याज)		0.00	
कम उपभोग / व्यय		0.00	
योग			**5000.00**
		509778.00	**509778.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश......

संलग्नक-ठ (क्रमश.........)

अनुसूची 6

वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान की अनुसूची	ओ.बी.	चालू वर्ष		योग
		संयोजन	अंश.	
समूह बीमा योजना	213830.00	661016.00	621408.00	253438.00
जी.आई. प्रीमियम	112954.00	2112463.00	2031730.00	193687.00
अन्य परिसर/विभागों से प्रेषित राशि	1128005.00	12159749.00	11816663.00	1471091.00
यू.जी.सी. जे.आर.एफ./एस.एम.एफ. फैलोशिप	214790.00	2002949.00	1974543.00	243196.00
अन्य निधियों से निवेश				
अर्जित राशि एवं एस. जमा	26615.00	68800.00	35080.00	60335.00
पुस्तकालय जमानत राशि	189557.00	0.00	0.00	189557.00
छात्र कोष	110800.00	98000.00	73700.00	135100.00
आयकर	407.00	17957111.00	17957318.00	200.00
सम्मान राशि	11289670.00	0.00	6748851.00	4540819.00
जीवन बीमा निगम (वेतन योजना)	-53338.00	540964.00	540964.00	-53338.00
नई पेंशन योजना	407930.00	0.00	0.00	407930.00
आई.जी.पी.जी. छात्र वृत्ति	40000.00	0.00	40000.00	0.00
टी.डी.एस.	-5575.00	354198.00	354198.00	-5575.00
	13675645.00	**35955250.00**	**42194455.00**	**7436440.00**

अनुसूची 7

सावधि जमा / भविष्य निधि की अनुसूची	ओ.बी.	चालू वर्ष		योग
		संयोजन	अंश.	
सावधि जमा (भविष्य निधि)	2075691.00	15000000.00	0.00	17075691.00
	2075691.00	**15000000.00**	**0.00**	**17075691.00**

अनुसूची 8

जमा राशि की अनुसूची / अक्षय निधि / निवेश	
डी.ए.वी.पी. के साथ जमा	53100.00
अक्षय निधि / निवेश (जिन्दल न्यास)	148226.00
आचार्य के विद्यार्थियों को तमगा (दूबे पुरस्कार)	6000.00
अक्षय निधि / निवेश (सोमैया न्यास)	286974.00
अक्षय निधि / निवेश (शुक्ल पुरस्कार)	5000.00
योग	**499300.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश......

अनुसूची 9

वर्तमान परिसम्पत्तियां, ऋण, अग्रिम (पेशगी) आदि की अनुसूची	ओ.बी.	चालू वर्ष		योग
		संयोजन	अंश.	
अन्य निधियों से निवेश				
वर्तमान परिसम्पत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि				
i. यू.जी.सी./जे.आर.एफ./एस.आर.एफ. (व्यय रहित)				
ii. अग्रिम अंशदान (शेष मूल राशि)	-205232.00	6168955.00	6233966.00	-270243.00
iii. अवकाश यात्रा भत्ता पेशगी (शेष मूल राशि)	83970.00	1731600.00	1744300.00	71270.00
iv. भवन निर्माण भत्ता (शेष मूल राशि)	2483000.00	0.00	551090.00	1931910.00
v. संगणक पेशगी (शेष मूल राशि)	1865829.00	499445.00	609986.00	1755288.00
vi. यात्रा भत्ता पेशगी (शेष मूल राशि)	70458.00	4670530.00	4245530.00	495458.00
vii. वाहन पेशगी (शेष मूल राशि)	3829053.00	1404000.00	1311211.00	3921842.00
viii. चिकित्सा पेशगी (शेष मूल राशि)	143394.00	200000.00	190000.00	153394.00
ix. त्योहार पेशगी (शेष मूल राशि)	239490.00	387000.00	406800.00	219690.00
	8509962.00	**15061530.00**	**15292883.00**	**8278609.00**

महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियों एवं टिप्पणी के लिए खातों पर अनुसूची

1. वर्ष 2010-11 के लिए संस्थान के वार्षिक खातों को नये स्वरूप के रूप में सी.जी.ए. द्वारा निर्धारित हैं और वर्ष 2002-03 के बाद से भारत के सी.ए.जी. द्वारा किए गए अनुमोदन पर तैयार किये गये हैं।
2. संस्थान पूरी तरह से अनुदान सहायता पर संचालित है इसलिए वित्त पोषण संगठन पर आयकर लागू नहीं है।
3. सरकारी अनुदान / सब्सिडी प्राप्ति आधार पर जिम्मेवार है।
4. कर योग्य आय नहीं होने के दृष्टव्य में यह आवश्यक माना गया है कि यहाँ आयकर अधिनियम 1961, आयकर के लिए कोई प्रावधान नही है।
5. खातों को नगदी आधार पर तैयार किया गया है (केवल 2010-11 के लिए) जहाँ कहीं भी आवश्यक हो समझा जाये।
6. अनुसूचियाँ जहाँ आवश्यक हों, सलंग्न हैं।
7. सम्पति पर आयकर अधिनियम 1961 में निर्दिष्ट दरों के अनुसार मूल्यह्रास ह्रासमान शेष पद्धति द्वारा तैयार किया गया है।
8. निर्माण कार्य केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जा रहा है।
9. यह कोई लाभप्रद संगठन नही है लेकिन मूल्यांकन के बाद देश में संस्कृत के समग्र विकास एवं सवंर्द्धन के लिए बनायी गयी है।
10. प्रत्येक वर्ष में निवेश का कार्यक्रम तैयार किया जाता है।
11. सेवानिवृत्ति लाभ भारत सरकार के नियमानुसार लागू है।
12. संस्थान के वार्षिक खातों पर वर्ष 2010-11 के लिए सक्षम प्राधिकारी अर्थात् वित्त समिति द्वारा दिनांक 29.06.2011 को अनुमोदित है।
13. गुरुवायूर परिसर के निर्माण की लागत (रु. 9,14,747/-), पुरी परिसर (रु. 17,58,550/-), और लखनऊ परिसर (रु. 3,94,81,500/-) संस्थान की भूमि एवं भवन मद में स्थायी परिसम्पत्तियों में लिया गया है, जिसका कुल मूल्य रु. **4,21,54,797/-** है।

ह०	ह०	ह०
अनुभाग अधिकारी	**उप निदेशक (वित्त)**	**कुलसचिव**

क्रमश......

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

वर्ष 2010-11 की सामान्य भविष्य निधि की समेकित प्राप्ति एवं भुगतान का लेखा विवरण

प्राप्तियाँ | भुगतान

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1	आदि शेष	17233186.00	14300862.00	1	अन्तिम भुगतान	27155322.00	25538473.00
2	स.भ.नि. से अंशदान	31092520.00	29145004.00	2	भविष्य निधि पेशगी	8663764.00	6702674.00
3	स.भ.नि. पेशगी से वसूली	8006072.00	6837555.00	3	सावधि जमा की खरीद	77508185.00	84767801.00
4	स.भ.नि. पेशगी (नगद)	83960.00	455412.00	4	अन्य परिसर को धनराशि स्थानान्तरित	12213233.00	6490244.00
5	सावधि जमा मेच्योर	65618008.00	79705779.00	5	मुख्य खाते में स.भा.नि. ब्याज स्थानान्तरित	2019177.00	18915568.00
6	सावधि जमा पर ब्याज	3596053.00	14778080.00	6	बैंक प्रभार	678.00	6739.00
7	बचत खाता पर ब्याज	2832710.00	651220.00	7	स.भा.नि. (लघु)	66157.00	0.00
8	अन्य संस्थाओं से ली गई धनराशि	9405903.00	10514414.00	8	अंशदायी को देय ब्याज	727989.00	0.00
9	संस्थान का योगदान	0.00	0.00		**नगद शेष**		
10	मुख्य खाते से भविष्य निधि ब्याज स्थानान्तरित	5472715.00	3266359.00	9	बैंक रोकड़	15714611.00	17233186.00
11	एस./ए.सी. पर टी.डी.एस. प्रमाणित ब्याज	0.00	0.00				
12	अंशदायी भविष्य निधि पर ब्याज	727989.00	0.00				
	कुल योग	**144069116.00**	**159654685.00**		कुल योग	**144069116.00**	**159654685.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश......

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

31.3.2011 तक का सामान्य भविष्य निधि का तुलन पत्र

देयताएँ					परिसम्पत्तियाँ				
क्र.सं.	लेखा शीर्ष		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1.	पूँजी निधि				1.	स.भा.नि. अग्रिम			
	पूर्व शेष	164135559.00				पूर्व शेष	11205284.00		
	वर्ष के दौरान जोड़	203616126.00				वर्ष के दौरान जोड़	8663764.00		
	एस.यू.बी. ..	193244524.00	174507161.00	164135559.00		एस.यू.बी. ..	8090032.00	11779016.00	11205284.00
2.	भविष्य निधि अग्रिम (पेशगी)				2.	सावधि जमा लेखा			
	पूर्व शेष	11205284.00				पूर्व शेष	146902373.00		
	वर्ष के दौरान जोड़	8663764.00				वर्ष के दौरान जोड़	77508185.00		
	एस.यू.बी. ..	8090032.00	11779016.00	11205284.00		एस.यू.बी. ..	65618008.00	158792550.00	146902373.00
					3.	बचत खाता			
						पूर्व शेष	17233186.00		
						वर्ष के दौरान जोड़	126107941.00		
						एस.यू.बी. ..	127626516.00	15714611.00	17233186.00
	कुल योग		186286177.00	175340843.00		कुल योग		186286177.00	175340843.00

ह०
अनुभाग अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश......

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

वर्ष 2010-11 की नई पेंशन योजना लेखा में समेकित प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियाँ						भुगतान					
क्र.सं.	लेखा शीर्ष	योजना	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	योजना	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष
1	रोकड़ शेष					1	क्रय सावधि जमा	2512650.00	436000.00	2948650.00	5025544.00
						2	अन्य परिसरों को धनराशि स्थानान्तरित	0.00	0.00	0.00	37562.00
i)	आदि शेष	1932985.00	5021973.00	6954958.00	3566533.00	3	सरकारी लेखा में ब्याज स्थानान्तरित	157181.00	5290.00	162471.00	340497.00
ii)	कर्मचारी अंशदान	1273717.00	1973822.00	3247539.00	3435750.00	4	बैंक संग्रह प्रभार	0.00	0.00	0.00	0.00
iii)	संस्थान अंशदान	1273717.00	1855660.00	3129377.00	2896117.00	5	अन्तिम भुगतान	1669930.00	0.00	1669930.00	4156.00
iv)	परिसरों के नई पेंशन योजना पर ब्याज	76085.00	241057.00	317142.00	459400.00	6	परिसरीय एफ.डब्ल्यू. को स्थानान्तरित	0.00	0.00	0.00	3992.00
v)	बचत खाता पर ब्याज	347059.00	371633.00	718692.00	379042.00	7	ग्राहक को अधिक धनराशि की वापसी	36599.00	0.00	36599.00	-5290.00
vi)	पूर्व शेष	0.00	0.00	0.00	0.00	8	नई पेंशन योजना न्यास निधि लेखा	2558320.00	8177199.00	10735519.00	0.00
vii)	अन्य परिसरों से धनराशि की प्राप्ति	0.00	12535.00	12535.00	37562.00	9	बैंक शेष	503799.00	1178414.00	1682213.00	6954958.00
viii)	सावधि जमा पूर्ण	2351080.00	300000.00	2651080.00	1575000.00						
ix)	पूर्ण सावधि जमा पर ब्याज	183836.00	0.00	183836.00	0.00						
x)	ब्याज पर अन्तर	0.00	0.00	0.00	2.00						
xi)	टी.आर.	0.00	0.00	0.00	12013.00						
xii)	पूर्व त्रुटि	0.00	20223.00	20223.00	0.00						
	कुल योग	7438479.00	9796903.00	17235382.00	12361419.00		कुल योग	7438479.00	9796903.00	17235382.00	12361419.00

ह०
अनुभाग अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश......

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

वर्ष 2010-11 हेतु नई पेंशन योजना का समेकित तुलन पत्र

देयताएँ					परिसम्पत्तियाँ				
क्र.सं.	लेखा शीर्ष		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1.	पूंजी निधि				**1.**	सावधि जमा			
i)	पूर्व शेष	14951084.00			**i)**	पूर्व शेष	7996126.00		
ii)	वर्ष के दौरान जोड़	13229074.00			**ii)**	वर्ष के दौरान जोड़	2948650.00		
iii)	एस.यू.बी. ,,	18204249.00	**9975909.00**	**14951084.00**	**iii)**	एस.यू.वी. ,,	2651080.00	**8293696.00**	**7996126.00**
					2.	बचत खाता			
					i)	पूर्व शेष	6954958.00		
					ii)	वर्ष के दौरान जोड़	10280424.00		
					iii)	एस.यू.वी. ,,	15553169.00	**1682213.00**	**6954958.00**
	कुल योग		**9975909.00**	**14951084.00**		कुल योग		**9975909.00**	**14951084.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

मुख्यालय

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

नई दिल्ली

Printed by : D.V. Printers M: 9818279798